प्रस्तावना ।

इस पंचम कलिकाल के अन्दर जैनधर्म को फैलाने वाले चर्मतीर्थंकर श्री महावीर प्रभू थे और आज भी हम उनके परूपे हुवे आगमों का आश्रय लेकर उनको पूर्ण श्रद्धा के साथ मानते हैं परन्तु इस दुखमी कालिकाल के प्रारम्भ में कई प्रचंड युद्ध और दुष्काल पड़े हैं । इस कारण से ही हमारे विद्वान् मुनि अपने जिनेन्द्र देव के परूपे हुवे आगमों का प्रचार अच्छी तरह से नहीं कर सके । परन्तु इस ब्रिटिश शान्ति प्रिय राज्य के अन्दर हम सर्व को इस सच्चे केवल-ज्ञानी के परूपे हुवे दयामय धर्म को फैलाने के वास्ते स्वतंत्र मौका मिल गया है । मनुष्य जब कोई अच्छी बात को चलाने की कोशिश करता है तो पहले उसको अनेक संकट पड़ते हैं । यदि उन संकटों की बिलकुल परवाह न करते हुए अपने कार्य को करे तो उसका कार्य शीघ्र सिद्ध हो जाता है वैसे ही हमारे तीर्थंकरों के परूपे हुवे आगमों का प्रचार करने में हमारे मुनिवर्ग के उपसर्गातिक कष्ट भी हुए है परन्तु वह बिलकुल उनकी परवाह न करते हुवे अपने सच्चे आगमों का प्रचार करते रहे हैं । और दिन पर दिन तन मन से कर रहे हैं । परन्तु पहिले की अपेक्षा अब श्रावकों में धार्मिक ज्ञान बहुत कम हैं । इसी कारण से जब कोई विद्वान् साधु वा श्रावक कोई सच्ची वार्ता का संसोधन करके दिखलावें तो उनको देखने में भी बड़ी आलस रहती है । और इसी कारण धर्म की हानी दिन पर दिन होती जारही है ॥

कई कारणों से जैन पंचांग का चलना बन्द होगया और लोगों ने अपने २ मत के अनुसार पंचांग बनाये वह प्रथा आज दिन तक चली आ रही हैं, ऐसा पुराने ग्रन्थों से मालूम होता है । देखिये सूर्यसिद्धान्त जिसको बने हुवे २१६५००० वर्ष हुवे और खगोल विद्या का ग्रन्थ है ऐसा जैनेतर मानते हैं, जिसमें लिखा हुआ है कि पहिले सायन पंचांग चलता था । दूसरा हिन्दुस्थान के अन्दर निकलता हुआ हिन्दी "सरस्वती" नाम का अखबार उस में भी इस पंचागों की निसबत

सन् १९११ फरवरी मास की सरस्वती में लिखा था उसका भी सारांश हम आपको नीचे बतलाते हैं, विसाजी रघुनाथ लेले महाशय का जन्म शाक १७४६ में हुआ था,
सत्रह अठारह वर्ष की अवस्था में विसाजी एक दिन धूप में बैठे थे। उनको उस समय सन्देह हुआ कि मकर शक्रांति के अभी बहुत * दिन हैं, परन्तु दिन अभी से
बढ़ने लगा। इसका क्या कारण है, इस प्रश्न को उन्होंने कई पंडितों और ज्योतिषियों से पूछा परन्तु किसी से सन्तोषकारक उत्तर न मिला तो उनका सन्देह
बढ़ता चला गया। तो फिर उन्होंने पूने के प्रोफेसर केरोलक्ष्मणछत्रे के साथ लिखा पढ़ी बहुत की। आखर उसने भी सायन मत सही मान लिया, और काशी के बापूदेव
शास्त्री अच्छे ज्योतिषी होगये हैं। एक पंचांग भी वे निकालते थे, विसाजी ने बापू देव को भी लिखा उन्होंने उत्तर तो कुछ न दिया, परन्तु अपने पंचांग में सायन-मत
की यथार्थता उन्होंने स्वीकार करली ॥

संयोगवश एकबार शङ्कराचार्य ग्वालियर आये। विसाजी उनकी सेवा में पहुंचे और उनको भी सायन, निरयन, वाद कह सुनाया। जब शङ्कराचार्य ने विसाजी
के मन को सब प्रकार जांच लिया और सचा पाया तब एक दिन उन्होंने सभा की सभा में लश्कर (ग्वालियर) के सारे पंडित और ज्योतिषी एकत्र हुए। बहुत वाद
विवाद के बाद लेले का ही मत सचा ठहरा। अतएव शङ्कराचार्य ने उनको सायन प्रथा के अनुसार श्राद्धादिक कर्म करने की लिखी हुई आज्ञा दे दी ॥

फिर जब लोगों का लेले ने कोई आक्षेप न छोड़ा और सब भांति उन्हों को चुप करा दिया तब धड़ाके के साथ अपने सायन मत के अनुसार सारे त्योहार
मनाने आरम्भ कर दिये। जब निरयन प्रथा के अनुसार दिवाली होती थी तब वे अपने दरवाज़े पर मोटे मोटे अक्षरों में लिख देते थे कि आज वेदोक्त दिवाली नहीं
है, जब सायन दिवाली पड़ती थी तब वे खूब धूम धाम से मानते थे। फिर विसाजी ने सायन पंचांग बनाया और उसको मराठी के अरूणोदय नामक पत्र के क्रोड़पत्र के
स्वरूप में निकलता था। उसी पंचांग की समालोचना करते समय कीलहार्न साहब ने लिखा है नीचे मुजब:—

The sankrantis put down in those (निरयन) calenders are clearly no longer what according to the pefinitions of the ancient and authoritative works thay should be. In new (सायन) calenders, the kalk and makara sankrantis of all really as they should on the longest

* २१ या २२ दिन का फरक है ॥

and shortest days of the year A Hindu who, in the perpormance of his rilgious ceremonies should allow himself to be guided by there (सायन) calenders, would at all times perporm those ceremonies at the right season

भावार्थ ।

इन निरायन पंचाङ्गों में लिखी हुई संक्रांतियां अब वैसी नहीं रही है, जैसी कि उन्हें पुरातन और सर्वमान्य ग्रन्थों की परिभाषा के अनुसार होनी चाहिये। सायन पंचाङ्ग में कर्क और मकर संक्रांतियां वस्तुतः वर्ष के सब से बड़े और सब से छोटे दिनों पर जैसे कि चाहिए पड़ती भी हैं,जो हिन्दू अपने धर्म कृत्यों के सम्बन्ध में सायन पंचाङ्ग के अनुसार कार्य करेगा वह उन का ठीक समय पर होगा। यदि हमारे पास पुराने ग्रन्थों में से खोजना करके निकाले हुवे पुराने हैं कि जिस से मालूम होता है कि सायन पंचाङ्ग ही सत्य है, अब आप सोचिये कि जिन अन्य मती लोगों के शास्त्रों को आप अल्पज्ञों के बनाये हुए कहते हो और उन्हीं को अपने परमपूज्य वा सर्वमान्य बना रक्खा है और उन्हीं के आधार से सर्व धर्म कर्म कर रहे हो तो क्या अपनी भूल नहीं है, अब सुनिये सायन और निरायन का अर्थ क्या होता है, सायान = इस का अर्थ ऐन सहित यानि ऐन बदले उसी दिन कर्क और मकर संक्रांति हो, और निरायन = का अर्थ ऐन रहित यानी ऐन तो नहीं बदलती मगर कर्क और मकर संक्रान्ति हो अर्थात् बिना ऐन, अब देखिये इस बात को तो विद्वान से लेकर मूर्ख तक समझ सकता है कि जिस पंचाङ्ग में ऐन नहीं वह सच्चा कैसे हो सकता है, परन्तु इसी ऐन रहित पचाङ्ग का प्रचार वर्तमान में विशेष करके होरहा है इस रूढ़ी को मिटाने के वास्ते हमारे परमपूज्य श्री श्री १००८ श्री सोहन लाल जी महाराज ने वीरप्रभु के फरमाये हुवे, चन्द्रपन्नति, सूर्यपन्नति, जम्बुद्वीपपन्नति, ठाणायाग समवायाग, आदि सूत्रों में जो ज्योतिष विद्या है उस में जिस तरह तिथि नक्षत्र करण, दिनमान वगैरा बतलाया है वह सर्व सायन मत के अनुसार ही मिलता है। जो निरायन मत के अनुसार धर्म कर्म होरहे हैं वह ठीक समय पर नहीं होते, इन सर्व दोषों को मिटाने के लिये जैन सूत्रों की शैली की रहस को जान कर पूरे अनुभव के साथ चातुरमास सम्वत्सरी, पक्खी, अष्टमी ठीक होजावे इस हेतु से जैन पत्रिका बनाई है यह सर्व जैनमात्र को मानने योग्य है। निरायन पंचाङ्गों से कौन २ से सूत्र विरुद्ध बात है सो आप को बतलाते है।

(१) चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्र वा आसोज, इतने लौंद (अधिक) मास पड़ते हैं अन्य मत में।

(२) नक्षत्र २७ पत्री में लगाते हैं।

(३) एक तिथी को ज्यादे से ज्यादे ६६ घड़ी की और कम से कम ५४ घड़ी की मानते हैं और उन के ब्रह्म विलास में २४ घंटे से न्युन तिथि लिखी है।

(४) जब दिन बढ़ जाने का भय होजावे तो एक दिन सूर्य को खड़ा कर देते हैं और घंटे मिनट जो लगाते हैं वहां पर तो कई दिन तक घटाते बढ़ाते ही नहीं हैं।

(५) कभी २ दो तिथि घटा कर १३ दिन का पक्ष और कभी १६ दिन का कर देते हैं इसी वास्ते जैन और अन्यमत की तिथि का वा घड़ी पलों का फरक रहता है दिनमान कभी १ पल २, ३, ४, ५, ६ तक घटा बढ़ा देते हैं जैन में ४ भाग ६१ या घटाते बढ़ाते हैं।

(१) जैन आगमों में तो केवल पौष और आषाढ़ ही अधिक मास कहे हैं।

(२) जैन शास्त्रों में नक्षत्र २८ माने गये हैं पक्ष १५ या कभी १४ दिन का माना है॥

(३) जैन शास्त्रों में तिथि को ५६ घड़ी जाजेरी मानी है इत्यादि अनेक कारण हैं एक और भी बतला देते हैं कि जितने निरायन पंचाङ्ग अब हिन्दुस्थान में चलते हैं वह एक दूसरे के साथ नहीं मिलते, और जिस प्रकार से वे शुभाशुभफलादेश बतलाते हैं, वह भी बहुत कम मिलता है इस लिये विचारशील विद्वान् पुरुष व स्त्रियों का धर्म है कि अपने हित अहित का अवश्य विचार करें॥

निरायन पंचाङ्ग के जरिये से चातुर्मास पांच महीने का होता है और पखीयें बराबर नहीं होतीं और छमच्छरी का झगड़ा ही रहता है इत्यादि जो फर्क होरहे हैं उस का सिर्फ कारण यही है कि सायन पंचाङ्ग की मौजूदगी नहीं इसी वास्ते पुनः जैन बन्धुओं से निवेदन है कि अपने आगमों के प्रतिकूल जितनी बातें होरही हैं उन को

छोड़ कर अनुकूल कार्य करें। और इस तिथि पत्रा का इस पंचमकाल में कितनेक अरसे से अभाव था जिस को मिटाने के कारण अहमदनगर निवासी श्रावक रायचन्द्र जी ने पंचाङ्ग बना वा छपवा के मिटा दिया था परन्तु उस में कईएक अशुद्धियां रह गई थीं जिन को संशोधन करने के वास्ते बहुत से सूत्रों के पाठ देखकर उनके अनुसार उसको संसोधन करके अब यह तिथिपत्रिका त्यार किया गया है। और जो इस में वार लगाये गये हैं सो उन वारों का जिक्र न तो जैन सूत्रों में ही है और नाहीं किसी अन्य प्राचीन ग्रन्थों में ही है क्योंकि विक्रम सम्वत् १९६० के साल का छपा *हुवा सूर्य सिद्धांत के पृष्ठ ११७ में लिखा है कि—प्राचीन समय में वार और योग्य पंचाङ्ग के अंग नहीं थे, और आगे जाके उसी पृष्ठ पर लिखते हैं कि और प्राचीन ग्रन्थों में वार, योग, करण, शब्दसे न किसी यज्ञादि का विधान पाया जाता है इस वास्ते मालूम होता है कि इन वारों का पहले यहां पर प्रचार नहीं था। और सरस्वती अखबार में यह जिक्र है कि वार यूनान देश से किसी वक्त मुसलमानों के राजकाल में आये हैं सो हम ने भी लोगों के समझने के वास्ते लगा दिये हैं तांकि इस से तिथि वगैरा का पता अच्छी तरह से लग जाये ।

इस पत्री के वास्ते सूत्रों के पाठ ।

और जो इसमें तिथीयां लगाई हैं सो वह चन्द्रमा का दिन है, सो इसी को तिथी कहते हैं। जिसका प्रमाण समवायांग सूत्र के २९ में समवायंग में है—तत्रपाठ चन्द-दिणेणं एगुणतीसं० महूत्ते सार्इरेगे महूत्तग्गेणं पणंते, और भी परमाण देखिए कि चन्द्रपन्नति सूत्र के १० प्राभृतक की पंचदशमी प्राभृतिका में भी २९ महूर्त्त ३२/६२ भाग का चन्द्रमा का दिन कहा है और यही २० मी प्राभृतिका में जिक्र है, और यही सूर्य पन्नति में जिक्र है भावा अर्थ-चन्द्रमां का दिन ५९ घड़ी ५/६२ भाग का होता है इसीको तिथी कहते हैं और चन्द्रमां कि अर्द्ध तिथी को करण कहते है सो करण ११ हैं जम्बुद्विपन्नति सूत्र में विवर्णम हैं जिसमें सप्तकरण तो चर है और ४ करण स्थिर है युग की आदि से इतने बोल लगते हैं जम्बुद्विपपन्नति सूत्र में कहा है तत्र पाठ-गोयमा चन्दादिया संवछरा दखिणाईया अयंणा पाउसाईया उऊ सावणाई या मासा बहुलाईया पखा दिवसाई या अहोरत्ता रोदाईया महूत्ता बालवाईया करणा अभिञ्झाईया न रकत्ता पणंता॥ भावा अर्थ है—गोतम—प्रथम चन्द्रसम्वतसर में युगकी

* १ जिन के मिलने का पता—शास्त्र प्रकाश कार्यालय विद्दुपुर-मुजफ्फरपुर। २लाला मेहरचंद लछमणदास शहद मिठा लाहौर।

आदि लगती है उसी ही रोज प्रथम समय ही नया सम्वत्सर लगता है और दक्षिणायण में सूर्य की ऐन बदलती है और चंद्रमां उस रोज उत्रायण में होता है पावस ऋतु लगती है और उसी ही समय श्रावण मास लगता है प्रथमां कृष्ण पक्ष लगता है प्रथमा दिवस लगता है और रूद्रनाम प्रथमां महूर्त्त में युग की आदि लगती है बालवकरण में और अभिजित नक्षत्र का प्रथमां समये में आदि लगती है ऐह उप्रोक्त ६ बोल जिस दिन मिले उसी रोज युगकी आदि लगती है उसी रोज अभिनंदनाम (श्रावण) मास की प्रथमां तिथी श्रावण वदी एकम लगती है इसको सूत्र में नंदा भी कहा है ॥

यदि कोई पूछे की आपने नयां सम्वत्सर कहा से लगाया सो आप इसका भी प्रमाण लिजीये श्रीजम्बुद्विपपन्नति सूत्र में कहा है के जब सूर्य प्रथमा (अभ्यितर) मांडले को ग्रहण करके चलता हैं उस दिन १८ महूर्त (३६) घड़ी का दिनमान होता है और रात्री १२ महूर्त्त (२४) घड़ी की होता है उसी दिन मिथुन की संक्रांति पूर्ण होती है उसको आषाढ की पूर्णमासी बोलते हैं अगले रोज सूर्य बदलता है कर्क की संक्रान्ति लगता है॥तत्रपाठ॥जयाणंभंते सूरिएसव्वभिंतरं मंडलं उवसंकमित्ता चारंचरेई तयाणां के महालए दिवसे के महालया राई भवंति गोयमा तयाणं उत्तम कठ पत्ते उक्कोसए अठारस्स मुहूत्ते दिवसे भवंति जहणिया दुवालस्स मुहूत्ताराईभवंति से निखम माणे, सूरिए, णवंसम्वच्छरं, अयमाणे, पढमंसि, अहोरत्तंसि, अभितराणंतरं, मंडलं, उवसंकमित्ता, चारंचरेई, जयाणं, सूरिए, अभितराणंतरं, मडलं, उवसंकमिताचारंचरेई, तयाणं, केमहालए, दिवसेभवंति, केमहालए, राईभवंति, गोयमा तयाणं, अठारस्स मुहूत्तेदिवसेभेवेई, दोहिंएगाठिभागं,मुहूत्तेहिंऊणे,दुवालस्स, मुहूत्ता, राईभवंति,दोहिंएगाठिभागं मुहूत्तेहिं,आहिया,इतिवचनात,एहीपाठचन्द्रपन्नति सूत्र के प्रथमा प्रभृतिक की षष्टमी प्रभृतिकामे है और सूर्य पन्नति में भी है उप्रोक्त पाठ साबित करता है कि आषाढ़ शुदी१५ को दिनमान ३६ घड़ी (१८*महूर्त) का होता है क्योंके चन्द्रपन्नति सूत्र के १० दशमा प्राभृतक की दशमी प्राभृतिकामे तथा सूर्य पन्नति वा जम्बूद्विपपन्नति में कहा है के आषाढ़ के महिने को तीन नक्षत्र पूर्ण करते हैं तत्रपाठ, गिम्हाणं, भंते. चउथं, मासं, केई, णखत्ता, नेति, गोयमा, तिणिनखत्ता, नेंई, तंजहा, मूलो, पुव्वासाढा, उत्तरासाढा, मूलो, सोहृस, राइंदियाई, णेई, पुव्वासाढा, पनरस, राइंदियाई, नेंई, उत्तरासाढा, एगंराई, दिवं, नेंई, तयाणं, वट्टाए, समचउरंस, संठाणं, संठिया,

* यह मिथला नगरी का प्रमाण है। और जगह उंची नीची धरती क सबब स कम ज्यादा हो तो जिसदिन उस क्षेत्र म बड़ा दिन हो उस रोज समझना चाहिए।

पीर, मंडलाए, सहाए, मणंरीजयाएछायाए, सूरिए, अणुपरियट्टंति, तस्सणं, मासस्स, जेसचरिमें दिवसे, तंसिचणं, दिवसंसि, लेहठाइं, दोपयाइं, पोरिसभिवंति, तथा उत्राध्येन सूत्र के षट्विंशति अध्याय की तेरहवी गाथा में कहा है, तत्र मूलपाठ, आसाढेमासे दुपया, पोसेमासे, चउपया, चित्तासोए सूमासेसु, तिपया, हवई पोरसी १३ और भी प्रमाण देखिए श्रीसमवायंग सूत्र के चतुराविंशति समवायंग का मूल पाठ, उत्तरायण, गयणं, सूरिए, चउवीसंगुलिए, पोरसीछायं, निव्वत्तई, ताणं, नियट्टाते, इत्यादिप्रमाणों से साबित होता है कि आषाढ शुदी १५ के दिन दिनमान बड़े से बड़ा १८ मूहूर्त्त तथा (३६) घड़ी का उत्कृष्ट होजाता है इसी वास्ते दो पग छाया में पोरसी दिन आता है, और उसके अगले दिन से सूर्य दक्षिणयण में जाता है उसी रोजसे दिन घटना शुरु होता है और रात्रि बढ़ने लगती है वह कर्क संक्रांति का पहिला दिन है इसीको श्रावणवदी एकम कहते हैं इसी मास को अभिनंद भी कहते हैं यही युग की आदि का दिन है सो यह युग विक्रम सम्वत् १९७२ ज्येष्ठ शुदी १५ । रविवार और जैन श्रावण वदी १ से शुरु होता है याने यहां से लगता है सो हमने उसी दिन लगाया है, और उस दिन तक वीर निर्वाण सम्वत् २४५३ साढे आठ मास बीत चुके सो इस का खुलासा इस तरह है आप समझ लीजिए ॥

तीन वर्ष साढे आठ मास चौथे आरे के रहते थे तब भगवंत श्रीमहावीर स्वामी मोक्ष गये उनके ४७० वर्ष पीछे विक्रम राजा को राज पद हुआ फिर उन्होंने तेरे वर्ष पीछे अपना सम्वत चलाया था*उस सम्वत् से आज दिन तक १९७२ का सम्वत चलरहा है सो उसमें से विक्रम सम्वत् १९७१ कार्तिक वदी १५ तक २४५१ वर्ष हुये और सम्वत १९७२ ज्येष्ठ शुदी १४ लोकीक और जैन आषाढ शुदी १५ तक २४५३ वर्ष साढे आठ मास हुये जिनमें से ३ वर्ष साढ़े आठ मास चौथे आरे के निकाल देवें तो बाकी २४५० वर्ष रहे जिसके ४९० युग पांचमे आरेके बिते और ४९१ वें मा युग लगा है बाकी पंचमे आरेके १८५५० वर्ष रहे

* ईसवीं सन १९०१ की छपी हुई महाराजा विक्रम की स्वानहे उमरी जिसको हकीम रामकिशन लाहौरवाले ने आठमी दफा छपवाई है जिसमें लिखा हैं कि ईसवीं से ८१ साल पहले महाराजा विक्रम पैदा हुए थे और बीश साल की उमर में राजपद हुआ फिर ईसवी से ५७ वर्ष से पहले ही अपना सम्वत् का प्रारंभ किया ।

आदि लगती है उसी ही रोज प्रथम समय ही नवा सम्वत्सर लगता है और दक्षिणायण मे सूर्य की ऐ न बदलती है और चंद्रमा उस रोज उत्रायण में होता है पावस ऋतु लगती है और उसी ही समय श्रावण मास लगता है प्रथमा कृष्ण पक्ष लगता है प्रथमा दिवस लगता है और रूद्रनाम प्रथमा महूर्त में युग की आदि लगती है बालव १ २ण में और अभिजित नक्षत्र का प्रथमा समये में आदि लगती है ऐह उपोक्त ६ बोल जिस दिन मिले उसी रोज युगकी आदि लगती है उसी रोज अभिनंदनाम (श्रावण) मास की प्रथमा तिथी श्रावण वदी एकम लगती है इसको सूत्र में नंदा भी कहा है ॥

यदि कोई पूछे की आपने नवा सम्वत्सर कहां से लगाया सो आप इसका भी प्रमाण लिजीये श्रीजम्बुद्विपपन्नाति सूत्र में कहा है के जब सूर्य प्रथमा (अभ्यितर) माडले को ग्रहण करके चलता हैं उस दिन १८ महूर्त (३६) घड़ी का दिनमान होता है और रात्री १२ महूर्त (२४) घड़ी की होता है उसी दिन मिथुन की संक्रांति पूर्ण होती है उसको आषाढ की पूर्णमासी बोलते हैं अगले रोज सूर्य बदलता है कर्क की संक्रान्ति लगती है॥तत्रपाठ॥जयाणंभंते सुरिएसव्वभितरं मंडलं उवसंकमित्ता चारंचरेई तयाणं के महालए दिवसे के महालया राई भवंति गोयमा तयाणं उत्तम कठ पत्ते उक्कोसए अठारस्स मुहुत्ते दिवसे भवंति जहणिया दुवालस्स मुहूत्ताराईभवंति से निखम माणे, सुरिए, णवंसम्वत्सरं, अयमाणे, पढमंसि, अहोरतंसि, अभितराणंतरं, मंडलं, उवसंकमित्ता, चारंचरेई, जयाणं, सुरिए, अभितराणंतरं, मडलं, उवसंकमिताचारंचरेई, तयाणं, केमहालए, दिवसेभवंति, केमहालए, राईभवंति, गोयमा तयाणं, अठारस्स मुहुत्तेदिवसेभवेई, दोहिंएगाठेभागं,मुहुत्तेहिंऊणे,दुवालस्स, मुहुत्ता, राईभवंति,दोहिंएगाठेभागं मुहुतेहिं,आहिया,इतिवचनात,एहीपाठचन्द्रपन्नति सूत्र के प्रथमा प्रभृतिक की षष्ठमी प्रभृतिकामे है और सूर्य पन्नति में भी है उपोक्त पाठ साबित करता है कि आषाढ़ सुदी१५ को दिनमान ३६ घड़ी (१८*महूर्त) का होता है क्योंके चन्द्रपन्नति सूत्र के १० दशमां प्राभृतक की दशमी प्राभृतिकामे तथा सूर्य पन्नति वा जम्बूद्विपपन्नति में कहा है के आषाढ़ के महिने को तीन नक्षत्र पूर्ण करते हैं तत्रपाठ, गिम्हाणं, भंते, पढमं, मासं, केई, णखत्ता, नेति, गोयमा, तिणिनखत्ता, नेंई, तंजहा, मूलो, पुव्वासाढा, उत्तरासाढा, मूलो, चोद्दस, राईदियाई, णेई, पुव्वासाढा, पनरस, राईदियाई, नेंई, उत्तरासाढा, एगंराई, दिंवं, नेंई, तयाणं, वट्टाए, समचउरंस, संठाणे, संठिया,

* यह मिथुन नगरी का प्रमाण हैं। और जगह उंची नीची धरती के सबब से कम जो तो जिसदिन उस देश में बड़ा दिन हो उस रोज रात होना चाहिए।

यह सर्व चन्द्रमा के साथ इतनी २ देर तक रहते हैं यह सर्व इस पत्री में लगाये गये है और दिनमान एक घड़ी के ४/७ भाग दिन प्रते घटता बढ़ता है सो इसमें लगा दिया है और इस पत्री में सूर्य मास भी लगाये गये हैं और ऋतुमास भी जिस को कर्म मास भी लीपते हैं वह भी लगादिया है और नक्षत्रमास भी लगाया है और भी एक प्रमाण आपकी सेवा में निवेदन किया जाता है कि चन्द्रपन्नाति सूत्र के दशमा प्रभृतिक की विशमी प्राभृतिकामा कहा है कि सूर्य सम्वत्सर संबंधी तीसम स अतिक्रम्या एक चन्द्र मास अधिक पौष होता है, और फिर ३० मासिआते क्रम्या एक चन्द्रमा मास अधिक आषाढ़ होता है।

तथा च पूर्वार्थ प्रदर्शतेय करणगाथा ॥ चं दशजोविसेपो आईच्चस्सय हविजमासस्स । तीसई गुणीउसंतो हवेइहु अहिमासउ एको १ इतिवचनात ॥

यह एक युग में चन्द्रमा के २ मास लौंद के आते हैं सा एक युग में साठ मास सूर्य के बीतते हैं एक मास साढ़े तीस दिन का होता है और साल ३६६ दिन का होता है और चन्द्रमा के ६२ मास भुक्तते हैं एक मास २६ दिन ३२/६२ भाग का गिना है और चन्द्रमा का साल ३५४ दिन और एक दिन के १२/६२ भाग का होता है कर्मऋतु के ६१ मास बीतते हैं एक मास तीस दिन और एक साल ३६० दिन का गिना जाता है और नक्षत्रों के ६७ मास बीतते हैं पाच वर्षों को एक युग कहते हैं, और युग के दिन १८३० होते है एक दिन ३० मुहूर्त्त का होता है जिस में एक मुहूर्त्त में सूर्य्य के चलन का प्रमाण की पुछा की है उस के उत्तर में श्रीमद वीर भगवान् फर्माते हैं कि श्री चन्द्रापन्नतिसूत्र के पंचदशमाप्रभृतिक में कहा हैः —

तत्रपाठ ता जंजं मडल उवसमकामित्ता चारचोरई ता तस्सरमडलस्स परिखेवस्स अठा रस्स, तीसेभागसय ।

गछई मंडलेसयसहस्सेणं अठाणउतिएय स एहिंछेत्ता इति वचनात् ॥

भावार्थ—जिस २ माडले को ग्रहण करके सूर्य चन्द्रमा नक्षत्र चलते हैं उस २ माडले के एक लाख अठानवे सौ भाग किये तिस में से एक मुहूर्त्त में सूर्य

जिसके १७१० युग होते हैं यह सर्व मिलकर २१००० वर्ष हुवे जिनके ४२०० युग होते हैं, एक युग पांच वर्ष का होता है और एक युग में सूर्य की १०येण होती है और चन्द्रमां की १३४ अयेणा दक्षिणायण उत्तरायण रूप होती हैं, जिस में प्रथमां वर्ष की प्रथमां आउट्टी किस दिन होती है। और उस रोज चन्द्रमां के साथ कौनसा नक्षत्र होता है और सूर्य के साथ कौनसा नक्षत्र योग जोड़ता है यह चन्द्र पन्नाति सूत्र प्राभृतिक १२ वां में पूछा की है तिसका। वीर भगवान् ने यह उत्तर दिया है, तत्रपाठ, ता एतेसिणं, पंचण्हं, सम्वत्सराण, पढमा, वार्मिकिय, आउर्ट्टि, चंदे, केणं, नक्खत्तेणं, जोयई, ता, अभितिणा, अभितिस्सणं, पढमसमय, तंसमयंचणं-सूरेकेणं, नक्खतेणं, जोगंजोई, तापूसेण, इतिवचनात, भावार्थ, इन पांच सम्वत्सर में पहले सम्वत्सर की प्रथमांयेण.के दिन चन्द्रमां के साथ कौन सा नक्षत्र जोग जोड़ता है, हे गोतम, अभिजित नक्षत्र जोग जोड़ता है परन्तु अभिजित नक्षत्र पहल समय लगते ही चन्द्रमा के साथ युग की आदि में जोग जोड़ता है उसी वक्त चन्द्रमा उत्तरायण में होता है और उसी ही समय सूर्य की अयण दक्षिणायण बदलती है उसके साथ पुष्पनक्षत्र होता है युग की आदि में और भी चन्द्रपन्नति सूत्र के एकादशमा प्राभृतिक में पूछा है कि चन्द्रसम्वत्सर कब लगता है तिसके उत्तर में भगवन् फरमाते हैं तत्रपाठ, ता एतेसिणं, पंचण्हं,सम्वत्सराणं,पढमस्स, चन्द्रसम्वत्सरस्स के आदिय तिवेदृया, ताजेणं, पंचमस्स, अभिवढियस्स, सम्वत्सरस्स पज्जवसाणे, सेणं, पढमस्सचन्द सम्वत्सरस्स आदि यणंतरं, पुरे, कडे समये. इतिवचनात, भावाऽर्थ यह पाठ कहता है कि जिस दिन पञ्चमां अभिवर्धनसम्वत्सरका अंतकासमय हो उसके अगले समय प्रथमाचन्द्रसम्वत्सर की आदि लगती है, और पंचमां अभिवर्धनसम्वत्सर का अन्त कब होता है, चन्द्रपन्नाति सूत्रप्राभृत ११ वें में तत्रपाठ, ताजेणं पढमस्स चन्द्र सम्वत्सरस्स आदि सेणं पञ्चमस्स, अभिवढियस्स सम्वत्सारस्स पज्जवसाणे अणतर पछाकड़े समये तंसमयं चणं चन्देकेणं नक्खतणं जो यई ता उतराहिं आसाढे उतराणं आसाढाणं चरमसमये इतिवचनात् पंचमाअभिवर्धन सम्वत्सर के अंत में चन्द्रमा के साथ उत्रापाढ़ा नक्षत्र जोगा उसका भी अंत का समा होता है, और अगले समयनयायुग लगता है तब ही चन्द्रमां के साथ अभिजित नक्षत्र प्रथम समय ही लगता है, और जैन में नक्षत्र अठाविसमाने गये हैं जिसमें ६ नक्षत्र ४५ मुहूर्त्ती हैं और ६ नक्षत्र १५ मुहूर्त्ती है और १५ नक्षत्र तीस मुहूर्त्ती है और १ अभिजिति नक्षत्र ९ मुहूर्त्त २७/६७ भाग का है

पूर्ण करते है, और २ या ३ मांड्ले चन्द्रमां पहेले निकलेगा क्योंकि नक्षत्र पिछे निकलेगें, तब उनका जोग मिलेगा ना तो नहीं क्योंकि अभितर और बाह्य मंडल का बहुत फरक है उनकी चाली चन्द्रमां से भी शीघ्र है इस कारण भी चन्द्रमां कुछ वक्त पहिले निकलेगा आसाढ़ शुदी पुर्णमाशी को पुर्वाषाढ़ा या उत्तराषाढ़ा बाहिरले मांड्ले है बाहिरले मंडल चन्द्रमां के साथ जोग जोडेगें और दूसरे दिन चन्द्रमां अभिज नक्षत्र के साथ जोग जोड़ना है या श्रवण के साथ जोग जोड़ना है. वह पहले मांड्ले अभिज है, चन्द्रमां बाहिर से दूसरे मांड्ले रहकर जोग जोड़ना है, इस वास्ते अभिज श्रवण पहिले निकलेगा चन्द्रमा पीछे और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र जिस दिन से उसने १५ दिन रात्री पूर्ण करेगा पहिले कच्चा रहेगा आखिर पूर्ण करेगा इस बात को पंडित जनों को ख्याल में रखनी चाहिए यह काम बड़ा ही विचार का है, इस वास्ते विचार से काम लेंगे तो ठीक होगा।

इस तिथी पत्र को देखने की रीति यह है।

पहिले खाने में रविवार लग रहा है वह प्रथम युग का खाना है इसी खाने को पांच साल के बारह मास के अंत में बुधवार लगरहा है वहां तक देखना चाहिए इसी मुताबक सर्व जानलेंगें सम्वत् १९७२ से १९७७ हादशुदी तक २ दूसरे खाने में बृस्पतिवार से सम्वत् १९७७ से १९८२ हादशुदी तक देखें फिर तीसरे खाने के वार से १९८२ से १९८७ हादशुदी तक और चौथे वार के खाने से १९८७ से १९९२ हादशुदी तक फिर पचमा वार के खाना से १९९२ से १९९७ हादशुदी तक और छटे वार के खाने से १९९७ से २००२ हादशुदी तक फिर सातमें वार के खाने से २००२ से २००७ हादशुदी तक दखने चाहिये यह ३५ वर्ष हुए है और पांच वर्ष पीछे फिर उपर से सम्वत् बदलाना पड़ता है और कुछ नहीं बदलता जैसा है वैसा ही रहता है, और इस पत्री में १ तिथी २ वार के साथ लगाई गई है और नक्षत्र ३ करण ४ दिनमान ५ सूर्यमास की तारीख ६ ऋतु मास की तारीख ७ युग प्रमाण ८ सूर्यके साथ नक्षत्रों का जोग ९ और रात्रि

१८३० चन्द्रमां १७६८ नक्षत्र १८३५ भाग चलते हैं इसी ही हिसाब से एक युग के १८३० दिन की गिनती आती है परन्तु जो वक्त आंतरों में लगता है वह इस गिनती में शामिल नहीं आया मालूम देता है क्योंकि चन्द्रापन्नतिसूत्र का प्रथम प्राभृतक की षष्ठमी प्रभृतिका में कहा है कि जो सूर्य चन्द्रमा एक मांडले से दूसरे मांडले जाते हैं उस का नाम विकंपमान है।

विकंपेई विकंपावीत्ता इति वचनात्।

जो वक्त उस जगह में लगता ह वह गोणता में है इस वास्ते पांच वर्षों में एक दिन अनुमान प्रमाण बढ़ता मालूम देता है सो हम ने भी लगा दिया है क्योंकि बहुत दिनों से सुनते थे कि एक दिन का फर्क रहता है सो वह यह ही फर्क था सो अब निकल गया और अन्य पंचाङ्गों में भी देखने में आता है कि वह दिनों की गिणती को अहर्ण गणके नाम से लगाते है सो वह भी देखा गया तो पांच वर्षों के १८३१ दिन ही लगाते है, सो इक दिन का फर्क निकलजाने से युग का प्रमाण भी ठीक मिलता है, और पखी का प्रमाण चन्द्रपन्नति के द्वादश वां प्रभृतक में १४ दिन २२ मुहूर्त ४४/६२ भाग का लिखा है जिसके मुहूर्त ४४२ भाग ४४/६२ होते हैं और एक मास के ८८५ मुहूर्त ३०/६२ भाग होते हैं और कोई तर्क करके आपने वीरसम्वत् २४५३ साढे आठमास लिखे हैं और पत्री मे २४४१ से शुरु किया है सो क्या कारण सो भाई साहिब इसका कारण सिर्फ यह ही है कि अभी तक इसका प्रचार नहीं है इस वास्ते प्रचलित सम्वत् है वह ही लगाया है इसका खुलासा उपर लिख चुके है और १५ सालका यह तिथी पत्रका छपचुका है सो पंडित जन सूत्रों के साथ मिला के देख लेंवेगे॥

और चन्द्रमां उदेभी मिलता मालूम देता है, और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र भी ठीक मालूम देते है परन्तु इतना ख्याल रखना चाहिए कि अब दक्षिणायण है या उत्तरायण है, क्योंकि दक्षिणायण उत्तरायण का फरक रहता है, जैसे कि मृगसिरा और पौष मास में चन्द्रमां पूरणमासी को रात अनुमान ३४ घड़ीयां ३५ घड़ी की होति है, और उस दिन मृगसिर नक्षत्र को मृगशीर की पूर्णमासी पूर्ण करनी हैं, पुष्य को पोषी पूर्ण करनि हैं, यह बाहिरले माडले रह करके पूर्णमासी

पूर्ण करते है, और २ या ३ मांडले चन्द्रमां पहले निकलेगा क्योंकि नक्षत्र पिछे निकलेगें, तब उनका जोग मिलेगा ना तो नहीं क्योंकि अभितर और बाह्य मंडले का बहुत फरक है उनकी चाली चन्द्रमां से भी शीघ्र है इस कारण भी चन्द्रमां कुछ वक्त पहिले निकलेगा आसाढ़ सुदी पुर्णमाशी को पूर्वाषाढ़ा या उत्तराषाढ़ा बाहिरले मांडले है बाहिरले मंडल चन्द्रमां के साथ जोग जोड़ेगें और दूसरे दिन चन्द्रमां अभिज नक्षत्र के साथ जोग जोड़ना है या श्रवण के साथ जोग जोड़ना है. वह पहले मांडले अभिज है, चन्द्रमां बाहिर से दूसरे मांडले रहकर जोग जोड़ना है, इस वास्ते अभिज श्रवण पहिले निकलेगा चन्द्रमां पीछे और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र जिस दिन से उगने १५ दिन रात्री पूर्ण करेगा पहिले ऊंचा रहेगा आखिर पूर्ण करेगा इस बात को पंडित जनों को ख्याल में रखनी चाहिए यह काम बड़ा ही विचार का है, इस वास्ते विचार से काम लेंगे तो ठीक होगा।

इस तिथी पत्र को देखने की रीति यह है।

पहिले खाने में रविवार लग रहा है यह प्रथम युग का खाना है. इसी खाने को पाच साल के बाण्ट मास के अंत में बुधवार लगरहा है वहां तक देखना चाहिए इसी मुताबक सर्व जाणलेणें सम्वत् १९७२ स १९७७ हाढ़सुदी तक २ दूसरे खाने में बृहस्पतिवार से सम्वत् १९७७ से १९८२ हाढ़सुदी तक देखें फिर तीसरे खाने के वार से १९८२ से १९८७ हाढ़सुदी तक और चौथे वार के खाने से १९८७ से १९९२ हाढ़सुदी तक फिर पचमां वार के खाना से १९९२ से १९९७ हाढ़सुदी तक और छठे वार के खाने से १९९७ से २००२ हाढ़सुदी त० फिर सातमें वार के खाने से २००२ से २००७ हाढ़सुदी तक देखने चाहिये यह ३५ वर्ष हुए है और पांच वर्ष पीछे फिर उपर से सम्वत् बदलाना पड़ता है और कुछ नहीं बदलता जैसा है वैसा ही रहता है, और इस पत्री में १ तिथी २ वार के साथ लगाई गई है और नक्षत्र ३ करण ४ दिनमान ५ सूर्यमास की तारीख ६ ऋतु मास की तारीख ७ युग प्रमाण ८ सूर्यके साथ नक्षत्रों का जोग ९ और रात्रि

१८३० चन्द्रमा १७६८ नक्षत्र १८३५ भाग चलते हैं इसी ही हिसाब से एक युग के १८३० दिन की गिनती आती है परन्तु जो वक्त आतरों में लगता है वह इस गिनती में शामिल नहीं आया मालूम देता है क्योंकि चन्द्रायन्नतिसूत्र का प्रथम प्राभृतक की षष्ठमी प्रभृतिका में कहा है कि जो सूर्य चन्द्रमा एक माण्डले से दूसरे माण्डले जाते हैं उस का नाम विकंपमान है।

विकंपेई विकंपावीत्ता इति वचनात।

जो वक्त उस जगह में लगता ह वह गोणता में है इस वास्ते पाच वर्षों में एक दिन अनुमान प्रमाण बढ़ता मालूम देता है सो हम ने भी लगा दिया है क्योंकि बहुत दिनों से सुनते थे कि एक दिन का फर्क रहता है सो वह यह ही फर्क था सो अब निकल गया और अन्य पंचाङ्गों में भी देखने में आता है कि वह दिनों की गिणती को अहर्ण गणके नाम से लगाते है सो वह भी देखा गया तो पाच वर्षों के १८३१ दिन ही लगाते है, सो इक दिन का फर्क निकलजाने से युग का प्रमाण भी ठीक मिलता है, और पखी का प्रमाण चन्द्रपन्नति के द्वादश वा प्रभृतक मे १४ दिन २२ मुहूर्त ६६/६२ भाग का लिखा है जिसके मुहूर्त ४४२ भाग ६२/६२ होते हैं और एक मास के ८८५ मुहूर्त ३०/६२ भाग होते हैं और कोई तर्क करके आपने वीरसम्वत् २४५३ साढे आठमास लिखे हैं और पत्री मे २४४१ से शुरु किया है सो क्या कारण सो भाई साहिब इसका कारण सिर्फ यह ही है कि अभी तक इसका प्रचार नहीं है इस वास्ते प्रचलित सम्वत् है वह ही लगाया है इसका खुलासा उपर लिख चुक है और ३५ सालका यह तिथी पत्रका छपचुका है सो पंडित जन सूत्रों के साथ मिला के देख लेंवेंगे॥

और चन्द्रमा उदेभी मिलता मालूम देता है, और रात्रि पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र भी ठीक मालूम देते है परन्तु इतना ख्याल रखना चाहिए कि अब दक्षिणायण है या उत्तरायण हैं, क्योंकि दक्षिणायण उत्तरायण का फरक रहता है, जैसे कि मृगसिरा और पौष मास में चन्द्रमां पूरणमासी को रात अनुमान ३४ घड़ीया ३५ घड़ी की होति है, और उस दिन मृगसिर नक्षत्र को मृगशीर की पूर्णमासी पूर्ण करनी हैं, पुष्य को पोषी पूर्ण करनि हैं, यह बाहिरले माण्डले रह करके पूर्णमासी

समावा यंग में कहा है तत्रपाठ, समणे, भगवं, महावीरे, वासाणं सवीसति, रायमा से, वीतिकंते, सत्तरीए, राइं दिएहिं, सेसेहिं, वासावासंपज्जो सवेति, इतिवचनात, अब देखीये कि इस पाठ ने तो जाहिर कर दिया के पहले ५० दिन और पीछे सत्तर दिन से शक है परन्तु पहले ५० दिन पीछे १०० दिन या पहले ८० दिन पीछे ७० दिन यह सूत्रों में कहीं भी विवर्णम नहीं है इस वास्ते चौमासा चार ही मास का होना चाहिए क्योंकि जैन सूत्रों के हिसाब से चौमासा में लौंद नहीं आता इस का खुलासा ऊपर देख लेना जैन सूत्रों में दो पोष और आषाढ़ दो ही मास अधिक होते हैं और नहीं इसलिए ४ मास का ही चौमासा होना संभव है और भी एक बात आपको दिखलाना जरूरी समझते हैं वह यह है कि कितने एक मुनी महाराज चौथ की सम्वत्सरी करते हैं और कोई पंचमी की कोई छट की भी कर लेते हैं सो यह गड़बड़ जब ही मिट सक्ती है कि सर्व मुनी महाराज वा श्रावकजन इस पत्री के अनुसार ही करे क्योंकि यह पत्री बिल्कुल सूत्रों के साथ ही तैयार की हैं सो आप खुद सूत्रों के पाठके साथ मिला के निश्चय कर लेवेंगे और इसमें भी केई सूत्रों के प्रमाण लिख दिये हैं सो आप से पुनः प्रार्थना है की सूत्रों के अनुसार ही सर्व धर्म कार्य करने चाहिए और हमें आशा है कि आप इसके मुताबिक ही करेंगे और इसमें कोई दृष्टि दोष या भूल रहगई हो तो बुध जन सुधार कर लेवें ॥ इति शुभं भवतुः—

पूर्ण कर्त्ता नक्षत्र १० पोरसी की छाया प्रमाण ११ चन्द्रायण प्रमाण १२ संक्रांति लगने का प्रमाण १३ और असझाइ टालने का प्रमाण १४ सम्वत्सरी प्रमाण इत्यादि प्रमाण इस पत्री में लगाया है, और कोई पूछा करे की इसमें यह नहीं लगाये गये सो इनके उत्तर में निवेदन यह है कि ग्रहों की चाल का खुलासा पुरी तौर से सूत्रों में नहीं है क्योंकि बहुत से सूत्र ग्रंथ विछेद होगये हैं उनमें वर्णन होगा परन्तु अभि इनमें खुलासा नहीं है इस वास्ते नहीं लगाये और चन्द्रमा सूर्य के ग्रहण ठीक समय पर लगेंगे देखा गया है, परन्तु लगाने का अस्थान नहीं मिला इस वास्ते नहीं लगाये गये और इसकी कोई साधुवों को जरूरत भी नहीं है. जरूरत तो तिथी पक्खी चौमासी सम्वत्सर वगैरा की है सो यही शुद्ध करके त्यार किया है, सो समस्त जैन मुनिमहाराजों को वह श्रावक जनों को इसके मुजब पक्खी, चौमास, सम्वत्सरी, असझाइटालनी इत्यादि धर्म कार्ज करने चाहिये और पोरसी की छाया का मापना भी इसीके अनुसार करना चाहिये यदि सूत्रों से कोई नुनी अधिका हो तो बुध जन सुधार करलेवें और शांति भाव से विचार करें अगर कोई भूल हो तो खबर देवें और कोई दृष्टी दोष रह गई हो तो मिछामी दुकड क्योंकि छद्मस्त भूल कायम है ज्ञानी गुणी जन क्षमा करते चले आये हैं ओं शांति शांति भवतु ।

अहो हमारे सुज्ञ जैन प्रीय बंधुओ इस संप्रति काल में जैन सूत्रो के अनुसार तिथी पत्रका न होने के कारण से बहुत से कार्ज आजकल धर्म सबंधी जो होरहे हैं वह कार्य सूत्रो से विरुद्ध से मालूम देते हैं, इसलिये पुनः प्रार्थना है कि अब सर्व जैन सूत्रो के अनुसार ही होना चाहिये क्योकि इस वक्त केई मुनीमहाराज तो उदय तिथी मानते हैं और कितने ही अस्त तिथी को मानते हैं, और बहुत मुनी महाराज वा श्रावकजन ५० दिन में सम्वत्सरी करते है,और कितने ही जब अन्यमत के पंचाङ्गो मे अधिक माम, (लौद) चौमासा मे आ जाता है तब ८० दिन में सम्वत्सरी करते हैं, और कोई मुनिमहाराज सम्वत्सरी के पीछे ७० दिन बाद विहार करते है, याने चौमासा उठते हैं और केई सम्वत्सरी तो ५० मेदिन कर लेते हैं परन्तु पीछे १०० दिनके बाद चौमासा उठते हैं सो प्रीय मित्र वरो सूत्र में तो ५० में दिन सम्वत्सरी करनी कही है और सम्वत्सरी के ७० दिन पीछे चौमासा उठना कहा है सो आपकी सेवा में प्रमाण भी दिया जाता है सूत्र श्रीसमवायांग के ७० में

शुद्धि पत्र ।

हमारे पाठकगणो अवल इस शुद्धि पत्र को ख्याल में ले के पीछे सुधार के साथ इस तिथी पत्रका को यत्नापूर्वक पढ़ने की कृपा कीजिये ।

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्धि	शुद्धि
		प्रस्तावना में शुद्धा शुद्ध पृष्ठ प्रथम लगाते हैं	
६	८	नुहुत्ते	मुहूर्त्ते
७	१	पोर	परि
७	३	न्तुरविशंत	चतुरविशंति
		पत्रि में शुद्धा शुद्धि	
२	६	२ पग ३ अः छाः पो	प हसतमी पंक्ति चाहिए २ पगः ३ अः छा
९	१	कोलव १ । ५६	कोलव २ । ५६
९	२	गरः २ ५८	गर १ । ५८
१०	१	वार नही लाग	वार बु
१३	१	वारः र	वारः मं
१६	८	५८॥भाःउः मिथुनेंदु	५६॥भाःउः मिथुनेंदु
२६	६	पुष्पार्के १८ घः उः	पुष्पार्केः ४८ घः उः
२८	११	उत्रापाडाः ४२। ६०	उत्रापाडाः ४२ । ६

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्धि	शुद्धि
२८	५ करण	वव	कोलव
	६	कोलव	गर
	७	गर	वृष्टि
	८	वृष्टि	बालव
	९	बालव	स्त्रीलोचन
	१०	स्त्रीलोचन	विघिज
	११	विघिज	वव
	१२	वव	कोलव
	१३	कोलव	गर
	१४	गर	वृष्टि
	१५	वृष्टि	बालव
३३	उपर ही	चन्द्रमा २ दिन २८	साढे १८
३६	३	पुर्वापाडा	पुर्वाफाल्गुणी
	४	उत्रापाडा	उत्राफाल्गुणी

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक। आषाढ़वदी १। वीर सम्वत् २४४१। जुगनोमासपहलो १। चंद्रसम्वत्सरनोमासप्रथमश्रावणवदी १ लोकोत्तरमासकोनामअभिनंदे। रवीदक्षिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रजुक	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणतिलका	घड़ी	भाग ६२	करणाधिका	घड़ी	भाग	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७ माहे १८ भागफसें॥ ४ दिन ३६ घडी उपरपुखनक्षत्रचीत चुका है (रात्रीपूर्ण कर्ता नक्षत्र) सूर्य के साथ नक्षत्र
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	५९	२	ऽभीच	१८	५४			वालव	२९	३२	कोलव			३५	५७	१	१	१	मकरेंदु।पावसऋतु। कर्कऽर्क संक्रांति।पुष्पार्के। गर्जनेकीऽसम्भावनही
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	२	५८	४	श्रावण	१८	५४			स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			३५	५३	२	२	२	मकरेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	३	५७	६	धनेष्ठा	१८	५४	सत	३०	विणिज	२७	३६	वृष्टि			३५	४९	३	३	३	१८॥ भाग उपरांत कुंभेंदु।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	४	५६	८	पू. भा.	४८	५४			वव	२६	३८	वालव			३५	४५	४	४	४	कुंभेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	५	५५	१०	उ.भा.	६०	०			कोलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			३५	४१	५	५	५	३७ भाः उः मीनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	६	५४	१२	उ.भा.	१८	५४			गर	२४	४२	विणिज			३५	३७	६	६	६	मीनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	७	५३	१४	रेवती	१८	५४			वृष्टि	२३	४४	वव			३५	३३	७	७	७	५१॥भाःउःमेखेंदु। दोपग१अंगुल छायापोरसी
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	८	५२	१६	ऽश्वनी	१८	५४	भर	३०	वालव	२२	४६	कोलव			३५	२९	८	८	८	मेखेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	९	५१	१८	कृत्ता	४८	५४			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			३५	२५	९	९	९	मेखेंतु। पुष्पार्के४८ घ०उः श्लेषाऽर्के ६दिन ४२घ०
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१०	५०	२०	रोहेणी	६०	०			विणिज	२०	५०	वृष्टि			३५	२१	१०	१०	१०	७ भा०उ०वृखेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	११	४९	२२	रोहेणी	१८	५४			वव	१९	५२	वालव			३५	१७	११	११	११	वृखेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१२	४८	२४	मृग	१८	५४	ऽाद्रा	३०	कोलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			३५	१३	१२	१२	१२	२५॥ भाः उः मिथुनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१३	४७	२६	पुनर्वसु	६०	०			गर	१७	५६	विणिज			३५	९	१३	१३	१३	मिथुनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१४	४६	२८	पुन०	१८	५४			वृष्टि	१६	५८	शुकन			३५	५	१४	१४	१४	४४भाःउ कर्केंदु।३६घः२७भाःउःचंद्रायणाव्दली१रात्रीनक्षत्रउत्तराषाढासमास
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	४५	३०	पुरफ	१८	५४	ऽश्लेषा	३०	चतुष्पद	१५	६०	नाग			३५	१	१५	१५	१५	कर्केंदु। २पग२अंगुलछायापोरसी। पखी १

पृष्ट	पंकि	अशुद्धि	शुद्धि
४४	७		चन्द्रायण ४७
४५	८	५२ भा उः कूमेंदु	५३॥ भा;उ कूमेदु
४८	७	आर्द्राऽर्के ६ दिन २४ घः	आर्द्राऽर्कें ६ दिन ४२ घड़ी
५२	१०	सिंहेभाडु शक्रांति	सिंहेभानु शंक्रांति
५६	१	घः भाः ४ । ४० चित्रा	घः भाग ४० । ४० चित्रा
६१	१४	पखी ६२	पखी ६१
६४	३	पुर्वापाडा	पुर्वभाद्रपदा
६४	४	उत्रापाडा	उत्राभाद्रपदा
७१	१	घ भाः २ ६	घः भाः २ ५६
७१	२	१ ८	१ ५८
८१	उपर ही	विक्रमः १९७	विक्रम १९७५

पृष्ट	पंकि	अशुद्धि	शुद्धि
८२	६	पुर्वाफाः	पुर्वापाडा
८२	७	उत्रा फाः	उत्रापाडा
९०	१२	३ पः ६ अंः छा' पोः	३पः६अं छाः मघा समासरात्रिका
९१	३	चित्रा २१ । २३	चित्रा २१ । ३३ स्वाति ३०
९२	१०	रेयतिऽर्कें १३ दि४२	रेवतिऽर्कें १३ दिः २४ घः
१०६	२	तुलेंदु	तुलेंदुः चन्द्रदर्शन
१०८	१५	ज्येष्ठा ऽर्कें ६ दिन २४ घः	ज्येष्ठाऽर्कें: ६ दिन ४२ घड़ी
११६	१५	दिनमान १३ । १३	दिनमाः ३१ । १३
१२३	१२	दिनमाः ३५ । ५४	३४ । ५४
१२३	१३	दिनमानः २४ । ५८	३४ । ५८

पिछले पृष्ट की शुद्धा शुद्धि

१ २५ अमम मुहूर्त नहीं लगा सो लगाओ

	अशुद्ध	शुद्ध
२	एक घंट (फाजक)	एक घंटा (फलाक) का

और इसमें छापे की बहुत अशुद्धियां रहगई हैं सो पाठक जन सुधार के पढ़ें इति।

लोकीक मास श्रावण इस पत्री में देखना हो तो ५ कोठा वारों का देखो जैसे लोकीक १९७२ श्रावणवदी १ मंगलवार है तो इसी पत्री में भी श्रावण वदी १ मंगलवार मिलेगी इसी तरह अनुक्रमें मिलता चला जावेगा।

तिथी घटने बढ़ने के कारण सियात एक वार घंटे बढ़े तो आगे मिल जायगा ऐसा मालूम देता है जो अधिक मास हो तो दूसरे से मेलना॥

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४१ । जुगनोमास २ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास २+भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनामसुप्रतिष्टित+रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रके साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र घड़ी	भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रायन परिमान १ पक्षीपरिमाण २ सुर्य के साथ नक्षत्र ३ चन्द्रमा दो दिन ६७ साढ़े १८ भाग बरते ४ पोरसी छाया परिणाम ५
शु	चं	पृ	र	बु	श	मं	१	३०	०	सतभि०	७	४१	वालव	३० भा	कोलव	३०	०	स्त्रीलोचन			३३	५६	१	१	३१	कुभेंदु+सिंहभानुसंक्रांति
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	२	२६	२	पु: भा	७	४१			गर	२६	२	विणिज			३३	५५	२	२	३२	५८ भा: उ: मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	३	२८	४	उ: भा	३७	४१			वृष्टि	२८	४	वव			३३	५१	३	३	३३	मीनेंदु
सं	वृ	र	बु	श	मं	शु	४	२७	६	रेवती	३७	४१			वालव	२७	६	कोलव			३३	४७	४	४	३४	मीनेंदु
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	५	२६	८	ऽश्वनी	३७	४१			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			३३	४३	५	५	३५	६॥ भा उ: मेखेंदु
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र	६	२५	१०	भरणी	७	४१			विणिज	२५	१०	वृष्टि			३३	३६	६	६	३६	मेखेंदु
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	७	२४	१२	कृतका	७	४१			वव	२४	१२	वालव			३३	३५	७	७	३७	२८ भा:उ.वृखेंदु २ । पग ५ अंगुल छाया पोरसी
शु	चं	पृ	र	बु	श	मं	८	२३	१४	रोहिणी	३७	४१			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			३३	३१	८	८	३८	वृखेंदु
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	९	२२	१६	मृगसरा	३७	४१			गर	२२	१६	विणिज			३३	२७	९	९	३९	४६॥भा:उ: मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१०	२१	१८	आद्रा	७	४१			वृष्टि	२१	१८	वव			३३	२३	१०	१०	४०	मिथुनेंदु
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	११	२०	२०	पुनर्व०	३७	४१			वालव	२०	२०	कोलव			३३	१९	११	११	४१	६५ भा उ:कर्केंदु । पजुसनपर्व । चन्द्रायन ३
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	१२	१९	२२	पुक्ष	३७	४१			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			३३	१५	१२	१२	४२	कर्केंदु
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र	१३	१८	२४	ऽश्लेषा	७	४१			विणिज	१८	२४	वृष्टि			३३	११	१३	१३	४३	कर्केंदु।पुर्वाफाल्गुणीऽर्क १८भा उ उत्राफाल्गुणीऽर्के२०दिन६घड़ी
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१४	१७	२६	मघा	७	४१			शुकन	१७	२६	चतुष्पद			३३	७	१४	१४	४४	१६॥भा:उ सिंघेंदु । पक्षी ३
शु	चं	पृ	र	बु	श	मं	१५	१६	२८	पु:फा०	७	४१			नाग	१६	२८	किस्तुघन			३३	३	१५	१५	४५	सिंघेंदु । दो पग ६ अंगुल छा:पो:।धर्नेष्टराज्ञी फा

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । आषाढ़शुदी । वीर सम्वत् २४४१ युगनोमास । १ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरनोमास १ । श्रावणसुदी । लोकोत्तरमासकानाम । अभिनंदे । रविवृत्तणायये ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	सूर्य के साथ नक्षत्र
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४४	३२	मघा	४८	५४			किस्तुघन	१५	०	बव			३४	५८	१६	१६	१६	६२॥भाः३ सिंघेदु ऽश्लेषाऽर्के३०३॥मघार्के१३दिन२४घड़ी ।
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	२	४३	३४	पू फाः	४८	५४			बालव	१४	२	कोलव			३४	५४	१७	१७	१७	सिंघेदु ॥ चंद्रदर्शनम्
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	३	४२	३६	उ फाः	६०	०			स्त्रीलोचन	१३	४	गर			३४	५०	१८	१८	१८	सिंघेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	४	४१	३८	उःफा०	१८	५४			विणिज	१२	६	वृष्टि			३४	४६	१९	१९	१९	१९भा ३ कन्येंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	५	४०	४०	हस्त	१८	५४			बव	११	८	बालव			३४	४२	२०	२०	२०	कन्येंदु
मं	शु	च	बृ	र	बु	श	६	३९	४२	चित्रा	१८	५४	स्वाः	३०	कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			३४	३८	२१	२१	२१	३२॥भाःउःतुलेंदु । अमीचनसभराबीका २पग३ छायाःपो०
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	७	३८	४४	विशाखा	६०	०			गर	९	१२	विणिज			३४	३४	२२	२२	२२	तुलेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	८	३७	४६	विशा०	१८	५४			वृष्टि	८	१४	बव			३४	३०	२३	२३	२३	५१भाःउःवृश्चिकेंदु
शु	च	बृ	र	बु	श	मं	९	३६	४८	ऽनूराधा	१८	५४	ज्येः	३०	बालव	७	१६	कोलव			३४	२६	२४	२४	२४	वृश्चिकेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१०	३५	५०	मुला	४८	५४			स्त्रीलोचन	६	१८	गर			३४	२२	२५	२५	२५	वृश्चिकेंदु
र	बु	श	म	शु	चं	बृ	११	३४	५२	पु॰षाडा	४८	५४			विणिज	५	२०	वृष्टि			३४	१८	२६	२६	२६	२॥भा उ॰धनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१२	३३	५४	उःषा	६०	०			बव	४	२२	बालव			३४	१४	२७	२७	२७	धनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१३	३२	५६	उःषाः	१८	५४	ऽभी	१८/५४	कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			३४	१०	२८	२८	२८	२१भा॰उःमकरेंदु (नक्षत्रमास१चद्रायणावदली२)
बु	श	मं	शु	च	बृ	र	१४	३१	५८	श्रवण	३७	५१			गर	२	२६	विणिज			३४	६	२९	२९	२९	मकरेंदु [मघार्के५४घःउ.पु फाऽर्के१३दिन२४घ श्रवणराश्रीपुर्णकर्तासमास
बृ	र	बु	श	मं	शु	च	१५	३०	६०	धनिष्ठा	३७	५१			वृष्टि	१	२८	बव	६०/३०	वा	३४	२	३०	३०	३०	३१॥भा उःकुंभेंदु। सुर्यमास१ऋतुमास१।२पग४अंःछा॰पो धनेष्टाराश्री।पक्षी २

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४१ । जुगनोमास २ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास २+भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनामसुप्रतिष्ठित+रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र घड़ी	भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भा ६१	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रायन परिमान १ पखीपरिमाण २ सूर्य के साथ नक्षत्र ३ चन्द्रमा दो दिन ६७ साढ़े १८ भाग चरते ४ पोरसी छाया परिणाम ५
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	३०	०	सतभि०	७	४१	बालव	३० भा	कोलव	३०	०	स्त्रीलोचन			३३	५९	१	१	३१	कुमेंदु+सिंहभानुसंक्रांति
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	२	२९	२	पुः भा	७	४१			गर	२९	२	विणिज			३३	५५	२	२	३२	५८ भाः उः मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	३	२८	४	उः भा	३७	४१			बृष्टि	२८	४	बव			३३	५१	३	३	३३	मीनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	४	२७	६	रेवती	३७	४१			बालव	२७	६	कोलव			३३	४७	४	४	३४	मीनेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	५	२६	८	ऽश्वनी	३७	४१			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			३३	४३	५	५	३५	९॥ भा उ मर्खेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	६	२५	१०	भरणी	७	४१			विणिज	२५	१०	बृष्टि			३३	३९	६	६	३६	मेखेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	७	२४	१२	कृतका	७	४१			बव	२४	१२	बालव			३३	३५	७	७	३७	२८ भाःउ.बृखेंदु २ । पग ५ अंगुल छाया पोरसी
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	८	२३	१४	रोहिणी	३७	४१			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			३३	३१	८	८	३८	बृखेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	९	२२	१६	मृगसरा	३७	४१			गर	२२	१६	विणिज			३३	२७	९	९	३९	४९॥भाःउः मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१०	२१	१८	आद्रा	७	४१			बृष्टि	२१	१८	बव			३३	२३	१०	१०	४०	मिथुनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	११	२०	२०	पुनर्व०	३७	४१			बालव	२०	२०	कोलव			३३	१९	११	११	४१	६५ भा.उःकर्केंदु । प्रजुसनपर्व । चन्द्रायन ३
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१२	१९	२२	पुस्स	३७	४१			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			३३	१५	१२	१२	४२	कर्केंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१३	१८	२४	ऽश्लेषा	७	४१			विणिज	१८	२४	बृष्टि			३३	११	१३	१३	४३	कर्केंदु।पुर्वाफाल्गुणीऽर्क १८घा उ उत्राफाल्गुणीऽर्के२०दिन६घड़ी
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१४	१७	२६	मघा	७	४१			शकुन	१७	२६	चतुष्पद			३३	७	१४	१४	४४	१९॥भाःउ.सिंघेंदु । पखी ३
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१६	२८	पुःफा०	७	४१			नाग	१६	२८	किंस्तुघ्न			३३	३	१५	१५	४५	सिंघेंदु । दो पग ६ अंगुल छाःपोःधनैष्टाराश्री का

विक्रम सम्वत १९७२लोकीक। वीर सम्वत् २४४१जुगतोमास २। पहला चंद्रसम्वत्सरनामासरभाद्रवासुदी। लोकोत्तरमासनामसुप्रतिष्टित। रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र घड़ी	भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग। चन्द्रायन प्रमाण १ पोरसी छाया प्रमाण २। सूर्य के साथ नक्षत्र ३। पक्षी प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	१५	३०	उ:फा	३७	४१			वव	१५	३०	वालव			३२	६०	१६	१६	४६	३५ भाःउः कन्येंदु। चंद्रदर्शनम्
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	२	१४	३२	हस्त	३७	४१			कोलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			३२	५६	१७	१७	४७	कन्येंदु।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	३	१३	३४	चित्रा	३७	४१			गर	१३	३४	विणिज			३२	५२	१८	१८	४८	५३॥भाःउःतुलंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	४	१२	३६	स्वाति	७	४१			वृष्टि	१२	३६	वव			३२	४८	१९	१९	४९	तुलेंदु। ऋषिपंचमीसम्वत्सरी
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	५	११	३८	विशाषा	३७	४१			वालव	११	३८	कोलव			३२	४४	२०	२०	५०	तुलेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	६	१०	४०	अनुराधा	३७	४१			स्त्रीलोचन	१०	४०	गर			३२	४०	२१	२१	५१	५भाःउः वृश्चकेंतु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	७	९	४२	ज्येष्ठा	७	४१			विणिज	९	४२	वृष्टि			३२	३६	२२	२२	५२	वृश्चकेंतु। २पग७अं०छाया पोरसी। सतभिषारात्रिका
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	८	८	४४	मुला	७	४१			वव	८	४४	वालव			३२	३२	२३	२३	५३	२३॥भाःउःधनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	९	७	४६	पुर्वाषाढ़ा	७	४१			कोलव	७	४६	स्त्रीलोचन			३२	२८	२४	२४	५४	धनेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१०	६	४८	उत्राषाढ़ा	३७	४१	अभिच	१५ ५४	गर	६	४८	विणिज			३२	२४	२५	२५	५५	४२भा उः मकरेंदु। नक्षत्रमास२। चन्द्रायन ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	११	५	५०	श्रवण	५६	२८			वृष्टि	५	५०	वव			३२	२०	२६	२६	५६	मकरेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१२	४	५२	धनेष्टा	५६	२८			वालव	४	५२	कोलव			३२	१६	२७	२७	५७	६०॥भाःउ: कुंभेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१३	३	५४	सतभि०	२६	२८			स्त्रीलोचन	३	५४	गर			३२	१२	२८	२८	५८	कुंभेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१४	२	५६	पु:भा०	२६	२८			विणिज	२	५६	वृष्टि			३२	८	२९	२९	५९	कुंभेंदु। पक्षी ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	१	५८	उ:भा०	५६	२८			वव	१	५८	वालव			३२	४	३०	३०	६०	१२भाःउः मीनेंदु।ऋतुमास २। पूर्वाभाद्रपदारात्रिका

आसौज वदी । लोकोत्तरमासको । नाम । विजय । रविदत्तिणायणे ॥

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक । वीर सम्वत् २४४१ । जुगनोमास ३ । पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास ३ ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	माग ६०	नक्षत्र केन्द्र के साथ	घड़ी	माग	नक्षत्र	घड़ी माग	करण दिन	घड़ी	माग	करणरात्रिका	घड़ी	माग	दिनमान	माग ६०	सूर्य मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	०	६०	रेवती	५६	२८			कोलव स्त्रीलोचन	० २९	६० ३२	गर	२९	३२	३२	०	१	३१	६१	मीनेंदु । सूर्यमा २ । २ पग ८ अंछाया स्ततम । उत्रा भाद्रपद् राशिका
०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	०	०	० ०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	३	५१	२	ऽश्विनी	५६	२८			विणिज	२९	३२	बृष्टि			३१	५७	२	१	६२	३०॥ भाः उः मेखेन्दु । कन्यार्केसंक्रांति । वर्षाऋतु ।
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	४	५८	४	भरणी	२६	२८			वव	२८	३४	बालव			३१	५३	३	२	६३	मेषेंदु । उत्राफाल्गुणाऽर्के २४ घः उः हस्तऽर्के १३ दिन २५ घः ।
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	५	५७	६	कृतिका	२६	२८			कोलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			३१	४९	४	३	६४	४९ भाः उः वृषेंदु ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	६	५६	८	रोहिणी	५६	२८			गर	२६	३८	विणिज			३१	४५	५	४	६५	वृषेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	७	५५	१०	मृगसरा	५६	२८			बृष्टि	२५	४०	वव			३१	४१	६	५	६६	वृषेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	८	५४	१२	आद्रा	२६	२८			बालव	२४	४२	कोलव			३१	३७	७	६	६७	॥ भाः उः मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	९	५३	१४	पुनर्वसु	५६	२८			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			३१	३३	८	७	६८	मिथुनेंदु । २ पग ९ अंः छाः पो
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१०	५२	१६	पुष्य	५६	२८			विणिज	२२	४६	बृष्टि			३१	२९	९	८	६९	१९ भाः उः कर्केंदु । चन्द्रायन ५
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	११	५१	१८	ऽश्लेषा	२६	२८			वव	२१	४८	बालव			३१	२५	१०	९	७०	कर्केंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१२	५०	२०	मघा	२६	२८			कोलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			३१	२१	११	१०	७१	३७॥ भाः उः सिंघेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१३	४९	२२	पुः फाः	२६	२८			गर	१९	५२	विणिज			३१	१७	१२	११	७२	सिंघेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१४	४८	२४	उः फाः	५६	२८			बृष्टि	१८	५४	शुकन			३१	१३	१३	१२	७३	५६ भाः उः कन्येंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	४७	२६	हस्त	५६	२८			चतुष्पद	१७	५६	नाग			३१	९	१४	१३	७४	कन्येंदु । पत्ती ५

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक । वीर सम्वत् २४४१ । जुगनोमास ३ । पहला चन्द्र सम्वत्सरकोमास ३ । आसौजशुदि । लोकोत्तर मास नामविजय । रवि दक्षिणायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	सूर्य साथ नक्षत्र
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	४६	२८	चित्रा	५६	२८			किंस्तुघन	१६	५८	बव			३१	५	१५	१४	७५	कन्येंदु । उत्रा भाद्रपद रात्री का समाप्त
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	२	४५	३०	स्वाति	२६	२८			बालव	१५	६०	कौलव			३१	१	१६	१५	७६	७॥भाःउःतुलेंदु।२पग१०श्रःछाःपोःहस्तर्के४८घ.उ.चित्रार्के१३दिन२४घ.चंद्रदर्शनं
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	३	४४	३२	विशाखा	५६	२८			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			३०	५८	१७	१६	७७	तुलेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	४	४३	३४	ऽनुराधा	५६	२८			विणिज	१४	२	वृष्टि			३०	५४	१८	१७	७८	२६ भाःउः वृश्चकेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	५	४२	३६	ज्येष्ठा	२६	२८			बव	१३	४	बालव			३०	५०	१९	१८	७९	वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	६	४१	३८	मुला	२६	२८			कौलव	१२	६	स्त्रीलोचन			३०	४६	२०	१९	८०	४४॥ भाः उः धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	७	४०	४०	पुः षाः	२६	२८			गर	११	८	विणिज			३०	४२	२१	२०	८१	धनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	८	३९	४२	उः षाः	५६	२८			वृष्टि	१०	१०	बव			३०	३८	२२	२१	८२	६३ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ६ । नक्षत्र मास ३
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	९	३८	४४	ऽभिज	१५	१५			बालव	९	१२	कौलव			३०	३४	२३	२२	८३	मकरेंदु ॥ २ पग ११ श्रः छाः पो०
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१०	३७	४६	श्रवण	१५	१५			स्त्री लोचन	८	१४	गर			३०	३०	२४	२३	८४	मकरेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	११	३६	४८	धनेष्टा	१५	१५	शत	३०	विणिज	७	१६	वृष्टि			३०	२६	२५	२४	८५	१४॥ भाः उः कुम्भेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१२	३५	५०	पुः भा०	४५	१५			बव	६	१८	बालव			३०	२२	२६	२५	८६	कुम्भेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१३	३४	५२	उः भा०	६०	०			कौलव	५	२०	स्त्रीलोचन			३०	१८	२७	२६	८७	३३ भाः उः मीनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१४	३३	५४	उः भा०	१५	१५			गर	४	२२	विणिज			३०	१४	२८	२७	८८	मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३२	५६	रेवती	१५	१५			वृष्टि	३	२४	बव			३०	१०	२९	२८	८९	५१॥ भाः उः मेषेंदु । ५खी ६

विक्रम सम्वत् १९७२ जोभीक । वीर सम्वत् २४४१ । जुगमामास ४ पहला चन्द्रसम्वत्सरकामास चौथाकार्तिकवदीलोकोत्तरमासनामप्रीतिवर्धन । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन २ पखी ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	३१	५८	ऽश्विनी	१५	१५	भरणी	३०	बालव	२	२६	कोलव			३०	५	३०	२९	९०	मेषंदु।रितुमास३चित्रार्के१२घः३ स्वातीऽर्के६दिन४२घःरेवतीरात्रीका समास
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	२	३०	६०	कृतिका	४५	१५			स्त्रीलोचन	१	२८	गर	९ः	वि	३०	२	१	३०	९१	मेषेंदु । अश्विनी१रात्रीका । सूर्यमास ३ । ३पगःछा पोः
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	३	३०	०	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	३०	०	वव			२९	५९	२	१	९२	३भाः वृषेंदु । रात दिनसम । तुलाऽर्के शंक्रांती
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	४	२९	२	रोहिणी	१५	१५			बालव	२९	२	कोलव			२९	५५	३	२	९३	वृषेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	५	२८	४	मृगसरा	१५	१५	ऽद्रा	३०	स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२९	५१	४	३	९४	२१॥भाः मिथुनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	६	२७	६	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	२७	६	वृष्टि			२९	४७	५	४	९५	मिथुनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	७	२६	८	पुनर्वसु	१५	१५			वव	२६	८	बालव			२९	४३	६	५	९६	४०भाःकर्केंदु।स्वातिऽर्के५४घःउः विशाखाऽर्के २०दिन ६घड़ी
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	८	२५	१०	पुष्य	१५	१५	ऽश्ले	३०	कोलव	२५	१०	स्त्रीलोचन			२९	३९	७	६	९७	कर्केंदु । चन्द्रायन ७
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	९	२४	१२	मघा	४५	१५			गर	२४	१२	विणिज			२९	३५	८	७	९८	५८॥भाः सिंघेदु । ३पः१अं·छाःपोरसी
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१०	२३	१४	पुःफाः	४५	१५			वृष्टि	२३	१४	वव			२९	३१	९	८	९९	सिंघेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	११	२२	१६	उ.फाः	६०	०			बालव	२२	१६	कोलव			२९	२७	१०	९	१००	सिंघेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१२	२१	१८	उःफाः	१५	१५			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२९	२३	११	१०	१०१	१०भाः कन्येंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१३	२०	२०	हस्त	१५	१५			विणिज	२०	२०	वृष्टि			२९	१९	१२	११	१०२	कन्येंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१९	२२	चित्रा	१५	१५	स्वा	३०	शकुन	१९	२२	चतुष्पद			२९	१५	१३	१२	१०३	२८॥भाःतुलेंदु । पखी ७
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	१८	२४	विशाखा	६०	०			नाग	१८	२४	किस्तुघन			२९	११	१४	१३	१०४	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४१ । जुगनोमास ३ । पहला चन्द्र सम्वत्सरकोमास ३ । आसोजशुदि । लोकोत्तर मास नामविजय । रवि दक्षिणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र बेर के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनको	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	सूर्य साथ नक्षत्र
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	४६	२८	चित्रा	५६	२८			किस्तुघन	१६	५८	बव			३१	५	१५	१४	७५	कन्येंदु । उत्रा भाद्रपद रात्री का समाप्त
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	२	४५	३०	स्वाति	२६	२८			बालव	१५	६०	कौलव			३१	१	१६	१५	७६	७॥भा उःतुलेंदु।२पग१०ध्रःछाःपोःहस्तऽर्के४८घ.उ चित्रार्के१३दिन२९घ चंद्रदर्शनं
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	३	४४	३२	विशाखा	५६	२८			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			३०	५८	१७	१६	७७	तुलेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	४	४३	३४	ऽनुराधा	५६	२८			विणिज	१४	२	वृष्टि			३०	५४	१८	१७	७८	२६ भाःउः वृश्चकेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	५	४२	३६	ज्येष्ठा	२६	२८			बव	१३	४	बालव			३०	५०	१९	१८	७९	वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	६	४१	३८	मुला	२६	२८			कौलव	१२	६	स्त्रीलोचन			३०	४६	२०	१९	८०	४४॥ भाः उः धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	७	४०	४०	पुः षा.	२६	२८			गर	११	८	विणिज			३०	४२	२१	२०	८१	धनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	८	३९	४२	उः षाः	५६	२८			वृष्टि	१०	१०	बव			३०	३८	२२	२१	८२	६३ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ६ । नक्षत्र मास ३
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	९	३८	४४	ऽभिज	१५	१५			बालव	९	१२	कौलव			३०	३४	२३	२२	८३	मकरेंदु ॥ २ पग ११ ध्रः छाः पो०
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१०	३७	४६	श्रवण	१५	१५			स्त्री लोचन	८	१४	गर			३०	३०	२४	२३	८४	मकरेंदु
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	११	३६	४८	धनेष्टा	१५	१५	शत	३०	विणिज	७	१६	वृष्टि			३०	२६	२५	२४	८५	१४॥ भाः उः कुम्भेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१२	३५	५०	पुः भा०	४५	१५			बव	६	१८	बालव			३०	२२	२६	२५	८६	कुम्भेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१३	३४	५२	उः भा०	६०	०			कौलव	५	२०	स्त्रीलोचन			३०	१८	२७	२६	८७	३३ भाः उः मीनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१४	३३	५४	उः भा०	१५	१५			गर	४	२२	विणिज			३०	१४	२८	२७	८८	मीनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३२	५६	रेवती	१५	१५			वृष्टि	३	२४	बव			३०	१०	२९	२८	८९	५१॥ भाः उः मेखंदु । ५खी ६

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४२ । जुगनोमास । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास पांच मृगसरवदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांश । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवृद्धि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्रि	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन परिमान २ पक्षीपरिमाण ३ पोरसी छाया परिणाम ४
गु	श	मं	शु	च	बृ	र	१	२	५६	रोहिणी	३४	२			कोलव	१	५६	स्त्रीलोचन			२८	८	३०	२९	१२०	सूर्येंदु ॥ ऋतुमास ४
						च	२	१	५८	मृगसरा	३४	२			गर	२	५८	विणिज			२८	४	१	३०	१२१	४२॥भा मिथनेंदु । भरनीसमाप्ता रात्री नक्षत्र ।
						मं	३	०	६०	आद्रा	४	२			धृष्टि ६०	भा	वव	२६घ३२घाल	२६	३२	२८	०	२	३१	१२२	मिथुनेंदु । सूर्यमास ४+३०४ अंः कृतकारात्रा
०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० पोः
						बु	५	५९	२	पुनर्वसु	३४	२			कोलव	२९	३२	स्त्रीलोचन			२७	५७	३	१	१२३	६१भा कर्केंदु पृथ्वकेभानुशंक्रांति चन्द्रायन६गरजनेकीअसभाइजगीसरदऋतु
						बृ	६	५८	४	पुष्प	३४	२			गर	२८	३४	विणिज			२७	५३	४	२	१२४	कर्केंदु
						शु	७	५७	६	अश्लेषा	४	२			धृष्टि	२७	३६	वव			२७	४९	५	३	१२५	कर्केंदु
						श	८	५६	८	मघा	४	२			बालव	२६	३८	कोलव			२७	४५	६	४	१२६	१२॥भा सिंघेंदु
						र	९	५५	१०	पु.फा०	४	२			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			२७	४१	७	५	१२७	सिंघेंदु
						चं	१०	५४	१२	उः फा०	३४	२			विणिज	२४	४२	धृष्टि			२७	३७	८	६	१२८	३१भा कन्येंदु
						म	११	५३	१४	हस्त	३४	२			वव	२३	४४	बालव			२७	३३	९	७	१२९	कन्येंदु
						बु	१२	५२	१६	चित्र	३४	२			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			२७	२९	१०	८	१३०	४९॥भा। तुलेंदु । ३पग/अ०ग ऽनुराधाऽकें२४घ.उ जेष्ठार्के६दिन४२घः
						बृ	१३	५१	१८	स्वाति	४	२			गर	२१	४८	विणिज			२७	२५	११	९	१३१	तुलेंदु
						शु	१४	५०	२०	विशाषा	३४	२			धृष्टि	२०	५०	शुकुन			२७	२१	१२	१०	१३२	तुलेंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	रा	१५	४९	२२	ऽनुराधा	३४	२			चतुष्पद	१९	५२	नाग			२७	१७	१३	११	१३३	१भाःउ.वृश्चेंदु । पक्षी ६

विक्रम सम्वत् १९७२ जोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ४ पहिला चन्द्रसम्वत्सरकामास चौथा । कार्तिक । शुदि । लोकोत्तर मास नाम । प्रीतिवर्धन । रविदत्तिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६४	दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायनं प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	१७	२६	विशाखा	१५	१५			वव	१७	२६	वालव			२६	७	१५	१४	१०५	४७ भाः वृश्चकेंदु । चन्द्र दर्शनम्
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	२	१६	२८	ऽनुराधा	१५	१५	ज्ये	३०	कोलव	१६	२८	स्त्री लोचन			२६	३	१६	१५	१०६	वृश्चकेंदु । ३ पग २ अः छाः ऽश्विनी रात्रीका
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	३	१५	३०	मुला	३५	१५			गर	१५	३०	विणिज			२८	६०	१७	१६	१०७	६४॥ भाः धनेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	४	१४	३२	पु खाड़ा	३५	१५			वृष्ठि	१४	३२	वव			२८	५६	१८	१७	१०८	धनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	५	१३	३४	उ षाड़ा	६०	०	०		वालव	१३	३४	कोलव			२८	५२	१९	१८	१०९	धनेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	६	१२	३६	उ.षाड़ा	१५	१५	ऽभि	२५/१४	स्त्री लोचन	१२	३६	गर			२८	४८	२०	१९	११०	१७ भाः मकरेंदु । नक्षत्र मास ४ चन्द्रायन ८
चं	बृ		बु	श	मं	शु	७	११	३८	श्रवन	३४	२			विणिज	११	३८	वृष्टि			२८	४४	२१	२०	१११	मकरेंदु
मं	शु		बृ	र	बु	श	८	१०	४०	धनेष्ठा	३४	२			वव	१०	४०	वालव			२८	४०	२२	२१	११२	३५॥ भाः कुम्भेंदु
	श	मं	शु	चं	बृ	र	९	९	४२	सतभिषा	४	२			कोलव	९	४२	स्त्री लोचन			२८	३६	२३	२२	११३	कुम्भेंदु
	र	बु	श	मं	शु	चं	१०	८	४४	पुः भाद्रप.	४	२			गर	८	४४	विणिज			२८	३२	२४	२३	११४	५४ भाः मीनेंदु । १ पग ३ अंगुल छाः पोरसी
	चं	बृ	र	बु	श	मं	११	७	४६	उः भाः	३४	२			वृष्टि	७	४६	वव			२८	२८	२५	२४	११५	मीनेंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१२	६	४८	रेवती	३४	२			वालव	६	४८	कोलव			२८	२४	२६	२५	११६	मीनेंदु । विशाषाऽकें ६० घड़ीपुर्ण
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१३	५	५०	ऽश्वनी	३४	२			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			२८	२०	२७	२६	११७	५॥ भाः मेखेंदु । ऽनुराधाऽकें १२ दि २४ घड़ी
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१४	४	५२	भरणी	४	२			विणिज	४	५२	वृष्टि			२८	१६	२८	२७	११८	मेखेंदु । पखी कार्तिक चौमासा
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	३	५४	कृतिका	४	२			वव	३	५४	वालव			२८	१२	२९	२८	११९	२४ भाः वृखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक । वीर सम्वत २४४२ । जुगकामास ६ । पहिलाचन्द्रसम्वत्सरनोमास ६ । पौषवदी । लोकोत्तरमासकानामशिव । रविदत्तणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग६७	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
पू	र		श	मं	शु	चं	१	३३	५४	आद्रा	२२	५६			वालव	४	२२	कोलव			२५	१४	२९	२७	१४९	मिथनेंदु ।
						मं	२	३२	५६	पुनर्वसु	४२	५६			स्त्रीलोचन	३	२५	गर			२६	१०	३०	२८	१५०	निथुनेंदु । ऋतुमास ५ चन्द्रायण ११ मुजाऽर्के ३० घःउःपुःपाःऽर्के १३दिन २४ घड़ी
						बु	३	३१	५८	पुष्प	४२	५६			विणिज	२	२६	वृष्टि			२६	६	१	२९	१५१	१५ भाः कर्केंदु+रोहनी रात्रीका
						वृ	४	३०	६०	ऽश्लेषा	२२	५६			वव	१	२८	वालव	२९	३२	२६	२	२	३०	१५२	कर्केंदु । ३ पगः ८ अंःछाः पौः सूर्य मास ५ः मृगसिर रात्रिका
						शु	५	३०	०	मघा	२२	५६			कोलव	०	३०	स्त्री ३६/३१	गर	१६/३१	२५	५९	३	१	१५३	३३ ॥ भाः सिंघेंदु । धनेंभानु । शंक्राति ।
						श	६	२९	२	पू फाः	२२	५६			विणिज	२९	२	वृष्टि			२५	५५	४	२	१५४	सिंघेंदु
						र	७	२८	४	उत्राफाः	४२	५६			वव	२८	४	वालव			२५	५१	५	३	१५५	५२ भाः कन्येंदु
						चं	८	२७	६	हस्त	४२	५६			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			२५	४७	६	४	१५६	कन्यंदु
						मं	९	२६	८	चित्रा	४२	५६			गर	२६	८	विणिज			२५	४३	७	५	१५७	कन्येंदु
						बु	१०	२५	१०	स्वाति	२२	५६			वृष्टि	२५	१०	वव			२५	३९	८	६	१५८	३॥भाःतुलेंदु । ३ पग ६ अंःछाःपोरसी
						वृ	११	२४	१२	विशाषा	४२	५६			वालव	२४	१२	कोलव			२५	३५	९	७	१५९	तुलंदु
						शु	१२	२३	१४	ऽनुराधा	४२	५६			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			२५	३१	१०	८	१६०	२२भाःउःवृश्चिकेंदु
						श	१३	२२	१६	ज्येष्टा	२२	५६			विणिज	२२	१६	वृष्टि			२५	२७	११	९	१६१	वृश्चिकेंदु
						र	१४	२१	१८	मुला	२२	५६			शुकन	२१	१८	चतुष्पद			२५	२३	१२	१०	१६२	४०॥भाः धनेंदु ॥ पखी ११
पू	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२०	२०	पुरषाषा	२२	५६			नाग	२०	२०	किस्तुघन			२५	१९	१३	११	१६३	धनेंदु । पुःषाः ५४ घः उः उत्राषाडाऽर्के २० दिन ६ घः

विक्रम सम्वत् १९७२लोकीक। वीर सम्वत् २४४२जुगनोमास ५। मृगसर सुदी। लोकोत्तरमासकातामध्येयांश रविदत्तणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पोरसी छायाप्रमाण ३। पखी प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	४८	२४	ज्येष्ठा	४	२			किस्तुघन	१८	५४	बव			२७	१३	१४	१२	१३४	धूम्रकेतु
						चं	२	४७	२६	मुला	४	२			बालव	१७	५६	कोलव			२७	६	१५	१३	१३५	१६॥भाः धनेंदु। चंद्रदर्शनम्
						मं	३	४६	२८	पुर्वाषाढ़ा	४	२			स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२७	५	१६	१४	१३६	धनेंदु।
						बु	४	४५	३०	उत्राषाढा	३४	२	ऽभी	१८ ५४	विणिज	१५	६०	वृष्टि			२७	१	१७	१५	१३७	३८माःमकरेंदु। ज्येष्ठा ६ घड़ी उः मुला ११ दिन २४ घः कृतिकारात्रीका। चन्द्रायन१०नक्षत्रमास ५।२ प६मं०क्षा०पोरसी
						बृ	५	४४	३२	श्रवण	५२	५६			बव	१५	०	बालव			२६	५८	१८	१६	१३८	मकरेंदु
						शु	६	४३	३४	धनेष्ठा	५२	५६			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२६	५४	१९	१७	१३९	५६॥भा कुंभेंदु
						श	७	४२	३६	सतभि०	२२	५६			गर	१३	४	विणिज			२६	५०	२०	१८	१४०	कुंभेंदु
						र	८	४१	३८	पु:भा०	२२	५६			वृष्टि	१२	६	बव			२६	४६	२१	१९	१४१	कुंभेंदु
						चं	९	४०	४०	उ भा०	५२	५६			बालव	११	८	कोलव			२६	४२	२२	२०	१४२	८मा मीनेंदु
						मं	१०	३९	४२	रेवती	५२	५६			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२६	३८	२३	२१	१४३	मीनेंदु
						बु	११	३८	४४	अश्विनी	५२	५६			विणिज	९	१२	वृष्टि			२६	३४	२४	२२	१४४	२६॥माःमेखेंदु। ३पग७मंःछाया पोरसी
						बृ	१२	३७	४६	भरणी	२२	५६			बव	८	१४	बालव			२६	३०	२५	२३	१४५	मेखेंदु
						शु	१३	३६	४८	कृतिका	२२	५६			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२६	२६	२६	२४	१४६	४५वृखेंदु
						श	१४	३५	५०	रोहिणी	५२	५६			गर	६	१८	विणिज			२६	२२	२७	२५	१४७	वृखेंदु
।	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	३४	५२	मृगसरा	५२	५६			वृष्टि	५	२०	बव			२६	१८	२८	२६	१४८	६३॥भाःमिथुनेंदु पखी १०

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगमास ७। पहला चन्द्र सम्वत्सरनामास ७। माघवदी। लोकोत्तर मास नामशि.सर। रवि दक्षिणायणे से। रवि उत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वेढ़ के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६४	करण राती	घड़ी	भाग ६२	दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफर्से सूर्य साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण ३॥ पोरसी छायाप्रमाण ४।
श	र	शु	चं	बृ	र	शु	१	४	५२	पुष्प	११	४३	ऽश्रे	३०	फोजव	४	५२	स्त्रीलोचन			२४	१६	२९	२७	१७९	कर्केंदु
						बृ	२	३	५४	मघा	४१	४३			गर	३	५४	विणिज			२४	१२	३०	२८	१८०	५४॥भा: सिंहेदु ॥ ऋतुमास ६
						शु	३	२	५६	पु: फा:	४१	४३			बृष्टि	२	५६	बव			२४	८	१	२९	१८१	सिंघेदु ॥ पुनर्वसुसमाप्ता रात्रीका
						श	४	१	५८	उ: फा:	६०	०			बालव	१	५८	फोलव	२६	३२	२४	४	२	३०	१८२	सिंहेदु
						र	५	०	६०	उ: फ:	११	४३			स्त्री लोचन	०	६०	गर	३६/३२	वि	२४	०	३	३१	१८३	६ मा:कन्येंदु। सूर्यमास ६। सूर्ययेन १उ.षा:ऽर्के ६० घड़ी ॥ पुष्परात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ४ पग छाया पोरसी
						चं	७	५६	२	हस्त	११	४३			बृष्टि	२६	३२	बव			२४	४	४	१	१८४	कन्येंदु।मकरेभानु। शंक्रांति। अभीचार्के४ दि०१२घ० हेमंत ऋतु रविउत्रायने
						मं	८	५८	४	चित्रा	११	४३	स्वी	३०	बालव	२८	३४	फोलव			२४	८	५	२	१८५	२४॥ भाग: उ: तुलेदु
						बु	९	५७	६	विशाषा	६०	०			स्त्री लोचन	२७	३६	गर			२४	१२	६	३	१८६	तुलेंदु
						गु	१०	५६	८	विशाषा	११	४३			विणिज	२६	३८	बृष्टि			२४	१६	७	४	१८७	४३ भा: वृश्चकेंदु
						शु	११	५५	१०	ऽनुराध	११	४३	ज्ये	३०	बव	२५	४०	बालव			२४	२०	८	५	१८८	वृश्चकेंदु। ऽभीचार्के १२ घ:उ: श्रवनार्के १३दि: २४ घड़ी
						श	१२	५४	१२	मुला	४१	४३			फोलव	२४	४२	स्त्रीलोचन			२४	२४	९	६	१८९	६१॥भा धनेंदु
						र	१३	५३	१४	पु:षाडा	४१	४३			गर	२३	४४	विणिज			२४	२८	१०	७	१९०	धनेंदु
						चं	१४	५२	१६	उ:षाडा	६०	०			बृष्टि	२२	४६	शकुन			२४	३२	११	८	१९१	धनेंदु। ३ पग ११ अं: छाया पोरसी।
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	५१	१८	उ: षा:	११	४३	ऽभी	१५/५४	चतुष्पद	२१	४८	नाग			२४	३६	१२	९	१९२	१३ भा: मकरेंदु। नक्षत्र मास ७। चन्द्रायन १४। पखी १३

विक्रम सम्वत् १६७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगनोमास ६ पहिला चद्र सम्वत्सरनोमास ६ । पौषसुदी लाकोत्तरमासको नाम शिव । रवीदत्तिणायणे ॥

चन्द्रमा दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरछः प्रमाण ४

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रघड़ी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६४	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	
शु	च	बृ	र	बु	श	मं	१	१६	२२	उत्राषाडा	५२	५६			बव	१६	२२	वालव			२५	१५	१४	१२	१६४	५६ भा मकरेंदुानत्तत्रमास ६ चन्द्रमायन १२
						बु	२	१८	२४	ऽभीच	११	४३			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			२५	११	१५	१३	१६५	मकरेंदु । चंद्रदर्शनम्
						बृ	३	१७	२६	श्रावण	११	४३			गर	१७	२६	विणिज			२५	७	१६	१४	१६६	मकेंदु
						शु	४	१६	२८	धनेष्टा	११	४३	सत	३०	वृष्टि	१६	२८	बव			२५	३	१७	१५	१६७	१०॥ भा कुंभेदु । ३ पग' १०श्रंक्षापो । मृगशिर नक्षत्र रात्रीकावित्ता
						श	५	१५	३०	पू भा	४१	४३			वालव	१५	३०	कोलव			२४	६०	१८	१६	१६८	कुंभेदु ।
						र	६	१४	३२	उ भा	६०	०			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			२४	५६	१९	१७	१६९	२६ भा.उ मीनेंदु
						च	७	१३	३४	उ भा	११	४३			विणिज	१३	३४	वृष्टि			२४	५२	२०	१८	१७०	मीनेंदु
						मं	८	१२	३६	रेवती	११	४३			बव	१२	३६	वालव			२४	४८	२१	१९	१७१	४७ ॥ भा उ' मेखेंदु
						बु	९	११	३८	अश्वनी	११	४३	भर	३०	कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			२४	४४	२२	२०	१७२	मेखेंदु
						बृ	१०	१०	४०	कृतिका	४१	४३			गर	१०	४०	विणिज			२४	४०	२३	२१	१७३	६६ भा उ वृखेंदु
						शु	११	९	४२	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	९	४२	बव			२४	३६	२४	२२	१७४	वृखेंदु । ३ पग ११ अङ्गाःपोः । आर्द्रा समाप्ता रात्रीका
						श	१२	८	४४	रोहिणी	११	४३			वालव	८	४४	कोलव			२४	३२	२५	२३	१७५	वृखेंदु
						र	१३	७	४६	मृगसरा	११	४३	आर्द्रा	३०	स्त्रीलोचन	७	४६	गर			२४	२८	२६	२४	१७६	१७॥भा उः मिथुनेंदु
						च	१४	६	४८	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	६	४८	वृष्टि			२४	२४	२७	२५	१७७	मिथुनेंदु । पक्षी १२
शु	च	बृ	र	बु	श	मं	१५	५	५०	पुनर्वसु	११	४३			बव	५	५०	वालव			२४	२०	२८	२६	१७८	२६ भा उ कर्केंदु । चद्रायन १३

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगनोमास ८। पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुनवदी। लोकोत्तरमासको नाम। हेमते। रविउत्रायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगनमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
८	शु	श	मं	शु	चं	बृ	१	३५	५०	मघा	०	३०			बालव	६	१८	कोलव			२५	३१	२८	२५	२०८	८॥ भाः उः सिंघेंदु
						शु	२	३४	५२	पुः फा	०	३०			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			२५	४३	२९	२६	२०९	सिंघेदु
						श	३	३३	५४	उ फाः	३०	३०			विणिज	४	२२	बृष्टि			२५	४७	३०	२७	२१०	२७ भाः उ. कन्येंदु । ऋतुमास ७ ।
						र	४	३२	५६	हस्त	३०	३०			बव	३	२४	बालव			२५	५१	१	२८	२११	कन्येंदु ।
						चं	५	३१	५८	चित्रा	३०	३०			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			२५	५५	२	२९	२१२	४५॥ भा. तुलेंदु . अश्लेषा समाप्ता रात्री का ।
						मं	६	३०	६०	स्वाति	०	३०			गर	१	२८	विणिज	२६	३२	२५	५९	३	३०	२१३	तुलेंदु । सूर्यमास ७ । ३ पग ८ आं छाःपोः मघारात्रीका ।
						बु	७	३०	०	विशा	३०	३०			बृष्टि	०	३०	बव	२६/३२	बाल	२६	२	४	१	२१४	६४ भा उःवृश्चकेंदु । धनार्के ६० घः कुंभेभानुशंक्रांति ।
						बृ	८	२९	२	ऽनुराः	३०	३०			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			२६	६	५	२	२१५	बृश्चकेंदु । मतभिषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी ।
						शु	९	२८	४	ज्येष्ठा	०	३०			गर	२८	४	विणिज			२६	१०	६	३	२१६	बृश्चकेंदु ।
						श	१०	२७	६	मुला	०	३०			बृष्टि	२७	६	बव			२६	१४	७	४	२१७	१५॥ भा. उः धनेंदु ।
						र	११	२६	८	पु षाड़ा	०	३०			बालव	२६	८	कोलव			२६	१८	८	५	२१८	धनेंदु ।
						चं	१२	२५	१०	उःषाड़ा	३०	३०	ऽभी	१५/५४	स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			२६	२२	९	६	२१९	३४ भा. उ. मकरेंदु । नक्षत्रमास ८ । चन्द्रायन १६ ।
						मं	१३	२४	१२	श्रवण	४१	१७			विणिज	२४	१२	बृष्टि			२६	२६	१०	७	२२०	मकरेंदु । ३ पग ७ अ छा. ।
						बु	१४	२३	१४	धनेष्ठा	४१	१७			शकुन	२३	१४	चतुष्पद			२६	३०	११	८	२२१	५२॥ भाःउ कुंभेदु पखी १५ । सतःऽर्कः४२घःउःपूर्वाभाःऽर्के। १२दिः२४घ
२	शु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	२२	१६	शतभि	४१	१७			नाग	२२	१६	किंस्तुघन			२६	३४	१२	९	२२२	कुंभेदु ।

विक्रम सम्वत् १६७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ७ । पहिलाच द्रसम्वसरनोमास ७ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानामशिसिर । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्राणप्रमाण २। पोरसीछा प्रमाण ४।
ग	म	शु	च	वृ	र	उ	१	५०	२०	श्रवन	३०	३०			किस्तु	२०	५०	वव			२	४०	१३	१०	१९३	मकरेंदु ।
						वृ	२	४९	२२	धनेष्टा	३०	३०			वालव	१९	५२	कोलव			२४	४४	१४	११	१९४	३१॥ भा उ कुमेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	४८	२४	शतभि	०	३०			स्त्रीलोचन	१८	५४	गर			२	४८	१५	१२	१९५	कुमेंदु
						श	४	४७	२६	पुरवाभा	०	३०			विणिज	१७	५६	वृष्टि			२४	५२	१६	१३	१९६	५० भा उ मीनंदु
						र	५	४६	२८	उत्राभा	३०	३०			वव	१६	५८	वालव			२४	५६	१७	१४	१९७	मीनेंदु । पुष्प समाप्तारात्रीका
						च	६	४५	३०	रवती	३०	३०			कालव	१५	६०	स्त्रीलोचन			२४	६०	१८	१५	१९८	मानेंदु । ३ पग १० अः छा पोरसी
						म	७	४४	३२	ऽश्विनी	३०	३०			गर	१५	०	विणिज			२५	३	१९	१९	१९९	१॥ भा उः मखेदु
						उ	८	४३	३४	भरणी	०	३०			वृष्टि	१४	२	वव			२५	७	२०	१७	२००	मेखदु
						व	९	४२	३६	कृतका	०	३०			वालव	१३	४	कोलव			२५	११	२१	१८	२०१	२०भा उ वृखदु । श्रवण ३६घ उः धनष्टार्के १३दिन२४घ
						शु	१०	४१	३८	राहिनी	३०	३०			स्त्रीलाचन	१२	६	गर			२५	१५	२२	१९	२०२	वृखेदु
						श	११	४०	४०	मृगसरा	३०	३०			विणिज	११	८	वृष्टि			२५	१९	२३	२०	२०३	३८॥ भा उ मिथनेंदु ।
						र	१२	३९	४२	श्राद्रा		३०			वव	१०	१०	वालव			२५	२३	२४	२१	२०४	मिथुनेंदु
						चं	१३	३८	४४	पुनवसु	३०	३०			कालव	९	१२	स्त्रीलोचन			२५	२	२५	२२	२०५	५७ भा उ कर्कैंदु । ३प १छा: । चन्द्रायन १५
						म	१४	३७	४६	पुष्प	३०	३०			गर	८	१४	विणिज			२५	३१	२६	२३	२०६	कर्कैंदु
श	म	शु	च	वृ	र	बु	१५	३६	४८	ऽश्लेषा	०	२०			वृष्टि	७	१६	वव			२५	३५	२७	२४	२०७	फर्कैंदु । पखी १४

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीरसम्वत् २४४२ । जुगनोमास ६ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास ६ चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्रायणो

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भा. ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन परिमान २ पखीपरिमाण ३ पोरसी छाया परिणाम ४
म	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	६	४८	हस्त	४९	१७			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			२७	३७	२८	२५	२३८	कन्येंदु
						र	२	५	५०	चित्रा	४९	१७			गर	५	५०	विणिज			२७	४१	२९	२६	२३९	६६॥ भाः उः तुलेंदु । ऋतुमास ८
						चं	३	४	५२	स्वाति	१९	१७			वृष्टि	४	५२	बव			२७	४५	३०	२७	२४०	तुलेंदु
						मं	४	३	५४	विशाखा	४९	१७			बालव	३	५४	कोलव			२७	४९	१	२८	२४१	तुलेंदु
						बु	५	२	५६	ऽनुराधा	४९	१७			स्त्रीलोचन	२	५६	गर			२७	५३	२	२९	२४२	१८ भाः उःवृश्चकेंदु
						बृ	६	१	५८	ज्येष्ठा	१९	१७			विणिज	१	५८	वृष्टि	२९	२३	२७	५७	३	३०	२४३	वृश्चकेंदु॥ पूर्वाफाल्गुणी समाप्त रात्रीका
						शु	७	०	६०	मूला	१९	१७			बव	०	६०	बालव	३६ ३२	को	२८	०	४	३१	२४४	३६॥भाःउः धनेंदु। सूर्य्यमास ८ ३पग४ अंः पोः उत्रा फाःरात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						श	९	५९	२	पुःपा०	१९	१७			स्त्रीलोचन	२९	३२	गर			२८	४	५	१	२४५	धनेंदु । मीनेंभानु शंक्रान्ति । वसंतऋतु
						र	१०	५८	४	उः पा०	४९	१७			विणिज	२८	३४	वृष्टि			२८	८	६	२	२४६	५५ भा.उः मकरेंदु । नक्षत्र मास ९ चन्द्रायन १८
						चं	११	५७	६	ऽभिच	८	४			बव	२७	३६	बालव			२८	१२	७	३	२४७	मकरेंदु
						मं	१२	५६	८	श्रवण	८	४			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			२८	१६	८	४	२४८	मकरेंदु
						बु	१३	५५	१०	धनष्ठा	८	४	शत	३०	गर	२५	४०	विणिज			२८	२०	९	५	२४९	६॥भाःउः कुंभेंदु
						बृ	१४	५४	१२	पुः भाः	३८	४			वृष्टि	२४	४२	शकुन			२८	२४	१०	६	२५०	कुंभेंदु
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	५३	१४	उ भाः	६०	०			चतुष्पद	२३	४४	नाग			२८	२८	११	७	२५१	२५भाःउः मीनेंदु ३ पग ३ अं छाः पोरसी+पखी१७

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगनोमास ८ पहिला चंद्र सम्वत्सरनोमास ८ । फाल्गुण शुदी लोकोत्तरमासको नाम हेमंत । रविउत्रायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रघड़ी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६७	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७ साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	२१	१८	पू भा	१६	१७			वव	२१	१८	वालव			२६	३८	१३	१०	२२३	कुंभेंदु ।
						श	२	२०	२०	उ.भा	४६	१७			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन			२६	४२	१४	११	२२४	४भा: उः मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	१९	२२	रवती	४६	१७			गर	१९	२२	विणिज			२६	४६	१५	१२	२२५	मीनेंदु
						चं	४	१८	२४	अश्वनी	४६	१७			वृष्टि	१८	२४	वव			२६	५०	१६	१३	२२६	२२ ॥ भा उ मेखदु
						मं	५	१७	२६	भरणी	१६	१७			वालव	१७	२६	कोलव			२६	५४	१७	१४	२२७	मेखदु
						बु	६	१६	२८	कृतिका	१६	१७			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर			२६	५८	१८	१५	२२८	४१ भा उ वृखेंदु । ३ पग ६ आं: छा: पो: मघासमातरात्रीका
						वृ	७	१५	३०	रोहिणी	४६	१७			विणिज	१५	३०	वृष्टि			२७	१	१९	१६	२२९	वृखेंदु
						शु	८	१४	३२	मृगसरा	४६	१७			वव	१४	३२	वालव			२७	५	२०	१७	२३०	५८॥भा उः मिथुनेंदु
						श	९	१३	३४	आद्रा	१६	१७			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन			२७	९	२१	१८	२३१	मिथुनेंदु
						र	१०	१२	३६	पुनवसु	४६	१७			गर	१२	३६	विणिज			२७	१३	२२	१९	२३२	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १७
						ब	११	११	३८	पुष्य	४६	१७			वृष्टि	११	३८	वव			२७	१७	२३	२०	२३३	११भा कर्कॆदु
						म	१२	१०	४०	ऽश्लेषा	१६	१७			वालव	१०	४०	कोलव			२७	२१	२४	२१	२३४	कर्कॆदु
						बु	१३	९	४२	मघा	१६	१७			स्त्रीलोचन	९	४२	गर			२७	२५	२५	२२	२३५	२६॥भा उ सिंघेंदु।३पग५आ।पुर्वा:भा:ऽर्क६घ उ उत्राभाद्र:ऽर्के२०दि: ६घड़ी
						वृ	१४	८	४४	पु.फा	१६	१७			विणिज	८	४४	वृष्टि			२७	२९	२६	२३	२३६	सिंघेंदु । पखी १६
चं	ध	र	ब	श	मं	श	१५	७	४६	उ.फा	४६	१७			वव	७	४६	वालव			२७	३३	२७	२४	२३७	४८ भा:उ. कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २५४२ । जुगकामास १० । पहिला चन्द्रसम्वत्सरका मास १० । वैसाखवदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसमसंभव । रविउत्रायणे ।

चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान घड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	३७	४६	चित्रा	८	४	स्वा:	३०	बालव	८	१४	कोलव			२९	३१	२७	२३	२६७	२०॥ भा:उ: तुलेंदु
						चं	२	३६	४८	विशाखा	६०	०			स्त्री लोचन	७	१६	गर			२९	३५	२८	२४	२६८	तुलेंदु । रेवतीऽर्के२६घ:उ:ऽश्विनीऽर्के१३दिन२४घड़ी
						मं	३	३५	५०	विशाखा	८	४			विणिज	६	१८	वृष्टि			२९	३९	२९	२५	२६९	३९ भा:उ वृश्चकेंदु -
						बु	४	३४	५२	ऽनुराधा	८	४	ज्ये०	३०	बव	५	२०	बालव			२९	४३	३०	२६	२७०	वृश्चकेंदु । ऋतुमास ९
						बृ	५	३३	५४	मुला	३८	४			कोलव	४	२२	स्त्री लोचन			२९	४७	१	२७	२७१	५७॥ भा:उ: धनेंदु
						शु	६	३२	५६	पु षाढ़ा	३८	४			गर	३	२४	विणिज			२९	५१	२	२८	२७२	धनेंदु
						श	७	३१	५८	उ षाढ़ा	६०	०			वृष्टि	२	२६	बव			२९	५५	३	२९	२७३	धनेंदु । हस्तसमासरात्रीका
						र	८	३०	६०	उ:षाढ़ा	८	४	ऽभि	१५	बालव	१	२८	कोलव	२९	३२	२९	५९	४	३०	२७४	९ भा: मकरेंदु।नक्षत्रमास१०।चन्द्रायन२०।सुर्यमास९।त्रिवाराभी२पग:छा:पो
						चं	९	३०	०	श्रवण	२६	५८			स्त्रीलोचन	०	३०	गर२९।३२	०	वि.	३०	२	५	१	२७५	मकरेंदु । मेखभानुशंक्रांति
						मं	१०	२९	२	धनेष्ठा	२६	५८	शत	३०	वृष्टि	२९	२	बव			३०	६	६	२	२७६	२७॥भा:उ:कुम्भेंदु
						बु	११	२८	४	पू:भा०	५६	५८			बालव	२८	४	कोलव			३०	१०	७	३	२७७	कुम्भेंदु
						बृ	१२	२७	६	पु: भाद्रप:	६०	०			स्त्रीलोचन	२७	६	गर			३०	१४	८	४	२७८	४६ भा: मीनेंदु
						शु	१३	२६	८	उ: भा:	२६	५८			विणिज	२६	८	वृष्टि			३०	१८	९	५	२७९	मीनेंदु
						श	१४	२५	१०	रेवती	२६	५८			सुकुन	२५	१०	चतुष्पद			३०	२२	१०	६	२८०	६४॥ भा:उ: मेखेंदु पखी १९ ।
															नाग	२४	१२	किंस्तुघन			३०	२६	११	७	२८१	मेखेंदु ऽश्विनिऽर्के ६० घड़ी २ प: ११ प्रां छा: पो:

विक्रम सम्वत् १९७२लोकीका वीर सम्वत् २४४२जुगनोमास ९ । पहिला चन्द्रमा सम्वत सरकामास ९ । चैत्र सुदी । लोकोत्तरमासकानाम वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वेध ६ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	युगमास	जुगमासा	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	५२	१३	उःभा०	८	४			किस्तुघन	२२	४६	बव			२८	३२	१२	८	२५२	मीनेंदु
						र	२	५१	१८	रेवती	८	४			बालव	२१	४८	कोलव			२८	३६	१३	९	२५३	४३॥भाः मेषेंदु । चंद्रदर्शनम्
						चं	३	५०	२०	ऽश्विनी	८	४	भर	३०	स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			२८	४०	१४	१०	२५४	मेषेंदु
						मं	४	४९	२२	कृतिका	३८	४			विणिज	१९	५२	वृष्टि			२८	४४	१५	११	२५५	६२भाःउ. वृषेंदु । उ भाः ऽर्के १२घ.उः रेवती ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						बु	५	४८	२४	रोहिणी	६०	०			बव	१८	५४	बालव			२८	४८	१६	१२	२५६	वृषेंदु
						बृ	६	४७	२६	रोहिणी	८	४			कोलव	१७	५६	स्त्रीलोचन			२८	५२	१७	१३	२५७	वृषेंदु
						शु	७	४६	२८	मृगसरा	८	४	ऽाद्रा	३०	गर	१६	५८	विणिज			२८	५६	१८	१४	२५८	१३॥भा उः मिथुनेंदु।उत्रा फाल्गुणी समासा रात्रीका ३ पग २घां :छुः पोः
						श	८	४५	३०	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	१५	६०	बव			२८	६०	१९	१५	२५९	मिथनेंदु
						र	९	४४	३२	पुनर्वसु	८	४			बालव	१५	०	कोलव			२९	३	२०	१६	२६०	३२भाःउ. कर्केंदु । चन्द्रायन १९
						चं	१०	४३	३४	पुख	८	४	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	१४	२	गर			२९	७	२१	१७	२६१	कर्केंदु
						मं	११	४२	३६	मघा	३८	४			विणिज	१३	४	वृष्टि			२९	११	२२	१८	२६२	५०॥भाः सिंघेदु
						बु	१२	४१	३८	पु फा	३८	४			बव	१२	६	बालव			२९	१५	२३	१९	२६३	सिंघेंदु
						बृ	१३	४०	४०	उःफाः	६०	०			कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			२९	१९	२४	२०	२६४	सिंघेंदु
						शु	१४	३९	४२	उ फाः	८	४			गर	१०	१०	विणिज			२९	२३	२५	२१	२६५	२भाःउः कन्येंदु
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	३८	४४	हस्त	८	४			वृष्टि	९	१२	बव			२९	२७	२६	२२	२६६	कन्येंदु पत्ती १८

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ११ पहला चन्द्रसम्वत्सरकामास ११ ज्येष्ठ वदी लोकोत्तरमासनाम निदाह । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७सादे १८भाग फर्से । नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखोप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
वं	पृ	र	बु	श	मं	१	८	४४	ऽनुराधा	२६	४८	ज्ये	३०	कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			३१	२६	२७	२३	२९७	वृश्चकेंदु
					बु	२	७	४६	मुला	५६	४८			गर	७	४६	विणिज			३१	३३	२८	२४	२९८	वृश्चकेंदु
					वृ	३	६	४८	पुर्वाषाड़ा	५६	४८			वृष्टि	६	४८	वव			३१	३७	२९	२५	२९९	११॥ भ॰उः धनेंदु
					शु	४	५	५०	उत्राषाड़ा	६०	०			बालव	५	५०	कोलव			३१	४१	३०	२६	३००	धनेंदु ऋतुमास १०
					श	५	४	५२	उत्राषाड़ा	२३	५८	ऽभी	१८/५४	स्त्रीलोचन	४	५२	गर	-		३१	४५	१	२७	३०१	३०भाः३. मकरेंदु नक्षत्रमास ११ । चन्द्रायन २२
					र	६	३	५४	श्रवण	४५	४५			विणिज	३	५४	वृष्टि			३१	४९	२	२८	३०२	मकरेंदु कृतः ऽर्केंद्र घःउः रोहिणी ऽर्के २० दिर्ह घड़ी
					चं	७	२	५६	धनिष्ठा	४५	४५			वव	२	५६	बालव			३१	५३	३	२९	३०३	४८॥भा॰उः कुंभेंदु
					मं	८	१	५८	शतभिषा	१५	४५			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	३६/३२	०	३१	५७	४	३०	३०४	कुंभेंदु स्वाति समाप्ता रात्रीका
					बु	९	०	६०	पुर्वभा॰	१५	४५			गर	०	६०	विणिज		३०	३२	०	५	३१	३०५	कुंभेंदु सुर्यमास १० । २ पग ८ अंः छाः विशाषा रात्री का
०	०	०	०	०	०	१०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ०
					वृ	११	५९	२	उत्राभा॰	४५	४५			वव	२९	३२	बालव			३२	४	६	१	३०६	मीनेंदु । वृखभानुशंक्रांति । ग्रिषमऋतु
					शु	१२	५८	४	रेवती	४५	४५			कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			३२	८	७	२	३०७	मीनदु
					श	१३	५७	६	ऽश्विनि	४५	४५			गर	२७	३६	विणिज			३२	१२	८	३	३०८	१८॥भाःउः मेखेंदु .
					र	१४	५६	८	भरणी	१५	४५			वृष्टि	२६	३८	शुकन			३२	१६	९	४	३०९	मेखेंदु
र	पृ	श	मं	श	चं	१५	५५	१०	~तका	१५	४५			चतुष्पद	२५	४०	नाग			३२	२०	१०	५	३१०	३७ भागः उः वृखेंदु पखी २१

१० विक्रम सम्यत् १९७३ लौकीक। वीर सम्वत् २४४२ । जुगनोमास १० । पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास १० । वगायसूदी, लोकोत्तरमासको नाम । कुमभसंभ्व । रविउत्रायण ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
वृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	२३	१४	कृतिका	५६	५८			चव	२३	१४	याजव			३०	३०	१२	८	२८२	मेखेंदु । भरणी ऽर्के ६ दिः ४२ घड़ी
						मं	२	२२	१६	रोहिणी	६०	०			कोलव	२२	१६	स्त्रीलोचन			३०	३४	१३	९	२८३	१६ भा. उः वृखदु चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	२१	१८	रोहिणी	२६	५८			गर	२१	१८	विणिज			३०	३८	१४	१०	२८४	वृखेंदु
						वृ	४	२०	२०	मृगसरा	२६	५८	आद्रा	३०	वृष्टि	२०	२०	वव			३०	४२	१५	११	२८५	३४॥भाः उः मिथुनेंदु
						शु	५	१९	२२	पुनर्वसु	६०	०			वालव	१९	२२	कोलव			३०	४६	१६	१२	२८६	मिथुनेंदु
						श	६	१८	२४	पुनर्वसु	२६	५८			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर			३०	५०	१७	१३	२८७	५३ भाः कर्केंदु
						र	७	१७	२६	पुष्य	२६	५८	श्ले	३०	विणिज	१७	२६	वृष्टि			३०	५४	१८	१४	२८८	कर्केंदु चन्द्रायन २१। भरणी ऽर्के ४२ घः उः कृतिका ऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						चं	८	१६	२८	मघा	५६	५८			वव	१६	२८	वालव			३०	५८	१९	१५	२८९	कर्केंदु । २ पग १॰ अं: छायो । चित्रा ममासारात्रीका ।
						म	९	१५	३०	पुः फा	५६	५८			कोलव	१५	३०	स्त्रीलोचन			३१	१	२०	१६	२९०	४॥भाः उः सिंघेंदु
						बु	१०	१४	३२	उ. फाः	६०	०			गर	१४	३२	विणिज			३१	५	२१	१७	२९१	सिंघेंदु
						वृ	११	१३	३४	उः फा	२६	५८			वृष्टि	१३	३४	वव			३१	९	२२	१८	२९२	२३ भाःउः कन्येंदु
						शु	१२	१२	३६	हस्त	२६	५८			वालव	१२	३६	कोलव			३१	१३	२३	१९	२९३	कन्येंदु
						श	१३	११	३८	चित्रा	२६	५८	स्वा	३०	स्त्रीलोचन	११	३८	गर			३१	१७	२४	२०	२९४	४१ ॥भाः उः तुलेंदु
						र	१४	१०	४०	विशाखा	६०	०			विणिज	१०	४०	वृष्टि			३१	२१	२५	२१	२९५	तुलेंदु । पखी २०
	र	बुं	श	मं	शु	चं	१५	९	४२	विशाखा	२६	५८			वव	९	४२	याजव			३१	२५	२६	२२	२९६	६० भाः वृश्चकेंदु २ पग

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीरसम्वत् २४४२ । जुगकामास १२ । पहलाचन्द्रसम्वत्सरकामास १२ । आषाढवदी । लोकोत्तरमासनाम । धमविरोध । रविउत्तरायणे

चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १
चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	३९	४२	मूला	१५	४५			बालव	१०	१०	कौलव			३३	२३	२६	२१	३२६	३२॥भा:उ: धनेंदु। अनुराधासमाप्तरात्रीका
						बृ	२	३८	४४	पु:षा०	१५	४५			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३३	२७	२७	२२	३२७	धनेंदु । २घा४अं:छा:पोरसी
						शु	३	३७	४६	उ: षा०	४५	४५			विणिज	८	१४	वृष्टि			३३	३१	२८	२३	३२८	५५ भा.उ: मकरेंदु । नक्षत्र मास १२ । चन्द्रायन २४
						श	४	३६	४८	ऽभिच	४	३२			बव	७	१६	बालव			३३	३५	२९	२४	३२९	मकरेंदु
						र	५	३५	५०	श्रवण	४	३२			कौलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३३	३९	३०	२५	३३०	मकरेंदु । ऋतुमास ११
						चं	६	३४	५२	धनेष्ठा	४	३२	शत:	३०	गर	५	२०	विणिज			३३	४३	१	२६	३३१	२॥भा:उ: कुंभेंदु
						मं	७	३३	५४	पु: भा:	३४	३२			वृष्टि	४	२२	बव			३३	४७	२	२७	३३२	कुंभेंदु
						बु	८	३२	५६	उ: भा:	६०	०			बालव	३	२४	कौलव			३३	५१	३	२८	३३३	२१भा.उ: मीनेंदु
						बृ	९	३१	५८	उ०भा०	४	३२			स्त्रीलोचन	२	२६	गर	२६	२३	३३	५५	४	२९	३३४	मीनेंदु । ज्येष्ठासमाप्तरात्रीका [आर्द्राऽर्कैः दिन४२घः
						शु	१०	३०	६०	रेवती	४	३२			विणिज	१	२८	वृष्टि	२६ ३२		३३	५९	५	३०	३३५	३९॥ भा:उ.मेषेंदु।सूर्यमास११।२गग४अं.छा:।मूलारात्रीका।मृगसरऽर्के३६घः उः
						श	११	३०	०	ऽश्विनी	४	३२	भर०	३०	बव	०	३०	बालव	कों		३४	२	६	१	३३६	मेषेंदु । मिथुनभानुसंक्रांति
						र	१२	२९	२	कृतका	३४	३२			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			३४	६	७	२	३३७	५८भा:उ: वृषेंदु
						चं	१३	२८	४	रोहिणी	६०	०			विणिज	२८	४	वृष्टि			३४	१०	८	३	३३८	वृषेंदु
						मं	१४	२७	६	रोहिणी	४	३२			शुकन	२७	६	चतुष्पद			३४	१४	९	४	३३९	वृषेंदु । पक्षी २३
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	२६	८	मृगसरा	४	३२	ऽर्द्रा	३०	नाग	२६	८	किंस्तुघन			३४	१८	१०	५	३४०	९॥भा:उ:मिथुनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगनोमास ११ पहिला चंद्र सम्वत्सरनोंमास ११ ज्येष्ठ शुदी लोकोत्तरमासको नाम निदाहे । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	५४	१२	रोहिणी	४५	४५			क्रिस्तुघन	२४	४२	वव			१२	२४	११	६	३११	वृषेंदु
						बु	२	५३	१५	मृगसरा	४५	४५			बालव	२३	४४	कोलव			३२	२८	१२	७	३१२	५५॥ भाः उः मिथनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	५२	१६	आद्रा	१५	४५			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३२	३२	१३	८	३१३	मिथुनेंदु । २ पग ७ आंः छाः पोरसी
						शु	४	५१	१८	पुनर्वसु	४५	४५			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३२	३६	१४	९	३१४	मिथुनेंदु । चन्द्रायन २३
						श	५	५०	२०	पुष्य	४५	४५			वव	२०	५०	बालव			३२	४०	१५	१०	३१५	७ भाः उः कर्केंदु
						र	६	४९	२२	ऽश्लेषा	१५	४५			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३२	४४	१६	११	३१६	कर्केंदु
						चं	७	४८	२४	मघा	१५	४५			गर	१८	५४	विणिज			३२	४८	१७	१२	३१७	२५॥भाःउः सिंघेंदु ।
						मं	८	४७	२६	पुःफा	१५	४५			वृष्टि	१७	५६	वव			३२	५२	१८	१३	३१८	सिंघेंदु ।
						बु	९	४६	२८	उ.फा.	४५	४५			बालव	१६	५८	कोलव			३२	५६	१९	१४	३१९	४५ भाःउः कन्येंदु । विशाखा समाप्ता रात्रीका
						बृ	१०	४५	३०	हस्त	४५	४५			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३२	६०	२०	१५	३२०	कन्येंदु । २ पग ६ आंः छाः पोरसी
						शु	११	४४	३२	चित्रा	४५	४५			विणिज	१५	०	वृष्टि			३३	३	२१	१६	३२१	६२॥भाः तुलेंदु
						श	१२	४३	३४	स्वाति	१५	४५			वव	१४	२	बालव			३३	७	२२	१७	३२२	तुलेंदु । रोहिणी ऽकें १२घःउःमृगसरा ऽकें१३दिन २४ घड़ी
						र	१३	४२	३६	विशाखा	४५	४५			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३३	११	२३	१८	३२३	तुलेंदु
						चं	१४	४१	३८	ऽनुराधा	४५	४५			गर	१२	६	विणिंज			३३	१५	२४	१९	३२४	१४ भाः उः वृश्चकेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	४०	४०	ज्येष्ठा	१५	४५			वृष्टि	११	८	वव			३३	१९	२५	२०	३२५	वृश्चकेंदु । पखी २२

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत २४४२। आषाढ़वदी १। जुगनोमास १३। दूसरा चन्द्र सम्वत सरकामास १। श्रावण वदी। लोकोत्तरमासकानाम अभिनंद। रविउत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नाम के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	नक्षत्रमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	१०	४०	उत्राषाढ़ा	४	३२	ऽभी	१८ ५४	कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			३५	२१	२६	२१	३५६	५भा:उ: मकरेंदु। चन्द्रायन २६। नक्षत्रमास १३
						श	२	९	४२	श्रवण	२३	१६			गर	९	४२	विणिज			३५	२५	२७	२२	३५७	मकरेंदु। २ पग १ अं: छा पोरसी
						र	३	८	४५	धनेष्ठा	२३	१६	सत	३०	वृष्टि	८	४४	बव			३५	२९	२८	२३	३५८	२३॥भाग उ: कुंभेंदु
						चं	४	७	४६	पु.फा	५३	१६			बालव	७	४६	कोलव			३५	३३	२९	२४	३५९	कुंभेंदु
						मं	५	६	४८	उ:फा:	६०	०			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			३५	३७	३०	२५	३६०	४२ भा:उ. मीनेंदु ऋतुमास १२
						बु	६	५	५०	उ फा:	२३	१६			विणिज	५	५०	वृष्टि			३५	४१	१	२६	३६१	मीनेंदु
						बृ	७	४	५२	रेवती	२३	१६			बव	४	५२	बालव			३५	४५	२	२७	३६२	६०॥भा:उ मेखेंदु। पुनर्वसुऽर्के २४ घ:उ: पुष्यार्के १३ दि: २४ घ:
						शु	८	३	५४	ऽश्विनी	२३	१६	भर	३०	कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			३५	४९	३	२८	३६३	मेखेंदु
						श	९	२	५६	कृतिका	५३	१६			गर	२	५६	विणिज			३५	५३	४	२९	३६४	मेखेंदु
						र	१०	१	५८	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	१	५८	बव			३५	५७	५	३०	३६५	१२ भा.उ: वृखेंदु। पुर्वाषाढ़ा समाप्त रात्रीका
						चं	११	०	६०	रोहिणी	२३	१६			बालव कोलव	२९	३२	स्त्रीलोचन	२९	३२	३६	०	६	३१	३६६	वृखेंदु २पग छा: पो:। सूर्यमास १२। उत्राषाढ़ा रात्री
०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						मं	१३	५९	२	मृगसरा	२३	१६	ऽाद्रा	३०	गर	२९	३२	विणिज			३५	५७	७	१	३६७	३०॥भा:उ: मिथुनेंदु कर्कभानु संक्रांति रवीदक्षणायणे। पावसऋतु विजली
						बु	१४	५८	४	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	२८	३४	शुकन			३५	५३	८	२	३६८	मिथुनेंदु [चमकने आदि असझा इनही
र	बु	श	म	शु	चं	बृ	१५	५७	६	पुनर्वसु	२३	१६			चतुष्पद	२७	३६	नाग			३५	४९	९	३	३६९	४९ भा:उ: कर्केंदु। पक्षी २५। चन्द्रायण २७ दक्षणायणे।

१२ विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १२ । पहला चन्द्र सम्वत्सरका मास १२ । आषढसुदी । लोकोत्तर मास नाम वनविरोध रवित्रायो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र जेई के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान घ०	भाग ६२	सूत्र मास	सूर्य मास	उगमणा	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छायाप्रमाण ४
र	शु	श	मं	शु	चं	वृ	१	२५	१०	पुनर्वसु	६०	०			वव	२५	१०	बालव			३४	२२	११	६	३४१	मिथुनेंदु [पुनरवसुऽर्के २० दिन ६ घड़ी चद्रायन २५
						शु	२	२४	१२	पुनर्वसु	४	३२			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			३४	२६	१२	७	३४२	२८ भा:उ: कर्केंदु।२पग ३ अं:वा:पोरसी । चन्द्रदर्शनम् आर्द्राऽर्के १८ घ:उ:
						श	३	२३	१४	पुष्य	४	३२	ऽश्ले	३०	गर	२३	१४	विणिज			३४	३०	१३	८	३४३	कर्केंदु ।
						र	४	२२	१६	मघा	३४	३२			वृष्टि	२२	१६	वव			३४	३४	१४	९	३४४	४६॥ भा: उ: सिंघेंदु
						चं	५	२१	१८	पू: फा:	३४	३२			बालव	२१	१८	कोलव			३४	३८	१५	१०	३४५	सिंघेंदु
						मं	६	२०	२०	उत्रा फा:	६०	०			स्त्री लोचन	२०	२०	गर			३४	४२	१६	११	३४६	६५ भा:उ: कन्येंदु
						बु	७	१९	२२	उ: फ:	४	३२			विणिज	१९	२२	वृष्टि			३४	४६	१७	१२	३४७	कन्येंदु
						वृ	८	१८	२४	हस्त	४	३२			वव	१८	२४	बालव			३४	५०	१८	१३	३४८	कन्येंदु
						शु	९	१७	२६	चित्रा	४	३२	स्वा	३०	कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			३४	५४	१९	१४	३४९	१६॥ भा:उ: तुलेंदु
						श	१०	१६	२८	विशाषा	६०	०			गर	१६	२८	विणिज			३४	५८	२०	१५	३५०	तुलेंदु । २ पग २ अं: छायापोरसी । मूला समाप्तरात्री का
						र	११	१५	३०	विशाषा	४	३२			वृष्टि	१५	३०	वव			३५	१	२१	१६	३५१	३५ भा:उ: वृश्चकेंतु
						चं	१२	१४	३२	ऽनुराध	४	३२	ज्ये	३०	बालव	१४	३२	कोलव			३५	५	२२	१७	३५२	वृश्चकेंदु
						मं	१३	१३	३४	मुला	३४	३२			स्त्री लोचन	१३	३४	गर			३५	९	२३	१८	३५३	५३॥ भा:उ: धनेंदु
						बु	१४	१२	३६	पु:षाढा	३४	३२			विणिज	१२	३६	वृष्टि			३५	१३	२४	१९	३५४	धनेंदु । पखी २४
र	शु	श	मं	शु	च	वृ	१५	११	३८	उ:षाढा	६०	०			वव	११	३८	बालव			३५	१७	२५	२०	३५५	धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगनोमास १५। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका माग २। भाद्रवा वदी। लोकोत्तरमासको नाम। सुप्रतिष्ठित। रविदक्षिणायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से	सूर्यके साथ नक्षत्र१, पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण२
मं	श	च	बृ	र	बु	श	१	५१	२८	धनेष्टा	३२	६			बालव	१२	६	कौलव			३४	४६	२५	१९	३८५	४४।।भाःउः कुंभेंदु	
						र	२	४०	४०	शतभि०	१२	६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			३४	४२	२६	२०	३८६	कुंभेंदु	
						चं	३	३६	४२	पुः भा	१२	६			विणिज	१०	१०	बृष्टि			३४	३८	२७	२१	३८७	६३भाःउःमीनेंदु।अभीच नक्षत्ररात्रीका	
						मं	४	३८	४४	उ भाः	५२	६			बव	९	१२	बालव			३४	३४	२८	२२	३८८	मीनेंदु।२पः३प्रा छा पोः	
						बु	५	३७	४६	रेवती	५२	६			कौलव	८	१४	स्त्रीलोचन			३४	३०	२९	२३	३८९	मीनेंदु	
						बृ	६	३६	४८	ऽश्विनी	५२	६			गर	७	१६	विणिज			३४	२६	३०	२४	३९०	१४।।भाःउःमेषेंदु। ऋतुमास १३	
						शु	७	३५	५०	भरणी	१२	६			बृष्टि	६	१८	बव			३४	२२	१	२५	३९१	मेषेंदु	
						श	८	३४	५२	कृतिका	१२	६			बालव	५	२०	कौलव			३४	१८	२	२६	३९२	२३ भाः उः वृषेंदु	
						र	९	३३	५४	रोहिणी	५२	६			स्त्रीलोचन	४	२२	गर			३४	१४	३	२७	३९३	वृषेंदु	
						चं	१०	३२	५६	मृगसरा	५२	६			विणिज	३	२४	बृष्टि			३४	१०	४	२८	३९४	५१।।भाः उः मिथुनेंदु	
						मं	११	३१	५८	आद्रा	१२	६			बव	२	२६	बालव			३४	६	५	२९	३९५	मिथुनेंदु।मघार्के४४घः उःपुष्पाऽर्के१३दिन२४घड़ी।श्रवणसमाप्तरात्रीका	
						बु	१२	३०	६०	पुनर्वसु	५२	६			कौलव	१	२८	स्त्रीलोचन			३४	२	६	३०	३९६	मिथुनेंदु।सूर्यमास१३।२पग४अं:छा:पोःचंद्रायन२१धनेष्टरात्रीका	
						बृ	१३	३०	०	पुष्य	५२	६			गर	३० भग	वि	बृष्टि			३३	५६	७	१	३९७	३भाःउः कर्केंदु	
						शु	१४	२९	२	ऽश्लेषा	१२	६			शुकन	२९	२	चतुष्पद			३३	५५	८	२	३९८	कर्केंदु।सिंघभानुसंक्रांति।पन्नी२७	
म	श	चं	बृ	र	बु	श	१५	२८	४	मघा	१२	६			नाग	२८	४	किस्तुघन			३३	५१	९	३	३९९	२१।।भाः उः सिंहेंदु	

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४२। युगकामास १३। दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास १। श्रावणसुदी। लोकोत्तरमासकानाम अभिनंद। रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। | सूर्य के साथ नक्षत्र १ पली प्रमाण ३ चन्द्राणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	५६	८	पुष्य	२३	११	ऽश्ले	३०	किस्तुघ्न	२६	३८	बव			३५	४५	१०	४	३७०	कर्केंदु
						श	२	५५	१०	मघा	५३	११			बालव	२५	४०	कौलव			३५	४१	११	५	३७१	कर्केंदु। चंद्रदर्शनम्
						र	३	५४	१२	पु:फा:	५३	११			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			३५	३७	१२	६	३७२	॥ भा॰उः सिंघेंदु
						चं	४	५३	१४	उ फा:	६०	०			वणिज	२३	४४	विष्टि			३५	३३	१३	७	३७३	सिंघेंदु २ पग १ अंः छाः पोरसी
						मं	५	५२	१६	उ फा:	२३	११			बव	२२	४६	बालव			३५	२९	१४	८	३७४	१९भाः उः कन्येंदु
						बु	६	५१	१८	हस्त	२३	११			कौलव	२१	४८	स्त्रीलोचन			३५	२५	१५	९	३७५	कन्येंदु। पुष्पार्के १८ घ॰उः श्लेषार्के ६ दिन ५२ घड़ी
						बृ	७	५०	२०	चित्रा	२३	११	स्वा०	३०	गर	२०	५०	वणिज			३५	२१	१६	१०	३७६	३७॥भाः उः तुलेंदु
						शु	८	४९	२२	विशाखा	६०	०			विष्टि	१९	५२	बव			३५	१७	१७	११	३७७	तुलेंदु
						श	९	४८	२४	विशाखा	२३	११			बालव	१८	५४	कौलव			३५	१३	१८	१२	३७८	५६भाःउः वृश्चकेंदु
						र	१०	४७	२६	अनुराध	२३	११	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			३५	९	१९	१३	३७९	वृश्चकेंदु
						चं	११	४६	२८	मुला	५३	११			वणिज	१६	५८	विष्टि			३५	५	२०	१४	३८०	वृश्चकेंदु। उत्राषाढा समाप्त रात्रीका
						मं	१२	४५	३०	पुर्वाषाढ़ा	५३	११			बव	१५	६०	बालव			३५	१	२१	१५	३८१	७ ॥ भाःउः धनेंदु
						बु	१३	४४	३२	उत्राषा०	६०	०			कौलव	१५	०	स्त्रीलोचन			३४	५८	२२	१६	३८२	धनेंदु॥ऽश्लेषा ऽर्के ३० घ उः मघा ऽर्के १३ दि २४ घः
						बृ	१४	४३	३४	उत्राषा०	२३	११	ऽभि	१५	गर	१४	२	वणिज			३४	५४	२३	१७	३८३	२६ भाः उः मकरेंदु। नक्षत्रमास १४। चन्द्रायन २८ उत्रायणे
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	४२	३६	श्रवण	५२	६			विष्टि	१३	४	बव			३४	५०	२४	१८	३८४	मकरेंदु। पक्खी २६

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक। वीर सम्वत् २४४२। युगनोमास १५। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास २। भाद्रवावदी। लोकोत्तरमासको नाम। सुप्रतिष्ठित। दक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण पहला	घड़ी	भाग ६२	करण दूसरा	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से / सूर्य के साथ नक्षत्र१ पन्चीप्रमाणा ३ चन्द्रायन प्रमाणा २ पोरसीछायाप्रमाणा२
मं	२	र	गृ	र	बु	:	१	५१	३८	धनेष्ठा	४२	६			बालव	१२	६	कोलव			३४	४६	२५	१९	३८५	४४॥भा उ कुंभेंदु
						र	२	४०	४०	शतभि०	१२	६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			३४	४२	२६	२०	३८६	कुंभेंदु
						चं	३	३९	४२	पु: भा	१२	६			विणिज	१०	१०	वृष्टि			३४	३८	२७	२१	३८७	६३भा:उःमीनेंदु।अभीच नक्षत्रराज्ञीका
						म	४	३८	४४	उ भा:	४२	६			वव	९	१२	बालव			३४	३४	२८	२२	३८८	मीनेंदु।२प.३अं छा पो:
						बु	५	३७	४६	रेवती	४२	६			कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			३४	३०	२९	२३	३८९	मीनेंदु
						गु	६	३६	४८	ऽश्विनी	४२	६			गर	७	१६	विणिज			३४	२६	३०	२४	३९०	१४॥भा उःमेषेंदु। ऋतुमास १३
						शु	७	३५	५०	भरणी	१२	६			वृष्टि	६	१८	वव			३४	२२	१	२५	३९१	मेषेंदु
						श	८	३४	५२	कृतिका	१२	६			बालव	५	२०	कोलव			३४	१८	२	२६	३९२	३३ भा: उः वृषेंदु
						र	९	३३	५४	रोहिणी	४२	६			स्त्रीलोचन	४	२२	गर			३४	१४	३	२७	३९३	वृषेंदु
						चं	१०	३२	५६	मृगशर	४२	६			विणिज	३	२४	वृष्टि			३४	१०	४	२८	३९४	५१॥भा: उः मिथुनेंदु
						मं	११	३१	५८	आर्द्रा	१२	६			वव	२	२६	बालव			३४	६	५	२९	३९५	मिथुनेंदु।मघार्के१४घ उ.पुफाऽर्के१३दिन२४घड़ी॥श्रवणसमाप्तराज्ञीका
						बु	१२	३०	६०	पुनर्वसु	४२	६			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन			३४	२	६	३०	३९६	मिथुनेंदु।सूर्यमास१३।२पग४अं छा पोःचंद्रायन२१धनेष्ठराज्ञीका
						गृ	१३	३०	०	पुष्य	४२	६			गर	३० भाग	ति	वृष्टि			३३	५६	७	१	३९७	३भा उ कर्केंदु
						शु	१४	२९	२	ऽश्लेषा	१२	६			शकुन	२९	२	चतुष्पद			३३	५५	८	२	३९८	कर्केंदु।सिंघभानुशंक्रांति।पत्री२७
म	शु चं	गृ	र	बु	श		१५	२८	४	मघा	१२	६			नाग	२८	४	किंस्तुघन			३३	५१	९	३	३९९	२१॥भा: उ सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । युगकामास १३ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरकोमास १ । श्रावणसुदी । लोकोत्तरमासकानाम अभिनंद । रविदक्षिणायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रके साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	नक्षत्रमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। | सूर्य के साथ नक्षत्र १ पक्षी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
मं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	५६	८	पुष्य	२३	११	ऽश्ले	३०	किस्तुनघ	२६	३८	वव			३५	४५	१०	४	३७०	ककेंदु
						श	२	५५	१०	मघा	५३	११			वालव	२५	४०	कोलव			३५	४१	११	५	३७१	ककेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	५४	१२	पु.फा	५३	११			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			३५	३७	१२	६	३७२	॥ भा उः सिंघेंदु
						चं	४	५३	१४	उ फा	६०	०			विणिज	२३	४४	वृष्टि			३५	३३	१३	७	३७३	सिंघेंदु २ पग १ अंः छाः पोरसी
						मं	५	५२	१६	उ फा.	२३	११			वव	२२	४६	वालव			३५	२६	१४	८	३७४	१६भाः उः कन्येंदु
						बु	६	५१	१८	हस्त	२३	११			कोलव	२१	४८	स्त्रीलोचन			३५	२५	१५	९	३७५	कन्येंदु । पुष्पार्के १८ घ उः श्लेषार्के ६ दिन ५२ घड़ी
						वृ	७	५०	२०	चित्रा	२३	११	स्वा०	३०	गर	२०	५०	विणिज			३५	२१	१६	१०	३७६	३७॥भा. उः तुलेंदु
						शु	८	४९	२२	विशाखा	६०	०			वृष्टि	१९	५२	वव			३५	१७	१७	११	३७७	तुलेंदु
						श	९	४८	२४	विशाखा	२३	११			वालव	१८	५४	कोलव			३५	१३	१८	१२	३७८	५६भाःउ. वृश्चकेंदु
						र	१०	४७	२६	अनुराध	२३	११	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			३५	९	१९	१३	३७९	वृश्चकेंदु
						चं	११	४६	२८	मुला	५३	११			विणिज	१६	५८	वृष्टि			३५	५	२०	१४	३८०	वृश्चकेंदु । उत्राषाढा समाप्त रात्रीका
						मं	१२	४५	३०	पुर्वाषाढ़ा	५३	११			वव	१५	६०	वालव			३५	१	२१	१५	३८१	७ ॥ भा.उ· धनेंदु
						बु	१३	४४	३२	उत्राषा०	६०	०			कोलव	१५	०	स्त्रीलोचन			३४	५८	२२	१६	३८२	धनेंदु॥ऽश्लेषा ऽर्के ३० घ उः मघा ऽर्के १३ दि २४ घ
						वृ	१४	४३	३४	उत्राषा०	२३	११	ऽभी	१८	गर	१४	२	विणिज			३४	५४	२३	१७	३८३	२६ भाः उ. मकरेंदु । नक्षत्रमास १४ । चन्द्रायन २८ उत्रायणे
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१५	४२	३६	श्रवण	५२	६			वृष्टि	१३	४	वव			३५	५०	२४	१८	३८४	मकरेंदु । पक्षी २६

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास ६५ । दुसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ३ । आसौज वदी । लोकोत्तर मास नाम विजय रविदत्तणायवे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री		•	दिनमानघ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छायाप्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	१२	३६	उः भाः	६०	०			कोलव	१२	३६	स्त्रीलोचन			३२	४८	२५	१९	४१५	१७ भाःउः मीनेंदु
						मं	२	११	३८	उत्राभाः	०	६०			गर	११	३८	विणिज			३२	४४	२६	२०	४१६	मीनेंदु
						बु	३	१०	४०	रेवती	०	६०			वृष्टि	१०	४०	वव			३२	४०	२७	२१	४१७	३५॥भाःउः मखेंदुं
						बृ	४	९	४२	ऽश्वना	०	६०	भर	३०	वालव	९	४२	कोलव			३२	३६	२८	२२	४१८	मेखेंदु २ पग ७ अंः छाः । सतभिषा समाप्तरात्री का
						शु	५	८	४४	कृतका	३०	६०			स्त्री लोचन	८	४४	गर			३२	३२	२९	२३	४१९	५४ भाः वृखेंदु
						श	६	७	४६	रोहिणी	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३२	२८	३०	२४	४२०	वृखेंदु ऋतुमास १४
						र	७	६	४८	रोहिणी	०	६०			वव	६	४८	वालव			३२	२४	१	२५	४२१	वृखेंदु
						चं	८	५	५०	मृगसरा	०	६०	ऽत्राः	३०	कोलव	५	५०	स्त्रीलोचन			३२	२०	२	२६	४२२	५॥भाःउः मिथुनेंदु
						मं	९	४	५२	पुनर्वसु	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३२	१६	३	२७	४२३	मिथुनेंदु
						बु	१०	३	५४	पुनर्वसु	०	६०			वृष्टि	३	५४	वव			३२	१२	४	२८	४२४	२४भाः उः कर्केंदु । चन्द्रायन ३१
						बृ	११	२	५६	पुष्य	०	६०	ऽश्ले	३०	वालव	२	५६	कोलव			३२	८	५	२९	४२५	कर्केंदु
						शु	१२	१	५८	मघा	३०	६०			स्त्री लोचन	१	५८	गर	२९	३२	३२	४	६	३०	४२६	४२॥भाःउः सिंघेंदु । पूर्वाभाद्रापद समाप्तरात्री का
						श	१३		६०	पुः फाः	३०	६०			विणिजवृष्टी	० २९	५ ३२	सकुन			३२	०	७	३१	४२७	सिंघेंदु । सूर्यमास १५ । २ पग ८ छाः । उत्राभाद्रपद रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	५९	२	उत्राफा०	६०	०			चतुष्पद	२५	३२	नाग			३१	५७	८	१	४२८	६१ भाःउः कन्येंदु । कन्याऽर्के । शंक्रांति । पखी २९ । वर्षाऋतु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोंकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १४ दूसराचंद्र सम्वत्सरनोमास२ । भादूया शुदी लोकोत्तरमासको नाम । सुप्रष्टित । रविदक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
गु	श	मं	शु	चं	बु	र	१	२७	६	पु.फा	१२	६			वव	२७	६	वालव			३३	४७	१०	४	४००	सिंघेंदु।
						चं	२	२६	८	उ.फा.	४२	६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			३३	४३	११	५	४०१	४० भाः उः कन्येंदु चन्द्रदर्शनम्।
						मं	३	२५	१०	हस्त	४२	६			गर	२५	१०	विणिज			३३	३९	१२	६	४०२	कन्येंदु
						बु	४	२४	१२	चित्रा	४२	६			वृष्टि	२४	१२	वव			३३	३५	१३	७	४०३	५८॥भा उ तुलेंदु । २ पग ५ आंः छाः या पोरसी
						बृ	५	२३	१४	स्वाति	१२	६			वालव	२३	१४	वव			३३	३१	१४	८	४०४	तुलेंदु
						शु	६	२२	१६	विशाषा	४२	६			स्त्रीलोचन	२२	१६	कोलव			३३	२७	१५	९	४०५	तुलेंदु
						श	७	२१	१८	ऽनुराधा	४२	६			विणिज	२१	१८	गर			३३	२३	१६	१०	४०६	१० भा उ वृश्चकेंदु
						र	८	२०	२०	ज्येष्ठा	१२	६			वव	२०	२०	वृष्टि			३३	१९	१७	११	४०७	वृश्चकेंदु
						चं	९	१९	२२	मुला	१२	६			कोलव	१९	२२	वालव			३३	१५	१८	१२	४०८	२८ ॥ भा. उ धनेंदु
						मं	१०	१८	२४	पूर्वाषा०	१२	६			गर	१८	२४	स्त्रीलोचन			३३	११	१९	१३	४०९	धनेंदु । पु फाः ऽर्के १८ घःउः उ फाः ऽर्के२० दिन ६ घड़ी
						बु	११	१७	२६	उत्राषा	४२	६०	ऽभि	१७	वृष्टि	१७	२६	विणिज			३३	७	२०	१४	४१०	४७भाःउःमकरेंदु । नक्षत्र मास १५ । चंद्रायन ३०
						बृ	१२	१६	२८	ऽभिजि	०	६०			वालव	१६	२८	वव			३३	३	२१	१५	४११	मकरेंदु । २ पग ६ आं छाः पोरसी धनेष्टा रात्रीशा
						शु	१३	१५	३०	श्रवण		६०			स्त्रीलोचन	१५	३०	कोलव			३२	६०	२२	१६	४१२	६५॥भा उ. कुंभेंदु
						श	१४	१४	३२	धनेष्टा	०	६०	शत	३०	विणिज	१४	३२	गर			३२	५६	२३	१७	४१३	कुंभेंदु पखी२८
गु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	१३	३४	पुर्वाभाः	३०	६०			वव	१३	३४	वृष्टि			३२	५२	२४	१८	४१४	कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीरसम्वत् २४४२ । जुगकामास ६६ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरकामास ४। कार्तिकबदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रीतिवर्धन । रविद्रसणायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६३	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाः ६२	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसे। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	गु	श	मं	१	४२	३४	रेवती	११	४७			बालव	१४	२	कौलव			३०	५४	२४	१७	४४४	५६॥भाःउः मेखेंदु
						गु	२	४२	३६	अश्विनी	११	४७	भर०	३०	स्त्रीलोचन	१३	४	गर			३०	५०	२५	१८	४४५	मेखेंदु
						बृ	३	४१	३८	कृत्तका	४१	४७			विणिज	१२	६	वृष्टि			३०	४६	२६	१९	४४६	मेखेंदु
						शु	४	४०	४०	रोहिणी	६०	०			बव	११	८	बालव			३०	४२	२७	२०	४४७	८भा उः वृखेंदु
						श	५	३९	४२	रोहिणी	११	४७			कौलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			३०	३८	२८	२१	४४८	वृखेंदु
						र	६	३८	४४	मृगसरा	११	४७	ऽद्रा	३०	गर	९	१२	विणिज			३०	३४	२९	२२	४४९	२६॥भा उः मिथुनेंदु २ पग ११ अः छाः पोरसी
						चं	७	३७	४६	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	८	१४	बव			३०	३०	३०	२३	४५०	मिथुनेंदु ऋतुमास १५
						म	८	३६	४८	पुनर्वसु	११	४७			बालव	७	१६	कौलव			३०	२६	१	२४	४५१	४५भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन २३
						बु	९	३५	५०	पुष्य	११	४७	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	६	१८	गर			३०	२२	२	२५	४५२	कर्केंदु
						बृ	१०	३४	५२	मघा	४१	४७			विणिज	५	२०	वृष्टि			३०	१८	३	२६	४५३	६३॥भाःउ सिंघेंदु
						शु	११	३३	५४	पुः फाः	४१	४७			बव	४	२२	बालव			३०	१४	४	२७	३५६	सिंघेदु
						श	१२	३२	५६	उः फाः	६०	०			कौलव	३	२४	स्त्रीलोचन			३०	१०	५	२८	४५५	सिंघेंदु
						र	१३	३१	५८	उ०फा०	११	४७			गर	२	२६	विणिज			३०	६	६	२९	४५६	१५भा उः कन्येंदु । चित्राके १२ घाःउः स्वातिकि ६ घि.४२घः रेवती
						चं	१४	३०	६०	हस्त	११	४७			वृष्टि	१	२८	शकुन	२९	३२	२९	२	७	३०	४५७	कन्येंदु। सूर्यमास १५। पक्षी३१।२प छाःपोः अश्विनीरात्रीक। [समासंरात्रीक]
गु	चं	बृ	र	बृ	श	म	१५	३०	०	चित्रा	११	४७	स्वा	३०	चतुष्पद नाग	० २९	३० ३२	किंस्तुघ्न			२९	५९	८	१	४५८	२३। भाःउः तुलेंदु । तुलाऽर्के शमांति

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १५ । दुसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ३ । आसौज सुदी । लोकोत्तरमासनाम । विजय । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६४	करणरात्रिका		दिनमानघड़ी	भाग ६१	नक्षत्रमास	युग मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	म	शु	चं	१	५८	४	उत्राफा	०	६०			किस्तुघन	२८	३४	बव		३१	५३	९	२	४२९	कन्येंदु । उ फाः ऽर्के २४ घःउः । हस्तार्के १३ दि० २४ घड़ी
						मं	२	५७	६	हस्त	०	६०			बालव	२७	३६	कोलव		३१	४९	१०	३	४३०	कन्येंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	५६	८	चित्रा	०	६०	स्वाः	३०	स्त्री लोचन	२६	३८	गर		३१	४५	११	४	४३१	१२॥भा.उ तुलेंदु
						बृ	४	५५	१०	विशाखा	६०	०			विणिज	२५	४०	वृष्टि		३१	४१	१२	५	४३२	तुलेंदु
						शु	५	५४	१२	विशाखा	०	६०			बव	२४	४२	बालव		३१	३७	१३	६	४३३	३१ भागउः वृश्चकेंदु
						श	६	५३	१४	अनुराधा	०	६०	ज्ये०	३०	कोलव	२३	४४	स्त्री लोचन		३१	३३	१४	७	४३४	वृश्चकेंदु । २ गप ६ अंः छायापोरसी
						र	७	५२	१६	मुला	३०	६०			गर	२२	४६	विणिज		३१	२९	१५	८	४३५	४६॥ भा.उः धनेंदु
						चं	८	५१	१८	पुखाड़ा	३०	६०			वृष्टि	२१	४८	बव		३१	२५	१६	९	४३६	धनेंदु
						मं	९	५०	२०	उपाड़ा	६०	०			बालव	२०	५०	कोलव		३१	२१	१७	१०	४३७	धनेंदु
						बु	१०	४९	२२	उःपाड़ा	०	६०	ऽभि	१५/१४	स्त्रीलोचन	१९	५२	गर		३१	१७	१८	११	४३८	१ भा॰उ मकरेंदु नक्षत्रमास १६ । चद्रायन ३२
						बृ	११	४८	२४	श्रवण	११	४७			विणिज	१८	५४	वृष्टि		३१	१३	१९	१२	४३९	मकरेंदु
						शु	१२	४७	२६	धनेष्ठा	११	४७	शत	३०	बव	१७	५६	बालव		३१	९	२०	१३	४४०	१६॥ भाःउः कुंभेदु
						श	१३	४६	२८	पुःभा०	४१	४७			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन		३१	५	२०	१४	४४१	कुंभेंदु । उत्राभाद्रपदा समाप्तरात्रीका
						र	१४	४५	३०	उभाद्रप०	६०	०			गर	१५	६०	विणिज		३१	१	२२	१५	४४२	३८ भाःउः मीनेंदु। हस्तर्के ४८ घःउः चित्राऽर्के १३ दि २४॥ २ पग १०अंः
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	४४	३२	उत्राभाः	११	४७			वृष्टि	१५	०	बव		३०	५८	२३	१६	४४३	मीनेंदु । पखी ३० छाः पोरसी

~५ १४४२ युगमास ७ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरकामास ५ । मृगसर वदी लोकोत्तमास नाम । श्रेयांसे । रविदक्षणायणे ।

वार	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	०चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
र	शु	श	मे	शु	च	बृ	१	१४	३२	कृतका	८	३४			कोलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			२८	५६	२४	१७	४७४	२६ भा उ वृखेंदु
						शु	२	१३	३४	रोहिणी	३८	३४			गर	१३	३४	विणिज			२८	५२	२५	१८	४७५	वृखेंदु
						श	३	१२	३६	मृगशिर	३८	३४			बृष्टी	१२	३६	बव			२८	४८	२६	१९	४७६	४७॥ भा: उ. मिथुनेंदु
						र	४	११	३८	आर्द्रा	८	३४			बालव	११	३८	कोलव			२८	४४	२७	२०	४७७	मिथुनेंदु
						सं	५	१०	४०	पुनर्वसु	३८	३४			स्त्री लोचन	१०	४०	गर			२८	४०	२८	२१	४७८	६६ भा:उ: कर्केंदु । चन्द्रायन ३५
						मं	६	९	४२	पुष्य	३८	३४			विणिज	९	४२	बृष्टि			२८	३६	२९	२२	४७९	कर्केंदु । ३ पग ३ अं॰छा॰आे:
						बु	७	८	४४	ऽश्लेषा	८	३४			बव	८	४४	बालव			२८	३२	३०	२३	४८०	कर्केंदु । ऋतु मास १६
						बृ	८	७	४६	मघा	८	३४			कोलव	७	४६	स्त्रीलोचन			२८	२८	१	२४	४८१	१७॥ भा:उ: सिंघेंदु
						शु	९	६	४८	पूर्वा फा०	८	३४			गर	६	४८	विणिज			२८	२४	२	२५	४८२	सिंघेंदु । विशाखाऽर्कें ६७ घः
						श	१०	५	५०	उत्रा फा०	३८	३४			बृष्टी	५	५०	बव			२८	२०	३	२६	४८३	३६ भा:उ: कन्येंदु । अनुराधाऽर्कें १३ दिन २४ घ
						र	११	४	५२	हस्त	३८	३४			बालव	४	५२	कोलव			२८	१६	४	२७	४८४	कन्येंदु
						सं	१२	३	५४	चित्रा	३८	३४			स्त्री लोचन	३	५४	गर			२८	१२	५	२८	४८५	५४॥ भा उः तुलेंदु
						मं	१३	२	५६	स्वाति	८	३४			विणिज	२	५६	बृष्टी			२८	८	६	२९	४८६	तुलेंदु
						बु	१४	१	५८	विशाखा	३८	३४			शुकन	१	५८	चतुष्पद	२६	३२	२८	४	७	३०	४८७	तुलेंदु । पखी ३३ । भरनी समास रात्री का
र	शु	श	मे	शु	चं	बृ	१५	०	६०	ऽनुराधा	३८	३४			नाग किंस्तुघ्न	० २६	६० ३२	बव			२८	०	८	३१	४८८	६ भा: उ' वृश्चकेंदु । सूर्यमास १६ । ३ पग ४ अं॰छा॰ कृतका रात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास १९। दुसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास ४ कार्तिक शुदी। लोकोत्तरमासनाम। प्रतिवर्धन रवि दक्षणायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनिका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	२९	२	विशाः	६०	०			वव	२९	२	वालव			२९	५५	९	२	४५९	तुलेंदु
						बृ	२	२८	४	विशा:	१६	३७			कोलव	२८	४	स्त्रीलोचन			२९	५१	१०	३	४६०	५२ भाःउः वृश्चकेंदु । चन्द्र दर्शनम्
						शु	३	२७	६	ऽनुराधा	१६	४७	ज्ये	२०	गर	२७	६	विणिज			२९	४७	११	४	४६१	वृश्चकेंदु
						श	४	२६	८	मूला	४६	४७			वृष्टि	२६	८	वव			२९	४३	१२	५	४६२	वृश्चकेंदु स्वातिऽर्क ५४घःउः विशाखाऽर्के२० दि० ६ घड़ी
						र	५	२५	१०	पुर्वाषाढ़ा	२६	५७			वालव	२५	१०	कोलव			२९	३९	१३	६	४६३	३॥ भ·उः धनेंदु
						चं	६	२४	१२	उत्राषाढ़ा	६०	०			स्त्रीलोचन	२४	१२	गर			२९	३५	१४	७	४६४	धनेंदु । ३ पग १ अ· छाः पोरसी
						मं	७	२३	१४	उत्राषाढ़ा	१६	५७	ऽभी	१५ ५४	विणिज	२३	१४	वृष्टि			२९	३१	१५	८	४६५	२२ भाःउ. मकरेंदु । नक्षत्रमास १७ । चन्द्रायन ३४
						बु	८	२२	१६	श्रवण	३८	३४			वव	२२	१६	वालव			२९	२७	१६	९	४६६	मकरेंदु
						बृ	९	२१	१८	धनिष्ठा	३८	३४			कोलव	२१	१८	स्त्रीलोचन			२९	२३	१७	१०	४६७	४०॥ भा·उ· कुंभेंदु
						शु	१०	२०	२०	शतभिषा	८	३४	०	०	गर	२०	२०	विणिज			२९	१९	१८	११	४६८	कुंभेंदु
						श	११	१९	२२	पुर्वाभा०	८	३४			वृष्टि	१९	२२	वव			२९	१५	१९	१२	४६९	५९ भाः उः मीनेंदु
						र	१२	१८	२४	उत्राभा०	३८	३४			वालव	१८	२४	कोलव			२९	११	२०	१३	४७०	मीनेंदु
						चं	१३	१७	२६	रेवती	३८	३४			स्त्रीलोचन	१७	२६	गर			२९	७	२१	१४	४७१	मीनेंदु
						मं	१४	१६	२८	ऽश्विनि	३८	३४			विणिज	१६	२८	वृष्टि			२९	३	२२	१५	४७२	१०॥भाःउःमेखेंदु।३प· २ अंःछाःपौः अश्विनी समाप्तरात्रौ।पखी३२चौमासा
श	मं	शु	चं	ग	र	बु	१५	१५	३०	भरणी	८	३४			वव	१५	३०	वालव			२८	६०	२३	१६	४७३	मेखेंद

विक्रम सम्वत् १९७३ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४३ । जुगकामास १८ । दुसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास ६ । पोषवदी । लोकोत्तरमासनाम । शिव । रविदक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिक	घड़ी	भाग	करणादिक		दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	युगमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा ८ दिन ६७ माहे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	४५	३	मृगसरा	५७	२१			वालव	१५	६०	कोलव		२७	१	२३	१५	५०३	वृषेंदु । ज्येष्ठाऽर्कै६घः३ मूलाऽर्के१३दि २४घ । ३ पग ६ अं० छा० पो०
						श	२	४४	३२	आर्द्रा	२७	२१			स्त्रीलोचन	१५	०	गर		२६	५८	२४	१६	५०४	१॥भा उः मिथुनेंदु
						र	३	४३	३४	पुनर्वसु	५७	२१			विणिज	१४	२	वृष्टि		२६	५४	२५	१७	५०५	मिथुनेंदु । चंद्रायन ३७
						चं	४	४२	३६	पुष्य	५७	२१			बव	१३	४	वालव		२६	५०	२६	१८	५०६	२०भा उः कर्केंदु
						मं	५	४१	३८	ऽश्लेषा	२७	२१			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन		२६	४६	२७	१९	५०७	कर्केंदु
						बु	६	४०	४०	मघा	२७	२१			गर	११	८	विणिज		२६	४२	२८	२०	५०८	३८॥भाःउः सिंघेदु
						वृ	७	३९	४२	पूर्वाफा०	२७	२१			वृष्टि	१०	१०	बव		२६	३८	२९	२१	५०९	सिंघेदु
						शु	८	३८	४४	उत्राफा०	५७	२१			वालव	९	१२	कोलव		२६	३४	३०	२२	५१०	५७भागःउः कन्येंदु । ३पग·७अं छाः । ऋतुमास १७
						श	९	३७	४६	हस्त	५७	२१			स्त्रीलोचन	८	१४	गर		२६	३०	१	२३	५११	कन्येंदु
						र	१०	३६	४८	चित्रा	५७	२१			विणिज	७	१६	वृष्टि		२६	२६	२	२४	५१२	कन्येंदु
						चं	११	३५	५०	स्वाति	२७	२१			बव	६	१८	वालव		२६	२२	३	२५	५१३	८॥भाः३ तुलेंदु
						मं	१२	३४	५२	विशाखा	५७	२१			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन		२६	१८	४	२६	५१४	तुलेंदु
						बु	१३	३३	५४	अनुराधा	५७	२१			गर	४	२२	विणिज		२६	१४	५	२७	५१५	२७भाःउःवृश्चकेंदु
						वृ	१४	३२	५६	ज्येष्ठा	२७	२१			वृष्टि	३	२४	शकुन		२६	१०	६	२८	५१६	वृश्चकेंदु । मूलाऽर्के३०घःउः पूर्वाषाढाऽर्के१३दि·२४ घः । पक्षी३५
चं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३१	५८	मूला	२७	२१			चतुष्पद	२	२६	नाग		२६	६	७	२९	५१७	४५॥भाःउःधनेंदु। रोहिणी समाप्तराशी

विक्रम सम्वत् १९७३ लो० वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १७ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरकामास ५ मृगसर शुदी । लोकोत्रमास नाम श्रेमांस । रविदक्षिणायणे ।

चन्द्रमा २ दिन ६७ सार्ढ १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ ।
चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भा० ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	रात्रिमास	सूर्य मास	
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ०
ध	पृ	र	बु	श	मं	गु	२	५९	२	ज्येष्ठा	८	३४			बालव	२९	३२	कालव			२७	५७	६	१	४८९ वृश्चकेंदु । वृश्चकेभानु संक्रांति । गजनेर्काऽसभा इवर्णा । शरदऋतु [चन्द्र दर्शनम् ।
						श	३	५८	४	मूला०	८	३४			स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			२७	५३	१०	२	४९० २४॥ भा:उ: धनेंदु
						र	४	५७	६	पुर्वाषाढ़ा	८	३४			विणिज	२७	३६	वृष्टि			२७	४९	११	३	४९१ धनेंदु
						चं	५	५६	८	उत्रा. षा०	२८	३४	ऽभि	५५	बव	२६	३८	बालव			२७	४५	१२	४	४९२ ४३ भा:उ: मकरेंदु । नक्षत्रमास १८) चन्द्रायन ३६
						मं	६	५५	१०	श्रवण	५७	२१			कौलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			२७	४१	१३	५	४९३ मकरेंदु
						बु	७	५४	१२	धनिष्ठा	५७	२१			गर	२४	४२	विणिज			२७	३७	१४	६	४९४ ६१॥ भा:उ: कुंभेंदु
						बृ	८	५३	१४	शतभिषा	२७	२१			वृष्टि	२३	४४	बव			२७	३३	१५	७	४९५ कुंभेंदु । ३ पग ५ अंगुल छाया पोरसी
						शु	९	५२	१६	पूर्वाभाद्र	२७	२१			बालव	२२	४६	कौलव			२७	२९	१६	८	४९६ कुंभेंदु । अनुराधाऽकें २४ घ:उ: ज्येष्ठाऽकें ६ दि ४२ घड़ी
						श	१०	५१	१८	उत्राभाद्र	५७	२१			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			२७	२५	१७	९	४९७ १३ भा:उ: मीनेंदु
						र	११	५०	२०	रेवती	५७	२१			विणिज	२०	५०	वृष्टी			२७	२१	१८	१०	४९८ मीनेंदु
						चं	१२	४९	२२	ऽश्विनी	५७	२१	–		बव	१९	५२	बालव			२७	१७	१९	११	४९९ ३१॥ भाग उ मेखेंदु
						मं	१३	४८	२४	भरणी	२७	२१			कौलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			२७	१३	२०	१२	५०० मेषेंदु
						बु	१४	४७	२६	कृतका	२७	२१			गर	१७	५६	विणिज			२७	९	२१	१३	५०१ ५० भा:उ: वृषेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	४६	२८	रोहिणी	५७	२१	–		वृष्टि	१६	५८	बव			२७	५	२२	१४	५०२ वृषेंदु । पक्षी ३४ । कृतिका समाप्त रात्री का

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत २४४३ । जुगनोमास १९ । दूसरा चन्द्र सम्वत सरकामास ७ । माघ वदी । लोकोत्तरमासकानाम शिसिर । रविवृत्तणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	२६	२८	पुनर्वसु	१६	८			कोलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			२५	३	२३	१५	५३३	४१भाः कर्केंदु । ३ पः १० घं । मृगसिर समाप्तरात्रीका चन्द्रायण ३१
						मं	२	१५	३०	पुष्य	१६	८	ऽश्ले	३०	गर	१५	३०	विणिज			२५	६०	२४	१६	५३४	कर्केंदु
						बु	३	१४	३२	मघा	४६	८			वृष्टि	१४	३२	बव			२४	५६	२५	१७	५३५	५६॥भा उः सिंघेंदु
						बृ	४	१३	३४	पूर्वा फाः	४६	८			बालव	१३	३४	कोलव			२४	५२	२६	१८	५३६	सिंघेंदु
						शु	५	१२	३६	उःफाः	६०	०			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			२४	४८	२७	१९	५३७	सिंघेंदु
						श	६	११	३८	उ फाः	१६	८			विणिज	११	३८	वृष्टि			२४	४४	२८	२०	५३८	११भाः उः कन्येंदु
						र	७	१०	४०	हस्त	१६	८			बव	१०	४०	बालव			२४	४०	२९	२१	५३९	कन्येंदु
						चं	८	९	४२	चित्रा	१६	८	स्वा	३०	कोलव	९	४२	स्त्रीलोचन			२४	३६	३०	२२	५४०	२९॥भा. उः तुलेंदु । ३ पः ११ घं: छाःऋतुमास १८ आर्द्रा समास रात्रीका
						मं	९	८	४४	विशाखा	६०	०			गर	८	४४	विणिज			२४	३२	१	२३	५४१	तुलेंदु
						बु	१०	७	४६	विशाखा	१६	८			वृष्टि	७	४६	बव			२४	२८	२	२४	५४२	४८भाःउ वृश्चकेंदु
						बृ	११	६	४८	अनुराधा	१६	८	ज्यै	३०	बालव	६	४८	कोलव			२४	२४	३	२५	५४३	वृश्चकेंदु
						शु	१२	५	५०	मूला	४६	८			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			२४	२०	४	२६	५४४	६६ ॥ भाःउः धनेंदु
						श	१३	४	५२	पु षा०	४६	८			विणिज	४	५२	वृष्टि			२४	१६	५	२७	५४५	धनेंदु
						र	१४	३	५४	उत्तराषाढ़ा	६०	०			शकुन	३	५४	चतुष्पद			२४	१२	६	२८	५४६	धनेंदु । पखी ३७
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२	५६	उत्तराषाढ़ा	१६	८	ऽभी	१५/१४	नाग	२	५६	किंस्तुघ्न			२४	८	७	२९	५४७	१८ भाः उ मकरेंदु । नक्षत्रमास २० । चन्द्रायन ४०

६ विक्रम सम्वत् १९७३ लो० वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास १८ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ६ पोष सुदी लोकोत्तमासनाम सिवे । रविर्दक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादि	घड़ी	भाग ६२	करणाद्धी			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनतत्त्व १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	चं	वृ	र	बु	श	१	३०	६०	पूर्वाषाढ़	२७	२१			किस्तुघन	१	२८	वव	२१	३२	२६	२	८	३०	५१८	धनेंदु । सूर्यमास १७ । ३ पग ८ अंः छाः । मृगसिर रात्रीका
						र	२	३०	०	उत्राषाढा	५७	२१			बालव	०	३०	कोल स्त्रीलोचन	२१	३२	२५	५६	९	१	५१९	६४भाः३ः मकरेंदु । धना ऽर्के शंक्रांति नक्षत्रमास १९ । चन्द्रायन ३८
						चं	३	२१	२	ऽभीच	१६	८			गर	२६	२	विणिज			२५	५५	१०	२	५२०	मकरेंदु
						मं	४	२८	४	श्रवण	१६	८			वृष्टि	२८	४	वव			२५	५१	११	३	५२१	मकरेंदु [चन्द्रदर्शनम्
						बु	५	२७	६	धनेष्ठ	१६	८	शत	३०	बालव	२७	६	कोलव			२५	४७	१२	४	५२२	१५॥भाः३ः कुंभेंदु
						वृ	६	२६	८	पू: भाः	५१	८			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			२५	४३	१३	५	५२३	कुंभेंदु
						शु	७	२५	१०	उः भाः	६०	०			विणिज	२५	१०	वृष्टि			२५	३९	१४	६	५२४	३४भाः मीनेंदु
						श	८	२४	१२	उः भाः	१६	८			वव	२४	१२	बालव			२५	३५	१५	७	५२५	मीनेंदु । ३ पग ६ अंः छाः पां ।
						र	९	२३	१४	रेवती	१६	८			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			२५	३१	१६	८	५२६	५२॥भा:३ मेखेंदु
						चं	१०	२२	१६	ऽश्विनी	१६	८	भर	३०	गर	२२	१६	विणिज			२५	२७	१७	९	५२७	मेखेंदु
						मं	११	२१	१८	कृतका	४६	८			वृष्टि	२१	१८	वव			२५	२३	१८	१०	५२८	मेखेंदु
						बु	१२	२०	२०	रोहिणी	६०	०			बालव	२०	२०	कोलव			२५	१९	१९	११	५२९	४भाः उः वृखेंदु । पुःपाऽर्के ५४ घःउः उत्तापा ऽर्के २० दि६घड़ी
						वृ	१३	१९	२२	रोहिणी	१६	८			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			२५	१५	२०	१२	५३०	वृखेंदु
						शु	१४	१८	२४	मृगसरा	१६	८	ऽद्रा	३०	विणिज	१८	२४	वृष्टि			२५	११	२१	१३	५३१	२२॥भा.उः मिथुनेंदु
						श	१५	१७	२६	पुनर्वसु	६०	०			वव	१७	२६	बालव			२५	७	२२	१४	५३२	मिथुनेंदु॥पक्षी ३६
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र																				

एक दिन घध या गया क्योंकि अनुमान पिछले के ९ वर्षों में । १ भाग ॥ ६१ या रोज का घटता मालूम देता है क्योंकि । ३६ शोजन । २५ भाग ५

विक्रम सम्वत् १९७२ लौकीक। वीर सम्वत् २४४२। जुगनोमास २०। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुणवादी। लोकोत्तरमास नाम। हेमंते। रविउत्रायणे॥

चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से | सूर्यके साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१	४७	२६	ऽश्लेषा	४	६२			वालव	१७	५६	कोलव			२४	५२	२२	१३	५६२	कर्केंदु
						बु	२	४६	२८	मघा	४	६२			स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२४	५६	२३	१४	५६३	१३॥ भाः उः सिंघेदु। पुष्प रात्री का समाप्त
						वृ	३	४५	३०	पु.घाड़ा	४	६२			विणिज	१५	६०	वृष्टि			२४	६०	२४	१५	५६४	सिंघेदु । ३ पग १० छाया पोरसी
						शु	४	४४	३२	उ षाड़ा	३४	६२			वव	१५	०	वालव			२५	३	२५	१६	५६५	३२ भाःउः कन्येंदु
						श	५	४३	३४	हुस्त	३४	६२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२५	७	२६	१७	५६६	कन्येंदु
						र	६	४२	३६	चित्रा	३४	६२			गर	१३	४	विणिज			२५	११	२७	१८	५६७	५०॥ भाःउः तुलेंदु । श्रवणार्के ३६ घःउः धनेष्टाऽर्के १३ दिः २४ घः
						सो	७	४१	३८	स्वाति	४	६२			वृष्टि	१२	६	वव			२५	१५	२८	१९	५६८	तुलेंदु
						मं	८	४०	४०	विशाखा	३४	६२			वालव	११	८	कोलव			२५	१९	२९	२०	५६९	तुलेंदु
						बु	९	३९	४२	ऽनुराधा	३४	६२			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२५	२३	३०	२१	५७०	२ भाः उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास ११
						वृ	१०	३८	४४	ज्येष्ठा	४	६२			विणिज	९	१२	वृष्टि			२५	२७	१	२२	५७१	वृश्चकेंदु।३ पग ९ प्रैः छा
						शु	११	३७	४६	मूला	४	६२			वव	८	१४	वालव			२५	३१	२	२३	५७२	२०॥ भाःउः धनेंदु
						श	१२	३६	४८	पुर्वा षाड़ा	४	६२			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२५	३५	३	२४	५७३	धनेंदु
						र	१३	३५	५०	उत्रा षाड़ा	३४	६२	ऽभी	१५/६४	गर	६	१८	विणिज			२५	३९	४	२५	५७४	३९ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास २१। चन्द्रायन ४२
						चं	१४	३४	५२	श्रवण	५३	४१			वृष्टि	५	२०	शकुन			२५	४३	५	२६	५७५	मकरेंदु। पक्षी ३१
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१५	३३	५४	धनेष्टा	५३	४६			चतुष्पद	४	२२	नाग			२५	४७	६	२७	५७६	५७॥ भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास ११। दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास ७। माघसुदी। लोकोत्तरमासकानाम शिसिर रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रघड़ी ४ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। | सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण २ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
शु	चं	बृ	र	गु	श	मं	१	१	५८	श्रवण	३४	६२			वव	६	५८	वालव	२१	३२	२४	४	८	३०	५४८	मकरेंदु।पुनर्वसुमासराशीका।चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	०	६०	धनेष्टा	३४	६२			कौलव स्त्रीलोचन	२९	३१	गर			२४	०	९	३१	५४९	३६॥भाः३ कुंभेंदु।सूर्यमास१८।४प छाःपोः३ःपाःऽर्कें६०घ० पुष्पराशी
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ०
						बृ	४	५९	२	शतभिषा	४	६२			विणिज	२९	३२	वृष्टि			२४	४	१०	१	५५०	कुंभेंदु।मकरेभानुशङ्क्रांति।अभिच्ऽर्कें४दिन१२घड़ी।हिमंतऋतु।रविउत्तरायणे
						शु	५	५८	४	पूर्वा भा०	४	६२			वव	२८	३४	वालव			२४	८	११	२	५५१	५५ःउः मीनेंदु
						श	६	५७	६	उत्रा भा०	३४	६२			कोलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२४	१२	१२	३	५५२	मीनेंदु
						र	७	५६	८	रेवती	३४	६२			गर	२६	३८	विणिज			२४	१६	१३	४	५५३	मीनेंदु
						चं	८	५५	१०	अश्विनी	३४	६२			वृष्टि	२५	४०	वव			२४	२०	१४	५	५५४	६॥भा उःमेखेंदु।अभिचऽर्के१२घःउ श्रवणऽर्के१३दिन२४घड़ी
						मं	९	५४	१२	भरणी	४	६२			वालव	२४	४२	कोलव			२४	२४	१५	६	५५५	मेखेंदु
						बु	१०	५३	१४	कृतका	४	६२			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२४	२८	१६	७	५५६	२५ भा उः वृखेंदु। ३ पः ११ अंः छा॰ पोरसी
						बृ	११	५२	१६	रोहिणी	३४	६२			विणिज	२२	४६	वृष्टि			२४	३२	१७	८	५५७	वृखेंदु
						शु	१२	५१	१८	मृगसरा	३४	६२			वव	२१	४८	वालव			२४	३६	१८	९	५५८	४३॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	१३	५०	२०	आर्द्रा	४	३२			कोलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२४	४०	१९	१०	५५९	मिथुनेंदु
						र	१४	४९	२२	पुनर्वसु	३४	६२			गर	१९	५२	विणिज			२४	४४	२०	११	५६०	६२ भाग उः कर्केंदु। चन्द्रायन ४१
बृ	र	बु	चं	मं	श	चं	१५	४८	२४	पुष्य	३४	६२			वृष्टि	१८	५४	वव			२४	४८	२१	१२	५६१	कर्केंदु। पखी ३८

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगनोमास २०। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुणवदी। लोकोत्तरमास नाम। हेमते। रविउत्रायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्यके साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
शु	ध	वृ	र	बु	श	मं	१	४७	२६	ऽश्लेषा	४	६२			बालव	१७	५६	कोलव			२४	५२	२२	१३	५६२	कर्केंदु
						बु	२	४६	२८	मघा	४	६२			स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२४	५६	२३	१४	५६३	१३॥ भाः उ सिंघेंदु। पुष्य रात्री का समाप्त
						वृ	३	४५	३०	पु खाड़ा	४	६२			विणिज	१५	६०	बुष्टि			२४	६०	२४	१५	५६४	सिंघेंदु। ३ पग १० छाया पोरसी
						शु	४	४४	३२	उ पाड़ा	३४	६२			बव	१५	०	बालव			२५	३	२५	१६	५६५	३२ भा उः कन्येंदु
						श	५	४३	३४	हस्त	३४	६२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२५	७	२६	१७	५६६	कन्येंदु
						र	६	४२	३६	चित्रा	३४	६२			गर	१३	४	विणिज			२५	११	२७	१८	५६७	५०॥ भाःउः तुलेंदु। श्रवणार्के ३६ घःउः धनेष्टाऽर्के १२ दि. २४ घः
						चं	७	४१	३८	स्वाति	४	६२			वृष्टि	१२	६	बव			२५	१५	२८	१९	५६८	तुलेंदु
						मं	८	४०	४०	विशाखा	३४	६२			बालव	११	८	कोलव			२५	१९	२९	२०	५६९	तुलेंदु
						बु	९	३९	४२	ऽनुराधा	३४	६२			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२५	२३	३०	२१	५७०	२ भा. उः वृश्चकेंदु। ऋतुमास १९
						वृ	१०	३८	४४	ज्येष्ठा	४	६२			विणिज	९	१२	वृष्टि			२५	२७	१	२२	५७१	वृश्चकेंदु।३ पग ९ धैः छा
						शु	११	३७	४६	मूला	४	६२			बव	८	१४	बालव			२५	३१	२	२३	५७२	२०॥ भाःउः धनेंदु
						श	१२	३६	४८	पुर्वा षाड़ा	४	६२			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२५	३५	३	२४	५७३	धनेंदु
						र	१३	३५	५०	ऽत्रा षाड़ा	३४	६२	ऽभी	१५	गर	६	१८	विणिज			२५	३९	४	२५	५७४	३९ भाःउः मकरेंदु। नक्षत्रमास २१। चन्द्रायन ४२
						चं	१४	३४	५२	श्रवण	५३	४१			वृष्टि	५	२०	शुकुन			२५	४३	५	२६	५७५	मकरेंदु। पक्षी ३१
शु	ध	वृ	र	बु	श	मं	१५	३३	५४	धनेष्ठा	५३	४६			चतुष्पद	४	२२	नाग			२५	४७	६	२७	५७६	५७॥ भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ लोकीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगकामास १६ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास ७ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानाम शिशिर रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र ६७ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीछा: प्रमाण ४ ।
शु	सो	बृ	र	बु	श	मं	१	१	५८	श्रवणा	३४	६२			बव	१	५८	बालव	२१	३२	२४	४	८	३०	५४८	मकरेंदु।पुनर्वसुमासरात्रीका।चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	०	६०	धनेष्ठा	३४	६२			कौलव स्त्रीलोचन	०/६०	३/६२	गर			२४	०	९	३१	५४९	३६॥भा:उ कुंभेंदु।सूर्यमास१८।४प छा:पो:३:पा:ऽकेंदं०घ० पुष्परात्री
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ०
						बृ	४	११	२	शतभिषा	४	६२			वणिज	२९	३२	विष्टि			२४	४	१०	१	५५०	कुंभेंदु।मकरेभानुशक्रांति।अभिचऽकें४दिन१२घड़ी।हेमंतऋतु।रविउत्रायणे
						शु	५	५८	४	पूर्वा भा०	४	६२			बव	२८	३४	बालव			२४	८	११	२	५५१	५५:उ: मीनेंदु
						श	६	५७	६	उत्रा भा०	३४	६२			कौलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२४	१२	१२	३	५५२	मीनेंदु
						र	७	५६	८	रेवती	३४	६२			गर	२६	३८	वणिज			२४	१६	१३	४	५५३	मीनेंदु
						सो	८	५५	१०	अश्विनी	३४	६२			विष्टि	२५	४०	बव			२४	२०	१४	५	५५४	६॥भा:उ:मेखेंदु।भिचऽकें१२घ:उ श्रवणाऽकें१३दिन२४घड़ी
						मं	९	५४	१२	भरणी	४	६२			बालव	२४	४२	कौलव			२४	२४	१५	६	५५५	मेखेंदु
						बु	१०	५३	१४	कृतका	४	६२			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२४	२८	१६	७	५५६	२५ भा:उ: वृखेंदु । ३ प: ११ घं: छा: पोरसी
						बृ	११	५२	१६	रोहिणी	३४	६२			वणिज	२२	४६	विष्टि			२४	३२	१७	८	५५७	वृखेंदु
						शु	१२	५१	१८	मृगसरा	३४	६२			बव	२१	४८	बालव			२४	३६	१८	९	५५८	४३॥भा:उ: मिथुनेंदु
						श	१३	५०	२०	आद्रा	४	३२			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२४	४०	१९	१०	५५९	मिथुनेंदु
						र	१४	४९	२२	पुनर्वसु	३४	६२			गर	१९	५२	वणिज			२४	४४	२०	११	५६०	६२ भाग उ: कर्केंदु । चन्द्रायन ४१
बृ	र	बु	श	मं	शु	सो	१५	४८	२४	पुष्य	३४	६२			विष्टि	१८	५४	बव			२४	४८	२१	१२	५६१	कर्केंदु । पखी ३८

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगनोमास २०। दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुणवादी। लोकोत्तरमास नाम। हेमते। रविउत्तरायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से / सूर्य के साथ नक्षत्र१ पक्षीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
गु	ध	बृ	र	बु	श	मं	१	४७	२६	ऽश्लेषा	४	६२			बालव	१७	५६	कोलव			२४	५२	२२	१३	५६२	कर्केंदु
						बु	२	४६	२८	मघा	४	६२			ऽस्त्रीलोचन	१६	५८	गर			२४	५६	२३	१४	५६३	१३॥ भाः उ' सिंघेंदु। पुष्प राशी का समास
						बृ	३	४५	३०	पु फाड़ा	४	६२			बिणिज	१५	६०	बृष्टि			२४	६०	२४	१५	५६४	सिंघेंदु। ३ पग १० छाया पोरसी
						शु	४	४४	३२	उ फाड़ा	३४	६२			बव	१५	०	बालव			२५	३	२५	१६	५६५	३२ भा उः कन्येंदु
						श	५	४३	३४	हस्त	३४	६२			कोलव	१४	२	स्त्रीलोचन			२५	७	२६	१७	५६६	कन्येंदु
						र	६	४२	३६	चित्रा	३४	६२			गर	१३	४	बिणिज			२५	११	२७	१८	५६७	५०॥ भाःउः तुलेंदु। श्रवणार्के ३६ घःउः धनेष्ठाऽर्के १३ दिः २४ घः
						सो	७	४१	३८	स्वाति	४	६२			बृष्टि	१२	६	बव			२५	१५	२८	१९	५६८	तुलेंदु
						मं	८	४०	४०	विशाखा	३४	६२			बालव	११	८	कोलव			२५	१९	२९	२०	५६९	तुलेंदु
						बु	९	३९	४२	ऽनुराधा	३४	६२			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			२५	२३	३०	२१	५७०	२ भा. उः बृश्चकेंदु। ऋतुमास १९
						बृ	१०	३८	४४	ज्येष्ठा	४	६२			बिणिज	९	१२	बृष्टि			२५	२७	१	२२	५७१	बृश्चकेंदु।३ पग ९ छा
						शु	११	३७	४६	मूला	४	६२			बव	८	१४	बालव			२५	३१	२	२३	५७२	२०॥ भाःउः धनेंदु
						श	१२	३६	४८	पूर्वा षाढ़ा	४	६२			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			२५	३५	३	२४	५७३	धनेंदु
						र	१३	३५	५०	उत्तरा षाढ़ा	३४	६२	ऽभी	१६ ५४	गर	६	१८	बिणिज			२५	३९	४	२५	५७४	३९ भाःउ' मकरेंदु। नक्षत्रमास २१। चन्द्रायन ४२
						सो	१४	३४	५२	श्रवण	५३	४१			वृष्टि	५	२०	शकुन			२५	४३	५	२६	५७५	मकरेंदु। पक्षी ३१
गु	ध	बृ	र	बु	श	मं	१५	३३	५४	धनेष्ठा	५३	४१			चतुष्पद	४	२२	नाग			२५	४७	६	२७	५७६	५७॥ भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। युगकामास १६। दूसराचन्द्रसम्वत्सरनोमास ७। माघसुदी। लोकोत्तरमासकानाम शिशिर रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ५।
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	१	५८	श्रवण	३४	६२			वव	१	५८	बालव	२१	३२	२४	४	८	३०	५४८	मकरेंदु।पुनर्वसुमासरात्रीका।चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	०	६०	धनेष्टा	३४	६२			कौलव स्त्रीलोचन	२६	३२	गर			२४	०	९	३१	५४९	३६॥भाः३ कुंभेंदु।सूर्यमास१८।४१।छाःपोः३ःपाःऽर्के६०घ० पुष्परात्री
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						बृ	४	५६	२	शतभिषां	४	६२			विणिज	२६	३२	वृष्टि			२४	४	१०	१	५५०	कुंभेंदु।मकरेभानुशक्रांति।अभिच्रऽर्के४दिन१२घड़ी।हेमंतऋतु।रविउत्तरायणे
						शु	५	५८	४	पूर्वा भा०	४	६२			वव	२८	३४	बालव			२४	८	११	२	५५१	५५:३ः मीनेंदु
						श	६	५७	६	उत्रा भा०	३४	६२			कौलव	२७	३६	स्त्रीलोचन			२४	१२	१२	३	५५२	मीनेंदु
						र	७	५६	८	रेवती	३४	६२			गर	२६	३८	विणिज			२४	१६	१३	४	५५३	मीनेंदु
						चं	८	५५	१०	ऽश्विनी	३४	६२			वृष्टि	२५	४०	वव			२४	२०	१४	५	५५४	६॥भा.३ःमेषेंदु।भिचऽर्के१२घः३ श्रवणाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						मं	९	५४	१२	भरणी	४	६२			बालव	२४	४२	कौलव			२४	२४	१५	६	५५५	मेषेंदु
						बु	१०	५३	१४	कृतक।	४	६२			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२४	२८	१६	७	५५६	२५ भा.३ः वृखेंदु। ३ पः ११ धंः छाः पोरसी
						बृ	११	५२	१६	रोहिणी	३४	६२			विणिज	२२	४६	वृष्टि			२४	३२	१७	८	५५७	वृखेंदु
						शु	१२	५१	१८	मृगसरा	३४	६२			वव	२१	४८	बालव			२४	३६	१८	९	५५८	४३॥भाः३ः मिथुनेंदु
						श	१३	५०	२०	आर्द्रा	४	३२			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२४	४०	१९	१०	५५९	मिथुनेंदु
						र	१४	४९	२२	पुनर्वसु	३४	६२			गर	१९	५२	विणिज			२४	४४	२०	११	५६०	६२ भाग ३ः कर्केंदु। चन्द्रायन ४१
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	४८	२४	पुष्य	३४	६२			वृष्टि	१८	५४	वव			२४	४८	२१	१२	५६१	कर्केंदु। पखी ३८

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २१ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ९ । चैत्र वदी । लोकोत्तर मास नाम । वंसत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनमें	घड़ी	भाग ६४	करण रातमें			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफसें । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१८	२४	उत्राफा०	५३	४६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			२६	५०	२२	१३	५६२	५३भाःउःकन्येंदु
						शु	२	१७	२६	हस्त	५३	४६		०	गर	१७	२६	विणिज			२६	५४	२३	१४	५६३	कन्येंदु
						श	३	१६	२८	चित्रा	५३	४६			वृष्टि	१६	२८	बव			२६	५८	२४	१५	५६४	कन्येंदु।३पग६अंगुल छाया पोरसी । मघासमाप्त रात्रीका
						र	४	१५	३०	स्वाति	२३	४६			बालव	१५	३०	कोलव			२७	१	२५	१६	५६५	४॥भाःउःतुलेंदु
						चं	५	१४	३२	विशाखा	५३	४६			स्त्री लोचन	१४	३२	गर			२७	५	२६	१७	५६६	तुलेंदु
						मं	६	१३	३४	अनुराधा	५३	४६		०	विणिज	१३	३४	वृष्टि			२७	९	२७	१८	५६७	२३भा. उः वृश्चकेंदु
						बु	७	१२	३६	ज्येष्ठा	२३	४६			बव	१२	३६	बालव			२७	१३	२८	१९	५६८	वृश्चकेंदु
						बृ	८	११	३८	मूला	२३	४६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			२७	१७	२९	२०	५६९	४१॥ भाः उः धनेंदु
						शु	९	१०	४०	पूर्वाषा०	२३	४६			गर	१०	४०	विणिज			२७	२१	३०	२१	६००	धनेंदु । ऋतुमास २०
						श	१०	९	४२	उत्रषाढ़ा	५३	४६			वृष्टि	९	४२	बव			२७	२५	१	२२	६०१	६०भाःउःमकरेंदु।पुःम.६घ३ उःभा ऽकें२०दिः६घः।नक्षत्रमास२२।चन्द्रायन४४
						र	११	८	४४	ऽभीच	१२	३६			बालव	८	४४	कोलव			२७	२९	२	२३	६०२	मकरेंदु।३पगः५अंःछायापोरसी
						चं	१२	७	४६	श्रवण	१२	३६			स्त्री लोचन	७	४६	गर			२७	३३	३	२४	६०३	मकरेंदु
						मं	१३	६	४८	धनेष्ठा	१२	३६	शत	३०	विणिज	६	४८	वृष्टि			२७	३७	४	२५	६०४	११॥भागःउःकुंभेंदु
						बु	१४	५	५०	पूर्वाभा०	४२	३६			शकुन	५	५०	चतुष्पद			२७	४१	५	२६	६०५	कुंभेंदु।पषी ४१
र	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	४	५२	उत्रभाद्र	६०	०			नाग	४	५२	किंस्तुघ्न			२७	४५	६	२७	६०६	३०भाःउःमीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकिक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २० । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमासनाम । हेमंते । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	सूर्यमास	सूर्य मास	युग समय	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	शुचे		पृ	र	बु	१	३२	५६	शतभि०	२३	४१			किस्तुघन	३	२४	वव			२५	५१	७	२८	५७७	कुंभेंदु
					बृ	२	३१	५८	पुः भा	२३	४१			वालव	२	२५	कोलव			२५	५५	८	२९	५७८	कुंभेंदु । अश्लेषा समाप्त रात्री का । चन्द्रदर्शनम
					शु	३	३०	६०	उ भा	५३	४६			स्त्री लोचन	१	२८	गर	२९	३२	२५	५९	९	३०	५७९	९ भाःउः मीनेंदु । ३ प॰ ८ श्र छः । सूर्यमास १६ । मघा रात्रीका
					श	४	३०	०	रेवती	५३	४१			विणिज वृष्टि	०१	३१	वव			२६	२	१०	१	५८०	मीनेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति । धनेष्टाऽर्के ६० घः
					र	५	२९	२	ऽश्विनी	५३	४१			वालव	२९	२	कोलव			२६	६	११	२	५८१	२७॥ भा उः मेषेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
					च	६	२८	४	भरणी	२३	४१			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२६	१०	१२	३	५८२	मेषेंदु
					मं	७	२७	६	कृतिका	२३	४१			विणिज	२७	६	वृष्टि			२६	१४	१३	४	५८३	४६ भा॰ उः वृखेंदु
					बु	८	२६	८	रोहिणी	५३	४१			वव	२६	८	वालव			२६	१८	१४	५	५८४	वृखेंदु
					बृ	९	२५	१०	मृगसरा	५३	४१			कोलव	२५	१०	स्त्री लोचन			२६	२२	१५	६	५८५	६४॥भाः उः मिथुनेंदु
					शु	१०	२४	१२	आर्द्रा	२३	४१			गर	२४	१२	विणिज			२६	०६	१६	७	५८६	मिथुनेंदु । ३ पग ७ श्रंः छायापोरसी
					श	११	२३	१४	पुनर्वसु	५३	४१			वृष्टि	२३	१४	वव			२६	३०	१७	८	५८७	मिथुनेंदु । सतऽर्के४२घःउःपूर्वाभाऽर्के१३दिन२४घड़ी । चन्द्रायन ४२ ।
					र	१२	२२	१६	पुष्य	५३	४१			वालव	२२	१६	कोलव			२६	३४	१८	९	५८८	१६ भाःउः कर्केंदु
					च	१३	२१	१८	ऽश्लेषा	२३	४१			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२६	३८	१९	१०	५८९	कर्केंदु
					मं	१४	२०	२०	मघा	२३	४१			विणिज	२०	२०	वृष्टि			२६	४२	२०	११	५९०	३४॥ भाःउः सिंघेंदु । पक्षी ४०
मं	श	ध	पृ	र	बु	१५	१९	२२	पूर्वा फा०	२३	४१			वव	१९	२२	वालव			२६	४६	२१	१२	५९१	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १६७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २१ । दुसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । चैत्र वदी । लोकोत्तर मास नाम । वसंत । रविउत्रायणे ॥																									
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण विषम	घड़ी	भाग ६०	करण नाम			दिनमान३०	भाग ६०	ऋतु मास	सूर्य मास	उपसमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
१	गु	ग	मं	ग्रु	चं	पृ	१	१८	२४	उत्राफा०	५३	४६				कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन		२६	५०	२२	१३	५६२	५३भाःउःकन्र्येंदु
						शु	२	१७	२६	हस्त	५३	४६			०	गर	१७	२६	विणिज		२६	५४	२३	१४	५६३	कन्र्येंदु
						श	३	१६	२८	चित्रा	५३	४६				वृष्टि	१६	२८	बव		२६	५८	२४	१५	५६४	कन्र्येंदु।३पग६अंगुल छाया पोरसी । मघासमास रात्रीका
						र	४	१५	३०	स्वाति	२३	४६				बालव	१५	३०	कोलव		२७	१	२५	१६	५६५	४॥भाःउःतुलेंदु
						चं	५	१४	३२	विशाखा	५३	४६				स्त्री लोचन	१४	३२	गर		२७	५	२६	१७	५६६	तुलेंदु
						मं	६	१३	३४	अनुराधा	५३	४६			०	विणिज	१३	३४	वृष्टि		२७	६	२७	१८	५६७	२३भाः उः वृश्चकेंदु
						बु	७	१२	३६	ज्येष्ठा	२३	४६				बव	१२	३६	बालव		२७	१३	२८	१६	५६८	वृश्चकेंदु
						गृ	८	११	३८	मूला	२३	४६				कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन		२७	१७	२६	२०	५६६	४१॥ भाः उः धनेंदु
						शु	६	१०	४०	पूर्वाषा०	२३	४६				गर	१०	४०	विणिज		२७	२१	३०	२१	६००	धनेंदु । ऋतुमास २०
						श	१०	६	४२	उत्रःषाढ़ा	५३	४६				वृष्टि	६	४२	बव		२७	२५	१	२२	६०१	६०भाःउःमकरेंदु।पुःम.६घा३.उःभाः ऽकें२०दि.६घः।नक्षत्रमास२२।चन्द्रायन४४
						र	११	८	४४	अभीच	१२	३६				बालव	८	४४	कोलव		२७	२६	२	२३	६०२	मकरेंदु।३पगः५अंःछायापोरसी
						चं	१२	७	४६	श्रवण	१२	३६				स्त्री लोचन	७	४६	गर		२७	३३	३	२४	६०३	मकरेंदु
						मं	१३	६	४८	धनेष्ठा	१२	३६	शत	३०		विणिज	६	४८	वृष्टि		२७	३७	४	२५	६०४	११॥भागःउःकुंभेंदु
						बु	१४	५	५०	पूर्वाभा०	४२	३६				शुकन	५	५०	चतुष्पद		२७	४१	५	२६	६०५	कुंभेंदु।पक्षी ४१
१	बु	ग	मं	शु	चं	गृ	१५	४	५२	उत्रभाद्र	६०	०				नाग	४	५२	किंस्तुघ्न		२७	४५	६	२७	६०६	३०भाःउःमीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७२ जोर्वीक । वीर सम्वत् २४४२ । जुगमास २० । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमासनाम । हेमंते । रविउत्तरायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र जैनमें	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	सूर्यमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
श	मं	बु	चं	पृ	र	गु	१	३२	४६	शतभि०	२३	४६			क्रिस्तुघन	३	२४	वव			२५	५१	७	२८	५७७	कुंभेंदु
						वृ	२	३१	४८	पुः भा	२३	४६			बालव	२	२६	कोलव			२५	५५	८	२९	५७८	कुंभेंदु । अश्लेषा समाप्त रात्री का । चन्द्रदर्शनम
						7	३	३०	५०	उ भा	२३	४६			स्त्री लोचन	१	२८	गर	२१	३२	२५	५६	९	३०	५७९	९ भाःउः मीनेंदु । ३ पः ८ अं छः । सूर्यमास १९ । मघा रात्रीका
						श	४	३०	०	रेवती	२३	४६			विणिज वृष्टि	०/२९	३०/३१	वव			२६	२	१०	१	५८०	मीनेंदु । कुंभेःऽकें शंक्रांति । धनेष्टाऽकें ६० घ.
						र	५	२९	२	ऽश्विनी	२३	४६			बालव	२९	२	कोलव			२६	६	११	२	५८१	२७॥ भा उः मेखेंदु । सतभिपाऽकें ६ दिन ५२ घड़ी
						च	६	२८	४	भरणी	२३	४६			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२६	१०	१२	३	५८२	मेखेंदु
						मं	७	२७	६	कृतिका	२३	४६			विणिज	२७	६	वृष्टि			२६	१४	१३	४	५८३	४६ भा. उः वृखेंदु
						बु	८	२६	८	रोहिणी	२३	४६			वव	२६	८	बालव			२६	१८	१४	५	५८४	वृखेंदु
						वृ	९	२५	१०	मृगसरा	२३	४६			कोलव	२५	१०	स्त्री लोचन			२६	२२	१५	६	५८५	६४॥भाः उः मिथुनेंदु
						शु	१०	२४	१२	आर्द्रा	२३	४६			गर	२४	१२	विणिज			२६	२६	१६	७	५८६	मिथुनेंदु । ३ पग ७ अंः छायापोरसी
						श	११	२३	१४	पुनर्वसु	२३	४६			वृष्टि	२३	१४	वव			२६	३०	१७	८	५८७	मिथुनेंदु । सतऽकें४२घःउःपुर्वाभाऽकें१३दिन२४घड़ी । चन्द्रायन ४२ ।
						र	१२	२२	१६	पुष्य	२३	४६			बालव	२२	१६	कोलव			२६	३४	१८	९	५८८	१६ भाःउ. कर्केंदु
						च	१३	२१	१८	ऽश्लेषा	२३	४६			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२६	३८	१९	१०	५८९	कर्केंदु
						मं	१४	२०	२०	मघा	२३	४६			विणिज	२०	२०	वृष्टि			२६	४२	२०	११	५९०	३४॥ भाःउः सिंघेंदु । पखी ४०
श	मं	बु	चं	वृ	र	गु	१५	१९	२२	पूर्वा फा०	२३	४६			वव	१९	२२	बालव			२६	४६	२१	१२	५९१	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २१ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । चैत्र वदी । लोकोत्तर मास नाम । वंसत । रविउत्रायणे ॥

चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १
चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६४	करण रात्री	दिनमान घ०	भाग ६४	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	
र	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१८	२४	उत्राफा०	५३	४६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन	२६	५०	२२	१३	५६२	५३भाःउःकन्येंदु
						शु	२	१७	२६	हस्त	५३	४६		०	गर	१७	२६	विणिज	२६	५४	२३	१४	५६३	कन्येंदु
						श	३	१६	२८	चित्रा	५३	४६			वृष्टि	१६	२८	वव	२६	५८	२४	१५	५६४	कन्येंदु।३पग६अंगुल छाया पोरसी । मघासमास रात्रीका
						र	४	१५	३०	स्वाति	२३	४६			बालव	१५	३०	कोलव	२७	१	२५	१६	५६५	४॥भा.उ.तुलेंदु
						चं	५	१४	३२	विशाषा	५३	४६			स्त्री लोचन	१४	३२	गर	२७	५	२६	१७	५६६	तुलेंदु
						मं	६	१३	३४	अनुराधा	५३	४६		०	विणिज	१३	३४	वृष्टि	२७	९	२७	१८	५६७	२३भाः उः पृश्चकेंदु
						बु	७	१२	३६	ज्येष्ठा	२३	४६			वव	१२	३६	बालव	२७	१३	२८	१९	५६८	पृश्चकेंदु
						बृ	८	११	३८	मूला	२३	४६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन	२७	१७	२९	२०	५६९	४१॥ भाः उः धनेंदु
						शु	९	१०	४०	पूर्वाषा०	२३	४६			गर	१०	४०	विणिज	२७	२१	३०	२१	६००	धनेंदु । ऋतुमास २०
						श	१०	९	४२	उत्र.षाढ़ा	५३	४६			वृष्टि	९	४२	वव	२७	२५	१	२२	६०१	६०भाःउःमकरेंदु।पुःम.६घ४उ.उःभाःऽफें२०दि.६घः।नक्षत्रमास२२।चन्द्रायन४४
						र	११	८	४४	ऽभीच	१२	३६			बालव	८	४४	कोलव	२७	२९	२	२३	६०२	मकरेंदु।३पगः५अंःछायापोरसी
						चं	१२	७	४६	श्रवण	१२	३६			स्त्री लोचन	७	४६	गर	२७	३३	३	२४	६०३	मकरेंदु
						मं	१३	६	४८	धनेष्ठा	१२	३६	गत	३०	विणिज	६	४८	वृष्टि	२७	३७	४	२५	६०४	११॥भागःउःकुंभेंदु
						बु	१४	५	५०	पूर्वाभा०	४२	३६			शकुन	५	५०	चतुष्पद	२७	४१	५	२६	६०५	कुंभेंदु।पखी ४१
र	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	४	५२	उत्रभाद्र	६०	०			नाग	४	५२	किंस्तुघ्न	२७	४५	६	२७	६०६	३०भाःउःमीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ जोधीय । वीर सम्वत् २४४३ । युगमास २० । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमासनाम । हेमंते । रविउत्तरायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र ६७ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	सूर्यमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्स । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	३२	५६	शतभि०	२३	४१			किंस्तुघन	३	२४	वव			२५	५१	७	२८	५७७	कुंभेंदु
						बृ	२	३१	५८	पु: भा:	२३	४१			बालव	२	२६	कोलव			२५	५५	८	२९	५७८	कुंभेंदु । अश्लेषा समाप्त रात्री का । चन्द्रदर्शनम
						शु	३	३०	६०	उ: भा:	२३	४१			स्त्री लोचन	१	२८	गर	२१	३२	२५	५९	९	३०	५७९	९ भाःउः मीनेंदु । ३ पः ८ अं छः । सूर्यमास ११ । मघा रात्रीका
						श	४	३०	०	रेवती	२३	४१			विणिज वृष्टि	०/६०	३०/१	वव			२६	२	१०	१	५८०	मीनेंदु । कुंभेऽर्के शंक्रांति । धनेष्ठाऽर्के ६० घः
						र	५	२९	२	ऽश्विनी	२३	४१			बालव	५९	२	कोलव			२६	६	११	२	५८१	२७॥ भाःउः मेषेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन ५२ घड़ी
						ध	६	२८	४	भरणी	२३	४१			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			२६	१०	१२	३	५८२	मेषेंदु
						मं	७	२७	६	कृतिका	२३	४१			विणिज	२७	६	वृष्टि			२६	१४	१३	४	५८३	४६ भाः उः वृषेंदु
						बु	८	२६	८	रोहिणी	२३	४१			वव	२६	८	बालव			२६	१८	१४	५	५८४	वृषेंदु
						बृ	९	२५	१०	मृगसरा	२३	४१			कोलव	२५	१०	स्त्री लोचन	-		२६	२२	१५	६	५८५	६४॥भाः उः मिथुनेंदु
						शु	१०	२४	१२	आद्रा	२३	४१			गर	२४	१२	विणिज			२६	२६	१६	७	५८६	मिथुनेंदु । ३ पग ७ अंः छायापोरसी
						श	११	२३	१४	पुनर्वसु	२३	४१			वृष्टि	२३	१४	वव			२६	३०	१७	८	५८७	मिथुनेंदु । सतऽर्के४२घःउःपूर्वाभाऽर्के१३दिन२४घड़ी । चन्द्रायन ४२ ।
						र	१२	२२	१६	पुष्य	२३	४१			बालव	२२	१६	कोलव			२६	३४	१८	९	५८८	१६ भाःउः कर्केंदु
						चं	१३	२१	१८	ऽश्लेषा	२३	४१			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			२६	३८	१९	१०	५८९	कर्केंदु
						मं	१४	२०	२०	मघा	२३	४१			विणिज	२०	२०	वृष्टि			२६	४२	२०	११	५९०	३४॥ भाःउः सिंघेंदु । पखी ४०
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	१९	२२	पूर्वा फा०	२३	४१			वव	१९	२२	बालव			२६	४६	२१	१२	५९१	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीरसम्वत् २४४३ युगकामास २२ । दूसरा चन्द्र सम्वत्सकामास १० । वैशाष वदी लोकोत्रमास नाम । कुंसम संभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ सांडे २८ भाग फसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ५ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	५१	२२	हस्त	१२	३६			बालव	१६	५२	कोलव			२८	४४	२१	११	६२१	कन्येंदु । उ भाः १२ घः उः रेवती ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						श	२	४८	२४	चित्रा	१२	३६	स्वा	३०	स्त्री लोचन	१८	५४	गर			२८	४८	२२	१२	६२२	२५॥भा॰उः तुलेंदु
						र	३	४७	२६	विशाखा	६०	०			विणिज	१७	५६	वृष्टि			२८	५२	२३	१३	६२३	तुलेंदु
						चं	४	४६	२८	विशाखा	१२	३६			बव	१६	५८	बालव			२८	५६	२४	१४	६२४	४४भाः उः वृश्चकेंदु । उत्रा फाल्गुणी समाप्त रात्री का
						मं	५	४५	३०	अनुराधा	१२	३६	ज्ये	३०	कोलव	१५	६०	स्त्रीलोचन			२८	६०	२५	१५	६२५	वृश्चकेंदु । ३ पग २ अंःछाः पोरसी
						बु	६	४४	३२	मूला	४२	३६			गर	१५	०	विणिज			२९	३	२६	१६	६२६	६२॥भाःउः धनेंदु
						बृ	७	४३	३४	पूर्वा षा०	४२	३६			वृष्टी	१४	२	बव			२९	७	२७	१७	६२७	धनेंदु
						शु	८	४२	३६	उत्रा षा०	६०	०			बालव	१३	४	कोलव			२९	११	२८	१८	६२८	धनेंदु
						श	९	४१	३८	उ॰ षा.	१२	३६	ऽभि	१५	स्त्री लोचन	१२	६	गर			२९	१५	२९	१९	६२९	१४ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास २३ । चन्द्रायन ४६
						र	१०	४०	४०	श्रवण	३१	२३			विणिज	११	८	वृष्टी			२९	१९	३०	२०	६३०	मकरेंदु । ऋतुमास २१
						चं	११	३९	४२	धनेष्टा	३१	२३			बव	१०	१०	बालव			२९	२३	१	२१	६३१	३२॥भाःउः कुंभेंदु
						मं	१२	३८	४४	शतभि	१	२३			कोलव	९	१२	स्त्रीलोचन			२९	२७	२	२२	६३२	कुंभेंदु । ३ पग १ अंः छाया पोरसी
						बु	१३	३७	४६	पूः भा०	१	२३			गर	८	१४	विणिज			२९	३१	३	२३	६३३	५१ भाः उः मीनेंदु
						बृ	१४	३६	४८	उ० भा०	३१	२३			वृष्टी	७	१६	शुकुन			२९	३५	४	२४	६३४	मीनेंदु । रेवती ऽर्के ३६ घः उः ऽश्विनी ऽर्के १३ दि २४ घड़ी पक्षी ४३
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३५	५०	रेवती	३१	२३			चतुष्पद	६	१८	नाग			२९	३९	५	२५	६३५	मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २१ दूसराचंद्र सम्वत्सरनोमास ९ । चैत्र शुदी लोकोत्तरमासको नाम । वंसत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग	नक्षत्रवर्द्धे	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफरसें ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
मं	वृ	र	बु	श	मं	शु	१	३	५४	उपाभाः	१२	३६			वव	३	५४	वालव			२७	४१	७	२८	६०७	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम
						श	२	२	५६	रेवती	१२	३६			कोलव	२	५६	स्त्रीलोचन			२७	५३	८	२९	६०८	४८॥भाःउःमेखेंदु
						र	३	१	५८	ऽश्विना	१२	३६	भर	३०	गर	१	५८	विणिज			२७	५७	९	३०	६०९	मेखेंदु।पूर्वाफाल्गुणीम्मासरात्रीका
						चं	४	०	६०	कृतका	४२	३६			वृष्टि वव	० २१	६० ३२	वालव			२८	०	१०	३१	६१०	मेखेंदु।सूर्यमास२०।३पग४अंःछाः।उत्र।फाल्गुणीरात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	
						मं	६	५९	२	रोहिणी	६०	०			कोलव	२१	३२	स्त्रीलोचन			२८	४	११	१	६११	वृखेंदु।मीनेभानुशंक्रांति।वसंतऋतु
						बु	७	५८	४	रोहिणी	१२	३६			गर	२८	३४	विणिज			२८	८	१२	२	६१२	वृखेंदु
						वृ	८	५७	६	मृगसरा	१२	३६	ऽद्राः	३०	वृष्टि	२७	३६	वव			२८	१२	१३	३	६१३	१८॥भाःउः मिथुनेंदु
						शु	९	५६	८	पुनर्वसु	६०	०			वालव	२६	३८	कोलव			२८	१६	१४	४	६१४	मिथुनेंदु
						श	१०	५५	१०	पुनर्वसु	१२	३६			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			२८	२०	१५	५	६१५	३७भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायने ४५
						र	११	५४	१२	पुष्य	१२	३६	श्ले	३०	विणिज	२४	४२	वृष्टि			२८	२४	१६	६	६१६	कर्केंदु
						चं	१२	५३	१४	मघा	४२	३६			वव	२३	४४	वालव			२८	२८	१७	७	६१७	५५॥भाःउः सिंघेंदु
						मं	१३	५२	१६	पूः फाः	४२	३६			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			२८	३२	१८	८	६१८	सिंघेंदु । ३पः३अं छा.पो:
						बु	१४	५१	१८	उ.फाः	६०	०			गर	२१	४८	विणिज			२८	३६	१९	९	६१९	सिंघेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१५	५०	२०	उःफाः	१२	३६			वृष्टि	२०	५०	वव			२८	४०	२०	१०	६२०	७ भाः उः कन्येंदु । पक्षी ४२

विक्रम सम्वत् १९७४ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४३ । जुगकामास २३ । दुसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास ११ । ज्येष्टवदी । लोकोत्रमासनाम । निदाह । रविउत्रायणे ॥

चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पलो प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री के	दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	२०	२०	विशाषा	३१	२३			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन	३०	४२	२१	११	६ ५१	६५भाःउःवृश्चकेंदु
						चं	२	१९	२२	अनुराधा	३१	२३			गर	१९	२२	विणिज	३०	४६	२२	१२	६ ५२	वृश्चकेंदु
						मं	३	१८	२४	ज्येष्टा	१	२३			वृष्टि	१८	२४	वव	३०	५०	२३	१३	६ ५३	वृश्चकेंदु
						बु	४	१७	२६	मूला	१	२३			वालव	१७	२६	कोलव	३०	५४	२४	१४	६ ५४	१६॥भाःउःधनेंदु।भरणीऽर्के।४२घःउःकृतकाऽर्के१३दिन२४घः
						बृ	५	१६	२८	पूर्वाषाड़ा	१	२३			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर	३०	५८	२५	१५	६ ५५	धनेंदु।२पगः१०अं छा.चित्रासमामरात्री का
						शु	६	१५	३०	उत्राषाड़ा	३१	२३	ऽभि	३५	विणिज	१५	३०	वृष्टि	३१	१	२६	१६	६ ५६	३२भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२४।चन्द्रायन ४८
						श	७	१४	३२	श्रवण	५०	१०			बव	१४	३२	वालव	३१	५	२७	१७	६ ५७	मकरेंदु
						र	८	१३	३४	धनेष्टा	५०	१०			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन	३१	९	२८	१८	६ ५८	५३भाःउ.कुंभेंदु
						चं	९	१२	३६	शतभिषा	२०	१०			गर	१२	३६	विणिज	३१	१३	२९	१९	६ ५९	कुंभेंदु
						मं	१०	११	३८	पूर्वाभा०	२०	१०			वृष्टि	११	३८	बव	३१	१७	३०	२०	६ ६०	कुंभेंदु।ऋतुमास २२
						बु	११	१०	४०	उत्राभा०	५०	१०			वालव	१०	४०	कोलव	३१	२१	१	२१	६ ६१	५भाःउःमीनेंदु
						बृ	१२	९	४२	रेवती	५०	१०			स्त्रीलोचन	९	४२	गर	३१	२५	२	२२	६ ६२	मीनेंदु।२पः१अं छायापोरसी
						शु	१३	८	४४	ऽश्विनी	५०	१०			विणिज	८	४४	वृष्टि	३१	२९	३	२३	६ ६३	२३॥भाःउःमेषेंदु
						श	१४	७	४६	भरणी	२०	१०			शुक्न	७	४६	चतुष्पद	३१	३३	४	२४	६ ६४	मेषेंदु पख४५
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	६	४८	कृतका	२०	१०			नाग	६	४८	किस्तुघन	३१	३७	५	२५	६ ६५	४२भाःउःवृषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४३ । जुगमास २२ । दूसरा चन्द्र सम्त्सरकामास १० वैशाख शुदी । लोकोत्तमास नाम कुसमसंभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रातों के			दिनमान	भाग ६२	सूतमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफलें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	चं	पृ	र	बु	श	१	३४	५२	ऽश्विनी	३१	२३			किस्तुघन	५	२०	बव			२९	४३	६	२६	६३६	२॥भाः उ॰ मेखेंदु
						र	२	३३	५४	भरणी	१	२३			बालव	४	२२	कोलव			२९	४७	७	२७	६३७	मेखेंदु । चन्द्र दर्शनम्
						चं	३	३२	५६	कृतका	१	२३			स्त्रीलोचन	३	२४	गर			२९	५१	८	२८	६३८	२१ भः उः वृखेंदु
						मं	४	३१	५८	रोहिणी	३१	२३			विणिज	२	२६	वृष्टि			२९	५५	९	२९	६३९	वृखेंदु । हस्त समाप्त रात्रीका
						बु	५	३०	६०	मृगसरा	३१	२३			बव	१	२८	बालव	२९	३२	२९	५९	१०	३०	६४०	३९॥भाः उ. मिथुनेंदु । सुर्यमास २१ । ३ पग छाः । चित्रारात्री
						पृ	६	३०	०	आद्रा	१	२३			कोलव स्त्री०	०/२९	३/३२	गर	२९	३२	३०	२	११	१	६४१	मिथुनेंदु । मेखेभानु शंक्रांति
						शु	७	२९	२	पुनर्वसु	३१	२३			विणिज	२९	२	वृष्टी			३०	६	१२	२	६४२	५८ भाःउः फर्केंदु
						श	८	२८	४	पुष्य	३१	२३			बव	२८	४	बालव			३०	१०	१३	३	६४३	फर्केंदु
						र	९	२७	६	ऽश्लेषा	१	२३			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			३०	१४	१४	४	६४४	फर्केंदु
						चं	१०	२६	८	मघा	१	२३			गर	२६	८	विणिज			३०	१८	१५	५	६४५	९॥भाः सिंघेंदु
						मं	११	२५	१०	पू॰ फा०	१	२३			वृष्टि	२५	१०	बव			३०	२२	१६	६	६४६	सिंघेंदु
						बु	१२	२४	१२	उत्रा फा०	३१	२३			बालव	२४	१२	कोलव			३०	२६	१७	७	६४७	२८ भाःउः कन्येंदु । ऽश्विनी ऽर्कें ६० घः । २ पग ११ अंःछाया
						पृ	१३	२३	१४	हस्त	३१	२३			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			३०	३०	१८	८	६४८	कन्येंदु । भरणी ऽर्कें ६ दिन ४२ घड़ी
						शु	१४	२२	१६	चित्रा	३१	२३			विणिज	२२	१६	वृष्टि			३०	३४	१९	९	६४९	४९॥भा.उः तुलेंदु । पक्षी ४४
मं	शु	चं	पृ	र	बु	श	१५	२१	१८	स्वाति	१	२३			बव	२१	१८	बालव			३०	३८	२०	१०	६५०	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । युगकामास २४ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास १२ आषाढ़ वदी । लोकोत्तरमासनाम । वनविरोध रवि उत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वर्ष ६७ भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनको	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिको	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७भादे १८भाग चलें। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
पू	र	गु	श	मं	शु	चं	१	५१	१८	ज्येष्ठा	२०	१०			बालव	२१	४८	कौलव			३२	३६	२०	९	६८०	पृथ्वीकेतु
						मं	२	५०	२०	मूला	२०	१०			स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			३२	४०	२१	१०	६८१	३७॥ भा:उ: धनेंतु
						बु	३	४९	२२	पुर्वाषाढ़ा	२०	१०			विणिज	१९	५२	वृष्टि			३२	४४	२२	११	६८२	धनेंतु
						बृ	४	४८	२४	उत्राषाढ़ा	५०	१०			बव	१८	५४	बालव			३२	४८	२३	१२	६८३	५६ भा:उ: मकरंतु । चन्द्रायन ५० । नक्षत्रमास २५
						शु	५	४७	२६	ऽभिच	८	६४			कौलव	१७	५६	स्त्रीलोचन			३२	५२	२४	१३	६८४	मकरंतु
						श	६	४६	२८	श्रवण	८	६४			गर	१६	५८	विणिज			३२	५६	२५	१४	६८५	मकरंतु । विशाषी समाप्त रात्री का
						र	७	४५	३०	धनिष्ठा	८	६४	शत	३०	वृष्टि	१५	६०	बव			३२	६०	२६	१५	६८६	७॥ भा:उ: कुंभेतु । २ पग ६ अं: छा: पोरसी
						चं	८	४४	३२	पुर्वाभा०	३८	६४			बालव	१५	०	कौलव			३३	३	२७	१६	६८७	कुंभेतु
						मं	९	४३	३४	उत्राभा०	६०	०			स्त्रीलोचन	१४	२	गर			३३	७	२८	१७	६८८	२६ भा: उ: मीनेंतु । रोहिणी १२ घ: उ: मृगमरार्के १३ दिन २४ घ:
						बु	१०	४२	३६	उत्राभा०	८	६४			विणिज	१३	४	वृष्टि			३३	११	२९	१८	६८९	मीनेंतु
						बृ	११	४१	३८	रेवती	८	६४			बव	१२	६	बालव			३३	१५	३०	१९	६९०	४४॥ भा:उ: मेषेंतु । मृतु मास २३
						शु	१२	४०	४०	ऽश्विनि	८	६४	गर	३०	कौलव	११	८	स्त्रीलोचन			३३	१९	१	२०	६९१	मेषेंतु
						श	१३	३९	४२	कृतका	३८	६४			गर	१०	१०	विणिज			३३	२३	२	२१	६९२	६३ भा:उ: वृषेंतु
						र	१४	३८	४४	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	९	१२	शकुन			३३	१७	३	२२	६९३	वृषेंतु । २ पग ५ अं:छा:पो: । पक्षी ४७
पू	र	गु	श	मं	शु	चं	१५	३७	४६	रोहिणी	८	६४			चतुष्पद	८	१४	नाग			३३	३१	४	२३	६९४	वृषेंतु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४३ । जुगमामास २३ । दूसरा चन्द्रसम्वत्सरका मास ११। ज्येष्ठ सुदी । लोकोत्तमासनाम। निदाह । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनसत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५	५०	रोहिणी	५०	१०			बव	५	५०	बालव			३१	४१	६	२६	६६६	बृषेंदु।चन्द्रदर्शनम्
						मं	२	४	५२	मृगसरा	५०	१०			कोलव	४	५२	स्त्रीलोचन			३१	४५	७	२७	६६७	६०॥भाःउः मिथुनेंदु
						बु	३	३	५४	आर्द्रा	२०	१०			गर	३	५४	विणिज			३१	४९	८	२८	६६८	मिथुनेंदु।कृतकाऽर्के६घ०उ०रोहणीऽर्के२०दिन६घड़ी
						बृ	४	२	५६	पुनर्वसु	५०	१०			वृष्टि	२	५६	बव			३१	५३	९	२९	६६९	मिथुनेंदु।चन्द्रायण४९॥दक्षणायणे
						शु	५	१	५८	पुष्य	५०	१०			बालव	१	५८	कोलव	२१	३२	३१	५७	१०	३०	६७०	१२भाःउःकर्केंदु।स्वातीसमाप्तरात्रीकानक्षत्र
						श	६	०	६०	अश्लेषा	२०	१०			स्त्रीलोचन गर	० २१	६० ३२	विणिज			३२	०	११	३१	६७१	कर्केंदु।सूर्यमास२२।विशाखानक्षत्ररात्रीका२पग८अंगुल छायापो०
०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ०
						र	८	५१	२	मघा	२०	१०			वृष्टि	२१	३२	बव			३२	४	१२	१	६७२	३०॥भा-उःसिंघेदु।वृषेभानु।शंक्रांती।ग्रीष्मऋतु१२
						चं	९	५८	४	पूः फाः	२०	१०			बालव	२८	३४	कोलव			३२	८	१३	२	६७३	सिंघेदु
						मं	१०	५७	६	उः फाः	५०	१०			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			३२	१२	१४	३	६७४	४१भा०उ०कन्नेंदु
						बु	११	५६	८	हस्त	५०	१०			विणिज	२६	३८	वृष्टि			३२	१६	१५	४	६७५	कन्येंदु
						बृ	१२	५५	१०	चित्रा	५०	१०			बव	२५	४०	बालव			३२	२०	१६	५	६७६	कन्येंदु
						शु	१३	५४	१२	स्वाति	२०	१०			कोलव	२४	४२	स्त्रीलोचन			३२	२४	१७	६	६७७	॥भाःउः तुलेंदु
						श	१४	५३	१४	विशाखा	५०	१०			गर	२३	४४	विणिज			३२	२८	१८	७	६७८	तुलेंदु।दोपग७अंगुलछायापो०
बु	श	मं	शु	बृ	चं	र	१५	५२	१६	अनुराधा	५०	१०			वृष्टि	२२	४६	बव			३२	३२	१९	८	६७९	१९भा०उ०वृश्चकेंदु।पखी४६

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २४ । दुसरा चन्द्रसम्वत्सरकामास १२ आषाढ़ वदी । लोकोत्तरमासनाम । वनविरोध रवि उत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	नक्षत्रमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढे १८भाग फर्से । नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पर्वीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५१	१८	ज्येष्टा	२०	१०			बालव	२१	४८	कोलव			३२	३६	२०	९	६८०	वृश्चकेंदु
						मं	२	५०	२०	मुला	२०	१०			स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			३२	४०	२१	१०	६८१	३७॥ भाःउः धर्मेंदु
						बु	३	४९	२२	पुर्वाषाड़ा	२०	१०			विणिज	१९	५२	वृष्टि			३२	४४	२२	११	६८२	धनेंदु
						बृ	४	४८	२४	उत्राषाड़ा	५०	१०			बव	१८	५४	बालव			३२	४८	२३	१२	६८३	५६ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ५० । नक्षत्रमास २५
						शु	५	४७	२६	ऽभिच	८	६४			कोलव	१७	५६	स्त्रीलोचन			३२	५२	२४	१३	६८४	मकरेंदु
						श	६	४६	२८	श्रवण	८	६४			गर	१६	५८	विणिज			३२	५६	२५	१४	६८५	मकरेंदु । विशापां समास रात्री का
						र	७	४५	३०	धनिष्ट	८	६४	शत	३०	वृष्टि	१५	६०	बव			३२	६०	२६	१५	६८६	७॥ भाःउः कुंभेंदु । २ पग ६ अः छाः पोरसी
						चं	८	४४	३२	पुर्वाभा०	३८	६४			बालव	१५	०	कोलव			३३	३	२७	१६	६८७	कुंभेंदु
						मं	९	४३	३४	उत्राभा०	६०	०			स्त्रीलोचन	१४	२	गर			३३	७	२८	१७	६८८	२६ भाः उः मीनेंदु । रोहिणी १२ घः उः मृगमरार्के १३ दिन २४ घः
						बु	१०	४२	३६	उत्राभा०	८	६४			विणिज	१३	४	वृष्टि			३३	११	२९	१८	६८९	मीनेंदु
						बृ	११	४१	३८	रेवती	८	६४			बव	१२	६	बालव			३३	१५	३०	१९	६९०	४४॥ भाःउः मेखेंदु । ऋतु मास २३
						शु	१२	४०	४०	ऽश्विनि	८	६४	भर	३०	कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			३३	१९	१	२०	६९१	मेखेंदु
						श	१३	३९	४२	कृतका	३८	६४			गर	१०	१०	विणिज			३३	२३	२	२१	६९२	६२ भाःउः वृषेंदु
						र	१४	३८	४४	रोहिणी	६०	०			वृष्टि	९	१२	शुकन			३३	१७	३	२२	६९३	वृषेंदु । २ पग ५ अंःछा.पोः । पक्षी ४७
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३७	४६	रोहिणी	८	६४			चतुष्पद	८	१४	नाग			३३	३१	४	२३	६९४	वृषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक। वीरसम्वत् २४४३। जुगकामास २४। दुसराचन्द्रसम्वत्सरकामास १२। आषाढ़शुदी। लोकोत्तरमासनाम। वनविरोध। रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रके	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसें। सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	मं	बृ	र	बु	श	मं	१	३६	४८	मृगसरा	८	६४	ऽद्रा	३०	क्रिस्तुघन	७	१६	वव			३३	३५	५	२४	६६५	१४॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बु	२	३५	५०	पुनर्वसु	६०	०			वालव	६	१८	कोलव			३३	३९	६	२५	६६६	मिथुनेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	३४	५२	पुनर्वसु	८	६४			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			३३	४३	७	२६	६६७	३३ भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन ५१
						शु	४	३३	५४	पुष्य	८	६४	ऽश्ले	२०	विणिज	४	२२	बृष्टि			३३	४७	८	२७	६६८	कर्केंदु
						श	५	३२	५६	मघा	३८	६४			वव	३	२४	वालव			३३	५१	९	२८	६६९	५१॥ भाःउः सिंघेंदु
						र	६	३१	५८	पुः फाः	३८	६४			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			३३	५५	१०	२९	७००	सिंघेंदु। २ पग ३ अः छाया। ज्येष्टां फमास राश्री का
						चं	७	३०	६०	उः फाः	६०	०			गर	१	२८	विणिज	२१	३२	३३	५९	११	३०	७०१	सिंघेंदु।सुर्यमास२३।मृगसराकें३६घःउःआद्राऽकेंद्दिन२४घः। मुलांराश्रीका
						मं	८	३०	०	उ०फा०	८	६४			बृष्टि यव	२६ ०	३० ३२	वालव ३६ ३२			३४	२	१२	१	७०२	३ भाःउः कन्येंदु। मिथुने भानु शंक्रांति
						बु	९	२९	२	हस्त	८	६४			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			३४	६	१३	२	७०३	कन्येंदु
						बृ	१०	२८	४	चित्रा	८	६४	स्वा	६०	गर	२८	४	विणिज			३४	१०	१४	३	७०४	२१॥ भाःउः तुलेंदु
						शु	११	२७	६	विशाषा	६०	०			बृष्टि	२७	६	वव			३४	१४	१५	४	७०५	तुलेंदु
						श	१२	२६	८	विशाषा	८	६४			वालव	२६	८	कोलव			३४	१८	१६	५	७०६	४० भाःउः बृश्कें‍दु
						र	१३	२५	१०	अनुराधा	८	६४	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			३४	२२	१७	६	७०७	बृश्चकेंदु
						चं	१४	२४	१२	मूला	३८	६४			विणिज	२४	१२	बृष्टि			३४	२६	१८	७	७०८	५८॥ भाःउः धनेंदुपक्षी ४८। २पग२अं.छाः।आद्राऽकें१८ घःउः पुनर्वसुऽकें
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	२३	१४	पूर्वाषा	३८	६४			वव	२३	१४	वालव			३४	३०	१९	८	७०९	धनेंदु [२० दिन ६ घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २५ । तीसरा ऽभीवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावण वद्रो । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंद । रविउत्तरायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	ऊण प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नदात्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	२२	१६	उत्राषाढ़ा	६०	०			कोलव	२२	१६	स्त्री लोचन	३४	३४	२०	९	७१०	धनेंदु
						बृ	२	२१	१८	उत्राषाढ़ा	८	६४	ऽभी	१५/५४	गर	२१	१८	विणिज	३४	३८	२१	१०	७११	१०भाः उः मकरेंदु । नदात्र मास २६ । चन्द्रायन ५२ उत्रायणे
						शु	३	२०	२०	श्रवण	२७	५१			वृष्टि	२०	२०	वव	३४	४२	२२	११	७१२	मकरेंदु
						श	४	१९	२२	धनेष्टा	२७	५१	शत	३०	वालव	१९	२२	कोलव	३४	४६	२३	१२	७१३	२८॥भाः उः कुंभेंदु
						र	५	१८	२४	पूर्वाभा०	५७	५१			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर	३४	५०	२४	१३	७१४	कुंभेंदु
						चं	६	१७	२६	उत्राभाद्र	६०	०			विणिज	१७	२६	वृष्टि	३४	५४	२५	१४	७१५	४७ भाः उः मीनेंदु
						मं	७	१६	२८	उ. भाः	२७	५१			वव	१६	२८	वालव	३४	५८	२६	१५	७१६	मीनेंदु । मूला समाप्त रात्री का
						बु	८	१५	३०	रेवती	२७	५१			कोलव	१५	३०	स्त्री लोचन	३५	१	२७	१६	७१७	६५॥भाः उः मेखेंदु । २ पग २ अंः छायापोरसी
						बृ	९	१४	३२	ऽश्विनी	२७	५१	भर	३०	गर	१४	३२	विणिज	३५	५	२८	१७	७१८	मेखेंदु
						शु	१०	१३	३४	कृतिका	५७	५१			वृष्टि	१३	३४	वव	३५	९	२९	१८	७१९	मेखेंदु
						श	११	१२	३६	रोहिणी	६०	०			वालव	१२	३६	कोलव	३५	१३	३०	१९	७२०	१७भाः उः वृखेंदु । ऋतुमास २४
						र	१२	११	३८	रोहिणी	२७	५१			स्त्रीलोचन	११	३८	गर	३५	१७	१	२०	७२१	वृखेंदु
						चं	१३	१०	४०	मृगसरा	२७	५१	ऽद्रा	३०	विणिज	१०	४०	वृष्टि	३५	२१	२	२१	७२२	३५॥भाः उः मिथुनेंदु
						मं	१४	९	४२	पुनर्वसु	६०	०			शुकन	९	४२	चतुष्पद	३५	२५	३	२२	७२३	मिथुनेंदु पक्षी ४९
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	८	४४	पुनवसु	२७	५१			नाग	८	४४	किस्तुघन	३५	२९	४	२३	७२४	५४भाः उः कर्केंदु । चन्द्रायन दक्षणायणे ५३ । पग २ अंः १छाः पोरसी

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४३ । जुगकामास २४ । दूसराचन्द्रसम्वत्सरकामास १२ । आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमासनाम । वनविरोध । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रघड़ी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	मं	बृ	र	बु	श	मं	१	३६	४८	मृगसरा	८	६४	ऽद्रा	३०	किस्तुघन	७	१६	वव			३३	३५	५	२४	६९५	१४॥ भा.उः मिथुनेंदु
						बु	२	३५	५०	पुनर्वसु	६०	०			वालव	६	१८	कोलव			३३	३९	६	२५	६९६	मिथुनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	३४	५२	पुनर्वसु	८	६४			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			३३	४३	७	२६	६९७	३३ भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन ५१
						शु	४	३३	५४	पुष्य	८	६४	ऽश्लें	२०	विणिज	४	२२	वृष्टि			३३	४७	८	२७	६९८	कर्केंदु
						श	५	३२	५६	मघा	३८	६४			वव	३	२४	वालव			३३	५१	९	२८	६९९	५१॥ भाःउः सिंघेंदु
						र	६	३१	५८	पुःफाः	३८	६४			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			३३	५५	१०	२९	७००	सिंघेंदु । २ पग ३ अंः छाया । ज्येष्टां कमास राश्री का
						चं	७	३०	६०	उःफा.	६०	०			गर	१	२८	विणिज	२१	३२	३३	५९	११	३०	७०१	सिंघेंदु।सूर्यमास२३।मृगसरार्के३६घःउःआर्द्राऽर्के६दिन२४घः । मुलां।राशीका
						मं	८	३०	०	उ॰फा॰	८	६४			वृष्टि वव	२९	३१	वालव ३६ ३२			३४	२	१२	१	७०२	३ भा.उः कन्येंदु । मिथुने भानु शंक्रांति
						बु	९	२९	२	हस्त	८	६४			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			३४	६	१३	२	७०३	कन्येंदु
						बृ	१०	२८	४	चित्रा	८	६४	स्वा	२०	गर	२८	४	विणिज			३४	१०	१४	३	७०४	२१॥ भाःउः तुलेंदु-
						शु	११	२७	६	विशाखा	६०	०			वृष्टि	२७	६	वव			३४	१४	१५	४	७०५	तुलेंदु
						श	१२	२६	८	विशाखा	८	६४			वालव	२६	८	कोलव			३४	१८	१६	५	७०६	४० भाःउः वृश्र्केंदु
						र	१३	२५	१०	अनुराधा	८	६४	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			३४	२२	१७	६	७०७	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२४	१२	मूला	३८	६४			विणिज	२४	१२	वृष्टि			३४	२६	१८	७	७०८	५८॥ भा.उः धनेंदुपखी ४८ । २पग२अंःछाः ।आर्द्राऽर्के१८ घःउः पुनर्वसुऽर्के
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	२३	१४	पूर्वाषा	३८	६४			वव	२३	१४	वालव			३४	३०	१९	८	७०९	धनेंदु [२० दिन ६ घड़ी

। विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास २ । भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनाम सुप्रतिष्टीत । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमास	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १. पक्षी प्रमाण २ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछा: प्रमाण ४।
र	गु	श	मं	शु	चं	बु	१	५३	१४	श्रवण	४६	३८			वालव	२३	४४	कोलव			३५	३३	१९	७	७३९	मकरेंदु । २पग १अं: छाया की पोरसी
						गु	२	५२	१६	धनेष्टा	४६	३८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३५	२९	२०	८	७४०	४१॥भा:उ कुंभेंदु
						श	३	५१	१८	शतभिषा	४६	३८			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३५	२५	२१	९	७४१	कुंभेंदुपूर्खार्के४८घ:उ:ऽश्लेषाऽर्के६दिन४२घड़ी
						र	४	५०	२०	पूर्वा भा०	४६	३८			बव	२०	५०	वालव			३५	२१	२२	१०	७४२	कुंभेंदु
						चं	५	४९	२२	उत्रा भा०	४६	३८			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३५	१७	२३	११	७४३	१भा:उ मीनेंदु
						मं	६	४८	२४	रेवती	४६	३८			गर	१८	५४	विणिज			३५	१३	२४	१२	७४४	मीनेंदु
						बु	७	४७	२६	ऽश्विनी	४६	३८			वृष्टि	१७	५६	बव			३५	९	२५	१३	७४५	१९॥भा.उ:मेखेंदु
						गु	८	४६	२८	भरणी	४६	३८			वालव	१६	५८	कोलव			३५	५	२६	१४	७४६	मेखेंदु । उत्राषाडासमाप्तरात्रीका
						शु	९	४५	३०	कृतका	४६	३८			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३५	१	२७	१५	७४७	३८ भा.उ: वृखेंदु । २ प: २ अं: छा: पोरसी
						श	१०	४४	३२	रोहिणी	४६	३८			विणिज	१५	०	वृष्टि			३४	५८	२८	१६	७४८	वृखेंदु।ऽश्लेषाऽर्के३०घ:उ मघाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						र	११	४३	३४	मृगशरा	४६	३८			बव	१४	२	वालव			३४	५४	२९	१७	७४९	५६॥भा:उ: मिथुनेंदु
						चं	१२	४२	३६	आर्द्रा	४६	३८			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१८	७५०	मिथुनेंदु । ऋतुमास २५ । पहुलापर्युषन
						मं	१३	४१	३८	पुनर्वसु	४६	३८			गर	१२	६	विणिज			३४	४६	१	१९	७५१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ५५ दक्षिणायणे
						बु	१४	४०	४०	पुष्य	४६	३८			वृष्टि	११	८	शकुन			३४	४२	२	२०	७५२	८भा:उ:कर्केंदु । पक्षी ५१
र	गु	श	मं	शु	चं	बु	१५	३९	४२	ऽश्लेषा	४६	३८			चतुष्पद	१०	१०	नाग			३४	३८	३	२१	७५३	कर्केंदु । अभिचसमाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २५ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावण शुदी । लोकोत्तर मास नाम । अभिनंद । रविदत्तणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग६७	करण दिनमें	घड़ी	भाग ६७	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६७	चन्द्र मास	सूर्य मास	जुगमास	चद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	बु	ग	मं	शु	चं	बृ	१	७	४६	पुष्य	२७	५१	ऽश्ले	३०	बव	७	४६	बालव			३५	२३	५	२४	७२५	कर्केंदु । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	६	४८	मघा	५७	५१			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			३५	२७	६	२५	७२६	कर्केंदु
						ग	३	५	५०	पूर्वा फा०	५७	५१			गर	५	५०	विणिज			३५	४१	७	२६	७२७	५॥भाः सिंघेंदु
						र	४	४	५२	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	४	५२	बव			३५	४५	८	२७	७२८	सिंघेंदु । पुनर्वसुः ऽर्के २४ घः उः पुष्पाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						चं	५	३	५४	उत्रा फा०	२७	५१			बालव	३	५४	कोलव			३५	४९	९	२८	७२९	२४भाःउः कन्येंदु
						मं	६	२	५६	हस्त	२७	५१			स्त्री लोचन	२	५६	गर			३५	५३	१०	२९	७३०	कन्येंदु
						बु	७	१	५८	चित्रा	२७	५१	स्वा	३०	विणिज	१	५८	वृष्टि	२९	३२	३५	५७	११	३०	७३१	४२॥भा उ तुलेंदु । पूर्वाषाडा समाप्त रात्रीका
						बृ	८	०	६०	विशाषा	६०	०			बव बालव	० २९	६० ३२	कोलव	२९	३२	३६	०	१२	३१	७३२	तुलेंदु । २ पग छायापोरसी । सूर्यमास २५ । उत्राषाड़ा रात्रीका
•	०	०	०	०	•	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						शु	१०	५९	२	विशाषा	२७	५१			स्त्री लोचन	२९	३२	गर			३५	५७	१३	१	७३३	६१ भा उः वृश्चकेंदु । कर्कभानु शंक्रांति । रविदत्तणायणे । पावस ऋतु [गर्जनेकी असझाइनहीं
						ग	११	५८	४	अनुराधा	२७	५१	ज्ये	३०	विणिज	२८	३४	वृष्टि			३५	५३	१४	२	७३४	वृश्चकेंदु
						र	१२	५७	६	मूला	५७	५१			बव	२७	३६	बालव			३५	४९	१५	३	७३५	वृश्चकेंदु
						चं	१३	५६	८	पूर्वाषा०	५७	५१			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			३५	४५	१६	४	७३६	१२॥भाःउ.धनेंदु
						मं	१४	५५	१०	उत्राषाड़ा	६०	०			गर	२५	४०	विणिज			३५	४१	१७	५	७३७	धनेंदु
ग	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	५४	१२	उत्राषड़	२७	५१	ऽभी	१६	वृष्टि	२४	४२	बव			३५	३७	१८	६	७३८	३३भा उ मगरेंदु । पक्षी ४० । नक्षत्रमास २७ । चन्द्रायन ५४ उत्रायणे

। विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीका वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास २ । भाद्रवावदी । लोकोत्तरमासनाम सुप्रतिष्टीत । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १० पखो प्रमाण २ चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
२	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	४३	१४	श्रवण	४६	३८			बालव	२३	४४	कोलव			३५	३३	१९	७	७३९	मकरेंदु । २पग १अंः छाया की पोरसी
						शु	२	४२	१६	धनेष्ठा	४६	३८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३५	२९	२०	८	७४०	४६॥भाः३ कुंभेंदु
						श	३	४१	१८	शतभिषा	१६	३८			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३५	२५	२१	९	७४१	कुंभेंदुपूखार्के४८घः३ःऽश्लेषाऽर्के६दिन४२घड़ी
						र	४	४०	२०	पूर्वा भा०	१६	३८			बव	२०	५०	बालव			३५	२१	२२	१०	७४२	कुंभेंदु
						चं	५	३९	२२	उत्रा भा०	४६	३८			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३५	१७	२३	११	७४३	१भाः३. मीनेंदु
						मं	६	३८	२४	रेवती	४६	३८			गर	१८	५४	विणिज			३५	१३	२४	१२	७४४	मीनेंदु
						बु	७	३७	२६	ऽश्विनी	४६	३८			वृष्टि	१७	५६	बव			३५	९	२५	१३	७४५	१६॥भा ३ःमेखेंदु
						बृ	८	३६	२८	भरणी	१६	३८			बालव	१६	५८	कोलव			३५	५	२६	१४	७४६	मेखेंदु । उत्राषाडासमाप्तरात्रीका
						शु	९	३५	३०	कृत्तका	१६	३८			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३५	१	२७	१५	७४७	३८ भा ३ः बृखेंदु । २ प० २ अंः छा० पोरसी
						श	१०	३४	३२	रोहिणी	४६	३८			विणिज	१५	०	वृष्टि			३४	५८	२८	१६	७४८	बृखेंदु।ऽश्लेषाऽर्के३०घः३ मघाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						र	११	३३	३४	मृगशरा	४६	३८			बव	१४	२	बालव			३४	५४	२९	१७	७४९	५६॥भाः३ः मिथुनेंदु
						चं	१२	३२	३६	आर्द्रा	१६	३८			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१८	७५०	मिथुनेंदु । ऋतुमास २५ । पहलापर्युषन
						मं	१३	३१	३८	पुनर्वसु	४६	३८			गर	१२	६	विणिज			३४	४६	१	१९	७५१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ५५ दक्षिणायणे
						बु	१४	३०	४०	पुष्य	४६	३८			वृष्टि	११	८	शकुन			३४	४२	२	२०	७५२	८भाः३.कर्केंदु । पखी ५१
२	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	२९	४२	ऽश्लेषा	१६	३८			चतुष्पद	१०	१०	नाग			३४	३८	३	२१	७५३	कर्केंदु । अभिचसमाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २५ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावण शुदी । लोकोत्तर मास नाम । अभिनंद । रविदत्तणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ीया	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	बु	श	मं	गु	चं	बृ	१	७	४६	पुष्य	२७	५१	ऽश्ले	३०	वव	७	४६	वालव			३५	३३	५	२४	७२५	कर्केंदु । चन्द्रदर्शनम
						शु	२	६	४८	मघा	५७	५१			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			३५	३७	६	२५	७२६	कर्केंदु
						श	३	५	५०	पूर्वा फा०	१७	५१			गर	५	५०	विणिज			३५	४१	७	२६	७२७	५॥भाः सिंघद्
						र	४	४	५२	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	४	५२	वव			३५	४५	८	२७	७२८	सिंघेंदु । पुनर्वसुः ऽर्कें २४ घः उः पूष्याऽर्कें १३ दिन २४ घड़ी
						चं	५	३	५४	उत्रा फा०	२७	५१			वालव	३	५४	कोलव			३५	४९	९	२८	७२९	२४भाःउः कन्येंदु
						मं	६	२	५६	हस्त	२७	५१			स्त्री लोचन	२	५६	गर			३५	५३	१०	२९	७३०	कन्येंदु
						बु	७	१	५८	चित्रा	२७	५१	स्वा	३०	विणिज	१	५८	वृष्टि	२९	३२	३५	५७	११	३०	७३१	४२॥भा.उःतुलेंदु । पूर्वाषाढा समाप्त रात्रीका
						बृ	८	०	६०	विशाखा	६०	०			वव वालव	२९	३२	कोलव	२९	३२	३६	०	१२	३१	७३२	तुलेंदु । २ पगःछायापोरसी । सूर्यमास २४ । उत्राषाढ़ा रात्रीका
•	०	०	०	०	•	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						शु	१०	५९	२	विशाखा	२७	५१			स्त्री लोचन	२९	३२	गर			३५	५७	१३	१	७३३	६१ भाः उः वृश्चकेंदु । कर्केभानु संक्रांति । रविदत्तणायणे । पावस ऋतु
						श	११	५८	४	अनुराधा	२७	५१	ज्ये	३०	विणिज	२८	३४	वृष्टि			३५	५३	१४	२	७३४	वृश्चकेंदु [गरजनेकी असझाइनहीं
						र	१२	५७	६	मूला	५७	५१			वव	२७	३६	वालव			३५	४९	१५	३	७३५	वृश्चकेंदु
						चं	१३	५६	८	पूर्वाषा०	५७	५१			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			३५	४५	१६	४	७३६	१२॥भाःउःधनेंदु
						मं	१४	५५	१०	उत्राषाढ़ा	६०	०			गर	२५	४०	विणिज			३५	४१	१७	५	७३७	धनेंदु
श	मं	गु	चं	बृ	र	बु	१५	५४	१२	उत्राषाढ़	२७	५१	ऽभी	१५	वृष्टि	२४	४२	वव			३५	३७	१८	६	७३८	३१भाः उ. मकरेंदु । पखी ५० । नक्षत्रमास २७ । चन्द्रायन ५४ उत्रायणे

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास २६। तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास २। भाद्रवावदी। लोकोत्तरमासनाम सुप्रतिष्टीत। रविदक्षिणायणे।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से। | सूर्य के साथ नक्षत्र १० पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २। पोरसीछाः प्रमाण ४।
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	५३	१४	श्रवण	४६	३८			वालव	२३	४४	कोलव			३५	३३	१९	७	७३९	मकरेंदु। २पग १अंः छाया की पोरसी
						शु	२	५२	१६	धनेष्ठा	४६	३८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			३५	२९	२०	८	७४०	४१॥भाःउ कुंभेंदु
						श	३	५१	१८	शतभिषां	१६	३८			विणिज	२१	४८	वृष्टि			३५	२५	२१	९	७४१	कुंभेंदुपूखार्के४८घःउःऽश्लेषाऽर्के६दिन४२घड़ी
						र	४	५०	२०	पूर्वा भा०	१६	३८			बव	२०	५०	वालव			३५	२१	२२	१०	७४२	कुंभेंदु
						चं	५	४९	२२	उत्रा भा०	४६	३८			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			३५	१७	२३	११	७४३	१भाःउः मीनेंदु
						मं	६	४८	२४	रेवती	४६	३८			गर	१८	५४	विणिज			३५	१३	२४	१२	७४४	मीनेंदु
						बु	७	४७	२६	ऽश्विनी	४६	३८			वृष्टि	१७	५६	बव			३५	९	२५	१३	७४५	१९॥भा.उःमेखेंदु
						बृ	८	४६	२८	भरणी	१६	३८			वालव	१६	५८	कोलव			३५	५	२६	१४	७४६	मेखेंदु। उत्राषाडासमाप्तरात्रीका
						शु	९	४५	३०	कृतका	१६	३८			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			३५	१	२७	१५	७४७	३८ भा.उः बृखेंदु। २ पः २ अंः छाः पोरसी
						श	१०	४४	३२	रोहिणी	४६	३८			विणिज	१५	०	वृष्टि			३४	५८	२८	१६	७४८	बृखेंदुऽश्लेषाऽर्के३०घःउ मघाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						र	११	४३	३४	मृगसरा	४६	३८			बव	१४	२	वालव			३४	५४	२९	१७	७४९	५६॥भाःउः मिथुनेंदु
						चं	१२	४२	३६	आद्रा	१६	३८			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१८	७५०	मिथुनेंदु। ऋतुमास २५। पहलापर्युषन
						मं	१३	४१	३८	पुनर्वसु	४६	३८			गर	१२	६	विणिज			३४	४६	१	१९	७५१	मिथुनेंदु। चन्द्रायन ५५ दक्षिणायणे
						बु	१४	४०	४०	पुष्क	४६	३८			वृष्टि	११	८	शुकन			३४	४२	२	२०	७५२	८भाःउःकर्केंदु। पखी ५१
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३९	४२	ऽश्लेषा	१६	३८			चतुष्पद	१०	१०	नाग			३४	३८	३	२१	७५३	कर्केंदु। अभिचसमाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगनोमास २९ । तीसरा अभिवर्धनसम्वतसरकामास २ । भाद्रवासुदी । लोकोत्तरमासकानाम । सुप्रतिष्टीत । रविदत्तणायगो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	३८	४४	मघा	१६	३८			किस्तुघन	९	१२	वव			३४	३४	४	२२	७५४	२६॥भा उः सिंघेंदु।२पग३अंःछाया पोः
						श	२	३७	४६	पूर्वा फाः	१६	३८			वालव	८	१४	कोलव			३४	३०	५	२३	७५५	सिंघेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	३६	४८	उःफाः	४६	३८			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			३४	२६	६	२४	७५६	४५भाः उः कन्येंदु
						चं	४	३५	५०	हस्त	४६	३८			विणिज	६	१८	वृष्टि			३४	२२	७	२५	७५७	कन्येंदु । छमक्री
						मं	५	३४	५२	चित्रा	४६	३८			वव	५	२०	वालव			३४	१८	८	२६	७५८	६३॥भाः उःतुलदु
						बु	६	३३	५४	स्वाति	१६	३८			कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			३४	१४	९	२७	७५९	तुलेंदु
						बृ	७	३२	५६	विशाखा	४६	३८			गर	३	२४	विणिज			३४	१०	१०	२८	७६०	तुलेंदु [रात्रीका
						शु	८	३१	५८	अनुराधा	४६	३८			वृष्टि	२	२६	वव			३४	६	११	२९	७६१	१५भाःउ वृश्चकेंदु।मघाऽर्कें५४घः३ःपु.फाःऽर्कें१३दिनर४घड़ी।श्रवणसमाप्त
						श	९	३०	६०	ज्येष्ठा	१६	३८			वालव	१	२८	कोलव			३४	२	१२	३०	७६२	वृश्चकेंदु । सूर्यमास २५ धनेष्टारात्री । २पग४अंःछाया पोः
						र	१०	३०	०	मुला	१६	३८			स्त्रीलो०गर	० २९	३० ३२	विणिज	२९	३२	३३	५९	१३	१	७६३	३३ ॥ भा.उः धनेंदु । सिंहेश्राडुशंक्रांति
						चं	११	२९	२	पुः षा०	१६	३८			वृष्टि	२९	२	वव			३३	५५	१४	२	७६४	धनेंदु
						मं	१२	२८	४	उत्राषाढ़ा	४६	३८			वालव	२८	४	कोलव			३३	५१	१५	३	७६५	५२भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास २८ । चन्द्रायन ५६ उत्रायणो
						बु	१३	२७	६	ऽभीच	५	२५			स्त्रीलोचन	२७	६	गर			३३	४७	१६	४	७६६	मकरेंदु
						बृ	१४	२६	८	श्रवण	५	२५			विणिज	२६	८	वृष्टि			३३	४३	१७	५	७६७	मकरेंदु । पखी ५२
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	२५	१०	धनेष्टा	५	२५	शत	३०	वव	२५	१०	वालव			३३	३९	१८	६	७६८	३॥भाःउ.कुंभेदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगमास २७। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ३ । असौजवदी । लोकोत्तरमास नाम । विजय । रविदक्षणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	चन्द्र मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्मे । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	२४	१२	पूर्वाभा०	३५	२५			फोजव	२४	१२	स्त्रीलोचन			३३	३५	१९	७	७६९	कुंभेंदु । २ पग ५ छाया पोरसी
						र	२	२३	१४	उत्राभाः	६०	०			गर	२३	१४	विणिज			३३	३१	२०	८	७७०	२२ भाःउ मीनेंदु
						चं	३	२२	१६	उत्रा भाः	५	२५			वृष्टि	२२	१६	वव			३३	२७	२१	९	७७१	मीनेंदु
						मं	४	२१	१८	रेवती	५	२५			बालव	२१	१८	कोलव			३३	२३	२२	१०	७७२	४०॥ भाःउः मेखेंदु
						बु	५	२०	२०	ऽश्विना	५	२५	भर	३०	स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			३३	१९	२३	११	७७३	मेखेंदु
						बृ	६	१९	२२	कृतका	३५	२५			विणिज	१९	२२	वृष्टि			३३	१५	२४	१२	७७४	५६ भाःउः वृखेंदु
						शु	७	१८	२४	रोहिणी	६०	०			वव	१८	२४	बालव			३३	११	२५	१३	७७५	वृखेंदु । प्र फा।ऽकें १८ घ उः उत्राफा.ऽकें २० दिन ६ घड़ी
						श	८	१७	२६	रोहिणी	५	२५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			३३	७	२६	१४	७७६	वृखेंदु
						र	९	१६	२८	मृगसरा	५	२५	ऽद्रा	३०	गर	१६	२८	विणिज			३३	३	२७	१५	७७७	१०॥ भाःउः मिथुनेंदु । २ पग ६ अःछाया । धनेष्टा समाप्तरात्रीका
						चं	१०	१५	३०	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	१५	३०	वव			३२	६०	२८	१६	७७८	मिथुनेंदु
						मं	११	१४	३२	पुनर्वसु	५	२५			बालव	१४	३२	कोलव			३२	५६	२९	१७	७७९	२९भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायने ५७ दक्षणायणे
						बु	१२	१३	३४	पुष्प	५	२५	ऽश्लेष	३०	स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			३२	५२	३०	१८	७८०	कर्केंदु । ऋतुमास २९
						बृ	१३	१२	३६	मघा	३५	२५			विणिज	१२	३६	वृष्टि			३२	४८	१	१९	७८१	४७॥ भाःउः सिंघेंदु
						शु	१४	११	३८	पूर्वा फाः	३५	२५			शुकन	११	३८	चतुष्पद			३२	४४	२	२०	७८२	सिंघेंदु । पखी ५३
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	१०	४०	उत्रा फाः	६०	०			नाग	१०	४०	किस्तुघन			३२	४०	३	२१	७८३	६६ भाः उः कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४३ । जुगकामास २७ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरनोमास ३ । आसौज शुदी । लोकोत्तरमास नाम । विजय । रविदक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा ६ साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पारसीः छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	९	४२	उत्रा फा	५	२५			वव	९	४२	वालव			३२	३६	४	२२	७८४	कन्येंदु २ पग ७अंःछाः । शतभिषा समात रात्रीका चन्द्रदर्शनम
						चं	२	८	४४	हस्त	५	२५			कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			३२	३२	५	२३	७८५	कन्येंदु
						मं	३	७	४६	चित्रा	५	२५	स्वा	३०	गर	७	४६	विणिज			३२	२८	६	२४	७८६	१७॥ भाः उ तुलेंदु
						बु	४	६	४८	विशाषा	६०	०			बृष्ट	६	४८	वव			३२	२४	७	२५	७८७	तुलेंदु
						बृ	५	५	५०	विशाषा	५	२५			वालव	५	५०	कोलव			३२	२०	८	२६	७८८	३६ भा॰ उः वृश्चकेंदु
						शु	६	४	५२	ऽनुराधा	५	२५	ज्यै	३०	स्त्रीलोचन	४	५२	गर			३२	१६	९	२७	७८९	वृश्चकेंदु
						श	७	३	५४	मुला	३५	२५			विणिज	३	५४	वृष्टि			३२	१२	१०	२८	७९०	५४॥ भाःउः धनेंदु
						र	८	२	५६	पूर्वाषाढ़ा	३५	२५			वव	२	५६	वालव			३२	८	११	२९	७९१	धनेंदु
						चं	९	१	५८	उत्राषाढ़ा	६०	०			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	२९	३२	३२	४	१२	३०	७९२	धनेंदु । पूर्वाभाद्रपदा समाप्त रात्री का [छ या । उत्राभाद्र रात्री का
						मं	१०	०	६०	उत्राषाढ़ा	५	२५	ऽभी	१/५४	गर विणिज	२९	३/२	वृष्टि	२९	३२	३२	०	१३	३१	७९३	६भाःउ मकरेंदु ।सुर्यमास२६नक्षत्रमास२६ चंद्रायन५८उत्रायणे२ पग ८अंः
०	०	०	०	०	०	०	११	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
						बु	१२	५९	२	श्रवण	२४	१२			वव	२९	३२	वालव			३१	५७	१४	१	७९४	मकरेंदु । कन्यार्के शंक्रांति । वर्षाऋतु २
						बृ	१३	५८	४	धनेष्ठा	२४	१२	शत	३०	कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			३१	५३	१५	२	७९५	२४॥भाःउः कुभेंदु । उत्राफाऽर्के २४घः उः हस्तार्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	१४	५७	६	पूर्वा भा०	५४	१२			गर	२७	३६	विणिज			३१	४९	१६	३	७९६	कुंभेंदु
मं	बु	चं	बृ	र	शु	श	१५	५६	८	उत्राः भाः	६०	०			वृष्टि	२६	३८	वव			३१	४५	१७	४	७९७	४३ भा.उ. मीनेंदु । पखी ५४

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास २८। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ४ कार्त्तिकवदी। लोकोत्तरमासनाम। प्रतिवर्धन। रवि दक्षणायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढे १८भाग फर्से। नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	५५	१०	उत्राभा०	२४	१२			बालव	२५	४०	कोलव			३१	४१	१८	५	७९८	मीनेंदु
						चं	२	५४	१२	रेवती	२४	१२			स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			३१	३७	१९	६	७९९	६१॥ भा.उः मेखेंदु
						मं	३	५३	१४	ऽश्विनी	२४	१२	भर	३०	विणिज	२३	४४	वृष्टि			३१	३३	२०	७	८००	मेखेंदु। २ पग ६ अंःछाया पोरसी
						बु	४	५२	१६	कृतका	५४	१२			वव	२२	४६	बालव			३१	२९	२१	८	८०१	मेखेंदु
						बृ	५	५१	१८	रोहिणी	६०	०			कोलव	२१	४८	स्त्रीलोचन			३१	२५	२२	९	८०२	१३ भाःउः वृखेंदु
						शु	६	५०	२०	रोहिणी	२४	१२			गर	२०	५०	विणिज			३१	२१	२३	१०	८०३	वृखेंदु
						श	७	४९	२२	मृगसरा	२४	१२	ऽार्द्रा	३०	वृष्टि	१९	५२	वव			३१	१७	२४	११	८०४	३१॥भाःउ. मिथुनेंदु
						र	८	४८	२४	पुनर्वसु	६०	०			बालव	१८	५४	कोलव			३१	१३	२५	१२	८०५	मिथुनेंदु
						चं	९	४७	२६	पुनर्वसु	२४	१२			स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			३१	९	२६	१३	८०६	५० भाःउः कर्केंदु चन्द्रायन ५६ दक्षणायणे
						मं	१०	४६	२८	पुष्प	२४	१२	ऽश्ले	३०	विणिज	१६	५८	वृष्टि			३१	५	२७	१४	८०७	कर्केंदु। उत्रा भाद्रपदा समाप्त रात्री का
						बु	११	४५	३०	मघा	५४	१२			वव	१५	६०	बालव			३१	१	२८	१५	८०८	कर्केंदु। हस्त ४८ घः उः चित्राऽर्क १३ दिन २४ घः। २ पग १० अंछाः
						बृ	१२	४४	३२	पू. फा०	५४	१२			कोलव	१५	०	स्त्रीलोचन			३०	५८	२९	१६	८०९	१॥ भाःउः सिंघेंदु
						शु	१३	४३	३४	उत्रा फा०	६०	०			गर	१४	२	विणिज			३०	५४	३०	१७	८१०	सिंघेंदु। ऋतु मास २७
						श	१४	४२	३६	उत्रा फा०	२४	१२			वृष्टि	१३	४	शुकन			३०	५०	१	१८	८११	२० भाःउः कन्येंदु। पक्षी ५५
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	४१	३८	हस्त	२४	१२			चतुष्पद	१२	६	नाग			३०	४६	२	१९	८१२	कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ स्रो० वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास २९। तीसरा अभिवर्धन समत्सरकामास ४। कार्त्तिक शुदी। लोकोत्तमास नाम प्रतिवर्धन। रविदत्तणायगे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ भाग १८ भागकर्पे। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
	र	बु	श	मं	शु	च		१४	४०	चित्रा	२४	१२	स्वा	३०	किस्तुघन	११	८	वव			३०	४२	३	२०	८१३	३८॥भा उः तुलेंदु
						मं	२	३१	४२	विशाखा	६०	०			बालव	१०	१०	कोलव			३०	३८	४	२१	८१४	तुलेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	३८	४४	विशाखा	२४	१२			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३०	३४	५	२२	८१५	५७ भाःउः वृश्चकेंदु। २ पग ११ अं.छायापोरसी
						बृ	४	३७	४६	अनुराधा	२४	१२	ज्ये	३०	विणिज	८	१४	वृष्टि			३०	३०	६	२३	८१६	वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४८	मूला	५४	१२			वव	७	१६	बालव			३०	२६	७	२४	८१७	वृश्चकेंदु
						श	६	३५	५०	पूर्वाषाढ़ा	५४	१२			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३०	२२	८	२५	८१८	८॥ भा उः धनेंदु
						र	७	३४	५२	उत्तराषाढ़ा	६०	०			गर	५	२०	विणिज			३०	१८	९	२६	८१९	धनेंदु
						चं	८	३३	५४	उत्तराषाढ़ा	२४	१२	ऽभी	५५/६४	वृष्टि	४	२२	वव			३०	१४	१०	२७	८२०	२७ भाःउः मकरेंदु। नक्षत्रमास ३०। चन्द्रायन ६० उत्तरायणे
						मं	९	३२	५६	श्रवण	४२	६६			बालव	३	२४	कोलव			३०	१०	११	२८	८२१	मकरेंदु [समाप्त रात्रीका
						बु	१०	३१	५८	धनेष्ठा	४२	६६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			३०	६	१२	२९	८२२	४५॥ भा उः कुंभेंदु। चित्राऽर्के १२ घः उ स्वातिऽर्के ६ दिन ४२घः रेवती
						बृ	११	३०	६०	शत भि०	१२	६६			विणिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	३०	२	१३	३०	८२३	कुंभेंदु। सूर्यमास २७। ३ पग छाः। अश्विनी रात्री का
						शु	१२	३०	०	पूर्वाभाद्र	१२	६६			वव बालव	२९/५९	३०/३२	कोलव	२९	३२	२९	५९	१४	१	८२४	६४ भाः उः मीनेंदु। तुलाऽर्के शंक्रांति
						श	१३	२९	२	उत्तराभा०	४२	६६			कोलव स्त्री०	२९	२	गर			२९	५५	१५	२	८२५	मीनेंदु
						र	१४	२८	४	रेवती	४२	६६			विणिज	२८	४	वृष्टी			२९	५१	१६	३	८२६	मीनेंदु। पक्षी ५६
	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२७	६	ऽश्विनि	४२	६६			वव	२७	६	बालव			२९	४७	१७	४	८२७	१५॥भाःउः मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास २९ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ५ । मृगसरवदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांस । दक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सांडे १८ भाग फरसें। सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रणाम ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	२६	८	भरणी	१२	६६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२९	४३	१८	५	८२८	मेखेंदु।स्वातीऽकें५४घ:उ:विशा।पाऽकें२०दिन६घड़ी
						बु	२	२५	१०	कृतका	१२	६६			गर	२५	१०	विणिज			२९	३९	१९	६	८२९	३४भा:उ·वृखेंदु
						बृ	३	२४	१२	रोहिणी	४२	६६			बृष्टि	२४	१२	बव			२९	३५	२०	७	८३०	वृखेंदु।३पग१छाया पोरसी
						शु	४	२३	१४	मृगसरा	४२	६६			बालव	२३	१४	कोलव			२९	३१	२१	८	८३१	५२॥ भा·उः मिथुनेंदु
						श	५	२२	१६	आद्रा	१२	६६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२९	२७	२२	९	८३२	मिथुनेंदु
						र	६	२१	१८	पुनर्वसु	४२	६६			विणिज	२१	१८	बृष्टि			२९	२३	२३	१०	८३३	मिथुनेंदु।चन्द्रायन ६१ दक्षिणायणे
						चं	७	२०	२०	पुष्य	४२	६६			बव	२०	२०	बालव			२९	१९	२४	११	८३४	४ भा:उः ककेंदु
						मं	८	१९	२२	ऽश्लेषा	१२	६६			कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२९	१५	२५	१२	८३५	ककेंदु
						बु	९	१८	२४	मघा	१२	६६			गर	१८	२४	विणिज			२९	११	२६	१३	८३६	२२॥ भा:उः सिंघेंदु
						बृ	१०	१७	२६	पु: फा:	१२	६६			बृष्टि	१७	२६	बव			२९	७	२७	१४	८३७	सिंघेंदु
						शु	११	१६	२८	उ: फा:	४२	६६			बालव	१६	२८	कोलव			२९	३	२८	१५	८३८	४१ भा:उः कन्येंदु । ३ पग २ अं: छाया । अश्विनीसमाप्त रात्री का
						श	१२	१५	३०	हस्त	४२	६६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२८	६०	२९	१६	८३९	कन्येंदु
						र	१३	१४	३२	चित्रा	४२	६६			विणिज	१४	३२	बृष्टि			२८	५६	३०	१७	८४०	५६॥ भा:उः तुलेंदु । ऋतुमास २८
						चं	१४	१३	३४	स्वाति	१२	६६			शुकन	१३	३४	चतुष्पद			२८	५२	१	१८	८४१	तुलेंदु । पखी ५७
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१२	३६	विशाखा	४२	६६			नाग	१२	३६	किस्तुघन			२८	४८	२	१९	८४२	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास २८। तीसरा अभिवर्धन समसरकामास ४। कार्त्तिक शुदी। लोकोत्रमास नाम प्रतिवर्धन। रविदक्षणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	[illegible] मास	उडुमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ भाडे १८ भागकर्वे। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
बृ	र	बु	र	मं	शु	चं	१	४	४०	चित्रा	२४	१२	स्वा	३०	किंस्तुघ्न	११	८	बव			३०	४२	३	२०	८१३	३८॥भा:उः तुलेंदु
						मं	२	३१	४२	विशाखा	६०	०			बालव	१०	१०	कौलव			३०	३८	४	२१	८१४	तुलेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	३८	४४	विशाखा	२४	१२			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३०	३४	५	२२	८१५	५७ भा:उः वृश्चकेंदु। २ पग ११ अं:छायापोरसी
						बृ	४	३७	४६	अनुराधा	२४	१२	ज्ये	३०	विणिज	८	१४	वृष्टि			३०	३०	६	२३	८१६	वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४८	मूला	५४	१२			बव	७	१६	बालव			३०	२६	७	२४	८१७	वृश्चकेंदु
						श	६	३५	५०	पूर्वाषाढ़ा	५४	१२			कौलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३०	२२	८	२५	८१८	८॥ भा:उः धनेंदु
						र	७	३४	५२	उत्राषाढ़ा	६०	०			गर	५	२०	विणिज			३०	१८	९	२६	८१९	धनेंदु
						सं	८	३३	५४	उत्राषाढ़ा	२४	१२	ऽभी	१५	वृष्टि	४	२२	बव			३०	१४	१०	२७	८२०	२७ भा:उ: मकरेंदु। नक्षत्रमास ३०। चन्द्रायन ६० उत्रायणे
						मं	९	३२	५६	श्रवण	४२	३६			बालव	३	२४	कौलव			३०	१०	११	२८	८२१	मकरेंदु [समास रात्रीका
						बु	१०	३१	५८	धनेष्ठा	४२	३६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			३०	६	१२	२९	८२२	५५॥ भा:उः कुंभेंदु। चित्राऽर्के १२ घः उः स्वातिऽर्के ६ दिन ५२घः रेवती
						बृ	११	३०	६०	शत भि०	१२	३६			विणिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	३०	२	१३	३०	८२३	कुंभेंदु। सुर्यमास २७। ३ पग छा:। अश्विनी रात्री का
						शु	१२	३०	०	पूर्वाभाद्र	१२	३६			बव बालव	० २९	३० ३२	कौलव	२९	३२	२९	५९	१४	१	८२४	६४ भा: उः मीनेंदु। तुलाऽर्के शंक्रांति
						श	१३	२९	२	उत्राभा०	४२	३६			कौलव स्त्री०	२९	२	गर			२९	५५	१५	२	८२५	मीनेंदु
						र	१४	२८	४	रेवती	४२	३६			विणिज	२८	४	वृष्टी			२९	५१	१६	३	८२६	मीनेंदु। पक्षी ५६
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२७	६	ऽश्विनि	४२	३६			बव	२७	६	बालव			२९	४७	१७	४	८२७	१५॥भा:उः मेषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास २९ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ५ । मृगसरवदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांस । दक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घडी	भाग ६२	नक्षत्रांक	घडी	भाग ६७	नक्षत्र	घडी भाग	करण दिन	घडी	भाग ६२	करणरात्रि	घडी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	सूर्यमास	ऋतुमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
श	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	२६	८	भरणी	१२	६६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२९	४३	१८	५	८२८	मेखेंदु।स्वाती ऽर्के ५४भा:उ:विशाखाऽर्के २० दिन ६ घडी
						बु	२	२५	१०	कृतका	१२	६६			गर	२५	१०	विणिज			२९	३९	१९	६	८२९	३४भा:उ.वृखेंदु
						बृ	३	२४	१२	रोहिणी	४२	६६			वृष्टि	२४	१२	बव			२९	३५	२०	७	८३०	वृखेंदु।३पग१छाया पोरसी
						शु	४	२३	१४	मृगसरा	४२	६६			बालव	२३	१४	कोलव			२९	३१	२१	८	८३१	५२॥ भा उः मिथुनेंदु
						श	५	२२	१६	आर्द्रा	१२	६६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२९	२७	२२	९	८३२	मिथुनेंदु
						र	६	२१	१८	पुनर्वसु	४२	६६			विणिज	२१	१८	वृष्टि			२९	२३	२३	१०	८३३	मिथुनेंदु।चन्द्रायन ६१ दक्षिणायणे
						चं	७	२०	२०	पुष्य	४२	६६			बव	२०	२०	बालव			२९	१९	२४	११	८३४	४ भा:उः ककेंदु
						मं	८	१९	२२	अश्लेषा	१२	६६			कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२९	१५	२५	१२	८३५	ककेंदु
						बु	९	१८	२४	मघा	१२	६६			गर	१८	२४	विणिज			२९	११	२६	१३	८३६	२२॥ भा:उ. सिंघेंदु
						बृ	१०	१७	२६	पु:फा:	१२	६६			वृष्टि	१७	२६	बव			२९	७	२७	१४	८३७	सिंघेंदु
						शु	११	१६	२८	उ:फा	४२	६६			बालव	१६	२८	कोलव			२९	३	२८	१५	८३८	४१ भा.उः कन्येंदु । ३ पग २ अः छाया । अश्विनीसमास रात्री का
						श	१२	१५	३०	हस्त	४२	६६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२८	६०	२९	१६	८३९	कन्येंदु
						र	१३	१४	३२	चित्रा	४२	६६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			२८	५६	३०	१७	८४०	५६॥ भा:उः तुलेंदु । ऋतुमास २८
						चं	१४	१३	३४	स्वाति	१२	६६			शुकन	१३	३४	चतुष्पद			२८	५२	१	१८	८४१	तुलेंदु । पखी ५७
श	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	१२	३६	विशाखा	४२	६६			नाग	१२	३६	किंस्तुघन			२८	४८	२	१९	८४२	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो॰ वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास २८। तीसरा अभिवर्धन समत्सरकामास ४। कार्तिक शुदी। लोकोत्रमाम नाम प्रतिवर्धन। रविदत्तणायणे।

चार ७	चार ६	चार ५	चार ४	चार ३	चार २	चार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ भाडे १८ भागकरें। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
बृ	र	बु	श	मं	शु	च	१	४	४०	चित्रा	२४	१२	स्वा	३०	किस्तुघन	११	८	वव			३०	४२	३	२०	८१३	३८॥भा उ॰ तुलेंदु
						मं	२	३१	४२	विशाखा	६०	०			बालव	१०	१०	कौलव			३०	३८	४	२१	८१४	तुलेंदु। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	३८	५४	विशाखा	२४	१२			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			३०	३४	५	२२	८१५	५७ भाःउः वृश्चकेंदु। २ पग ११ अंःछायापोरसी
						बृ	४	३७	४६	अनुराधा	२४	१२	ज्ये	३०	विणिज	८	१४	वृष्टि			३०	३०	६	२३	८१६	वृश्चकेंदु
						शु	५	३६	४८	मूला	५४	१२			वव	७	१६	बालव			३०	२६	७	२४	८१७	वृश्चकेंदु
						श	६	३५	५०	पूर्वाषाढ़ा	५४	१२			कौलव	६	१८	स्त्रीलोचन			३०	२२	८	२५	८१८	८॥ भा उः धनेंदु
						र	७	३४	५२	उत्तराषाढ़ा	६०	०			गर	५	२०	विणिज			३०	१८	९	२६	८१९	धनेंदु
						चं	८	३३	५४	उत्तराषाढ़ा	२४	१२	ऽभी	६६	वृष्टि	४	२२	वव			३०	१४	१०	२७	८२०	२७ भाःउ. मकरेंदु। नक्षत्रमास ३०। चन्द्रायन ६० उत्तरायणे
						मं	९	३२	५६	श्रवण	४२	६६			बालव	३	२४	कौलव			३०	१०	११	२८	८२१	मकरेंदु [समाप्त रात्रीका
						बु	१०	३१	५८	धनेष्ठा	४२	६६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			३०	६	१२	२९	८२२	४५॥ भा उः कुंभेंदु। चित्राऽर्के १२ घ॰ उ॰ स्वातिऽर्के ६ दिन ४२घ॰। रेवती
						बृ	११	३०	६०	शत भि॰	१२	६६			विणिज	१	२८	वृष्टि	२१	३२	३०	२	१३	३०	८२३	कुंभेंदु। सूर्यमास २७। ३ पग छाः। अश्विनी रात्री का
						शु	१२	३०	०	पूर्वाभाद्र	१२	६६			वव बालव	२९	३१	कौलव	२९	३२	२९	५९	१४	१	८२४	६४ भाः उः मीनेंदु। तुलाऽर्के शंक्रांति
						श	१३	२९	२	उत्तराभा॰	४२	६६			कौलव स्त्री॰	२९	२	गर			२९	५५	१५	२	८२५	मीनेंदु
						र	१४	२८	४	रेवती	४२	६६			विणिज	२८	४	वृष्टी			२९	५१	१६	३	८२६	मीनेंदु। पक्षी ५६
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	२७	६	ऽश्विनि	४२	६६			वव	२७	६	बालव			२९	४७	१७	४	८२७	१५॥भा॰उः मेषेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास २९ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास ५ । मृगसरवदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांस । दक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बु	र	गु	श	मं	१	२६	८	भरणी	१२	६६			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२९	४३	१८	५	८२८	मेखेंदु।स्वातीऽर्के५४घःउ.विशाखाऽर्के२०दिन६घड़ी
						बु	२	२५	१०	कृतका	१२	६६			गर	२५	१०	विणिज			२९	३९	१९	६	८२९	३४भाःउ वृखेंदु
						गु	३	२४	१२	रोहिणी	४२	६६			वृष्टि	२४	१२	बव			२९	३५	२०	७	८३०	वृखेंदु।२पग१छाया पोरसी
						शु	४	२३	१४	मृगसरा	४२	६६			बालव	२३	१४	कोलव			२९	३१	२१	८	८३१	५२॥ भा उः मिथुनेंदु
						श	५	२२	१६	आर्द्रा	१२	६६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२९	२७	२२	९	८३२	मिथुनेंदु
						र	६	२१	१८	पुनर्वसु	४२	६६			विणिज	२१	१८	वृष्टि			२९	२३	२३	१०	८३३	मिथुनेंदु।चन्द्रायन ६१ दक्षिणायणे
						चं	७	२०	२०	पुष्य	४२	६६			बव	२०	२०	बालव			२९	१९	२४	११	८३४	४ भाःउः ककेंदु
						मं	८	१९	२२	ऽश्लेषा	१२	६६			कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२९	१५	२५	१२	८३५	कर्केंदु
						बु	९	१८	२४	मघा	१२	६६			गर	१८	२४	विणिज			२९	११	२६	१३	८३६	२२॥ भाःउ. सिंघेंदु
						गु	१०	१७	२६	पुः फाः	१२	६६			वृष्टि	१७	२६	बव			२९	७	२७	१४	८३७	सिंघेंदु
						शु	११	१६	२८	उ फा	४२	६६			बालव	१६	२८	कोलव			२९	३	२८	१५	८३८	४१ भा उः कन्येंदु । २ पग २ अं: छाया । अभिनीसमास रात्री का
						श	१२	१५	३०	हस्त	४२	६६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२८	६०	२९	१६	८३९	कन्येंदु
						र	१३	१४	३२	चित्रा	४२	६६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			२८	५६	३०	१७	८४०	५९॥ भाःउः तुलेंदु । ऋतुमास २८
						चं	१४	१३	३४	स्वाति	१२	६६			शुकन	१३	३४	चतुष्पद			२८	५२	१	१८	८४१	तुलेंदु । पखी ५७
शु	चं	बु	र	गु	श	मं	१५	१२	३६	विशाखा	४२	६६			नाग	१२	३६	किंस्तुघन			२८	४८	२	१९	८४२	तुलेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास २१ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी । लोकोत्तरमासनाम। श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ५	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादि	घड़ी	भाग ६२	करणप्रान्ते			दिनमानघड़ी	भाग ६२	सद्यमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षीप्रमाण ३।पोरसोक्षाया प्रमाण ४ ।
		शु	चं	बु	र	बु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	बालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भाःउः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनमें
						बृ	२	१०	५०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	६	५२	मूला	१२	६६			गर	६	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२६।। भा उः धनेंदु । ३पग३श्र त्राः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	५६	उत्रा षा०	४२	६६			बालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भा.उःमकरेंदु।नक्षत्रमास३१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽर्के ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६।।भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	बालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्रा	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२९	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनी समासरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			बालवकोलव	० / २९	६० / ३२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६।।भाःउ॰ मेषेंदु । सूर्यमास २८ । ३प ४श्र त्राःकृतकारात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५९	२	ऽश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेषेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसभ्भाइलगी
शु	चं	बु	र	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उ.वृषेंदु । पक्षी ५८

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३० । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । पोष वदी । लोकोत्रमास नाम । शिव । प्रथम । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के	दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य भाग	उपमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से। सुर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	५७	६	रोहिणी	६०	०			वालव	२७	३६	कोलव	२७	४९	१७	३	८५७	घृखेंदु
						बृ	२	५६	८	रोहिणी	१	५३			स्त्री लोचन	२६	३८	गर	२७	४५	१८	४	८५८	वृखेंदु
						शु	३	५५	१०	मृगसरा	१	५३	ऽाद्रा	३०	विणिज	२५	५०	वृष्टि	२७	४१	१९	५	८५९	६॥भा:उ: मिथुनेंदु
						श	४	५४	१२	पुनर्वसु	६०	०			वव	२४	४२	वालव	२७	३७	२०	६	८६०	मिथुनेंदे
						र	५	५३	१४	पुनर्वसु	१	५३			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन	२७	३२	२१	७	८६१	२५भा.उ: कर्केंदु । चंद्रायन ६३ दक्षणायणे ३ प: ५अं: छाया:
						चं	६	५२	१६	पुष्य	१	५३	ऽश्लेष	३०	गर	२२	४६	विणिज	२७	२९	२२	८	८६२	कर्केंदु । ऽनुराधा २४ घ: उ: ज्येष्टा ऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						मं	७	५१	१८	मघा	३१	५३			वृष्टी	२१	४८	वव	२७	२५	२३	९	८६३	४३॥भा: उ सिंघेंदु
						बु	८	५०	२०	पू: फा०	३१	५३			वालव	२०	५०	कोलव	२७	२१	२४	१०	८६४	सिंघेंदु
						बृ	९	४९	२२	उत्रा फा०	६०	०			स्त्री लोचन	१९	५२	गर	२७	१७	२५	११	८६५	६२भा: उ: कन्येंदु
						शु	१०	४८	२४	उत्रा फा०	१	५३			विणिज	१८	५४	वृष्टी	२७	१३	२६	१२	८६६	कन्येंदु
						श	११	४७	२६	हस्त	१	५३			वव	१७	५६	वालव	२७	९	२७	१३	८६७	कन्येंदु
						र	१२	४६	२८	चित्रा	१	५३	स्वा	३०	कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन	२७	५	२८	१४	८६८	१३॥भ: उ: तुलेंदु । कृतका समास रात्री का
						चं	१३	४५	३०	विशाषा	६०	०			गर	१५	६०	विणिज	२७	१	२९	१५	८६९	तुलेंदु । ३ प: ६ अं: छा: ज्येष्टाऽर्के ६ घ: उ: मूलाऽर्के १३ दि: २४ घ:
						मं	१४	४४	३२	विशाषा	१	५३			वृष्टी	१५	०	शुकन	२६	५८	३०	१६	८७०	३२भा: उ: वृश्चिकेंदु । ऋतुमास २९ । पखी ५९
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	४३	३४	ऽनुराधा	१	५३	ज्ये	३०	चतुष्पद	१४	२	नाग	२६	५४	१	१७	८७१	वृश्चिकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास २१ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी । लोकोत्रमासनाम। श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सुर्यके साधनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
म	मं	शु	बं	बृ	र	बु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	बालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भाःउः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	१०	४०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	९	४२	मूला	१२	६६			गर	९	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२९॥ भा उः धनेंदु । ३पग३अ छाः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	४६	उत्रा षा०	४२	६६			बालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भा.उःमकरेंदु।नक्षत्रमास३१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽर्कें ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	बालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्रा	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२९	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनीसमासरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			बालवकोलव	० २९	६० ३२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भाःउः मेषेंदु । सुर्यमास २८ । ३प ४अं.छाःकृतकारात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५१	२	ऽश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेषेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसझाइलगी
बु	चं	बृ	१	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उ वृषेंदु । पखी ५८

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३० । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास ६ । पोष वदी । लोकोत्रमास नाम । शिव । प्रथम । रविदक्षणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घं०	भाग ६२	सूर्यमास	सूर्य भाग	युगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	५७	६	रोहिणी	६०	०			बालव	२७	३६	कोलव			२७	४६	१७	३	८५७	वृखेंदु
						बृ	२	५६	८	रोहिणी	१	५३			स्त्री लोचन	२६	३८	गर			२७	४५	१८	४	८५८	वृखेंदु
						शु	३	५५	१०	मृगसरा	१	५३	आद्रा	३०	विणिज	२५	५०	वृष्टि			२७	४१	१९	५	८५९	६॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	४	५४	१२	पुनर्वसु	६०	०			बव	२४	३२	बालव			२७	३७	२०	६	८६०	मिथुनेंदु
						र	५	५३	१४	पुनर्वसु	१	५३			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२७	३३	२१	७	८६१	२५भाःउः कर्केंदु । चंद्रायन ६२ दक्षणायणो ३ पः ५ अंः छायाः
						चं	६	५२	१६	पुष्य	१	५३	ऽश्लेे	३०	गर	२२	४६	विणिज			२७	२९	२२	८	८६२	कर्केंदु । ऽनुराधा २५ घः उः ज्येष्ठा ऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						मं	७	५१	१८	मघा	३१	५३			वृष्टी	२१	४८	बव			२७	२५	२३	९	८६३	४३॥भाः उः सिंघेंदु
						बु	८	५०	२०	पूः फा०	३१	५३			बालव	२०	५०	कोलव			२७	२१	२४	१०	८६४	सिंघेंदु
						बृ	९	४९	२२	उत्रा फा०	६०	०			स्त्री लोचन	१९	५२	गर			२७	१७	२५	११	८६५	६२भाः उः कन्येंदु
						शु	१०	४८	२४	उत्रा फा०	१	५३			विणिज	१८	५४	वृष्टी			२७	१३	२६	१२	८६६	कन्येंदु
						श	११	४७	२६	हस्त	१	५३			बव	१७	५६	बालव			२७	९	२७	१३	८६७	कन्येंदु
						र	१२	४६	२८	चित्रा	१	५३	स्वा	३०	कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२७	५	२८	१४	८६८	१३॥भः उः तुलेंदु । कृतका समाप्त रात्री का
						चं	१३	४५	३०	विशाखा	६०	०			गर	१५	६०	विणिज			२७	१	२९	१५	८६९	तुलेंदु । ३ पः ६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घः उः मूलाऽर्के १३ दिः २४ घः
						मं	१४	४४	३२	विशाखा	१	५३			वृष्टी	१५	०	शकुन			२६	५८	३०	१६	८७०	३२भाः उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास २६ । पखी ५९
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	४३	३४	ऽनुराधा	१	५३	ज्ये	३०	चतुष्पद	१४	२	नाग			२६	५४	१	१७	८७१	वृश्चकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास २१ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसरासुदी । लोकोत्तमासनाम । श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सुर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
ग	मे	शु	चं	बृ	र	बु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	बालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भाःउः धृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	१०	४०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	धृश्चकेंदु
						शु	३	१	४२	मूला	१२	६६			गर	९	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२६॥ भा उः धनेंदु । ३पग३भ्रं छाः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	४६	उत्रा षा०	४२	६६			बालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽर्कं ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	बालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्रा	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२६	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनीसमासरात्रीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			बालवकोलव	० २९	६० ४२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भाःउः मेषेंदु । सूर्यमास २८ । ३प ४अं.छाःकृतकारात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५१	२	ऽश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेषेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसज्झाइलगी
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उःवृषेंदु । पखी ५८

विक्रम सम्वत् १९७४ जोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३० । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास ६ । पोष वदी । लोकोत्रमास नाम । शिव । प्रथम । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य भाग	जुगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	१	५७	६	रोहिणी	६०	०			वालव	२७	३६	कोलव			२७	४६	१७	३	८५७	वृखेंदु
						वृ	२	५६	८	रोहिणी	१	५३			स्त्री लोचन	२६	३८	गर			२७	४५	१८	४	८५८	वृखेंदु
						शु	३	५५	१०	मृगसरा	१	५३	ऽाद्रा	३०	विणिज	२५	५०	वृष्टि			२७	४१	१९	५	८५९	६॥भाःउः मिथुनेंदु
						श	४	५४	१२	पुनर्वसु	६०	०			वव	२४	४२	वालव			२७	३७	२०	६	८६०	मिथुनेंदु
						र	५	५३	१४	पुनर्वसु	१	५३			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२७	३३	२१	७	८६१	२५भा.उः ककेंदु । चंद्रायन ६३ दक्षणायणे ३ पः ५अंः छायाः
						चं	६	५२	१६	पुष्य	१	५३	ऽश्लेष	३०	गर.	२२	४६	विणिज			२७	२९	२२	८	८६२	ककेंदु । ऽनुराधा २४ घः उः ज्येष्ठाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						मं	७	५१	१८	मघा	३१	५३			वृष्टी	२१	४८	वव			२७	२५	२३	९	८६३	४३॥भाः उः सिंघेदु
						बु	८	५०	२०	पूः फा०	३१	५३			वालव	२०	५०	कोलव			२७	२१	२४	१०	८६४	सिंघेदु
						वृ	९	४९	२२	उत्रा फा०	६०	०			स्त्री लोचन	१९	५२	गर			२७	१७	२५	११	८६५	६२भाः उः कन्येंदु
						शु	१०	४८	२४	उत्रा फा०	१	५३			विणिज	१८	५४	वृष्टी			२७	१३	२६	१२	८६६	कन्येंदु
						श	११	४७	२६	हस्त	१	५३			वव	१७	५६	वालव			२७	९	२७	१३	८६७	कन्येंदु
						र	१२	४६	२८	चित्रा	१	५३	स्वा	३०	कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२७	५	२८	१४	८६८	१३॥भः उः तुलेंदु । कृतका समाप्त रात्री का
						चं	१३	४५	३०	विशाखा	६०	०			गर	१५	६०	विणिज			२७	१	२९	१५	८६९	तुलेंदु । ३ पः ६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घः उः मूलाऽर्के १२ दिः २४ घः
						मं	१४	४४	३२	विशाखा	१	५३			वृष्टी	१५	०	शुकन			२६	५८	३०	१६	८७०	३२भाः उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास २६ । पखी ५६
श	मं	शु	चं	वृ	र	बु	१५	४३	३४	ऽनुराधा	१	५३	ज्ये	३०	चतुष्पद	१४	२	नाग			२६	५४	१	१७	८७१	वृश्चकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४ । युगमास २१ । तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ५। मृगसराशुदी । लोकोत्रमासनाम। श्रेयांस । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६१	सूतमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
ग	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	११	३८	अनुराधा	४२	६६			बव	११	३८	वालव			२८	४४	३	२०	८४३	११ भाःउः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	१०	४०	ज्येष्ठा	१२	६६			कोलव	१०	४०	स्त्रीलोचन			२८	४०	४	२१	८४४	वृश्चकेंदु
						शु	३	९	४२	मूला	१२	६६			गर	९	४२	विणिज			२८	३६	५	२२	८४५	२१॥ भा उः धनेंदु । ३पग३अंःछाः
						श	४	८	४४	पूर्वाषा०	१२	६६			वृष्टि	८	४४	बव			२८	३२	६	२३	८४६	धनेंदु
						र	५	७	४६	उत्रा षा०	४२	६६			वालव	७	४६	कोलव			२८	२८	७	२४	८४७	४८भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२१।चन्द्रायन६२उत्रायणे
						चं	६	६	४८	अभीच	१	५३			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२८	२४	८	२५	८४८	मकरेंदु।विशाषाऽर्कें ६० घड़ी
						मं	७	५	५०	श्रवण	१	५३			विणिज	५	५०	वृष्टि			२८	२०	९	२६	८४९	६६॥भा उः कुंभेंदु।अनुराधाऽर्कें१३दिन२४घड़ी
						बु	८	४	५२	धनेष्ठा	१	५३	सत	३०	बव	४	५२	वालव			२८	१६	१०	२७	८५०	कुंभेंदु
						बृ	९	३	५४	पूर्वा भा०	३१	५३			कोलव	३	५४	स्त्रीलोचन			२८	१२	११	२८	८५१	कुंभेंदु
						शु	१०	२	५६	उत्राभाद्र	६०	०			गर	२	५६	विणिज			२८	८	१२	२९	८५२	१८भा.उःमीनेंदु
						श	११	१	५८	उत्राभाद्रा	१	५३			वृष्टि	१	५८	बव	२९	३२	२८	४	१३	३०	८५३	मीनेंदु।भरनीक्षमासराथीका
						र	१२	०	६०	रेवती	१	५३			वालवकोलव	० २९	६० ५२	स्त्रीलोचन			२८	०	१४	३१	८५४	३६॥भाःउः मेखेंदु । सूर्यमास २८ । ३प.४अंःछाःकृतकारात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१४	५९	२	अश्विनी	१	५३	भर	३०	गर	२९	३२	विणिज			२७	५७	१५	१	८५५	मेखेंदु । वृश्चकेभानुशंक्रांती।शरदऋतु।गर्जनेकीअसज्झाइलगी
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	५८	४	कृतका	३१	५३			वृष्टि	२८	३४	बव			२७	५३	१६	२	८५६	५५भा उःवृखेंदु । पखी ५८

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगमामान ३१ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सरका मास ७ । अधिकमास पौष वदी । लोकोत्तर मास नाम । शिव । रविदत्तणायणा ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिवसे	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	सूर्य मास	चंद्र मास	युगमान	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पर्वी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
चं	वृ	र	शु	श	मं	शु	१	२८	४	पुनर्वसु	६०	०			कोलव	२८	४	स्त्रीलोचन			२५	५१	१७	३	८८७	मिथुनेंदु
						श	२	२७	६	पुनघसु	२०	४०			गर	२७	६	विणिज			२५	४७	१८	४	८८८	४६ भा.उ· कर्केंदु । चन्द्रायन ६४ वृत्तायणे
						र	३	२६	८	पुष्य	२०	४०	ऽश्ले	३०	विष्टि	२६	८	बव			२५	४३	१९	५	८८९	कर्केंदु
						चं	४	२५	१०	मघा	५०	४०			वालव	२५	१०	कोलव			२५	३९	२०	६	८९०	६४॥भा:उ: सिंघेंदु
						मं	५	२४	१२	पूर्वा फा०	५०	४०			स्त्री लोचन	२४	१२	गर			२५	३५	२१	७	८९१	सिंघेंदु । ३ पग १ अं:छायापोरसी
						बु	६	२३	१४	उत्रा फा०	६०	०			विणिज	२३	१४	विष्टि			२५	३१	२२	८	८९२	सिंघेंदु
						वृ	७	२२	१६	उत्रा फा०	२०	४०			बव	२२	१६	वालव			२५	२७	२३	९	८९३	१६ भा:उ: कन्येंदु
						शु	८	२१	१८	हस्त	२०	४०			कोलव	२१	१८	स्त्रीलोचन			२५	२३	२४	१०	८९४	कन्येंदु
						श	९	२०	२०	चित्रा	२०	४०	स्वा	३०	गर	२०	२०	विणिज			२५	१९	२५	११	८९५	३४॥ भा·उ: तुलेंदु । पूर्वाषाढा ५४ घ: उ: उत्राषाढाऽर्के २० दिन ६ घड़ी
						र	१०	१९	२२	विशाखा	६०	०			विष्टि	१९	२२	बव			२५	१५	२६	१२	८९६	तुलेंदु
						चं	११	१८	२४	विशाखा	२०	४०			वालव	१८	२४	कोलव			२५	११	२७	१३	८९७	५३ भा: उ: वृश्चकेंदु
						मं	१२	१७	२६	अनुराधा	२०	४०	ज्ये	३०	स्त्री लोचन	१७	२६	गर			२५	७	२८	१४	८९८	वृश्चकेंदु
						बु	१३	१६	२८	मूला	५०	४०			विणिज	१६	२८	विष्टि			२५	३	२९	१५	८९९	वृश्चकेंदु । ३ पग १०अं:छा: मृगसरा समाप्त रात्रीका
						वृ	१४	१५	३०	पूर्वाषा०	५०	४०			शकुन	१५	३०	चतुष्पद			२४	५९	३०	१६	९००	४॥ भा:उ: धनेंदु । ऋतुमास ३० । पर्वी ६२
चं	वृ	र	शु	श	मं	शु	१५	१४	३२	उत्राषाढा	६०	०			नाग	१४	३२	किंस्तुघन			२४	५५	१	१७	९०१	धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३० । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । प्रथम पोषशुदी । लोकोत्रमासनाम । शिव । प्रथम । रविवृत्तणायथो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
१	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	४२	३६	मूला	३१	५२			फिरतुघन	१३	४	वव			२६	५०	२	१८	८७२	५०॥भाः उः धनेंदु ।
						शु	२	४१	३८	पूर्वाषाड़ा	३१	५३			बालव	१२	६	कोलव			२६	४६	३	१९	८७३	धनेंदु । चन्द्रदर्शनम
						श	३	४०	४०	उत्राषाड़ा	६०	०			स्त्रीलोचन	११	८	गर			२६	४२	४	२०	८७४	धनेंदु
						र	४	३९	४२	उत्राषाड़ा	१	५३	ऽभी	१५ १४	विणिज	१०	१०	वृष्टि			२६	३८	५	२१	८७५	२भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३२ । चन्द्रायन ६४ उत्रायणो
						चं	५	३८	४४	श्रवण	२०	४०			वव	९	१२	बालव			२६	३४	६	२२	८७६	मकरेंदु । ३ पग ७ अंगुल छाया पोरसी
						मं	६	३७	४६	धनेष्ठा	२०	४०	तरा	३०	कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			२६	३०	७	२३	८७७	२०॥भाः उः कुंभेंदु
						बु	७	३६	४८	पूर्वाभा०	५०	४०			गर	७	१६	विणिज			२६	२६	८	२४	८७८	कुंभेंदु
						बृ	८	३५	५०	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	६	१८	वव			२६	२२	९	२५	८७९	३९ भाः उः मीनेंदु
						शु	९	३४	५२	उत्राभा०	२०	४०			बालव	५	२०	कोलव			२६	१८	१०	२६	८८०	मीनेंदु
						श	१०	३३	५४	रेवती	२०	४०			स्त्रीलोचन	४	२२	गर			२६	१४	११	२७	८८१	५७॥भाःउः मेखेंदु
						र	११	३२	५६	ऽश्विनी	२०	४०	भर	३०	विणिज	३	२४	वृष्टि			२६	१०	१२	२८	८८२	मेखेंदु । मूला ३० घः उः पूर्वा पाः ऽर्के १२ दिन २४ घड़ी
						चं	१२	३१	५८	कृतका	५०	४०			वव	२	२६	बालव			२६	६	१३	२९	८८३	मेखेंदु । रोहिनी समाप्तरात्रीका
						मं	१३	२०	६०	रोहिणी	६०	०			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन	२९	३२	२६	२	१४	३०	८८४	९ भाः उः वृखेंदु । सुर्यमास २९ । ३ पग ८अंः छाः मृगसिरा रात्रीका
						बु	१४	३०	०	रोहिणी	२०	४०			गर विनिज	० / २९	३० / ३१	वृष्टि	२९	३२	२५	५६	१५	१	८८५	वृखेंदु । धनार्के शंक्रांति । पक्षी ६०
१	बु	न	मं	शु	चं	बृ	१५	२१	२	मृगसरा	२०	४०	ऽद्रा	३०	वव	२९	२	बालव			२५	५५	१६	२	८८६	२७॥भाः उः मिथुनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ८ । माघवदी । लोकोत्तरमास नाम । सिसिर । रविउआयणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
मं	शु	चं	पृ	र	बु	श	१	५६	२	पुष्य	३१	२७			बालव	२९	३२	कोलव			२४	४	१६	१	६१६	कर्केंदु । मकरेभानुशंक्राति । हेमंतऋतुध।ऽभीच । ४दिन१२घड़ी
						र	२	५८	४	ऽश्लेषा	९	२७			स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			२४	८	१७	२	६१७	कर्केंदु
						चं	३	५७	६	मघा	९	२७			विणिज	२७	३६	वृष्टि			२४	१२	१८	३	६१८	१८॥भा उः सिंघेदु
						मं	४	५६	८	पूर्वा फाः	९	२७			बव	२६	३८	बालव			२४	१६	१९	४	६१९	सिंघेंदु
						बु	५	५५	१०	उत्रा फाः	३१	२७			कोलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			२४	२०	२०	५	६२०	३७भाःउः कन्येंदु । ऽभीचऽर्के१२ घ उः श्रवणाऽर्के१३दिन२४घड़ी
						पृ	६	५४	१२	हस्त	३१	२७			गर	२४	४२	विणिज			२४	२४	२१	६	६२१	कन्येंदु
						शु	७	५३	१४	चित्रा	३१	२७			वृष्टि	२३	४४	बव			२४	२८	२२	७	६२२	५५॥भा' उःतुलेदु । ३पग ११ अंःछाया पोरसी
						श	८	५२	१६	स्वाति	९	२७			बालव	२२	४६	कोलव			२४	३२	२३	८	६२३	तुलेंदु
						र	९	५१	१८	विशाषा	३१	२७			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			२४	३६	२४	९	६२४	तुलेंदु
						चं	१०	५०	२०	अनुराधा	३१	२७			विणिज	२०	५०	वृष्टि			२४	४०	२५	१०	६२५	७ भाःउ वृश्चकेंदु
						मं	११	४९	२२	ज्येष्टा	९	२७			बव	१९	५२	बालव			२४	४४	२६	११	६२६	वृश्चकेंदु
						बु	१२	४८	२४	मुला	९	२७			कोलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			२४	४८	२७	१२	६२७	२५॥भाःउः धनेंदु
						पृ	१३	४७	२६	पूर्षाषा०	९	२७			गर	१७	५६	विणिज			२४	५२	२८	१३	६२८	धनेंदु
						शु	१४	४६	२८	उत्राषाः	३१	२७	ऽभी	६५	वृष्टि	१६	५८	शुकन			२४	५६	२९	१४	६२९	४४भाःउ मकरेंदु । नक्षत्रमास२४।चन्द्रायन६८उआयणो । पुष्यसमाप्तराश्रीका
मं	शुं	चं	पृ	र	बु	श	१५	४५	३०	श्रवण	५८	१४			चतुष्पद	१५	६०	नाग			२४	६०	३०	१५	६३०	मकरेंदु । पखी ६३ । ऋतुमास ३१ । ३पग१०अंःछाया पोरसी

विक्रम सम्वत् ११७४ जोगीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगमासा ३१ । तीसरा ऽभीवर्धन सम्वत्सरका अधिकमास ७ । पौष शुदी । लोकोत्तरमासनाम । शिव । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मं	गु	चं	बृ	र	बु	श	१	१३	३४	उत्तराषाढ़ा	२०	४०	ऽभी	१८/१४	वव	१३	३४	बालव			२४	५२	२	१८	१०२	२३ भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३३ । चन्द्रायन ६६ उत्तरायणे
						र	२	१२	३६	श्रवण	३६	२७			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			२४	४८	३	१९	१०३	मकरेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						चं	३	११	३८	धनेष्ठा	३६	२७			गर	११	३८	विणिज			२४	४४	४	२०	१०४	४१॥ भाः उः कुंभेंदु
						मं	४	१०	४०	शतभि	६	२७			वृष्टि	१०	४०	वव			२४	४०	५	२१	१०५	कुंभेंदु
						बु	५	९	४२	पूर्वाभा०	६	२७			बालव	९	४२	कोलव			२४	३६	६	२२	१०६	६० भाः उः मीनेंदु । ३ पः ११ अं छाः आर्द्रा समाप्त रात्री के
						बृ	६	८	४४	उत्तराभाद्र	३६	२७			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			२४	३२	७	२३	१०७	मीनेंदु
						शु	७	७	४६	रेवती	३६	२७			विणिज	७	४६	वृष्टि			२४	२८	८	२४	१०८	मीनेंदु
						श	८	६	४८	ऽश्विनी	३६	२७			वव	६	४८	बालव			२४	२४	९	२५	१०९	११॥ भाः उः मेखेंदु
						र	९	५	५०	भरणी	६	२७			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			२४	२०	१०	२६	११०	मेखेंदु
						चं	१०	४	५२	कृत्तिका	६	२७			गर	४	५२	विणिज			२४	१६	११	२७	१११	३० भाः उः वृखेंदु
						मं	११	३	५४	रोहिणी	३६	२७			वृष्टि	३	५४	वव			२४	१२	१२	२८	११२	वृखेंदु
						बु	१२	२	५६	मृगसरा	३६	२७			बालव	२	५६	कोलव			२४	८	१३	२९	११३	४८॥ भाः उः मिथुनेंदु
						बृ	१३	१	५८	आर्द्रा	६	२७			स्त्रीलोचन	१	५८	गर	२६	३२	२४	४	१४	३०	११४	मिथुनेंदु । पुनर्वसु समाप्त रात्री का [पखी ६२ । ४ पग छायापोरसी
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१४	०	६०	पुनर्वसु	३६	२७			विणिजवृष्टि	२६	६०	वव	२६	३२	२४	०	१५	३१	११५	मिथुनेंदु । सूर्य मास ३० । उःपाः६० घः।चन्द्रायन ६७ दक्षणायणे पुष्यरात्री
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ०

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीका वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३३ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास १ । फाल्गुणवदी । लोकोत्तरमासनाम हेमंत । रविउत्तरायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणादि	घड़ी	भाग	करणराशी	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायणप्रमाण २ । पोरसीछाः प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	३०	०	पूर्वा फा०	२८	१४			वा० को०	२६	३६	स्त्रीलोचन			२५	२	१६	१	६४६	सिंहेंदु । धनेऽर्के ६० घः । कुंभेऽर्के । शंक्रांति
						मं	२	२९	२	उत्रा फा०	५८	१४			गर	२९	२	विणिज			२५	६	१७	२	६४७	५८ भाः उ॰ कन्येंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						बु	३	२८	४	हस्त	५८	१४			वृष्टि	२८	४	वव			२५	१०	१८	३	६४८	कन्येंदु
						बृ	४	२७	६	चित्रा	५८	१४			वालव	२७	६	कोलव			२६	१४	१९	४	६४९	कन्येंदु
						शु	५	२.	८	स्वाती	२८	१४			स्त्रीलोचन	२५	८	गर			२५	१८	२०	५	६५०	६॥भाः उः तुलेंदु
						श	६	२५	०	विशाषा	५८	१४			विणिज	२५	१०	वृष्टि			२६	२२	२१	६	६५१	तुलेंदु
						र	७	२४	१२	अनुराधा	५८	१४			वव	२४	१२	वालव			२६	२६	२२	७	६५२	२८भाःउः वृश्चकेंदु
						चं	८	२३	१४	ज्येष्ठा	२८	१४			कोलव	२३	१४	स्त्रीलोचन			२६	३०	२३	८	६५३	वृश्चकेंदु । सतभिषाऽर्के ४२ घःउः पुःभाःऽर्के१३दिः २४ घः३पग ७अंः छाः
						मं	९	२२	१६	मूला	२८	१४			गर	२२	१६	विणिज			२५	३५	२४	९	६५४	४६॥भाःउः धनेंदु
						बु	१०	२१	१८	पूर्वा षा०	२८	१४			वृष्टि	२१	१६	वव			२५	३८	२५	१०	६५५	धनेंदु
						बृ	११	२०	२०	उत्रा. षा०	५८	१४			वालव	२०	२०	कोलव			२६	४२	२६	११	६५६	६५ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३५ । चन्द्रायन ७० उत्रायणे
						शु	१२	१९	२२	अभीच	१७	१			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			२६	३६	२७	१२	६५७	मकरेंदु
						श	१३	१८	२४	श्रवण	१७	१			विणिज	१८	२४	वृष्टि			२६	४०	२८	१३	६५८	मकरेंदु
						र	१४	१७	२६	धनेष्ठा	१७	१	नत	३०	शकुन	१७	२६	चतुष्पद			२५	५४	२९	१४	६५९	१६॥भा उः कुंभेंदु । पखी ६५
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	१६	२८	पूर्वा भा०	४७	१			नाग	१६	२८	किंस्तुघन			२५	५८	३०	१५	६६०	कुंभेंदु । ३ पग ६ अंः छाः । ऋतुमास ३२ मघा समासराशीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीर सम्वत २४४४ । जुगमास ३२ । तीसरा अभिवर्धनसम्बतसरकामास ८ । माघसुदी । लोकोत्तरमासकानाम । सिसिर । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	३४	३२	धनेष्टा	५८	१४			किस्तुघन	१५	०	बव			२५	३	१	१६	६३१	६२॥भाःउ कुंभेंदु
						चं	२	३३	३४	शतभिषा	२८	१४			बालव	१४	२	कोलव			२५	७	२	१७	६३२	कुंभेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	३२	३६	पुः षा०	२८	१४			स्त्रीलोचन	१३	४	गर			२५	११	३	१८	६३३	कुंभेंदु । श्रवणऽक३६घ उःधनेष्टाऽर्के १३दिन२४घड़ी
						बु	४	३१	३८	उत्राषाढ़ा	५८	१४			विणिज	१२	६	वृष्टि			२५	१५	४	१९	६३४	१४ भाःउ. मीनेंदु
						बृ	५	३०	४०	रेवती	५८	१४			बव	११	८	बालव			२५	१९	५	२०	६३५	मीनेंदु
						शु	६	२९	४२	ऽश्विनी	५८	१४			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			२५	२३	६	२१	६३६	३२॥ भा उः मेखेंदु
						श	७	२८	४४	भरणी	२८	१४			गर	९	१२	विणिज			२५	२७	७	२२	६३७	मेखेंदु । ३ पग ६ अंः छाया पोरसी
						र	८	२७	४६	कृतका-	२८	१४			वृष्टि	८	१४	बव			२५	३१	८	२३	६३८	५१ भाःउः वृखेंदु
						चं	९	२६	४८	रोहिनी	५८	१४			बालव	७	१६	कोलव			२५	३५	९	२४	६३९	वृखेंदु
						मं	१०	२५	५०	मृगसि ।	५८	१४			स्त्रीलोचन	६	१८	गर			२५	३९	१०	२५	६४०	वृखेंदु
						बु	११	२४	५२	आद्रा	२८	१४			विणिज	५	२०	वृष्टि			२५	४३	११	२६	६४१	२॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बृ	१२	२३	५४	पुनर्वसु	५८	१४			बव	४	२२	बालव			२५	४७	१२	२७	६४२	मिथुनेंदु ।.चन्द्रायन ६६ दक्षिणायणे
						शु	१३	२२	५६	पुष्य	५८	१४			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			२५	५१	१३	२८	६४३	२१भाःउः कर्केंदु
						श	१४	२१	५८	ऽश्लेषा	२८	१४			गर	२	२६	विणिज			२५	५५	१४	२९	६४४	कर्केंदु । अश्लेषा समाप्तरात्रीका
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	२०	६०	मघा	२८	१४			वृष्टि	१	२८	बवं	२६	३२	२५	५९	१५	३०	६४५	३६॥ भाःउः सिंहेंदु । सूर्यमास३१पखी६४॥३पग८अं छा मघारात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७४ लो० वीर सम्वत् २४४४। जुगकामास ३४। तीसरा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास १०। चैत्रवदी। लोकोत्रमासनाम। वसंत। रविउत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण प्रातःके	घड़ी	भाग ६७	करण रात्रीके			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसे। सूर्यके साधनदान्न १। चन्द्रायन प्रमाण २। पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	०	६०	हस्त	१७	१			कौलव स्त्री०	० २९	६० ३२	गर	२९	३२	२८	०	१६	२१	९७६	कन्येंदु। सूर्यमास ३२। ३ पः ४अंः छायाः उत्राफाल्गुणीरात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						बृ	३	५९	२	चित्रा	१७	१	स्वाती	३०	विणिज	२९	३२	वृष्टि			२८	४	१७	१	९७७	३०॥भः उः तुलेंदु। मीनार्के शंक्रांती। वसंतऋतु ५
						शु	४	५८	४	विशाखा०	६०	०			वव	२८	३४	वालव			२८	८	१८	२	९७८	तुलेंदु
						श	५	५७	६	विशाखा०	१७	१			कौलव्	२७	३६	स्त्रीलोचन			२८	१२	१९	३	९७९	४९माः उः वृश्चकेंदु
						र	६	५६	८	अनुराधा	१७	१	ज्ये	३०	गर	२६	३८	विणिज			२८	१६	२०	४	९८०	वृश्चकेंदु
						चं	७	५५	१०	मूला	४७	१			वृष्टि	२५	४०	वव			२८	२०	२१	५	९८१	वृश्चकेंदु
						मं	८	५४	१२	पूर्वाषा०	४७	१			वालव	२४	४२	कौलव			२८	२४	२२	६	९८२	॥ भाःउः धनेंदु
						बु	९	५३	१४	उत्रा षा०	६०	०			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			२८	२८	२३	७	९८३	धनेंदु। ३पग३अंःछाः
						बृ	१०	५२	१६	उत्रा षा०	१७	१	ऽभी	१८ १४	विणिज	२२	४६	वृष्टि			२८	३२	२४	८	९८४	१९भाःउःमकरेंदु।नक्षत्रमास२६।चन्द्रायन७२उत्रायणे
						शु	११	५१	१८	श्रवण	३५	५५			वव	२१	४८	वालव			२८	३६	२५	९	९८५	मकरेंदु
						श	१२	५०	२०	धनेष्ठा	३५	५५			कौलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			२८	४०	२६	१०	९८६	३७॥भा-उः कुंभेंदु
						र	१३	४९	२२	शतभीषा	५	५५			गर	१९	५२	विणिज			२८	४४	२७	११	९८७	कुंभेंदु। उत्राभाद्रऽर्के १२ घड़ी उः रेवतीऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						चं	१४	४८	२४	पूर्वा भा०	५	५५			वृष्टि	१८	५४	सुकन			२८	४८	२८	१२	९८८	५६ भाःउःमीनेंदु
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	४७	२६	उत्राभाद्र०	५	५५			चतुस्पद	१७	५६	नाग			२८	५२	२९	१३	९८९	मीनेंदु। पखी ६७

विक्रम सम्वत् १९७४ लौकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगमास ३१ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्रमा	के साथ घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७ साढे १८ भागफसं ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
गु	शं	गृ	र	गु	ग	मं	१	१५	३०	उत्रा भा:	६०	०			बव	१५	३०	बालव			२७	१	१	१६	६६१	३५भा:उ: मीनेंदु
						बु	२	१४	३२	उत्रा भा	१७	१			कौलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			२७	५	२	१७	६६२	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						वृ	३	१३	३४	रेवती	१७	१			गर	१३	३४	वणिज			२७	९	३	१८	६६३	५३ ॥ भा: उ॰ मेखेंदु
						शु	४	१२	३६	अश्विनी	१७	१	भर	३०	वृष्टि	१२	३६	बव			२७	१३	४	१९	६६४	मेखेंदु
						श	५	११	३८	कृतका	४७	१			बालव	११	३८	कौलव			२७	१७	५	२०	६६५	मेखेंदु
						र	६	१०	४०	रोहिणी	६०	०			स्त्रीलोचन	१०	४०	गर			२७	२१	६	२१	६६६	५॥ भा. उ: वृखेंदु
						चं	७	९	४२	रोहिणी	१७	१			वणिज	९	४२	वृष्टि			२७	२५	७	२२	६६७	वृखेंदु । पूर्वा भा॰ ६ घ: उ: उत्रा. भा. ऽर्के २० दि ६ घ: । ३ प:५सं: छा:
						मं	८	८	४४	मृगसरा	१७	१	आर्द्रा	३०	बव	८	४४	बालव			२७	२९	८	२३	६६८	२३॥भा:उ॰ मिथुनेंदु
						बु	९	७	४६	पुनर्वसु	६०	०			कौलव	७	४६	स्त्रीलोचन			२७	३३	९	२४	६६९	मिथुनेंदु
						वृ	१०	६	४८	पुनर्वसु	१७	१			गर	६	४८	वणिज			२७	३७	१०	२५	६७०	४२भा:उ: कर्केंदु । चन्द्रायन ७१ दक्षणायने
						शु	११	५	५०	पुष्य	१७	१	अश्लेष	३०	वृष्टि	५	५०	बव			२७	४१	११	२६	६७१	कर्केंदु
						श	१२	४	५२	मघा	४७	१			बालव	४	५२	कौलव			२७	४५	१२	२७	६७२	६०॥भा.उ: सिंघेंदु
						र	१३	३	५४	पुर्वा फा०	४७	१	० ०		स्त्रीलोचन	३	५४	गर			२७	४९	१३	२८	६७३	सिंघेंदु
						चं	१४	२	५६	उत्रा फा०	६०	०			वणिज	२	५६	वृष्टि			२७	५३	१४	२९	६७४	सिंघेंदु । पर्वा ६६
गु	मं	गृ	र	गु	श	मं	१५	१	५८	उत्रा फा०	१७	१			बव	१	५८	बालव	२६	३२	२७	५७	१५	३०	६७५	१२ भा:उ कन्येंदु । पूर्वाफाल्गुणी समाप्त रात्री का

विक्रम सम्वत् १९७४ लौ० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३५ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । वैशाखवदी । लोकोत्तमास नाम । कुसमसंभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	३१	५८	स्वाती	५	५५			बालव	२	२६	कोलव			२६	५५	१५	२६	१००५	तुलेंदु । हस्त समाप्त रात्रीका
						शु	२	३०	६०	विशाखा	३५	५५			स्त्रीलोचन	१	२८	गर	२१	३२	२६	५६	१६	३०	१००६	तुलेंदु । सूर्यमास ३१ । ३ पग छाया पोः । चित्रारात्रीका
						श	३	३०	०	अनुराधा	३५	५५			भिणिज वृष्टि	०/२६	३०/३२	बव		-	३०	२	१७	१	१००७	३ भाःउः वृश्चकेंदु । मेखंभानुशंक्रांती
						र	४	२६	२	ज्येष्ठा	५	५५			बालव	२६	२	कोलव			३०	६	१८	२	१००८	वृश्चकेंदु
						चं	५	२८	४	मूला	५	५५			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			३०	१०	१९	३	१००९	२१॥ भाःउः धनेंदु
						मं	६	२७	६	पुर्वाषाढ़ा	५	५५			विणिज	२७	६	वृष्टि			३०	१४	२०	४	१०१०	धनेंदु
						बु	७	२६	८	उत्राषाढ़ा	३५	५५	ऽभी	१५/१४	बव	२६	८	बालव			३०	१८	२१	५	१०११	४० भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ३७ । चन्द्रायन ७४ । उत्रायाणे
						बृ	८	२५	१०	श्रवण	५४	४२			कोलव	२५	१०	स्त्रीलोचन			३०	२२	२२	६	१०१२	मकरेंदु
						शु	९	२४	१२	धनेष्ठा	५४	४२			गर	२४	१२	विणिज			३०	२६	२३	७	१०१३	५८॥ भाःउः कुंभेंदु । ऽश्विनीऽर्के ६०घः । २ पग ११ अंःछायापोरसी
						श	१०	२३	१४	शत भि०	२४	४२			वृष्टि	२३	१४	बव			३०	३०	२४	८	१०१४	कुंभेंदु । भरनीऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						र	११	२२	१६	पुर्वाभाद्र	२४	४२			बालव	२२	१६	कोलव			३०	३४	२५	९	१०१५	कुंभेंदु
						चं	१२	२१	१८	उत्राभा०	५४	४२			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			३०	३८	२६	१०	१०१६	१० भाः उः मीनेंदु
						मं	१३	२०	२०	रेवती	५४	४२			विणिज	२०	२०	वृष्टी			३०	४२	२७	११	१०१७	मीनेंदु
						बु	१४	१९	२२	ऽश्विनि	५५	४२			शुकन	१९	२२	चतुष्पद			३०	४६	२८	१२	१०१८	२८॥ भाःउः मेखेंदु । पखी ६१
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१८	२४	भरणी	२५	४२			नाग	१८	२४	किस्तुघन			३०	५०	३०	१३	१०१९	मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७४ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ३४ । तीसरा अभीवर्धन सम्वत्सकामास १० । चैत्रशुदी । लोकोत्रमास नाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के	दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	चचन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
ग	मे	गु	चं	पृ	र	बु	१	४६	२८	रेवती	३५	५५			किस्तुघन	१६	५८	बव	२८	५६	३०	१४	९९०	मीनेंदु । ऋतुमास ३३ । उत्राफाल्गुणीसमासरात्रीका
						बृ	२	४५	३०	ऽश्विनी	३५	५५			बालव	१५	६०	कोलव	२८	६०	१	१५	९९१	७॥भाःउः मेखेंदु । ३प २अं छाःपोरसी चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	४४	३२	भरणी		५५			स्त्री लोचन	१५	०	गर	२९	३	२	१६	९९२	मेखेंदु
						श	४	४३	३४	कृत्तका		५५			विणिज	१४	२	वृष्टी	२९	७	३	१७	९९३	२६ भाःउःवृखेंदु
						र	५	४२	३६	रोहिणी	३५	५५			बव	१३	४	बालव	२९	११	४	१८	९९४	वृखेंदु
						चं	६	४१	३८	मृगसरा	३५	५५			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन	२९	१५	५	१९	९९५	४४॥भाःउः मिथुनेंदु
						मं	७	४०	४०	आद्रा		५५			गर	११	८	विणिज	२९	१९	६	२०	९९६	मिथुनेंदु
						बु	८	३९	४२	पुनर्वसु	३५	५५			वृष्टी	१०	१०	बव	२९	२३	७	२१	९९७	६३भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ७३
						बृ	९	३८	४४	पुष्य	३५	५५			बालव	९	१२	कोलव	२९	२७	८	२२	९९८	कर्केंदु । ३ पः १ अंः छाः
						शु	१०	३७	४६	अश्लेशा		५५			स्त्री लोचन	८	१४	गर	२९	३१	९	२३	९९९	कर्केंदु
						श	११	३६	४८	मघाः		५५			विणिज	७	१६	वृष्टि	२९	३५	१०	२४	१०००	१४॥भाः उः सिंघेंदु । रेवती ३६ घः उःऽश्विनीऽर्के १३दिन२४घड़ी
						र	१२	३५	५०	पूर्वा फाः		५५			बव	६	१८	बालव	२९	३९	११	२५	१००१	सिंघेंदु
						चं	१३	३४	५२	उत्रा फा०	३५	५५			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन	२९	४३	१२	२६	१००२	३३भाः उः कन्येंदु
						मं	१४	३३	५४	हस्त	३५	५५			गर	४	२२	विणिज	२९	४७	१३	२७	१००३	कन्येंदु
ग	मं	गु	चं	बृ	र	बु	१५	३२	५६	चित्रा	३५	५५			वृष्टी	३	२४	बव	२९	५१	१४	२८	१००४	५१॥भाःउः तुलेंदु । ६८

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३६ । नीसगाअभिवर्धनसम्वत्सरकामास १२ । ज्येष्ठवदी । लौकोत्तरमासनाम । निदाघ । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसैं। सूर्य के साथ नक्षत्र १ , चन्द्रायन प्रमाण २ पर्वीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मे	शु	चं	वृ	र	बु	श	१	२	६	ज्येष्ठा	२४	४२			कौलव	२	५६	स्त्रीलोचन	-		३१	५१	१५	२९	१०३५	वृश्चकेंदु
						र	२	१	८	मूला	२४	४२			गर	१	५९	विणिज	२९	३२	३१	५७	१६	३०	१०३६	४२॥ भा:उ: धनेंदु । स्वाती समाप्त रात्रीका
					-	चं	३	०	६०	पूर्वाषाढ़ा	२४	४२			वृष्टि बव	२९	३२	बालव			३२	०	१७	३१	१०३७	धनेंदु । सूर्यमास ३४ । २ घ: ८ अं: छा: विशाखा रात्री का
०	०	०	०	०	०	०	४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						मं	५	५६	२	उत्राषाढ़ा	५४	४२			कौलव	२६	३२	स्त्रीलोचन			३२	४	१८	१	१०३८	६१ भा: उ: मकरेंदु । वृषभानु शंक्रांति । ग्रीष्मऋतु
						बु	६	५८	४	ऽभीच	१३	२१			गर	२८	३४	विणिज			३२	८	१९	२	१०३९	मकरेंदु । नंक्षत्रमास ३८ । चन्द्रायने ७६ उत्रायणो
						वृ	७	५७	६	श्रवण	१३	२१			वृष्टि	२७	३६	बव			३२	१२	२०	३	१०४०	मकरेंदु
						शु	८	५६	८	धनेष्ठा	१३	२१	सत	३०	बालव	२६	३८	कौलव			३२	१६	२१	४	१०४१	१२॥ भा: उ: कुंभेंदु
						श	९	५५	१०	पूर्वाभा०	४३	२१			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			३२	२०	२२	५	१०४२	कुंभेंदु
						र	१०	५४	१२	उत्राभा०	६०	०			विणिज	२४	४२	वृष्टि			३२	२४	२३	६	१०४३	३१ भा: उ: मीनेंदु
						चं	११	५३	१४	उत्राभा०	१३	२१			बव	२३	४४	बालव			३२	२८	२४	७	१०४४	मीनेंदु । २ घग ७ अं: छा:
						मं	१२	५२	१६	रेवती	१३	२१			कौलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			३२	३२	२५	८	१०४५	४१॥ भा:उ: मेषेंदु
						बु	१३	५१	१८	ऽश्विनी	१३	२१	भर	३०	गर	२१	४८	विणिज			३२	३६	२६	९	१०४६	मेषेंदु
						वृ	१४	५०	२०	कृतका	४३	२१			वृष्टि	२०	५०	शुकन			३२	४०	२७	१०	१०४७	मेषेंदु ।
बे	वृ	र	गु	श	मं	शु	१५	४९	२२	रोहिणी	६०	०			चतुष्पद	१९	५२	नाग			३२	४४	२८	११	१०४८	१ भा: उ: वृषेंदु । पक्षी ७१

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३५ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । वैशाखशुदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसुमसंभव । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र वर्ग ६ साथ	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सूर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	१७	२६	कृत्तका	२४	४२			वव	१७	२६	बालव			३०	५४	३०	१४	१०२०	५७भाःउः वृषेंदु। ऋतुमास१४ । भरणीऽर्के ४२घःउःकृतकाऽर्के१३दिः२४घः
						श	२	१६	२८	रोहिणी	५४	४२			कोलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			३०	५८	१	१५	१०२१	वृषेंदु । २पग१०अंःछाःचित्रासमाप्तरात्रीका । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	१५	३०	मृगसरा	५४	४२			गर	१५	३०	विणिज			३१	१	२	१६	१०२२	६५॥भाःउ मिथुनेंदु
						चं	४	१४	३२	आर्द्रा	२४	४२			वृष्टि	१४	३२	वव			३१	५	३	१७	१०२३	मिथुनेंदु
						मं	५	१३	३४	पुनर्वसु	५४	४२			बालव	१३	३४	कोलव			३१	९	४	१८	१०२४	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ७५
						बु	६	१२	३६	पुष्य	५४	४२			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			३१	१३	५	१९	१०२५	१७ भाःउः कर्केंदु
						बृ	७	११	३८	अश्लेषा	२४	४२			विणिज	११	३८	वृष्टि			३१	१७	६	२०	१०२६	कर्केंदु
						शु	८	१०	४०	मघा	२४	४२			वव	१०	४०	बालव			३१	२१	७	२१	१०२७	३५॥ भाःउः सिंघेंदु
						श	९	९	४२	पुः फा०	२४	४२			कोलव	९	४२	स्त्रीलोचन			३१	२५	८	२२	१०२८	सिंघेंदु । २ पग ९ अंः छाः
						र	१०	८	४४	उत्त फा०	५४	४२			गर	८	४४	विणिज			३१	२९	९	२३	१०२९	५४ भाःउः कन्येंदु
						चं	११	७	४६	हस्त	५४	४२			वृष्टि	७	४६	वव			३१	३३	१०	२४	१०३०	कन्येंदु
						मं	१२	६	४८	चित्रा	५४	४२			बालव	६	४८	कोलव			३१	३७	११	२५	१०३१	कन्येंदु
						बु	१३	५	५०	स्वाती	२४	४२			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			३१	४१	१२	२६	१०३२	५॥भाःउः तुलेंदु
						बृ	१४	४	५२	विशाखा	५४	४२			विणिज	४	५२	वृष्टि			३१	४५	१३	२७	१०३३	तुलेंदु । पखी ७०
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३	५४	अनुराधा	५४	४२			वव	३	५४	बालव			३१	४९	१४	२८	१०३४	२४भाःउः वृश्चकेंदु।कृतकाऽर्के६घःउःरोहिणीऽर्के२०दिन६घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३६ । तीसराअभिवर्धनसम्वत्सरकामास १२ । ज्येष्ठवदी । लोकोत्तरमासनाम । निदाह । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवर्द्ध	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाः ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फरसें। सूर्य के साथ नक्षत्र १ , चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
मे	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	२	६	ज्येष्टा	२४	४२			कोलव	२	५६	स्त्रीलोचन	-		३१	५:	१५	२९	१०३५	वृश्चकेंदु
						र	२	१	८	मूला	२४	४२			गर	१	५८	विणिज	२६	३२	३१	५७	१६	३०	१०३६	४२॥ भाःउः धनेंदु । स्वाती समाप्त रात्रीका
					-	चं	३	०	६०	पूर्वाषाड़ा	२४	४२			वृष्टि वव	२६	३२	वालव			३२	०	१७	३१	१०३७	धनेंदु । सुर्यमास ३४ । २ पः ८ अंः छाः विशापा रात्री का
०	०	०	०	०	०	०	४	·	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ०
						मं	५	५९	२	उत्राषाड़ा	४४	४२			कोलव	२६	३२	स्त्रीलोचन			३२	४	१८	१	१०३८	६१ भाः उः मकरेंदु । वृखेभानु शंक्रांति । ग्रीषमऋतु
						बु	६	५८	४	ऽभीच	१३	२६			गर	२८	३४	विणिज			३२	८	१९	२	१०३९	मकरदुं । नेक्षत्रमास ३८ । चन्द्रायने ७६ उत्रायणो
						बृ	७	५७	६	श्रवण	१३	२६			वृष्टि	२७	३६	वव			३२	१२	२०	३	१०४०	मकरेंदु
						शु	८	५६	८	धनेष्ठा	१३	२६	सत	३०	वालव	२६	३८	कोलव			३२	१६	२१	४	१०४१	१२॥ भाः उः कुंभेंदु
						श	९	५५	१०	पूर्वाभा०	४३	२६			स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			३२	२०	२२	५	१०४२	कुंभेंदु
						र	१०	५४	१२	उत्राभा०	६०	०			विणिज	२४	४२	वृष्टि			३२	२४	२३	६	१०४३	३१ भाः उः मीनेंदु
						चं	११	५३	१४	उत्राभा०	१३	२६			वव	२३	४४	वालव			३२	२८	२४	७	१०४४	मीनेंदु । २ पग ७ अंः छाः
						मं	१२	५२	१६	रेवती	१३	२६			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			३२	३२	२५	८	१०४५	४६॥ भाःउः मेखेंदु
						बु	१३	५१	१८	ऽश्विनी	१३	२६	भर	३०	गर	२१	४८	विणिज			३२	३६	२६	९	१०४६	मेखेंदु
						बृ	१४	५०	२०	कृतका	४३	२६			वृष्टि	२०	५०	शकुन			३२	४०	२७	१०	१०४७	मेखेंदु ।
चै	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	४९	२२	रोहिणी	६०	०			चतुष्पद	१९	५२	नाग			३२	४४	२८	११	१०४८	१ भाः उः वृखेंदु । पखी ७१

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३५ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । वैशाषशुदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसुमसंभव । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। नक्षत्र सुर्य के साथ १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
श	बृ	र	बु	ग	मं	शु	१	१७	२६	कृतका	२४	४२			वव	१७	२६	बालव			३०	५४	३०	१४	१०२०	४७भाःउः वृखेंदु। ऋतुमास१४ । भरणीऽर्के ४२घःउःकृतकाऽर्के१३दिः२४घः
						श	२	१६	२८	रोहिणी	५४	४२			कोलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			३०	५८	१	१५	१०२१	वृखेंदु । २पग१०अंःछाःचित्रासमाप्तरात्रीका । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	१५	३०	मृगसर	५४	४२			गर	१५	३०	विणिज			३१	१	२	१६	१०२२	६५॥भाःउ मिथुनेंदु
						चं	४	१४	३२	आद्रा	२४	४२			वृष्टि	१४	३२	वव			३१	५	३	१७	१०२३	मिथुनेंदु
						मं	५	१३	३४	पुनर्वसु	५४	४२			बालव	१३	३४	कोलव			३१	९	४	१८	१०२४	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ७५
						बु	६	१२	३६	पुष्प	५४	४२			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			३१	१३	५	१९	१०२५	१७ भाःउ कर्केंदु
						बृ	७	११	३८	अश्लेषा	२४	४२			विणिज	११	३८	वृष्टि			३१	१७	६	२०	१०२६	कर्केंदु
						शु	८	१०	४०	मघा	२४	४२			वव	१०	४०	बालव			३१	२१	७	२१	१०२७	३५॥ भाःउः सिंघेंदु
						श	९	९	४२	पू फा०	२४	४२			कोलव	९	४२	स्त्रीलोचन			३१	२५	८	२२	१०२८	सिंघेंदु । २ पग ९ अः छाः
						र	१०	८	४४	उत्रा फा०	५४	४२			गर	८	४४	विणिज			३१	२९	९	२३	१०२९	५४ भाःउः कन्येंदु
						चं	११	७	४६	हस्त	५४	४२			वृष्टि	७	४६	वव			३१	३३	१०	२४	१०३०	कन्येंदु
						मं	१२	६	४८	चित्रा	५४	४२			बालव	६	४८	कोलव			३१	३७	११	२५	१०३१	कन्येंदु
						बु	१३	५	५०	स्वाती	२४	४२			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			३१	४१	१२	२६	१०३२	५॥भःउः तुलेंदु
						बृ	१४	४	५२	विशाखा	५४	४२			विणिज	४	५२	वृष्टि			३१	४५	१३	२७	१०३३	तुलेंदु । पखी ७०
१	श	र	बु	ग	मं	शु	१५	३	५४	अनुराधा	५४	४२			वव	३	५४	बालव			३१	४९	१४	२८	१०३४	२४भा उः वृश्चकेंदु।कृतकाऽर्के६घःउःरोहिणीऽर्के२०दिन६घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगनोमास ३७ । तीसरा अभिवर्धनसम्वतसरकामास १३ । अषाढ़वदी । लोकोत्तरमासकानाम । वनविरोध । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र केंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
	शा	मं	शु	चं	बृ	र	१	३३	५४	पुः पा०	४३	२१			वालव	४	२२	कोलव			३३	४७	१४	२७	१०६४	धनेंदु
						चं	२	३२	५६	उत्राषाड़ा	६०	०			स्त्रीलोचन	३	२४	गर			३३	५१	१५	२८	१०६५	धनेदु
						मं	३	३१	५८	उत्राषाड़ा	१३	२१	ऽभी	१८/५४	विणिज	२	२६	वृष्टि			३३	५५	१६	२९	१०६६	१५भाःउः मकरेंदु।नक्षत्रमास३१।चन्द्रायन७८उत्रायणे।जेष्टासमासरात्रीका
						बु	४	३०	६०	श्रवण	३२	१६			वव	१	२८	वालव	२९	३२	३३	५९	१७	३०	१०६७	मकरेंदु।सूर्यमास३५।२पगः४अं.मृग३६घःउःआद्राऽर्के६दिः४२घः।मूलारात्रीका
						बृ	५	३०	०	धनेष्ठा	३२	१६			कोलव स्त्रीलो०	०/२६	३/३२	गर			३४	२	१८	१	१०६८	३३॥भाःउः कुंभेंदु । मिथुनें भानुशंक्रांती
						शु	६	२९	२	सतभिषा	२	१६			विणिज	२९	२	वृष्टि			३४	६	१९	२	१०६९	कूंभेंदु
						श	७	२८	४	पूर्वाभाद्र	२	१६			वव	२८	४	वालव			३४	१०	२०	३	१०७०	५२भाःउः मीनेंदु
						र	८	२७	६	उत्राभाद्र	३२	१६			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			३४	१४	२१	४	१०७१	मीनेंदु
						चं	९	२६	८	रेवती	३२	१६			गर	२६	८	विणिज			३४	१८	२२	५	१०७२	मीनेंदु
						मं	१०	२५	१०	ऽश्विनी	३२	१६			वृष्टि	२५	१०	वव			३४	२२	२३	६	१०७३	३॥ भा.उः मेखेंदु
						बु	११	२४	१२	भरणी	२	१६			वालव	२४	१२	कोलव			३४	२६	२४	७	१०७४	मेखेंदु। आद्रा१८घःउः पूनर्वसूऽर्के २०दिः६घ।२पग३अंःक्षः।
						बृ	१२	२३	१४	कृतका	२	१६			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			३४	३०	२५	८	१०७५	२२ भाःउः वृखेंदु
						शु	१३	२२	१६	रोहिनी	३२	१६			विणिज	२२	१६	वृष्टि			३४	३४	२६	९	१०७६	वृखेंदु
						श	१४	२१	१८	मृगसिरा	३२	१६			शकुन	२१	१८	चतुष्पद			३४	३८	२७	१०	१०७७	४०॥ भाःउः मिथुनेंदु पखी ७३
	शा	मं	शु	चं	बृ	र	१५	२०	२०	आर्द्रा	२	१६			नाग	२०	२०	किंस्तुघन			३४	४२	२८	११	१०७८	मिथुनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ३६ । तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १२ । ज्येष्ठ शुदी । लोकोत्रमासनाम । निदाह । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
मं	गु	चं	बृ	र	गु	श	१	४८	२४	रोहिणी	१३	२१			किंस्तुघन	१८	४४	बव			३२	४८	२९	१२	१०४९	वृखेंदु
						र	२	५३	२६	मृगसिर	१३	२१	ऽश्रा	३०	बालव	१७	४६	कौलव			३२	५२	३०	१३	१०५०	१६॥ भा उः मिथुनेंदु । ऋतुमास ३५ चन्द्रदर्शनम्
						च	३	४६	२८	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	१६	४८	गर			३२	५६	१	१४	१०५१	मिथुनेंदु । विशाषा समास रात्री का
						म	४	४५	३०	पुनर्वसु	१३	२१			विणिज	१५	६०	वृष्टि			३२	६०	२	१५	१०५२	३८ भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ७७ दक्षिणायणे । २ पग ६ अंः
						बु	५	४४	३२	पुष्य	१३	२१	ऽअ	३०	बव	१५	०	बालव			३३	३	३	१६	१०५३	कर्केंदु
						बृ	६	४३	३४	मघा	४३	२१			कौलव	१४	२	स्त्रीलोचन			३३	७	४	१७	१०५४	५६॥ भा.उ सिंघेंदु । रोहिणी १२ घ ३. मृगसराऽर्कें १३ दिः २४ घड़ी
						शु	७	४२	३६	पु फाः	४३	२१			गर	१३	४	विणिज			३३	११	५	१८	१०५५	सिंघेंदु
						श	८	४१	३८	उ फा	६०	०			वृष्टि	१२	६	बव			३३	१५	६	१९	१०५६	सिंघेंदु
						र	९	४०	४०	उफा०	१३	२१			बालव	११	८	कौलव			३३	१९	७	२०	१०५७	८ भा उः कन्येंदु
						चं	१०	३९	४२	हस्त	१३	२१			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			३३	२३	८	२१	१०५८	कन्येंदु । अनुराधा समास रात्री का
						मं	११	३८	४४	चित्रा	१३	२१	स्वा	३०	विणिज	९	१२	वृष्टि			३३	२७	९	२२	१०५९	२६॥ भा उः तुलेंदु । २ पग ५ अः हा
						बु	१२	३७	४६	विशाषा	६०	०			बव	८	१४	बालव			३३	३१	१०	२३	१०६०	तुलेंदु
						बृ	१३	३६	४८	विशाषा	१३	२१			कौलव	७	१६	स्त्रीलोचन			३३	३५	११	२४	१०६१	४५ भा.उः वृश्चकेंदु
						शु	१४	३५	५०	अनुराधा	१३	२१	ज्ये	३०	गर	६	१८	विणिज			३३	३९	१२	२५	१०६२	वृश्चकेंदु
५	गु	चं	बु	र	गु	श	१५	३४	५२	मघा	४३	२१			वृष्टि	५	२०	बव			३३	४३	१३	२६	१०६३	६३॥भा. उ धनेंदु । पखी ७२

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरका मास १ । श्रावण वदी । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंदे । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६०	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	४	५२	श्रवण	५१	३			कोलव	४	५२	स्त्री लोचन			३५	४५	१४	२७	१०९४	मकरेंदु । पुनर्वसु ऽर्के २४ घः पुरक ऽर्के १३ दिः २४ घड़ी
						बु	२	३	५४	धनेष्टा	५१	३			गर	३	५४	विणिज			३५	४९	१५	२८	१०९५	५४॥भाः उः कुंभेंदु
						बृ	३	२	५६	शतभि	२१	३			वृष्टि	२	५६	वव			३५	५३	१६	२९	१०९६	कुंभेंदु
						शु	४	१	५८	पूर्वाभा०	२१	३			वालव	१	५८	कोलव	२९	२९	३५	५७	१७	३०	१०९७	कुंभेंदु । पूर्वाषाढा समाप्त रात्रीका
						श	५	०	६०	उत्राभाद्र	५१	३			स्त्रीलो० गर	०/२९	०/३२	विणिज	३२	३२	३६	०	१८	३१	१०९८	६ भाः उः मीनेंदु । २ पगः जाः सूर्यमास ३६ । उत्तरापाढा रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						र	७	५९	२	रेवती	५१	३			वृष्टि	२९	३२	वव			३५	५७	१९	१	१०९९	मीनेंदु।कर्के भानुशंक्राती रविदक्षणायणे । पावसऋतु। गर्जनेकी ऽसझाइनही
						चं	८	५८	४	ऽश्विनी	५१	३			वालव	२८	३४	कोलव			३५	५३	२०	२	११००	२४॥भाः उः मेखेंदु
						मं	९	५७	६	भरणी	२१	३			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			३५	४९	२१	३	११०१	मेखेंदु
						बु	१०	५६	८	कृतिका	२१	३			विणिज	२६	३८	वृष्टि			३५	४५	२२	४	११०२	४३ भाः उः वृखेंदु
						बृ	११	५५	१०	रोहिणी	५१	३			वव	२५	४०	वालव			३५	४१	२३	५	११०३	वृखेंदु
						शु	१२	५४	१२	मृगसरा	५१	३			कोलव	२४	४२	स्त्री लोचन			३५	३७	२४	६	११०४	६१॥ भाः उः मिथुनेंदु
						श	१३	५३	१४	आद्रा	२१	३			गर	२३	४४	विणिज			३५	३३	२५	७	११०५	मिथुनेंदु २ पग १ अंः ज्ञाः
						र	१४	५२	१६	पुनर्वसु	५१	३			वृष्टि	२२	४६	शुकन			३५	२९	२६	८	११०६	मिथुनेंदु चन्द्रायन ८१ दक्षणायणे
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	५१	१८	पुष्प	५१	३			चतुष्पद	२१	४८	नाग			३५	२५	२७	९	११०७	१३ भाः कर्केंदु । पुष्पऽर्के ४८ घःउः ऽश्लेषा ऽर्के ९ दिः ४२घःपक्षी ७५

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक। वीर सम्वत् २४४५। युगमास ३७। तीसरा अभिवर्धन संवत्सरका मास १३। आषाढ़ शुदि। लोकोत्तरमास नाम। वनविरोध। रवि उत्तरायणे ॥

	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा ६ भाग	घड़ी	भाग ३	नक्षत्र	घड़ी भाग ३	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमास२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्य के साथ नक्षत्र१ पक्खीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
१	र	पु	ग	मे	शु	चं	१	१९	२२	पुनर्वसु	३२	१६			बव	१९	२२	बालव			३४	४६	२९	१२	१०७९	४१भा:उ: कर्केतु चन्द्रायन ७६
						मं	२	१८	२४	पुष्य	३२	१६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१३	१०८०	कर्केतु ऋतुमास३६। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	१७	२६	अश्लेषा	२	१६			गर	१७	२६	विणिज			३४	५४	१	१४	१०८१	कर्केतु
						बृ	४	१६	२८	मघा	२	१६			वृष्टि	१६	२८	बव			३४	५८	२	१५	१०८२	१०॥भा.उ: सिंहेतु। २घ:२भ:। मुला समासरात्रीका
						शु	५	१५	३०	पूर्वा फा:	२	१६			बालव	१५	३०	कोलव			३५	१	३	१६	१०८३	सिंहेतु
						श	६	१४	३२	उत्तरा फा	३२	१६			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			३५	५	४	१७	१०८४	३१भा:उ: कन्येतु
						र	७	१३	३४	हस्त	३२	१६			विणिज	१३	३४	वृष्टि			३५	९	५	१८	१०८५	कन्येतु
						चं	८	१२	३६	चित्रा	३२	१६			बव	१२	३६	बालव			३५	१३	६	१९	१०८६	४७॥भा: उ:तुलेतु।
						मं	९	११	३८	स्वाति	२	१६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			३५	१७	७	२०	१०८७	तुलेतु
						बु	१०	१०	४०	विशाखा	३२	१६			गर	१०	४०	विणिज			३५	२१	८	२१	१०८८	६६ भा:उ वृश्चकेतु
						बृ	११	९	४२	अनुराधा	३२	१६			वृष्टि	९	४२	बव			३५	२५	९	२२	१०८९	वृश्चकेतु। २घ१भं छाया:
						शु	१२	८	४४	ज्येष्ठा	२	१६			बालव	८	४४	कोलव			३५	२९	१०	२३	१०९०	वृश्चकेतु
						श	१३	७	४६	मूला	२	१६			स्त्रीलोचन	७	४६	गर			३५	३३	११	२४	१०९१	१७॥भा:उ: धनेतु
						र	१४	६	४८	पूर्वाषा०	२	१६			विणिज	६	४८	वृष्टि			३५	३७	१२	२५	१०९२	धनेतु। पक्खी ७४
१	र	पु	ग	मे	शु	चं	१५	५	५०	उत्तराषा:	३२	१६	७भा	१६	बव	५	५०	बालव			३५	४१	१३	२६	१०९३	३६भा:उ: मकरेतु। मलमासा५०। चन्द्रायन८० उत्तरायणे

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरका मास १ । श्रावण वद्दी । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंदे । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	च	बृ	र	बु	श	मं	१	४	५२	श्रवण	५१	३			कोलव	४	५२	स्त्री लोचन			३५	४५	१४	२७	१०९४	मकरेंदु । पुनर्वसु ऽर्कें २४ घः पुरक ऽर्कें १३ दिः २४ घड़ी
						बु	२	३	५४	धनेष्ठा	५१	३			गर	३	५४	विणिज			३५	४९	१५	२८	१०९५	५४॥भाः उः कुंभेंदु
						बृ	३	२	५६	शतभि	२१	३			वृष्टि	२	५६	वव			३५	५३	१६	२९	१०९६	कुंभेंदु
						शु	४	१	५८	पूर्वाभा०	२१	३			वालव	१	५८	कोलव	२९	२९	३५	५७	१७	३०	१०९७	कुंभेंदु । पूर्वापाडा समाप्त रात्रीका
						श	५	०	६०	उत्राभाद्र	५१	३			स्त्रीलो० गर	० २९	० ३१	विणिज	३२	३२	३६	०	१८	३१	१०९८	६ भाः उ. मीनेंदु । २ पगः जाः सूर्यमास ३६ । उत्रापाड़ा रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	६	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						र	७	५९	२	रेवती	५१	३			वृष्टि	२९	३२	वव			३५	५७	१९	१	१०९९	मीनेंदु।कर्कें भानुशंक्राती रविदक्षणायणे । पावसऋतु। गर्जनेकी ऽसभ्झइनही
						चं	८	५८	४	ऽश्विनी	५१	३			वालव	२८	३४	कोलव			३५	५३	२०	२	११००	२४॥भाः उ॰ मेखेंदु
						मं	९	५७	६	भरणी	२१	३			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			३५	४९	२१	३	११०१	मेखेंदु
						बु	१०	५६	८	कृतिका	२१	३			विणिज	२६	३८	वृष्टि			३५	४५	२२	४	११०२	४३ भाः उः बृखेंदु
						बृ	११	५५	१०	रोहिणी	५१	३			वव	२५	४०	वालव			३५	४१	२३	५	११०३	बृखेंदु
						शु	१२	५४	१२	मृगसरा	५१	३			कोलव	२४	४२	स्त्री लोचन			३५	३७	२४	६	११०४	६१॥ भा॰ उः मिथुनेंदु
						श	१३	५३	१४	आर्द्रा	२१	३			गर	२३	४४	विणिज			३५	३३	२५	७	११०५	मिथुनेंदु २ पग १ अंः क्राः
						र	१४	५२	१६	पुनर्वसु	५१	३			वृष्टि	२२	४६	शुकन			३५	२९	२६	८	११०६	मिथुनेंदु चन्द्रायन ८१ दक्षणायणे
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	५१	१८	पुष्प	५१	३			चतुष्पद	२१	४८	नाग			३५	२५	२७	९	११०७	१३ भाः कर्केंदु । पुष्पऽर्कें ४८ घःउः ऽश्लेषा ऽर्कें ६ दिः ४२घ.पखी ७५

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक। वीर सम्वत् २४४५। जुगकामास ३७। तीसरा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३। आषाड़ शुदि। लोकोत्तरमास नाम। घनविरोध। रविउआयथो॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
बु	र	गु	श	मं	शु	चं	१	१६	२२	पुनर्वसु	३२	१६			बव	१६	२२	बालव			३४	४६	२९	१२	१०७९	४९भाःउः कर्केंदु चन्द्रायन ७९
						मं	२	१८	२४	पुष्य	३२	१६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			३४	५०	३०	१३	१०८०	कर्केंदु ऋतुमास३६। चन्द्रदर्शनम्
						बु	३	१७	२६	ऽश्लेषा	२	१६			गर	१७	२६	विणिज			३४	५४	१	१४	१०८१	कर्केंदु
						बृ	४	१६	२८	मघा	२	१६			वृष्टि	१६	२८	बव			३४	५८	२	१५	१०८२	१०॥भा उः सिंघेदु। २पगः२अंः। मुला समामरात्रीका
						शु	५	१५	३०	पुर्वा फाः	२	१६			बालव	१५	३०	कोलव			३५	१	३	१६	१०८३	सिंघेंदु
						श	६	१४	३२	उत्रा फाः	३२	१६			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			३५	५	४	१७	१०८४	३९भाःउः कन्येंदु
						र	७	१३	३४	हस्त	३२	१६			विणिज	१३	३४	वृष्टि			३५	९	५	१८	१०८५	कन्येंदु
						चं	८	१२	३६	चित्रा	३२	१६			बव	१२	३६	बालव			३५	१३	६	१९	१०८६	४७॥भाः उःतुलेंदु।
						मं	९	११	३८	स्वाति	२	१६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			३५	१७	७	२०	१०८७	तुलेंदु
						बु	१०	१०	४०	विशाखा	३२	१६			गर	१०	४०	विणिज			३५	२१	८	२१	१०८८	६६ भाःउ.वृश्चकेतु
						बृ	११	९	४२	अनुराधा	३२	१६			वृष्टि	९	४२	बव			३५	२५	९	२२	१०८९	वृश्चकेंदु। २प१अंछायाः
						शु	१२	८	४४	ज्येष्ठा	२	१६			बालव	८	४४	कोलव			३५	२९	१०	२३	१०९०	वृश्चकेंदु
						श	१३	७	४६	मुला	२	१६			स्त्रीलोचन	७	४६	गर			३५	३३	११	२४	१०९१	१७॥भाःउः धनेंदु
						र	१४	६	४८	पुर्वाषा०	२	१६			विणिज	६	४८	वृष्टि			३५	३७	१२	२५	१०९२	धनेंदु। पखी ७४
बु	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	५	५०	उत्राषाः	३२	१६	अभी	६६	बव	५	५०	बालव			३५	४१	१३	२६	१०९३	३६भाःउः मकरेंदु। नक्षत्रमास४०।चन्द्रायन८०उआयथो

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीका वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३९ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास २ । भाद्रवा वदी । लोकोत्तरमासनाम् प्रतिष्टत । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछाः प्रमाण ४।
श	मं	शु	चं	बु	र	बु	१	३५	५०	धनेष्टा	६	५७	मत	३०	वालव	६	१८	कोलव			३४	२२	१३	२५	११२३	८॥भा.उ: कुंभेंदु
						बृ	२	३४	५२	पूर्वा भा०	३१	५७			स्त्रीलोचन	५	२०	गर			३४	१८	१४	२६	११२४	कुंभेंदु
						शु	३	३३	५४	उत्रा भा०	६०	०			विणिज	४	२२	वृष्टि			३४	१४	१५	२७	११२५	२७ भा: उ: मीनेंदु
						श	४	३२	५६	उत्रा भा०	६	५७			वव	३	२५	वालव			३४	१०	१६	२८	११२६	मीनेंदु
						र	५	३१	५८	रेवती	६	५७			कोलव	२	२६	स्त्रीलोचन			३४	६	१७	२९	११२७	४५॥भा उःमेषेंदु।मघा५४घःउः पृ.फा ऽर्के१३दि २४घः श्रवण समाप्तरात्रीका
						चं	६	३०	६०	ऽश्विनी	६	५७	भर	३०	गर	१	२८	विणिज	२९	३२	३४	२	१८	३०	११२८	मेषेंदु । सुर्यमास ३७ । २ पः ४ अंः छाया पोः धनेष्टा रात्रीका
						मं	७	३०	०	कृतका	३१	५७			घृष्टि वव	२९ ६०	० १	वालव			३३	५९	१९	१	११२९	६४ भा:उ: वृषेंदु । सिंघेभानु शंक्राती
						बु	८	२९	२	रोहिणी	६०	०			कोलव	२९	२	स्त्रीलोचन			३३	५५	२०	२	११३०	वृषेंदु
						बृ	९	२८	४	रोहिणी	६	५७			गर	२८	४	विणिज			३३	५१	२१	३	११३१	वृषेंदु
						शु	१०	२७	६	मृगसरा	६	५७	ऽद्रा	३०	घृष्टि	२७	६	वव			३३	४७	२२	४	११३२	१५॥भा'उ मिथुनेंदु
						श	११	२६	८	पुनर्वसु	६०	०			वालव	२६	८	कोलव			३३	४३	२३	५	११३३	मिथुनेंदु
						र	१२	२५	१०	पुनर्वसु	६	५७			स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			३३	३९	२४	६	११३४	३४ भाःउ कर्केंदु। चन्द्रायन ८३ । दक्षिणायणे पयोसन १
						चं	१३	२४	१२	पुष्य	६	५७	ऽश्ले	३०	विणिज	२४	१२	वृष्टि			३३	३५	२५	७	११३५	कर्केंदु । ३ पग ५ अंः छाया पोरसी
						मं	१४	२३	१४	मघा	३१	५७			शुकन	२३	१४	चतुष्पद			३३	३१	२६	८	११३६	५२॥भा उा सिंघेंदु । पखी ७७
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	२२	१६	पुर्वा फा०	३१	५७			नाग	२२	१६	किस्तुघन			३३	२७	२७	९	११३७	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ३८ । चौथा सम्वत्सरका मास १ । श्रावण शुदी । लोकोत्तरमास नाम । अभिनंद । रविदत्तणायणो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ ऽऽ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
गु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	५०	२०	ऽश्लेषा	२१	३			किस्तुघन	२०	५०	बव			३५	२१	२८	१०	११०८	कर्केंदु
						बु	२	४१	२२	मघा	२१	३			बालव	१९	५२	कौलव			३५	१७	२९	११	११०९	३१॥भाःउः सिंघेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	३	४८	२४	पूर्वा फा०	२१	३			स्त्रीलोचन	१८	५४	गर			३५	१३	३०	१२	१११०	सिंघेंदु । ऋतुमास ३७
						शु	४	४७	२६	उत्रा फा०	५१	३			विणिज	१७	५६	वृष्टि			३५	९	१	१३	११११	५० भाः उः कन्येंदु
						श	५	४६	२८	हस्त	५१	३			बव	१६	५८	बालव			३५	५	२	१४	१११२	कन्येंदु । उत्राषाढ़ा समास रात्रीका
						र	६	४५	३०	चित्रा	५१	३			कौलव	१५	६०	स्त्री लोचन			३५	१	३	१५	१११३	कन्येंदु २ पः २ अंः
						चं	७	४४	३२	स्वाती	२१	३			गर	१५	०	विणिज			३४	५८	४	१६	१११४	१॥भाःउः तुलेंदु श्लेषा ३० घः उः मघा ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						मं	८	४३	३४	विशाखा	५१	३			वृष्टि	१४	२	बव			३४	५४	५	१७	१११५	तुलेंदु
						बु	९	४२	३६	अनुराधा	५१	३			बालव	१३	४	कौलव			३४	५०	६	१८	१११६	२० भाःउः वृश्चकेंदु
						बृ	१०	४१	३८	ज्येष्ठा०	२१	३			स्त्रीलोचन	१२	६	गर			३४	४६	७	१९	१११७	वृश्चकेंदु
						शु	११	४०	४०	मूला	२१	३			विणिज	११	८	वृष्टि			३४	४२	८	२०	१११८	३८॥भाः उः धनेंदु
						श	१२	३९	४२	पूर्वाषा०	२१	३			बव	१०	१०	बालव			३४	३८	९	२१	१११९	धनेंदु । अभी च समाप्त रात्रीका
						र	१३	३८	४४	उत्राषाढ़ा	५१	३			कौलव	९	१२	स्त्री लोचन			३४	३४	१०	२२	११२०	५७भाःउः मकरेंदु । २ पग ३ अंः छायाः
						चं	१४	३७	४६	ऽभीच	९	५७			गर	८	१४	विणिज			३४	३०	११	२३	११२१	मकरेंदु । नक्षत्रमास ४१ । चन्द्रायन ८२ उत्रायणो
गु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	३६	४८	श्रवण	९	५७			वृष्टि	७	१६	बव			३४	२६	१२	२४	११२२	मकरेंदु । पखी ७६

विक्रम सम्वत् १९७५ लाकीक । वीरसम्वत् २४४४ । जुगकामास ४० । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ३ । आसौजवदी । लोकोत्तरमासनाम । विजय । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रवृद्धि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रणाम ४
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	६	४८	उत्रा भा०	२८	४४			कोलव	६	४८	स्त्रीलोचन			३२	२४	१३	२५	११५३	मीनेंदु
						श	२	५	५०	रेवती	२८	४४			गर	५	५०	विणिज			३२	२०	१४	२६	११५४	६६॥ भाःउः मेखेंदु
						र	३	४	५२	ऽश्विनी	२८	४४	भर	३०	वृष्टि	४	५२	वव			३२	१६	१५	२७	११५५	मेखेंदु
						चं	४	३	५४	कृतका	५८	४४			वालव	३	५४	कोलव			३२	१२	१६	२८	११५६	मेखेंदु
						मं	५	२	५६	रोहिणी	६०	०			स्त्रीलोचन	२	५६	गर			३२	८	१७	२९	११५७	१८ भा उः वृखेंदु
						बु	६	१	५८	रोहिणी	२८	४४			विणिज	१	५८	वृष्टि	२६	३३	३२	४	१८	३०	११५८	वृखेंदु । पूर्वाभाद्रपदा समाप्त रात्रीका
						बृ	७	०	६०	मृगसरा	२८	४४	आ	३०	वव वालव	० २६	६० ३२	कोलव	२६	३२	३२	०	१९	३१	११५९	३६॥ भाःउ मिथुनेंदु । २ प ८ अंः छाः । सूर्यमास ३८ । उत्राभाद्रपदा
०	०	०	०	०	०	०	८	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०		०	०	०	०	०	०	मिथुनेंदु ० ० ० ० ० ० [रात्रीका
						शु	९	५९	२	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	२९	३२	गर			३१	५७	२०	१	११६०	मिथुनेंदु । कन्याऽर्के शंक्रांती । वर्षा ऋतु २
						श	१०	५८	४	पुनर्वसु	२८	४४			विणिज	२८	३४	वृष्टि			३१	५३	२१	२	११६१	५५ भा उ कर्केंदु । उत्रा फाः ऽर्के २४ घः उ. हस्त ऽर्के १३ दिनः २४घड़ी
						र	११	५७	६	पुष्य	२८	४४	ऽश्ले	३०	वव	२७	३६	वालव			३१	४९	२२	३	११६२	कर्केंदु
						चं	१२	५६	८	मघा	५८	४४			कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			३१	४५	२३	४	११६३	कर्केंदु
						मं	१३	५५	१०	पुर्वा फा०	५८	४४			गर	२५	४०	विणिज			३१	४१	२४	५	११६४	६॥भाःउ सिंघेंदु
						बु	१४	५४	१२	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	२४	४२	शुकन			३१	३७	२५	६	११६५	सिंघेंदु
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	५३	१४	उत्रा फा०	२८	४४			चतुष्पद	२३	४४	नाग			३१	३३	२६	७	११६६	२५भा० उ कन्येंदु २ पः ६ अंः छा पत्री ७९

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ३६ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास २ । भाद्रवा शुदी । लोकोत्तरमास नाम । प्रतिष्टित । रविदसणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रनाम	६७ भाग घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६७	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा दो दिन ६७ साढे १८ भागफसें ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१	२१	१८	उत्राः फाः	६०	०			यव	२१	१८	वालव			३३	२३	२८	१०	११३८	सिंघेंदु
						शु	२	२०	२०	उत्राः फा	६	५७			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन			३३	१९	२९	११	११३९	४भाःउः कन्येंदु । चन्द्रदर्शनम्
						श	३	१९	२२	हस्त	६	५७			गर	१९	२२	विणिज			३३	१५	३०	१२	११४०	कन्येंदु । ऋतुमास ३८
						र	४	१८	२४	चित्रा	६	५७	स्वा.	३०	वृष्टि	१८	२४	यव			३३	११	१	१३	११४१	२२॥भा.उः तुलेंदु । पूःफाऽकें १८ घ उः उत्राफाःऽकें२०दिनं६घः।सम्वत्सरी
						चं	५	१७	२६	विशाखा	६०	०			वालव	१७	२६	कोलव			३३	७	२	१४	११४२	तुलदु
						मं	६	१६	२८	विशाखा	६	५७			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर			३३	३	३	१५	११४३	४१॥भाःउ. वृश्चिकेंदु । २ पग ६ अंः छाः । धनेष्ठा समाप्त रात्री का
						बु	७	१५	३०	अनुराधा	६	५७	ज्यै	३०	विणिज	१५	३०	वृष्टि			३२	६०	४	१६	११४४	वृश्चिकेंदु
						वृ	८	१४	३२	मूला	३१	५७			यव	१४	३२	वालव			३२	५६	५	१७	११४५	५६॥भा उः धनेंदु
						शु	९	१३	३४	पूर्वा षा०	३१	५७			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन			३२	५२	६	१८	११४६	धनेंदु
						श	१०	१२	३६	उत्रा षा०	६०	०			गर	१२	३६	विणिज			३२	४८	७	१९	११४७	धनेंदु
						र	११	११	३८	उत्रा षा०	६	५७	ऽभी	१९	वृष्टि	११	३८	यव			३२	४४	८	२०	११४८	११भा उ. मकरेंदु । नक्षत्रमास ४२ । चन्द्राऽयन ८४ उत्रायणे
						चं	१२	१०	४०	श्रवण	२८	४५			वालव	१०	४०	कोलव			३२	४०	९	२१	११४९	मकरेंदु
						मं	१३	९	४२	धनेष्ठा	२८	३४	शत	३०	स्त्रीलोचन	९	४२	गर			३२	३६	१०	२२	११५०	२६॥भा उः कुंभेंदु । २ पगः ७ अंः छाः सतभिषां समाप्तरात्रीका
						बु	१४	८	४४	पूर्वा भा०	५८	४४			विणिज	८	४४	वृष्टि			३२	३२	११	२३	११५१	कुंभेंदु पक्षी ७८
र	बु	श	मं	शु	चं	वृ	१५	७	४६	उत्रा भा०	६०	०			यव	७	४६	वालव			३२	२८	१२	२४	११५२	४८भाः उः मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७ लो० वीर सम्वत् २४४४ । जुगकामास ४१ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ४ । कार्त्तकवदी । लोकोत्रमास नाम । प्रितिवर्धन । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	३७	५६	ऽश्विनी	४७	३१			वालव	८	१४	कोलव			३०	३०	१२	२३	११८२	२०॥ भाःउः मेखेंदु
						र	२	३६	४८	भरणी	१७	३१			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			३०	२६	१३	२४	११८३	मेखेंदु
						चं	३	३५	५०	कृतका	१७	३१			विणिज	६	१८	वृष्टि			३०	२२	१४	२५	११८४	३९ भा उ.वृखेंदु
						मं	४	३४	५२	रोहिणी	४७	३१			वव	५	२०	वालव			३०	१८	१५	२६	११८५	वृखेंदु
						बु	५	३३	५४	मृगसरा	४७	३१			कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			३०	१४	१६	२७	११८६	५७॥भाःउ मिथुनेंदु
						बृ	६	३२	५६	आर्द्रा	१७	३१			गर	३	२४	विणिज			३०	१०	१७	२८	११८७	मिथुनेंदु [८७ दक्षणायणे
						शु	७	३१	५८	पुनर्वसु	४७	३१			वृष्टि	२	२६	वव			३०	६	१८	२९	११८८	मिथनेंदु चित्रा १२ घःउः स्वातीऽकें ६दिः ४२घः रेवती रात्रीका चन्द्रायन
						श	८	३०	६०	पुष्य	४७	३१			वालव	१	२८	कोलव	२९	३२	३०	२	१९	३०	११८९	९ भा उः फर्केंदु । ७२ सूर्यमास ३१।३पगःछा ।अश्वनी रात्रीका
						र	९	३०	०	अश्लेशा	१७	३१			स्त्रीलोचन गर	० २९	३० ३२	विणिज			२९	५९	२०	१	११९०	कर्केंदु । तुलाऽकें शंक्रांती
						चं	१०	२९	२	मघाः	१७	३१			वृष्टि	२९	२	वव			२९	५५	२१	२	११९१	२७॥ भाःउः सिंघेंदु
						मं	११	२८	४	पूर्वा फाः	१७	३१			वालव	२८	४	कोलव			२९	५१	२२	३	११९२	सिंघेंदु
						बु	१२	२७	६	उत्रा फा०	४७	३१			स्त्रीलोचन	२७	६	गर			२९	४७	२३	४	११९३	४६भा उः कन्येंदु
						बृ	१३	२६	८	हस्त	४७	३१			विणिज	२६	८	वृष्टी			२९	४३	२४	५	११९४	कन्येंदु.स्वाती ५४ घ उः विशाषाऽकें २० दि ६ घड़ी
						शु	१४	२५	१०	चित्रा	४७	३१			शुकन	२५	१०	चतुष्पद			२९	३९	२५	६	११९५	६४॥भा.उः तुलेंदु पखी ८१
मं	शु	च	बृ	र	बु	श	१५	२४	१२	स्वाती	१७	३१			नाग	२४	१२	किस्तुघन			२९	३५	२६	७	११९६	तुलेंदु । ३ पग १ अंः छाया पोरसी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४४ जुगकामास ४० । चौथे चन्द्र सम्वत्सकामास ३ । आसौजशुदी । लोकोत्रमास नाम । विजय । रविदत्तणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के		दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
चं	पृ	र	बु	श	मं	शु	१	५२	१६	हस्त	२८	४४			किंस्तुघन	२२	३६	बव		३१	२९	२७	८	११६७	कन्येंदु
						श	२	५१	१८	चित्रा	२८	४४	स्वा	३०	बालव	२१	४८	कोलव		३१	२५	२८	९	११६८	४३॥भा उः तुलेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						र	३	५०	२०	विशाखा	६०	०			स्त्री लोचन	२०	५०	गर		३१	२१	२९	१०	११६९	तुलेंदु
						चं	४	४९	२२	विशाखा	२८	४४			विणिज	१९	५२	वृष्टी		३१	१७	३०	११	११७०	६२ भा उः वृश्चकेंदु । ऋतुमास ३९
						मं	५	४८	२४	अनुराधा	२८	४४	ज्ये	३०	बव	१८	५४	बालव		३१	१३	१	१२	११७१	वृश्चकेंदु
						बु	६	४७	२६	मूला	५८	४४			कोलव	१७	५६	स्त्रीलोचन		३१	९	२	१३	११७२	वृश्चकेंदु
						बृ	७	४६	२८	पूर्वाषाड़ा	५८	४४			गर	१६	५८	विणिज		३१	५	३	१४	११७३	१३॥भाःउः धनेंदु। उत्राभाद्रपदा समास रात्रा का
						शु	८	४५	३०	उत्राषाड़ा	६०	०			वृष्टी	१५	६०	बव		३१	१	४	१५	११७४	धनेंदु।हस्त४८घ'उ चीत्रा5र्के१३दिन२४घड़ी।२पग १०अंःछाः
						श	९	४४	३२	उत्राषाड़ा	२८	४८	अभी	१६	बालव	१५	०	कोलव		३०	५८	५	१६	११७५	३२ भा उः मकरेंदु नक्षत्रमास ४३ चन्द्रायन ८६ उत्रायणे
						र	१०	४३	३४	श्रवण	४७	३१			स्त्री लोचन	१४	२	गर		३०	५४	६	१७	११७६	मकरेंदु
						चं	११	४२	३६	धनेष्ठा	४७	३१			विणिज	१३	४	वृष्टि		३०	५०	७	१८	११७७	५०॥ भाः उः कुंभेंदु
						मं	१२	४१	३८	शत भि०	१७	३१			बव	१२	६	बालव		३०	४६	८	१९	११७८	कुंभेंदु
						बु	१३	४०	४०	पुर्वभाद्र	१७	३१			कोलव	११	८	स्त्रीलोचन		३०	४२	९	२०	११७९	कुंभेंदु
						बृ	१४	३९	४२	उत्राभा०	४७	३१			गर	१०	१०	विणिज		३०	३८	१०	२१	११८०	२ भाः उः मीनेंदु
चं	पृ	र	बु	श	मं	शु	१५	३८	४४	रेवती	४७	३१			वृष्टी	९	१२	बव		३०	३४	११	२२	११८१	मीनेंदु। २प अंः ११छा । पखी ८०

विक्रम सम्वत् १९७५ लो० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४२ । चौथे चन्द्रसम्वत्सरका मास ५ । मृगसरवदी । लोकोत्रमासनाम । भर्यास । रविदक्षिणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६०	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६०	सूतमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फसे । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३ पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
वृ	र	बु	श	म	शु	चं	१	८	४४	गोहिणी	६०	०			कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			२८	३२	१२	२३	१२१२	वृखेंदु
						मं	२	७	४६	रोहिणी	६	१८			गर	७	४६	विणिज			२८	२८	१३	२४	१२१३	वृखेंदु
						बु	३	६	४८	मृगसिरा	६	१८	ऽद्रा	३०	वृष्टि	६	४८	बव			२८	२४	१४	२५	१२१४	११॥ भा उः मिथुनेंदु । विशाषाऽर्के ६० घड़ी
						वृ	४	५	५०	पुनर्वसु	६०	०			वालव	५	५०	कोलव			२८	२०	१५	२६	१२१५	मिथुनेंदु । ऽनुराधाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	५	४	५२	पुनर्वसु	६	१८			स्त्रीलोचन	४	५२	गर			२८	१६	१६	२७	१२१६	३० भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ८९
						श	६	३	५४	पुष्य	६	१८	ऽश्ले	३०	विणिज	३	५४	वृष्टि			२८	१२	१७	२८	१२१७	कर्केंदु
						र	७	२	५६	मघा	३६	१८			बव	२	५६	वालव			२८	८	१८	२९	१२१८	४८॥ भाःउ सिंघेंदु
						चं	८	१	५८	पुःफाः	३६	१८			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	२९	३२	२८	४	१९	३०	१२१९	सिंघेंदु । भरनी समाप्त रात्री का
						मं	९	०	६०	उ. फा.	६०	०			गर विणिज	० २९	६० ३२	वृष्टि	२९	३२	२८	०	२०	३१	१२२०	सिंघेंदु । सुर्य्य मास ४० ३ पग ४ अंःगुल । कृतका समाप्त रात्री का
०	०	०	०	०	०	०	१०	०	०	०	०	०			०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
						बु	११	५९	२	उत्रा फा०	६	१८			बव	२९	३२	वालव			२७	५७	२१	१	१२२१	कन्येंदु । वृश्केभामु शंक्राति शरदऋतु । गर्जने की ऽशाज्जाई लगी
						वृ	१२	५८	४	हस्त	६	१८			कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			२७	५३	२२	२	१२२२	कन्येंदु
						शु	१३	५७	६	चित्रा	६	१८	स्वा	३०	गर	२७	३६	विणिज			२७	४९	२३	३	१२२३	१८॥ भा.उः तुलदु
						श	१४	५६	८	विशाषा	६०	०			वृष्टि	२६	३८	सुकन			२७	४५	२४	४	१२२४	तुलेंदु
बु	श	मं	शु	चं	वृ	र	१५	५५	१०	विशाषा	६	१८			चतुस्पद	२५	४०	नाग			२७	४१	२५	५	१२२५	३७ भाःउः वृश्चकेंदु । पखी ८३

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४१ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ४ । कार्त्तक शुदी । लोकोत्तरमासनाम । प्रितिवर्धन । रविदक्षिणायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
गु	श	म	शु	चं	बृ	र	१	२३	१४	विशाखा	४७	३१			बव	२३	१४	बालव			२९	३१	२७	८	११९७	तुलेंदु
						चं	२	२२	१६	अनुराधा	४७	३१			कोलव	२२	१६	स्त्रीलोचन			२९	२७	२८	९	११९८	१६भा.उः वृश्चकेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	२१	१८	ज्येष्ठा	१७	३१			गर	२१	१८	विणिज			२९	२३	२९	१०	११९९	वृश्चकेंदु
						बु	४	२०	२०	मूला	१७	३१			वृष्टि	२०	२०	बव			२९	१९	३०	११	१२००	३४॥ भाःउः धनेंदु।ऋतुमास ४०
						बृ	५	१९	२२	पू फा०	१७	३१			बालव	१९	२२	कोलव			२९	१५	१	१२	१२०१	धनेंदु ।
						शु	६	१८	२४	उत्रा फा०	४७	३१			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर			२९	११	२	१३	१२०२	५३ भाः उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४४ । चन्द्रायन ८८
						श	७	१७	२६	ऽभीच	९	१८			विणिज	१७	२६	वृष्टि			२९	७	३	१४	१२०३	मकरेंदु
						र	८	१६	२८	श्रवण	९	१८			बव	१६	२८	बालव			२९	३	४	१५	१२०४	मकरेंदु।२पग २ अंगुलछायाः। अभ्वनी समाप्त रात्रीफा
						चं	९	१५	३०	धनेष्ठा	९	१८	सत	३०	कोलव	१५	३०	स्त्रीलोचन			२८	६०	५	१६	१२०५	४॥ भाः उः कुंभेंदु
						मं	१०	१४	३२	पूर्वाभा०	३९	१८			गर	१४	३२	विणिज			२८	५६	६	१७	१२०६	कुंभेंदु
						बु	११	१३	३४	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	१३	३४	बव			२८	५२	७	१८	१२०७	२३ भाः उः मीनेंदु
						बृ	१२	१२	३६	उत्राभा०	९	१८			बालव	१२	३६	कोलव			२८	४८	८	१९	१२०८	मीनेंदु
						शु	१३	११	३८	रेवती	९	१८			स्त्रीलोचन	११	३८	गर			२८	४४	९	२०	१२०९	४१॥ भाः उ. मेखेंदु ।
						श	१४	१०	४०	ऽश्विनि	९	१८	भर	३०	विणिज	१०	४०	वृष्टि			२८	४०	१०	२१	१२१०	मेखेंदु । पखी ८२ चौमासा
गु	श	म	शु	चं	बृ	र	१५	९	४२	कृतका	३९	१८			बव	९	४२	बालव			२८	३६	११	२२	१२११	६० भाः उः वृखेंदु । ३ पग ३अंः छाया पोरसी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक। वीर सम्वत् २४४५। जुगनोमास ४३। चौथे चन्द्रसम्वतसरकामास ९। पोषवदी। लोकोत्तरमासकानाम शिव। रविदक्षणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	च	वृ	र	बु	श	मं	१	३९	४२	मृगसिग	२५	५	ऽआ	३०	वालव	१०	१०	कोलव			२६	३८	११	२१	१२४१	३२॥ भा:उ: मिथुनेंदु
						बु	२	३८	४४	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	६	१२	गर			२६	३४	१२	२२	१२४२	मिथनंदु। ३पः७अं.छा:
						वृ	३	३७	४६	पुनर्वसु	२५	५			विणिज	८	१४	वृष्टि			२६	३०	१३	२३	१२४३	५१भा:उ: फर्कंदु। चन्द्रायन ६१
						शु	४	३६	४८	पुरक	२५	५	ऽअश्ल	३०	वव	७	१६	वालव			२६	२६	१४	२४	१२४४	कर्कंदु
						श	५	३५	५०	मघा	५५	५			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			२६	२२	१५	२५	१२४५	कर्कंदु
						र	६	३४	५२	पूर्वा फा:	५५	५			गर	५	२०	विणिज			२६	१८	१६	२६	१२४६	२॥भा:उ: सिंघेंदु
						चं	७	३३	५४	उत्रा फा	६०	०			वृष्टि	४	२२	वव			२६	१४	१७	२७	१२४७	सिंघेंदु
						मं	८	३२	५६	उत्रा फा:	२५	५			वालव	३	२४	कोलव			२६	१०	१८	२८	१२४८	२१भा:उ: कन्येंदु।मूलाऽर्के२०घ.उ:पू:षा ऽर्के१३दिन २४घड़ी
						बु	९	३१	५८	हस्त	२५	५			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			२६	६	१९	२९	१२४९	कन्येंदु। रोहिणी समाप्त रात्रीका
						वृ	१०	३०	६०	चित्रा	२५	५	स्वा	३०	विणिज	१	२८	वृष्टि	२१	३२	२६	२	२०	३०	१२५०	३१॥भा उ: तुलदु। ३पः८अं: छा: सूर्यमास४१मृगसिरा रात्रीका
						शु	११	३०	०	विशाषा	६०	०			वव वालव	०/२९	३०/२	कोलव			२५	५९	२१	१	१२५१	तुलेंदु। धनार्के शंक्रांती
						श	१२	२९	२	विशाषा	२५	५			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			२५	५५	२२	२	१२५२	५८ भा:उ वृश्चकेंदु
						र	१३	२८	४	अनुराधा	२५	५	ज्ये	३०	विणिज	२८	४	वृष्टि			२५	५१	२३	३	१२५३	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२७	६	मूला	५५	५			शुकन	२७	६	चतुष्पद			२५	४७	२४	४	१२५४	वृश्चकेंदु। पखी ८५
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१५	२६	८	पूर्वाषा०	५५	५			नाग	२६	८	किंस्तुघन			२५	४३	२५	५	१२५५	९॥भा:उ: धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४२ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ५ । मृगसर शुदी । लोकोत्तरमासनाम । श्रेयांस । रवि दक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
बृ	र	बु	श	मं	बु	चं	१	५४	१२	अनुराधा	६	१८	ज्य	३०	किस्तुघन	२४	४२	बव			२७	३७	२६	६	१२२६	वृश्चकेंदु
						मं	२	५३	१४	मूल	३६	१८			बालव	२३	४४	कौलव			२७	३३	२७	७	१२२७	५५॥भाः उ धनेंदु । ३ पग ५ अं छाया. चन्द्रदर्शन
						बु	३	५२	१६	पूर्वाषा०	३६	१८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			२७	२६	२८	८	१२२८	धनेंदु । अनुराधाऽर्के २४ घः ज्येष्ठाऽर्के ६ दिः ४२ घड़ी
						बृ	४	५१	१८	उत्रा षा०	३०	०			विणिज	२१	४८	वृष्टि			२७	२५	२९	९	१२२९	धनदु
								०	२०	उत्रा षा०	६	१८	अभी	१५	बव	२०	५०	बालव			२७	२१	३०	१०	१२३०	७ भा.उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४५ । चन्द्रायन १०। उत्रायणे।ऋतुमास ४१
										श्रवण	२५	५			कौलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			२७	१७	१	११	१२३१	मकरेंदु
										ण	२५	५	शत	३०	गर	१८	५४	विणिज			२७	१३	२	१२	१२३२	२५॥ भा उः कुंभेंदु
											५५	५			वृष्टि	१७	५६	बव			२७	९	३	१३	१२३३	कुंभेंदु
											०	०			बालव	१६	५८	कौलव			२७	५	४	१४	१२३४	४४ भा उ' मीनेंदु । कृतका समात रात्री का
												५			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			२७	१	५	१५	१२३५	मीनेंदु । ३ प:६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घड़ी उ मूलाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
												५			विणिज	१५	०	वृष्टि			२६	५८	६	१६	१२३६	६२॥ भः उ मेखेंदु
												५	भर	३०	बव	१४	२	बालव			२६	५४	७	१७	१२३७	मेखेंदु
												५			कौलव	१३	४	स्त्रीलोचन			२६	५०	८	१८	१२३८	मेखेंदु
												०			गर	१२	६	विणिज			२६	४६	९	१९	१२३९	१४ भा. उ वृषेंदु
											५	५			वृष्टि	११	८	बव			२६	४२	१०	२०	१२४०	वृषेंदु । पखी ८५

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत २४४५ । जुगनोमास ४३ । चौथे चन्द्रसम्वतसरकामास ६ । पोषवदी । लोकोत्तरमासकानाम शिव । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण तिथि	घड़ी	भाग ६२	करणराशी	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१	३६	४२	मृगसिर	२५	५	ऽआ	३०	बालव	१०	१०	कोलव			२६	३८	११	२१	१२४१	३२॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बु	२	३८	४४	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	६	१२	गर			२६	३४	१२	२२	१२४२	मिथनंदु। ३पः७अंःक्षाः
						वृ	३	३७	४६	पुनर्वसु	२५	५			विणिज	८	१४	वृष्टि			२६	३०	१३	२३	१२४३	५१भाःउः कर्केंदु। चन्द्रायन ६१
						शु	४	३६	४८	पुरक	२५	५	ऽअं	३०	वव	७	१६	बालव			२६	२६	१४	२४	१२४४	कर्केंदु
						श	५	३५	५०	मघा	५५	५			कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			२६	२२	१५	२५	१२४५	कर्केंदु
						र	६	३४	५२	पूर्वा फाः	५५	५			गर	५	२०	विणिज			२६	१८	१६	२६	१२४६	२॥भाःउः सिंघेंदु
						चं	७	३३	५४	उत्रा फाः	६०	०			वृष्टि	४	२२	वव			२६	१४	१७	२७	१२४७	सिंघेंदु
						मं	८	३२	५६	उत्रा फाः	२५	५			बालव	३	२४	कोलव			२६	१०	१८	२८	१२४८	२१भाःउः कन्येंदु।मूलाऽर्के३०घःउःपूःषाःऽर्के१३दिन २४घड़ी
						बु	९	३१	५८	हस्त	२५	५			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			२६	६	१९	२९	१२४९	कन्येंदु । रोहिणी समाप्त रात्रीका
						वृ	१०	३०	६०	चित्रा	२५	५	स्वा	३०	विणिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	२६	२	२०	३०	१२५०	३९॥भाः उः तुलेंदु । ३पः८अंः क्षाः सूर्यमास४१मृगसिरा रात्रीका
						शु	११	३०	०	विशाषा	६०	०			वव बालव	० २९	३० ३२	कोलव			२५	५९	२१	१	१२५१	तुलेंदु । धनार्के शंक्रांती
						श	१२	२९	२	विशाषा	२५	५			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			२५	५५	२२	२	१२५२	५८ भाःउ.वृश्चकेंदु
						र	१३	२८	४	अनुराधा	२५	५	ज्ये	३०	विणिज	२८	४	वृष्टि			२५	५१	२३	३	१२५३	वृश्चकेंदु
						चं	१४	२७	६	मूला	५५	५			शकुन	२७	६	चतुष्पद			२५	४७	२४	४	१२५४	वृश्चकेंदु । पखी ८५
शु	चं	वृ	र	बु	श	मं	१५	२६	८	पूर्वाषा०	५५	५			नाग	२६	८	किंस्तुघन			२५	४३	२५	५	१२५५	९॥भाःउः धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ । लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४२ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ५ । मृगसर शुदी । लोकोत्रमासनाम । श्रेयांस । रवि दक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन क्र	घड़ी	भाग ६०	करणरात्री क्र			दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५४	१२	अनुराधा	६	१८	ज्ये	३०	किंस्तुघन	२४	४२	बव			२७	३७	२६	६	१२२६	वृश्चकेंदु
						मं	२	५३	१४	मूल	३६	१८			बालव	२३	४४	कौलव			२७	३३	२७	७	१२२७	५५॥भाः उः धनेंदु । ३ पग ५ अंःछायाः चन्द्रदर्शन
						बु	३	५२	१६	पूर्वाषा०	३६	१८			स्त्रीलोचन	२२	४६	गर			२७	२९	२८	८	१२२८	धनेंदु । अनुराधाऽर्के २४ घः ज्येष्ठाऽर्के ६ दिः ४२ घड़ी
						बृ	४	५१	१८	उत्रा षा०	६०	०			विणिज	२१	४८	वृष्टि			२७	२५	२९	९	१२२९	धनेंदु
						शु	५	५०	२०	उत्रा षा०	६	१८	ऽभी	१४	बव	२०	५०	बालव			२७	२१	३०	१०	१२३०	७ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४५ । चन्द्रायन ६० । उत्रायणेऋतुमास ५१
						श	६	४९	२२	श्रवण	२५	५			कौलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			२७	१७	१	११	१२३१	मकरेंदु
						र	७	४८	२४	धनेष्टा	२५	५	शत	३०	गर	१८	५४	विणिज			२७	१३	२	१२	१२३२	२५॥ भा.उः कुंभेंदु
						चं	८	४७	२६	पूर्वा भा०	५५	५			वृष्टि	१७	५६	बव			२७	९	३	१३	१२३३	कुंभेंदु
						मं	९	४६	२८	उत्राभाद्र	६०	०			बालव	१६	५८	कौलव			२७	५	४	१४	१२३४	४४ भाःउः मीनेंदु । कृतका समाप्त रात्री का
						बु	१०	४५	३०	उत्रा भाद्र	२५	५			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			२७	१	५	१५	१२३५	मीनेंदु । ३ पः६ अंः छाः ज्येष्ठाऽर्के ६ घड़ी उः मूलाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						बृ	११	४४	३२	रेवती	२५	५			विणिज	१५	०	वृष्टि			२६	५८	६	१६	१२३६	६२॥ भः उः मेखेंदु
						शु	१२	४३	३४	ऽश्विनी	२५	५	भर	३०	बव	१४	२	बालव			२६	५४	७	१७	१२३७	मेखेंदु
						श	१३	४२	३६	कृत्तका	५५	५			कौलव	१३	४	स्त्रीलोचन			२६	५०	८	१८	१२३८	मेखेंदु
						र	१४	४१	३८	रोहणी	६०	०			गर	१२	६	विणिज			२६	४६	९	१९	१२३९	१४ भाः उः वृखेंदु
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	४०	४०	रोहणी	२५	५			वृष्टि	११	८	बव			२६	४२	१०	२०	१२४०	वृखेंदु । पखी ८४

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४४ । चौथ चन्द्र सम्वत्सरका मास ७ । माघवदी । लोकोत्तरमासनाम । शिसिर । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फसैं । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१०	४०	पुष्य	४३	५६			कोलव	१०	४०	स्त्री लोचन			२४	४०	११	२१	१२७१	५ भा.उः कर्केंदु
						शु	२	९	४२	ऽश्लेषा	१३	५६			गर	९	४२	विणिज			२४	३६	१२	२२	१२७२	कर्केंदु । आद्रा समाप्त रात्रीका
						श	३	८	४४	मघा	१३	५६			वृष्टि	८	४४	वव			२४	३२	१३	२३	१२७३	२३॥ भाःउः सिंघेंदु । ३ पग ११ अंःछा
						र	४	७	४६	पूर्वा फा०	१३	५६			वालव	७	४६	कोलव			२४	२८	१४	२४	१२७४	सिंघेंदु
						चं	५	६	४८	उत्रा फा०	४३	५६			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२४	२४	१५	२५	१२७५	४२ भाः उः कन्येंदु
						मं	६	५	५०	हस्त	४३	५६			विणिज	५	५०	वृष्टि			२४	२०	१६	२६	१२७६	कन्येंदु
						बु	७	४	५२	चित्रा	४३	५६			वव	४	५२	वालव			२४	१६	१७	२७	१२७७	६०॥ भाःउः तुलेंदु
						बृ	८	३	५४	स्वाती	१३	५६			कोलव	३	५४	स्त्री लोचन			२४	१२	१८	२८	१२७८	तुलेंदु
						शु	९	२	५६	विशाषा	४३	५६			गर	२	५६	विणिज			२४	८	१९	२९	१२७९	तुलेंदु
						श	१०	१	५८	अनुराधा	४३	५६			वृष्टि	१	५८	वव	२६	३२	२४	४	२०	३०	१२८०	१२ भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसु समाप्त रात्रीका
						र	११	०	६०	ज्येष्ठा०	१३	५६			वालव कौ०	० २९	६० ३२	स्त्रीलोचन	२६	३२	२४	०	२१	३१	१२८१	वृश्चकेंदु । ४ पग छा सूर्यमास ४२ । उत्राषाढ़ाऽर्कें ६० घः पुष्यरात्री का
०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१३	५९	२	मूला	१३	५६			गर	२९	३२	विणिज			२४	४	२२	१	१२८२	३०॥ भाः उः धनेंदु । मकरेऽर्कें शंक्रांतीऽभीचऽर्कें ४ दिन १२ घड़ी ।
						मं	१४	५८	४	पूर्वाषा०	१३	५६			वृष्टि	२८	३४	शुकन			२४	८	२३	२	१२८३	धनेंदु [रवि उत्रायणे । हेमन्त ऋतु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	५७	६	उत्राषाढ़ा	४३	५६			चतुष्पद	२७	३६	नाग			२४	१२	२४	३	१२८४	४६ भाःउः मकरेंदु । पखी ८७

विक्रम सम्वत् ११७५ लौकिक। वीर सम्वत् २४४४ । जुगप्रामाण ४३ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । पोष शुदि । लोकान्तरमास नाम । शिर । रविदक्षिणायये ॥																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमान	चन्द्रमार दिन ६७ साडि१८ भाग फलें । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पत्नीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
श	मे	गु	चं	शृ	र	बु	१	२४	१०	उत्राषाढ़ा	६०	०			बव	२५	१०	बालव			२५	३६	२६	६	१२५६	धनेंदु
						शृ	२	२४	१२	उत्राषाढ़ा	२५	५	ऽभी	६६	कौलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२५	३५	२७	७	१२५७	२८भा:उ मकरेंदु। चन्द्रायन१२उत्रायणेनक्षत्रमास४६ चन्द्रदर्शनम्
						गु	३	२३	१४	श्रवण	४३	५६			गर	२३	१४	विणिज			२५	३१	२८	८	१२५८	मकरेंदु । ३ पग ६ अं: छा
						श	४	२२	१६	धनेष्टा	४३	५६			वृष्टि	२२	१६	बव			२५	२७	२९	९	१२५९	४६॥भा उ: कुंभेंदु
						र	५	२१	१८	सतभिषा	४३	५६			बालव	२१	१८	कौलव			२५	२३	३०	१०	१२६०	कुंभेंदु । ऋतुमास ४२
						चं	६	२०	२०	पूर्वाभाद्र	४३	५६			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२५	१९	१	११	१२६१	६५भा उ मीनेंदु।पूर्वाषा:५४व:उ:उत्राषा:ऽकें२०दिन६घ
						मं	७	११	२२	उत्राभाद्र	४३	५६			विणिज	१९	२२	वृष्टि			२५	१५	२	१२	१२६२	मीनेंदु
						बु	८	१८	२४	रेवती	४३	५६			बव	१८	२४	बालव			२५	११	३	१३	१२६३	मीनेंदु
						शृ	९	१७	२६	ऽश्विनी	४३	५६			कौलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२५	७	४	१४	१२६४	१६॥ भा उ: मेखेंदु
						गु	१०	१६	२८	भरणी	४३	५६			गर	१६	२८	विणिज			२५	३	५	१५	१२६५	मेखेंदु । मृगसिरा समास रात्रीका
						श	११	१५	३०	कृतका	४३	५६			वृष्टि	१५	३०	बव			२४	६०	६	१६	१२६६	३५ भा:उ' वृखेंदु । ३पग १०अं छा:
						र	१२	१४	३२	रोहिनी	४३	५६			बालव	१४	३२	कौलव			२४	५६	७	१७	१२६७	वृखेंदु
						चं	१३	१३	३४	मृगसिरा	४३	५६			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२४	५२	८	१८	१२६८	५३॥भा.उ: मिथुनेंदु
						मं	१४	१२	३६	आद्रा	४३	५६			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२४	४८	९	१९	१२६९	मिथुनेंदु । पक्षी ८६
श	मे	गु	चं	शृ	र	बु	१५	११	३८	पुनर्वसु	४३	५६			बव	११	३८	बालव			२४	४४	१०	२०	१२७०	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १३ । दक्षिणायये

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक। वीर सम्वत् २४४५। जुगकामास ४४। चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास ७। माघवदी। लोकोत्तरमासनाम। शिशिर। रविउत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	जुग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१०	४०	पुष्य	४३	५६			कोलव	१०	४०	स्त्री लोचन			२४	४०	११	२१	१२७१	५ भा.उः कर्केंदु
						शु	२	६	४२	ऽश्लेषा	१३	५६			गर	६	४२	विणिज			२४	३६	१२	२२	१२७२	कर्केंदु। आर्द्रा समाप्त रात्रीका
						श	३	८	४४	मघा	१३	५६			वृष्टि	८	४४	वव			२४	३२	१३	२३	१२७३	२३॥ भाःउः सिंघेंदु। ३ पग ११ अंःछा
						र	४	७	४६	पूर्वा फा०	१३	५६			वालव	७	४६	कोलव			२४	२८	१४	२४	१२७४	सिंघेंदु
						चं	५	६	४८	उत्रा फा०	४३	५६			स्त्रीलोचन	६	४८	गर			२४	२४	१५	२५	१२७५	४२ भाः उः कन्येंदु
						मं	६	५	५०	हस्त	४३	५६			विणिज	५	५०	वृष्टि			२४	२०	१६	२६	१२७६	कन्येंदु
						बु	७	४	५२	चित्रा	४३	५६			वव	४	५२	वालव			२४	१६	१७	२७	१२७७	६०॥ भा.उः तुलेंदु
						बृ	८	३	५४	स्वाती	१३	५६			कोलव	३	५४	स्त्री लोचन			२४	१२	१८	२८	१२७८	तुलेंदु
						शु	९	२	५६	विशाखा	४३	५६			गर	२	५६	विणिज			२४	८	१९	२९	१२७९	तुलेंदु
						श	१०	१	५८	अनुराधा	४३	५६			वृष्टि	१	५८	वव	२९	३२	२४	४	२०	३०	१२८०	१२ भाःउः वृश्चकेंदु। पुनर्वसु समाप्त रात्रीका
						र	११	०	६०	ज्येष्ठा०	१३	५६			वालव कों०	० २९	६० ३२	स्त्रीलोचन	२९	३२	२४	०	२१	३१	१२८१	वृश्चकेंदु। ४ पग छा सूर्यमास ४२। उत्राषाढ़ाऽर्के ६० घः पुष्यरात्री का
०	०	०	०	०	०	०	१२	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						चं	१३	५९	२	मूला	१३	५६			गर	२९	३२	विणिज			२४	४	२२	१	१२८२	३०॥ भाः उः धनेंदु। मकरेऽर्के शंक्रांतीऽभीचऽर्के ४ दिन १२ घड़ी।
						मं	१४	५८	४	पूर्वाषा०	१३	५६			वृष्टि	२८	३४	शुकन			२४	८	२३	२	१२८३	धनेंदु [रवि उत्रायणे। हेमन्त ऋतु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	५७	६	उत्राषाढ़ा	४३	५६			चतुष्पद	२७	३६	नाग			२४	१२	२४	३	१२८४	४६ भाःउः मकरेंदु। पक्षी ८७

विक्रम सम्वत् १९७५ लौकीक। वीर सम्वत् २४४५ । जुगमासाम ४३ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास ६ । पोष शुदि । लोकोत्तरमास नाम । शिव । रविदक्षिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फलें । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
श	मे	गु	चं	पृ	र	बु	१	२७	१०	उत्राषाड़ा	६०	०			वव	२५	१०	वालव			२५	३६	२६	६	१२५६	धनेंदु
						बृ	२	२४	१२	उत्राषाड़ा	२५	५	ऽभी	६५	कौलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२५	३५	२७	७	१२५७	२८भाःउः मकरेंदु। चन्द्रायन१२उत्राायणेनक्षत्रमास४६चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	२३	१४	श्रवण	४३	५६			गर	२३	१४	विणिज			२५	३१	२८	८	१२५८	मकरेंदु । ३ पग ९ अंः छा
						श	४	२२	१६	धनेष्ठा	४३	५६			वृष्टि	२२	१६	वव			२५	२७	२९	९	१२५९	४६॥भाःउः कुंभेंदु
						र	५	२१	१८	सतभिषा	१३	५६			वालव	२१	१८	कौलव			२५	२३	३०	१०	१२६०	कुंभेंदु । ऋतुमास ४२
						चं	६	२०	२०	पूर्वाभाद्र	१३	५६			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२५	१९	१	११	१२६१	६५भाःउः मीनेंदुपूर्वाषाः५४वःउःउत्राषाःऽर्के२०दिन६घः
						मं	७	१९	२२	उत्राभाद्र	४३	५६			विणिज	१९	२२	वृष्टि			२५	१५	२	१२	१२६२	मीनेंदु
						बु	८	१८	२४	रेवती	४३	५६			वव	१८	२४	वालव			२५	११	३	१३	१२६३	मीनेंदु
						बृ	९	१७	२६	ऽश्विनी	४३	५६			कौलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२५	७	४	१४	१२६४	१६॥ भाःउः मेखेंदु
						शु	१०	१६	२८	भरणी	१३	५६			गर	१६	२८	विणिज			२५	३	५	१५	१२६५	मेखेंदु । मृगसिरा समास रात्रीका
						श	११	१५	३०	कृत्तका	१३	५६			वृष्टि	१५	३०	वव			२४	६०	६	१६	१२६६	३५ भाःउः वृखेंदु । ३पगः १०अंःछाः
						र	१२	१४	३२	रोहिनी	४३	५६			वालव	१४	३२	कौलव			२४	५६	७	१७	१२६७	वृखेंदु
						चं	१३	१३	३४	मृगसिरा	४३	५६			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२४	५२	८	१८	१२६८	५३॥भाःउः मिथुनेंदु
						मं	१४	१२	३६	आर्द्रा	१३	५६			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२४	४८	९	१९	१२६९	मिथुनेंदु । पखी ८६
श	मे	गु	चं	पृ	र	बु	१५	११	३८	पुनर्वसु	४३	५६			वव	११	३८	वालव			२५	४४	१०	२०	१२७०	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १३ । दक्षिणायणे

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीका वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४५ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुण वदी । लोकोत्तरमासनाम हेमंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण २ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछा: प्रमाण ४।
चं	धृ	र	बु	श	मं	शु	१	४१	३८	मघा	३२	४६			वालव	१२	६	कोलव			२५	१५	१०	१९	१३००	४४॥भा:उ सिंघेंदु
						श	२	४०	४०	पूर्वा फा०	३२	४६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			२५	१९	११	२०	१३०१	सिंघेंदु
						र	३	३९	४२	उत्रा: फा:	६०	०			विणिज	१०	१०	वृष्टि			२५	२३	१२	२१	१३०२	६३ भा:उ: कन्येंदु
						चं	४	३८	४४	उत्रा: फा:	२	४६			वव	९	१२	वालव			२५	२७	१३	२२	१३०३	कन्येंदु । ३ पग ९ श्रं: छाया
						मं	५	३७	४६	हस्त	२	४६			कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			२५	३१	१४	२३	१३०४	कन्येंदु
						बु	६	३६	४८	चित्रा	२	४६	स्वा	३०	गर	७	१६	विणिज			२५	३५	१५	२४	१३०५	१४॥भा:उ: तुलेंदु
						धृ	७	३५	५०	विशाषा	६०	०			वृष्टि	६	१८	वव			२५	३९	१६	२५	१३०६	तुलेंदु
						शु	८	३४	५२	विशाषा	२	४६			वालव	५	२०	कोलव			२५	४३	१७	२६	१३०७	३३ भा:उ: वृश्चकेंदु
						श	९	३३	५४	अनुराधा	२	४६	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	४	२२	गर			२५	४७	१८	२७	१३०८	वृश्चकेंदु
						र	१०	३२	५६	मूला	३२	४६			विणिज	३	२४	वृष्टि			२५	५१	१९	२८	१३०९	५१॥भा:उ: धनेंदु
						चं	११	३१	५८	पूर्वा षा०	३२	४६			वव	२	२६	वालव			२५	५५	२०	२९	१३१०	धनेंदु अश्लेषा समाप्तरात्रीका
						मं	१२	३०	६०	उत्रा षा०	६०	०			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन			२५	५९	२१	३०	१३११	धनेंदु । सूर्यमास ४३ । ३ पग ८ श्रं: छा: मघां रात्रीका
						बु	१३	३०	०	उत्रा षा०	२	४६	ऽभी	१५/१४	गर विणिज	०/२६	३०/३१	वृष्टि			२६	२	२२		१	१३१२	३भा:उ: मकरेंदु । कुंभेंऽर्के शंक्रांति धनेष्टाऽर्के ६०घड़ी पूर्ण नक्षत्र मास४८।
						धृ	१४	२९	२	श्रवण	२१	३३			शुकन	२९	२	चतुष्पद			२६	६	२३		२	१३१३	मकरेंदु । सतभिषां ऽर्के ६ दि ४२ घड़ी । पखी ८९ [चन्द्रायन ६६
चं	धृ	र	बु	श	मं	शु	१५	२८	४	धनेष्टा	२१	३३	सत	३०	नाग	२८	४	किंस्तुघन			२६	१०	२४		३	१३१४	२१॥भा:उ: कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४४ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास७ । माघ शुदी । लोकोत्तरमास नाम । शिसिर । रवि उत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र सूर्य के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफसें । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	पु	श	मं	शु	च	बृ	१	५६	८	ऽभीच	२	४६			किस्तुघन	२६	३८	वव			२४	१६	२५	४	१२८५	मकरेंदु । नक्षत्रमास ४७ । चन्द्रायन ९४उत्रायणे
						शु	२	५५	१०	श्रवण	२	४६			वालव	२५	४०	कोलव			२४	२०	२६	५	१२८६	मकरेंदु । चन्द्रदर्शनम । ऽभी १२ घः ३ श्रवणाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						श	३	५४	१२	धनेष्ठा	२	४६	सन	३०	स्त्रीलोचन	२४	४२	गर			२४	२४	२७	६	१२८७	॥ भाः उः कुंभेंदु
						र	४	५३	१४	पूर्वाभा०	३२	४६			विणिज	२३	४४	वृष्टि			२४	२८	२८	७	१२८८	कुंभेंदु । ३ पग ११ श्रंःछाः
						चं	५	१२	१६	उत्राभाद्र	६०	०			वव	२२	४६	वालव			२४	३२	२९	८	१२८९	१९ भाः उः मीनेंदु
						मं	६	५१	१८	उत्राभाद्र	२	४६			फोलव	२१	४८	स्त्री लोचन			२४	३६	३०	९	१२९०	मीनेंदु ऋतुमास ४३
						शु	७	५०	२०	रेवती	२	४६			गर	२०	५०	विणिज			२४	४०	१	१०	१२९१	३७॥ भाः उः मेखेंदु
						बृ	८	४९	२२	ऽश्विनी	२	४६	मर	३०	वृष्टि	१९	५२	वव			०४	४४	२	११	१२९२	मेखेंदु
						शु	९	४८	२४	कृतिका	३२	४६			वालव	१८	५४	कोलव			२४	४८	३	१२	१२९३	५६ भाः उः वृखेंदु
						श	१०	४७	२६	रोहिणी	६०	०			स्त्रीलोचन	१७	५६	गर			२४	५२	४	१३	१२९४	वृखेंदु
						र	११	४६	२८	रोहिणी	२	४६			विणिज	१६	५८	वृष्टि			२४	५६	५	१४	१२९५	वृखेंदु । पुष्प समाप्त रात्रीका
						चं	१२	४५	३०	मृगसरा	२	४६	ऽद्रा	३०	वव	१५	६०	वालव			२४	६०	६	१५	१२९६	७॥ भाः उः मिथुनेंदु । ३ पग १० श्रंः छाः
						मं	१३	४४	३२	पुनर्वसु	६०	०			फोलव	१५	०	स्त्री लोचन			२५	३	७	१६	१२९७	मिथुनेंदु
						बु	१४	४३	३४	पुनर्वसु	२	४६			गर	१४	२	विणिज			२५	७	८	१७	१२९८	२६ भाः कर्केंदु । चन्द्रायन९५ दक्षणायणे
र	पु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	४२	३६	पुष्य	२	४६	ऽश्ले	३०	वृष्टि	१३	४	वव			२५	११	९	१८	१२९९	कर्केंदु । पक्षी ८८ । श्रवणा ३६ घःउः धनेष्टाऽर्के १३ दिन २५ घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीका वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४५ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुण वदी । लोकोत्तरमासनाम हेमंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणादिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें । सुर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछा: प्रमाण ४ ।
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	४१	३८	मघा	३२	४६			बालव	१२	६	कोलव			२५	१५	१०	१९	१३००	४४॥भाःउ सिंघेंदु
						श	२	४०	४०	पूर्वा फा०	३२	४६			स्त्रीलोचन	११	८	गर			२५	१९	११	२०	१३०१	सिंघेंदु
						र	३	३६	४२	उत्रा: फा:	६०	०			विणिज	१०	१०	वृष्टि			२५	२३	१२	२१	१३०२	६३ भाःउः कन्येंदु
						चं	४	३८	४४	उत्रा: फा:	२	४६			बव	९	१२	बालव			२५	२७	१३	२२	१३०३	कन्येंदु । ३ पग ६ अं: छाया
						मं	५	३७	४६	हस्त	२	४६			कोलव	८	१४	स्त्रीलोचन			२५	३१	१४	२३	१३०४	कन्येंदु
						बु	६	३६	४८	चित्रा	२	४६	स्वा	३०	गर	७	१६	विणिज			२५	३५	१५	२४	१३०५	१४॥भाःउः तुलेंदु
						बृ	७	३५	५०	विशाषा	६०	०			वृष्टि	६	१८	बव			२५	३९	१६	२५	१३०६	तुलेंदु
						शु	८	३४	५२	विशाषा	२	४६			बालव	५	२०	कोलव			२५	४३	१७	२६	१३०७	३३ भाःउः वृश्चकेंदु
						श	९	३३	५४	अनुराधा	२	४६	ज्ये	३०	स्त्रीलोचन	४	२२	गर			२५	४७	१८	२७	१३०८	वृश्चकेंदु
						र	१०	३२	५६	मूला	३२	४६			विणिज	३	२४	वृष्टि			२५	५१	१९	२८	१३०९	५१॥भाःउः धनेंदु
						चं	११	३१	५८	पूर्वा षा०	३२	४६			बव	२	२६	बालव			२५	५५	२०	२९	१३१०	धनेंदु अश्लेषा समाप्तरात्रीका
						मं	१२	३०	६०	उत्रा षा०	६०	०			कोलव	१	२८	स्त्रीलोचन			२५	५९	२१	३०	१३११	धनेंदु । सूर्यमास ४३ । ३ पग ८ अं: छा: मघां रात्रीका
						बु	१३	३०	०	उत्रा षा०	२	४६	ऽभी	१६/५४	गर विणिज	०/२६	३०/३०	वृष्टि			२६	२	२२	१	१३१२	३भाःउः मकरेंदु । कुंभेऽकें शंक्रांति धनेष्ठाऽकें ६०घड़ी पूर्ण नक्षत्र मास४८।
						बृ	१४	२९	२	श्रवण	२१	३३			शुकन	२९	२	चतुष्पद			२६	६	२३	२	१३१३	मकरेंदु । सतभिषां ऽकें ६ दि ४२ घड़ी । पक्षी ८६ [चन्द्रायन ६६
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	२८	४	धनेष्ठा	२१	३३	सत	३०	नाग	२८	४	किंस्तुघन			२६	१०	२४	३	१३१४	२१॥भाःउः कुंभेंदु

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४५ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुण शुदी । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा के भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७ साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
मं	गु	मं	पृ	र	पु	श	१	२७	६	पुर्वा भा०	५१	३३			घव	२७	६	वालव			२६	१४	२५	४	१३१५	कुंभेंदु
						र	२	२६	८	उत्रा भा०	६०	०			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			२६	१८	२६	५	१३१६	४०भा: उः मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						चं	३	२५	१०	उत्रा भा०	२१	३३			गर	२५	१०	विणिज			२६	२२	२७	६	१३१७	मीनेंदु
						मं	४	२४	१२	रेवती	२१	३३			वृष्टि	२४	१२	घव			२६	२६	२८	७	१३१८	५८ भाः उः मेखेंदु । ३ पग ७ अंः छाया
						बु	५	२३	१४	अश्विनी	२१	३३	भर	३०	वालव	२३	१४	कोलव			२६	३०	२९	८	१३१९	मेखेंदु । सतः ऽक ४२ घःउ. पुः भ · ऽकें १३ दि २४ घः
						बृ	६	२२	१६	कृतका	५१	३३			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			२६	३४	३०	९	१३२०	मेखेंदु । ऋतुमास ४४
						शु	७	२१	१८	रोहिणी	६०	०			विणिज	२१	१८	वृष्टि			२६	३८	१	१०	१३२१	१०भा उः वृखेंदु
						श	८	२०	२०	रोहिणी	२१	३३			घव	२०	२०	वालव			२६	४२	२	११	१३२२	वृखेंदु
						र	९	१९	२२	मृगसर	२१	३३	ऽश	३०	कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			२६	४६	३	१२	१३२३	२८॥भा·उ मिथुनेंदु
						चं	१०	१८	२४	पुनर्वसु	६०	०			गर	१८	२४	विणिज			२६	५०	४	१३	१३२४	मिथुनेंदु
						मं	११	१७	२६	पुनर्वसु	२१	३३			वृष्टि	१७	२६	घव			२६	५४	५	१४	१३२५	४७भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन ६७
						बु	१२	१६	२८	पुष्य	२१	३३	ऽश्ले	३०	वालव	१६	२८	कोलव			२६	५८	६	१५	१३२६	कर्केंदु । ३ पगः ६ अंः छाया
						बृ	१३	१५	३०	मघा	५१	३३			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			२७	१	७	१६	१३२७	६५॥भा उ. सिंघेंदु
						शु	१४	१४	३२	पुर्वा फा०	५१	३३			विणिज	१४	३२	वृष्टि			२७	५	८	१७	१३२८	सिंघेंदु ।पक्षी ६०
मं	गु	मं	पृ	र	बु	श	१५	१३	३४	उत्रा फा०	६०	०			घव	१३	३४	वालव			२७	९	९	१८	१३२९	सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १६७५ लो० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्रमास नाम । वसंत । रविउत्रायण ।

चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन का	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री का			दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	१२	३६	उत्रा फा०	२१	३३			कोलव	१२	३६	स्त्रीलोचन			२७	१३	१०	१६	१३३०	१७भा.उः कन्यैंदु
						चं	२	११	३८	हस्त	२१	३३			गर	११	३८	विणिज			२७	१७	११	२०	१३३१	कन्यैंदु
						मं	३	१०	४०	चित्रा	२१	३३			वृष्टि	१०	४०	बव			२७	२१	१२	२१	१३३२	३५॥भाःउः तुलेंदु
						बु	४	६	४२	विशाषा	६०	०			बालव	६	४२	कोलव			२७	२५	१३	२२	१३३३	तुलेंदु । पुर्वाःभाः ६ घः उः उत्राभाद्रः ऽकें २० दिः ६ घड़ी
						बृ	५	८	४४	विशाषा	२१	३३			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			२७	२६	१४	२३	१३३४	५४ भाःउः वृश्चकेंदु । ३ पग ५ अंः छायाः
						शु	६	७	४६	अनुराधा	२१	३३	ज्यं	३०	विणिज	७	४६	वृष्टि			२७	३३	१५	२४	१३३५	वृश्चकेंदु
						श	७	६	४८	मूला	५१	३३			बव	६	४८	बालव			२७	३७	१६	२५	१३३६	वृश्चकेंदु
						र	८	५	५०	पूर्वा षा०	५१	३३			कोलव	५	५०	स्त्रीलोचन			२७	४१	१७	२६	१३३७	५॥भाः उ धनेंदु
						चं	९	४	५२	उत्रा षा०	६०	०			गर	४	५२	विणिज			२७	४५	१८	२७	१३३८	धनेंदु
						मं	१०	३	५४	उत्रा षा०	२१	३३	ऽभी	१५/१४	वृष्टी	३	५४	बव			२७	४६	१९	२८	१३३९	२४भा.उः मकरेंदु । नक्षत्रमास ४६ । चन्द्रायन ६८
						बु	११	२	५६	श्रवण	४०	२०			बालव	२	५६	कोलव			२७	५३	२०	२९	१३४०	मकरेंदु
						बृ	१२	१	५८	धनेष्ठा	४०	२०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर	२६	३२	२७	५७	२१	३०	१३४१	४२॥भाःउः कुंभेंदु । पूर्वा फाल्गुणी समाप्त रात्री का
						शु	१३	०	६०	शतभिषा	१०	२०			विणिज वृष्टि	०/२६	६/३२	शुकन			२८	०	२२	३१	१३४२	कुंभेंदु । सुर्यमास ४४ । ३पगः ४ अंः छाः । उत्राफाल्गुणी रात्रीका
०	०	०	०	०	०	०	१४	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	५६	२	पूर्वा भा०	१०	२०			चतुष्पद	२६	३२	नाग			२८	४	२३	१	१३४३	६१ भाः उः मीनेंदु । मीनेऽर्के शंक्रांती । वसंतऋतु पखी ६१

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकिक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चोथे चन्द्र सम्वत्सरकामास १ । चैत्र शुदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रवि उत्रायणे ॥																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रनाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादि	घड़ी	भाग ६७	करणसात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
बु	न	मं	गु	चं	बृ	र	१	५८	४	उत्रा भाद्र	४०	२०			किस्तुघन	२८	३४	बव			२८	८	२४	२	१३४४	मीनेंदु
						चं	२	५७	६	रेवती	४०	२०			बालव	२७	३६	कोलव			२८	१२	२५	३	१३४५	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	५६	८	ऽश्विनी	४०	२०			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर			२८	१६	२६	४	१३४६	१२॥भः उ॰ मेखेदु
						बु	४	५५	१०	भरणी	१०	२०			विणिज	२५	४०	वृष्टि			२८	२०	२७	५	१३४७	मेखेंदु
						बृ	५	५४	१२	कृत्तिका	१०	२०			बव	२४	४२	बालव			२८	२४	२८	६	१३४८	३१भा॰उः वृखेंदु
						शु	६	५३	१४	रोहणी	४०	२०			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२८	२८	२९	७	१३४९	वृखेंदु । ३ पः ३ अंः छाः
						न	७	५२	१६	मृगसिर	४०	२०			गर	२२	४६	विणिज			२८	३२	३०	८	१३५०	४६॥भाःउ. मिथुनेंदु । ऋतुमास ४५
						र	८	५१	१८	आर्द्रा	१०	२०			वृष्टि	२१	४८	बव			२८	३६	१	९	१३५१	मिथुंनदु
						चं	९	५०	२०	पुनर्वसु	४०	२०			बालव	२०	५०	कोलव			२८	४०	२	१०	१३५२	मिथनेंदु । चन्द्रायन ९९ दक्षणायणे
						मं	१०	४९	२२	पुष्य	४०	२०			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			२८	४४	३	११	१३५३	१ भा उः ककेंदु । उत्राः भाद्रः १२ घःउः रेवती ऽकें १३ दिः ४२ घड़ी
						बु	११	४८	२४	अश्लेषा	१०	२०			विणिज	१८	५४	वृष्टि			२८	४८	४	१२	१३५४	ककेंदु
						बृ	१२	४७	२६	मघा	१०	२०			बव	१७	५६	बालव			२८	५२	५	१३	१३५५	१९॥भा उः सिंघदु
						शु	१३	४६	२८	पूर्वा फा०	१०	२०			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२८	५६	६	१४	१३५६	सिंघदु । उत्राफाल्गुणी समाप्तरात्रीका
						न	१४	४५	३०	उत्रा फा०	४०	२०			गर	१५	६०	विणिज			२८	६०	७	१५	१३५७	३८ भाःउः कन्येंदु । ३ पग॰२ अंः छाः
बु	न	मं	गु	चं	बृ	र	१५	४४	३२	हस्त	४०	२०			वृष्टि	१५	०	बव			२९	३	८	१६	१४५८	कन्येंदु । पखी १२

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ जुगकामास ४७ । चौथे चन्द्र सम्वत्सकामास १० । वैशाषवदी । लोकोत्रमास नाम । कुसम संभव । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सुर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४३	३४	चित्रा	४०	२०			वालव	४	२	कोलव			२९	७	९	१७	१३५९	५९॥ भा·उः तुलेंदु
						मं	२	४२	३६	स्वाती	१०	२०			स्त्री लोचन	१३	४	गर			२९	११	१०	१८	१३६०	तुलेंदु
						बु	३	४१	३८	विशाषा	४०	२०			विणिज	१२	६	वृष्टी			२९	१५	११	१९	१३६१	तुलेंदु
						बृ	४	४०	४०	अनुराधा	४०	२०			वव	११	८	वालव			२९	१९	१२	२०	१३६२	८ भा·उः वृश्चकेंदु
						शु	५	३९	४२	ज्येष्ठा	१०	२०			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			२९	२३	१३	२१	१३६३	वृश्चकेंदु
						श	६	३८	४४	मूला	१०	२०			गर	९	१२	विणिज			२९	२७	१४	२२	१३६४	२९॥ भाःउः धनेंदु । ३ पग १ अंः छा
						र	७	३७	४६	पूर्वाषाड़ा	१०	२०			वृष्टी	८	१४	वव			२९	३१	१५	२३	१३६५	धनेंदु
						चं	८	३६	४८	उत्राषाड़ा	४०	२०	ऽभी	१६/५४	वालव	७	१६	कोलव			२९	३५	१६	२४	१३६६	४५ भा·उः मकरेंदु । रेवती ऽर्के ३६ घःउ' अस्वनी ऽर्के १३ दिन २५ घः
						मं	९	३५	५०	श्रवण	५६	७			स्त्री लोचन	६	१८	गर			२९	३९	१७	२५	१३६७	मकरेंदु [नक्षत्रमास ५० । चन्द्रायन १००
						बु	१०	३४	५२	धनेष्ठा	५९	७			विणिज	५	२०	वृष्टि			२९	४३	१८	२६	१३६८	६३॥ भाः उः कुंभेंदु
						बृ	११	३३	५४	शत भि०	२९	७			वव	४	२२	वालव			२९	४७	१९	२७	१३६९	कुंभेंदु
						शु	१२	३२	५६	पुर्वाभाद्र	२६	७			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			२९	५१	२०	२८	१३७०	कुंभेंदु
						श	१३	३१	५८	उत्राभा०	५६	७			गर	२	२६	विणिज			२९	५५	२१	२९	१३७१	१५ भाःउः मीनेंदु । हस्त समाप्त रात्री के
						र	१४	३०	६०	रेवती	५९	७			वृष्टी	१	२८	शुकन	२९	३०	२९	५९	२२	३०	१३७२	मीनेंदु । ३पगछाः । सूर्यमास ४५ । चित्राः रात्री । पखी ९३
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३०	०	अश्विनी	५९	७			चतुष्पद नाग	०/२९	३०/३२	किंस्तुघन	२९	३०	३०	२	२३	१	१३७३	३३॥ भाः उः मेखेंदु । मेखेऽर्के शंक्रांती

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चौथे चाङ्‌ सम्वत्सरकामास १ । चैत्र सुदी । लोकोत्तमासनाम । वसंत । रवि प्रजायगो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	पल	नक्षत्र	घड़ी	पल			करण	घड़ी	पल	करण	दिनमान घड़ी	पल				चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग करै। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण २ । गोरमी छाया प्रमाण ४ ।
गु	श	मं	गु	बु	बु	र	१	५८	४	उत्रा भाद्र	४०	२०			किस्तुगन	२८	३४	बव	२८	८	२४	२	१३४४	मीनेतु
						सो	२	५७	६	रेवती	४०	२०			बालव	२७	३६	कौलव	२८	१२	२५	३	१३४५	मीनेतु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	५६	८	अश्विनी	४०	२०			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर	२८	१६	२६	४	१३४६	१२॥गत: उ: मेषेतु
						बु	४	५५	१०	भरणी	१०	२०			विणिज	२५	४०	वृष्टि	२८	२०	२७	५	१३४७	मेषेतु
						बृ	५	५४	१२	कृत्तिका	१०	२०			बव	२४	४२	बालव	२८	२४	२८	६	१३४८	३१॥गत: वृषेतु
						शु	६	५३	१४	रोहिणी	४०	२०			कौलव	२३	४४	स्त्रीलोचन	२८	२८	२९	७	१३४९	वृषेतु । ३ प: ३ घं: स्था:
						श	७	५२	१६	मृगशिरा	४०	२०			गर	२२	४६	विणिज	२८	३२	३०	८	१३५०	५४॥गत: मिथुनेतु । ऋतुमान ४५
						र	८	५१	१८	आर्द्रा	१०	२०			वृष्टि	२१	४८	बव	२८	३६	१	९	१३५१	मिथुनेतु
						सो	९	५०	२०	पुनर्वसु	४०	२०			बालव	२०	५०	कौलव	२८	४०	२	१०	१३५२	मिथुनेतु । चन्द्रायन ११ रवितायगो
						मं	१०	४९	२२	पुष्य	४०	२०			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर	२८	४४	३	११	१३५३	१ गा उ: कर्केतु । उत्रा भाद्र: १२ गत: रेवती उर्के १३ ति: ५२ घड़ी
						बु	११	४८	२४	अश्लेषा	१०	२०			विणिज	१८	५४	वृष्टि	२८	४८	४	१२	१३५४	कर्केतु
						बृ	१२	४७	२६	मघा	१०	२०			बव	१७	५६	बालव	२८	५२	५	१३	१३५५	१६॥गत: उ: सिंहे
						शु	१३	४६	२८	पूर्वा फा०	१०	२०			कौलव	१६	५८	स्त्रीलोचन	२८	५६	६	१४	१३५६	सिंहेतु । उत्राफाल्गुनी स्वाभ्यायश्रीका
						श	१४	४५	३०	उत्रा फा०	४०	२०			गर	१५	६०	विणिज	२९	०	७	१५	१३५७	३८ गत: कन्येतु । ३ पल २ घं: स्था:
गु	श	मं	गु	चं	बु	र	१५	४४	३२	हस्त	४०	२०			वृष्टि	१५	०	बव	२८	४	८	१६	१५५८	कन्येतु । पक्षी १२

विक्रम सम्वत् १९७५ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ जुगकामास ४७ । चौथे चन्द्र सम्वत्सकामास १० । वैशाखवदी । जोकोत्रमास नाम । कुलम स्भव । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	४३	३४	चित्रा	४०	२०			वालव	४	२	कोलव			२९	७	९	१७	१३५९	५९॥ भा उः तुलेंदु
						मं	२	४२	३६	स्वाती	१०	२०			स्त्री लोचन	१३	४	गर			२९	११	१०	१८	१३६०	तुलेंदु
						बु	३	४१	३८	विशाखा	४०	२०			विणिज	१२	६	वृष्टी			२९	१५	११	१९	१३६१	तुलेंदु
						बृ	४	४०	४०	अनुराधा	४०	२०			वव	११	८	वालव			२९	१९	१२	२०	१३६२	८ भा.उः वृश्चकेंदु
						शु	५	३९	४२	ज्येष्ठा	१०	२०			कोलव	१०	१०	स्त्रीलोचन			२९	२३	१३	२१	१३६३	वृश्चकेंदु
						श	६	३८	४४	मूला	१०	२०			गर	९	१२	विणिज			२९	२७	१४	२२	१३६४	२९॥ भाःउः धनेंदु । ३ पग १ अं' छा
						र	७	३७	४६	पूर्वाषाड़ा	१०	२०			वृष्टी	८	१४	वव			२९	३१	१५	२३	१३६५	धनेंदु
						चं	८	३६	४८	उत्राषाड़ा	४०	२०	अभी	१९/५४	वालव	७	१६	कोलव			२९	३५	१६	२४	१३६६	४५ भा.उः मकरेंदु । रेवती ऽर्कें ३६ घःउ' अस्वनी ऽर्कें १३ दिन २४ घः
						मं	९	३५	५०	श्रवण	५९	७			स्त्री लोचन	६	१८	गर			२९	३९	१७	२५	१३६७	मकरेंदु [नक्षत्रमास ५० । चन्द्रायन १००
						बु	१०	३४	५२	धनेष्ठा	५९	७			विणिज	५	२०	वृष्टि			२९	४३	१८	२६	१३६८	६३॥ भाः उः कुंभेंदु
						बृ	११	३३	५४	शत भि०	२९	७			वव	४	२२	वालव			२९	४७	१९	२७	१३६९	कुंभेंदु
						शु	१२	३२	५६	पुर्वाभाद्र	२९	७			कोलव	३	२४	स्त्रीलोचन			२९	५१	२०	२८	१३७०	कुंभेंदु
						श	१३	३१	५८	उत्राभा०	५९	७			गर	२	२६	विणिज			२९	५५	२१	२९	१३७१	१५ भाःउः मीनेंदु । हस्त समाप्त रात्री के
						र	१४	३०	६०	रेवती	५९	७			वृष्टी	१	२८	शुकुन	२९	३०	२९	५९	२२	३०	१३७२	मीनेंदु । ३पगछाः । सूर्यमास ४५ । चित्राः रात्री । पक्षी ६३
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	३०	०	अश्विनी	५९	७			चतुष्पद नाग	०/२९	३०/३२	किस्तुघ्न	२९	३०	३०	२	२३	१	१३७३	३३॥ भाः उः मेखेंदु । मेखेऽर्के शंक्रांती

विक्रम सम्वत् १९७५ । लौकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ४६ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास १ । चैत्र शुदी । लोकोत्तमासनाम । वसंत । रवि उत्तरायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्रचन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६७	करणरात्री के			दिनमान घड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगकामास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
शु	श	मं	बु	चं	बृ	र	१	५८	४	उत्रा भाद्र	४०	२०			किंस्तुघन	२८	३४	बव			२८	८	२४	२	१३४४	मीनेंदु
						चं	२	५७	६	रेवती	५०	२०			बालव	२७	३६	कोलव			२८	१२	२५	३	१३४५	मीनेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						मं	३	५६	८	ऽश्विनी	४०	२०			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर			२८	१६	२६	४	१३४६	१२॥भः उः मेषेन्दु
						बु	४	५५	१०	भरणी	१०	२०			विणिज	२५	४०	वृष्टि			२८	२०	२७	५	१३४७	मेषेंदु
						बृ	५	५४	१२	कृत्तका	१०	२०			बव	२४	४२	बालव			२८	२४	२८	६	१३४८	३१भा.उः वृखेंदु
						शु	६	५३	१४	रोहणी	४०	२०			कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			२८	२८	२९	७	१३४९	वृखेंदु । ३ पः ३ श्रंः छाः
						श	७	५२	१६	मृगसर	४०	२०			गर	२२	४६	विणिज			२८	३२	३०	८	१३५०	४६॥भाःउः मिथुनेंदु । ऋतुमास ४५
						र	८	५१	१८	आर्द्रा	१०	२०			वृष्टि	२१	४८	बव			२८	३६	१	९	१३५१	मिथुंनेंदु
						चं	९	५०	२०	पुनर्वसु	४०	२०			बालव	२०	५०	कोलव			२८	४०	२	१०	१३५२	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १९ दत्तणायणे
						मं	१०	४९	२२	पुष्य	४०	२०			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			२८	४४	३	११	१३५३	१ भाःउः कर्केंदु । उत्राः भाद्रः १२ घःउः रेवती ऽर्के १३ दिः ४२ घड़ी
						बु	११	४८	२४	अश्लेषां	१०	२०			विणिज	१८	५४	वृष्टि			२८	४८	४	१२	१३५४	कर्केंदु
						बृ	१२	४७	२६	मघा	१०	२०			बव	१७	५६	बालव			२८	५२	५	१३	१३५५	१६॥भाः उः सिंघेंदु
						शु	१३	४६	२८	पूर्वा फा०	१०	२०			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			२८	५६	६	१४	१३५६	सिंघेंदु । उत्राफाल्गुणी समाप्तरात्रीका
						श	१४	४५	३०	उत्रा फा०	५०	२०			गर	१५	६०	विणिज			२८	६०	७	१५	१३५७	३८ भाःउः कन्येंदु । ३ पग.२ श्रंः छाः
शु	श	मं	बु	चं	बृ	र	१५	४४	३२	हस्त	५०	२०			वृष्टि	१५	०	बव			२९	३	८	१६	१३५८	कन्येंदु । पखी १२

विक्रम सम्वत् १९७६ ... वीर सम्वत् २४४५ । जुगमास ४८ । ... चन्द्रस्य...का मास ११ । ज्येष्ठवदी । ...मासनाम । निदाघ । ...

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादि	घड़ी	भाग ६०	करणशेष			दिनमान घड़ी	भाग ६०	नक्षत्रमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साधनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३ पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
ग	म	शु	चं	बृ	र	बु	१	१४	३२	अनुराधा	५१	७			कोलव	१४	३२	स्त्रीलोचन			३१	५	९	१७	१३८९	२९ भाः उः वृश्चकेतु
						बृ	२	१३	३४	ज्येष्ठा	२१	७			गर	१३	३४	विणिज			३१	९	१०	१८	१३९०	वृश्चकेतु
						शु	३	१२	३६	मूला	२१	७			बृष्टि	१२	३६	बव			३१	१३	११	१९	१३९१	४७॥ भा उः धनेंदु
						श	४	११	३८	पू षा०	२१	७			बालव	११	३८	कोलव			३१	१७	१२	२०	१३९२	धनेंदु
						र	५	१०	४०	उत्रा षा०	५१	७			स्त्रीलोचन	१०	४०	गर			३१	२१	१३	२१	१३९३	६६ भाःउः मकरेंदु
						चं	६	९	४२	ऽभीज	१७	६१			विणिज	९	४२	बृष्टि			३१	२५	१४	२२	१३९४	मकरेंदु । नक्षत्र मास ५१ । चन्द्रायन १०२ उत्तरायणे । २ पः १ अंश
						मं	७	८	४४	श्रवण	१७	६१			बव	८	४४	बालव			३१	२९	१५	२३	१३९५	मकरेंदु
						बु	८	७	४६	धनेष्ठा	१७	६१	रात	३०	कोलव	७	४६	स्त्रीलोचन			३१	३३	१६	२४	१३९६	१७॥ भाःउः कुंभेंदु
						बृ	९	६	४८	पूर्वाभा०	४७	६१			गर	६	४८	विणिज			३१	३७	१७	२५	१३९७	कुंभेंदु
						शु	१०	५	५०	उत्राभा०	६०	०			बृष्टि	५	५०	बव			३१	४१	१८	२६	१३९८	३६ भा उः मीनेंदु
						श	११	४	५२	उत्राभा०	१७	६१			बालव	४	५२	कोलव			३१	४५	१९	२७	१३९९	मीनेंदु
						र	१२	३	५४	रेवती	१७	६१			स्त्रीलोचन	३	५४	गर	२९	३२	३१	४९	२०	२८	१४००	५४॥ भाःउः मेखेंदु । कृतका ६ घ.उः रोहिणीऽकें २० दिन ६ घड़ी
						चं	१३	२	५६	ऽश्विनि	१७	६१	भर	३०	विणिज	२	५६	बृष्टि	२९	३२	३१	५३	२१	२९	१४०१	मेखेंदु
						मं	१४	१	५८	कृतका	४७	६१			शकुन	१	५८	चतुस्पद			३१	५७	२२	३०	१४०२	मेखेंदु । स्वाती समाप्त रात्री का पखी १५
ग	म	शु	चं	बृ	र	बु	१५	०	६०	रोहिणी	६०	०			नाग किंस्तु०	२९	३१	बव			३२	०	२३	३१	१४०३	६ भाःउः वृखेंदु । सूर्य मास ४६ २ पग ८ अंशः । विशाखा रात्री का

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४७ । चौथे चन्द्र संम्वत्सरकामास १० । वैशाख शुदी । लोकोत्तरमासनाम । कुसमसंभव । रविउत्रायणो

	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
गु	चं	पृ	र	गु	ग	मं	१	२६	२	भरणी	२६	७			यव	२१	२	वालव			३०	६	२४	२	१३७४	मेखेंदु
						गु	२	२८	४	कृतका	२६	७			कोलव	२८	४	स्त्रीलोचन			३०	१०	२५	३	१३७५	५२ भाः उ' वृखेंदु ।। चन्द्रदर्शनम्
						पृ	३	२७	६	रोहिणी	५६	७			गर	२७	६	विणिज			३०	१४	२६	४	१३७६	वृखेंदु
						गु	४	२६	८	मृगसिर	५६	७			वृष्टि	२६	८	यव			३०	१८	२७	५	१३७७	वृखेंदु
						ग	५	२५	१०	आद्रा	२६	७			वालव	२५	१०	कोलव			३०	२२	२८	६	१३७८	३॥ भाःउः मिथुनेंदु
						र	६	२४	१२	पुनर्वसु	५६	७			स्त्रीलोचन	२४	१२	गर			३०	२६	२९	७	१३७९	मिथुनेंदु । अश्विनिऽर्के ६० घः पुर्णा । चन्द्रायन १०१ । २ पः ११अंशा
						चं	७	२३	१४	पुष्य	५६	७			विणिज	२३	१४	वृष्टि			३०	३०	३०	८	१३८०	२२ भाःउ. कर्केंदु । भरणीऽर्के ६ दिन ४२ घ. ऋतुमास ५६
						मं	८	२२	१६	अश्लेषा	२६	७			यव	२२	१६	वालव			३०	३४	१	९	१३८१	कर्केंदु
						गु	९	२१	१८	मघा	२६	७			कोलव	२१	१८	स्त्रीलोचन			३०	३८	२	१०	१३८२	४०॥ भाःउः सिंघेंदु
						पु	१०	२०	२०	पुः फाः	२६	७			गर	२०	२०	विणिज			३०	४२	३	११	१३८३	सिंघेंदु
						गु	११	१९	२२	उः फा	५६	७			वृष्टि	१९	२२	यव			३०	४६	४	१२	१३८४	५६ भाः उः कन्येंदु
						ग	१२	१८	२४	हस्त	५६	७			वालव	१८	२४	कोलव			३०	५०	५	१३	१३८५	कन्येंदु
						र	१३	१७	२६	चित्रा	५६	७			स्त्रीलोचन	१७	२६	गर			३०	५४	६	१४	१३८६	कन्येंदु । भरणी ४२ घःउः कृतकाऽर्के १३ दिन २५ घड़ी
						चं	१४	१६	२८	स्वाती	२६	७			विणिज	१६	२८	वृष्टि			३०	५८	७	१५	१३८७	१०॥ भाःउः तुलेंदु । २ पग १० अंःशाः । चित्रासमाप्त रात्री का । पखी ६४
गु	चं	पृ	र	गु	ग	मं	१५	१५	३०	विशाखा	५६	७			यव	१५	३०	वालव			३१	१	८	१६	१३८८	तुलेन्दु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीका वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास४६ । चौथा चन्द्र सम्वत्सरकामास १२ । आषाढवदी । लोकोत्तरमासनाम। धंनविरोध । रविउत्रायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीमान	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण २ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीछा: प्रमाण ४ ।
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	५५	३०	मूला	४७	६१			बालव	१५	६०	कोलव			३२	६०	८	१५	१४१८	वृश्चकेंदु । २घग६अं:छा: पो:
						शु	२	४४	३२	पूर्वाषा:	४७	६१			स्त्रीलोचन	१५	०	गर			३३	३	९	१६	१४१९	१॥भा:उ:धनेंदु
						श	३	४३	३४	उत्रा षा०	६०	०			विणिज	१५	२	वृष्टि			३३	७	१०	१७	१४२०	धनेंदु । रोहिणी १२घ:उ:मृगसरऽर्के१३दिन२४घ:
						र	४	४२	३६	उत्रा षा०	१७	६१	ऽभी	१६	बव	१३	४	बालव			३३	११	११	१८	१४२१	२०भा:उ: मकरेंदु । नक्षत्रमास ५२ । चन्द्रायन १०४
						चं	५	४१	३८	श्रवण	३६	४८			कोलव	१२	६	स्त्रीलोचन			३३	१५	१२	१९	१४२२	मकरेंदु
						मं	६	४०	४०	धनेष्टा	३६	४८			गर	११	८	विणिज			३३	१९	१३	२०	१४२३	३८॥भा:उ: कुंभेंदु
						बु	७	३९	४२	शतभिषा	६	४८			वृष्टि	१०	१०	बव			३३	२३	१४	२१	१४२४	कुंभेंदु । अनुराधा समाप्तरात्रीका
						बृ	८	३८	४४	पूर्वा भा०	६	४८			बालव	९	१२	कोलव			३३	२७	१५	२२	१४२५	५७ भा: उ: मीनेंदु । २घग५ अं: छा: पोरसी
						शु	९	३७	४६	उत्राभाद्र	३६	४८			स्त्रीलोचन	८	१४	गर			३३	३१	१६	२३	१४२६	मीनेंदु
						श	१०	३६	४८	रेवती	३६	४८			विणिज	७	१६	वृष्टि			३३	३५	१७	२४	१४२७	मीनेंदु
						र	११	३५	५०	ऽश्विनी	३६	४८			बव	६	१८	बालव			३३	३९	१८	२५	१४२८	८॥ भा: उ: मेखेंदु
						चं	१२	३४	५२	भरणी	६	४८			कोलव	५	२०	स्त्रीलोचन			३३	४३	१९	२६	१४२९	मेखेंदु
						मं	१३	३३	५४	कृत्तिका	६	४८			गर	४	२२	विणिज			३३	४७	२०	२७	१४३०	२७ भा: उ: वृखेंदु
						बु	१४	३२	५६	रोहिणी	३६	४८			वृष्टि	३	२४	शकुन			३३	५१	२१	२८	१४३१	वृखेंदु । पखी ६७
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	३१	५८	मृगसरा	३६	४८			चतुष्पद	२	२६	नाग			३३	५५	२२	२९	१४३२	४५॥ भा: उ: मिथुनेंदु । ज्येष्ठा समाप्तरात्रीका

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीरसम्वत् २४४५। जुगकामास ४८। चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ११। ज्येष्टशुदी। लोकोत्तरमासनाम। निदाह। रविउत्रायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रांक	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा. ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रणाम ४
•	०	०	०	०	०	०	१	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	'	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
र	शु	श	मं	शु	चं	बृ	२	५१	२	रोहिणी	१७	६१			वालव	२१	३२	कोलव			३२	४	२४	१	१४०४	वृखंदु। वृखेभानु शेक्रांति। चन्द्रदर्शनम्। ग्रीष्मऋतु
						शु	३	५८	४	मृगसरा	१७	६१	आ्द्रा	३०	स्त्रीलोचन	२८	३४	गर			३२	८	२५	२	१४०५	२४॥ भाःउः मिथुनेंदु
						श	४	५७	६	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	२७	३६	वृष्टि			३२	१२	२६	३	१४०६	मिथुनेंदु
						र	५	५६	८	पुनर्वसु	१७	६१			वव	२६	३८	वालव			३२	१६	२७	४	१४०७	४३ भाःउः ककेंदु। चन्द्रायन १०३
						चं	६	५५	१०	पुष्य	१७	६१	श्ले	३०	कोलव	२५	४०	स्त्रीलोचन			३२	२०	२८	५	१४०८	ककेंदु
						मं	७	५४	१२	मघा	४७	६१			गर	२४	४२	विणिज			३२	२४	२९	६	१४०९	६१॥ भाःउः सिंघेंदु
						बु	८	५३	१४	पुर्वा फा०	४७	६१			वृष्टि	२३	४४	वव			३२	२८	३०	७	१४१०	सिंघेंदु। २ पः ७ अंः छाः। ऋतुमास ४७
						बृ	९	५२	१६	उत्रा फा०	६०	०			वालव	२२	४६	कोलव			३२	३२	१	८	१४११	सिंघेंदु
						शु	१०	५१	१८	उत्रा फा०	१७	६१			स्त्रीलोचन	२१	४८	गर			३२	३६	२	९	१४१२	१३ भाःउः कन्येंदु
						श	११	५०	२०	हस्त	१७	६१			विणिज	२०	५०	वृष्टि			३२	४०	३	१०	१४१३	कन्येंदु
						र	१२	४९	२२	चित्रा	१७	६१	स्वा	३०	वव	१९	५२	वालव			३२	४४	४	११	१४१४	३१॥ भाःउः तुलेंदु
						चं	१३	४८	२४	विशाखा	६०	०			कोलव	१८	५४	स्त्रीलोचन			३२	४८	५	१२	१४१५	तुलेंदु
						मं	१४	४७	२६	विशाखा	१७	६१			गर	१७	५६	विणिज			३२	५२	६	१३	१४१६	५० भाःउः वृश्चकेंदु
ग	मं	शु	चं	बृ	र	शु	१५	४६	२८	अनुराधा	१७	६१	ज्ये	३०	वृष्टि	१६	५८	वव			३२	५६	७	१४	१४१७	वृश्चकेंदु। विशाखां समाप्त रात्रोका। पखी ६६

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । युगकामास ५० । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १ । श्रावणवदी । लोकोत्तरमास नाम । अभिनंद । रविउत्तरायणे ॥

वार७	वार६	वार५	वार४	वार३	वार२	वार१	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रनाम ६७ भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	सूर्य	ऋतुमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफरसे ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	१६	२८	उत्राषाढा	३६	४८	ऽभी	१५/४	कोलव	१६	२८	स्त्रीलोचन			३४	५८	८	१५	१४४८	४१ भ.उः मकरेंदु नक्षत्रमास ५३ । चन्द्रायन १०६ । मूला समाप्त रात्रीका
						र	२	१५	३०	श्रवण	५५	३५			गर	१५	३०	विणिज			३५	१	९	१६	१४४९	मकरेंदु । चन्द्र दर्शनम [२ पग २ अंः छाः पोः
						चं	३	१४	३२	धनेष्टा	५५	३५			बृष्टि	१४	३२	बव			३५	५	१०	१७	१४५०	५९॥ भाःउः कुंभेंदु
						मं	४	१३	३४	शतभिषा	२५	३५			बालव	१३	३४	कोलव			३५	९	११	१८	१४५१	कुम्भेंदु
						बु	५	१२	३६	पूर्वा भा०	२५	३५			स्त्रीलोचन	१२	३६	गर			३५	१३	१२	१९	१४५२	कुम्भेंदु
						बृ	६	११	३८	उत्रा भा०	५५	३५			विणिज	११	३८	बृष्टि			३५	१७	१३	२०	१४५३	११ भाः उः मीनेंदु
						शु	७	१०	४०	रेवती	५५	३५			बव	१०	४०	बालव			३५	२१	१४	२१	१४५४	मीनेंदु
						श	८	९	४२	ऽश्विनी	५५	३५			कोलव	९	४२	स्त्रीलोचन			३५	२५	१५	२२	१४५५	२९॥ भाः उः मेखेंदु । २ पग १ अंः छाः पोः
						र	९	८	४४	भरणी	२५	३५			गर	८	४४	विणिज			३५	२९	१६	२३	१४५६	मेखेंदु
						चं	१०	७	४६	कृतका	२५	३५			बृष्टि	७	४६	बव			३५	३३	१७	२४	१४५७	४८ भाःउः बृखेंदु
						मं	११	६	४८	रोहिणी	५५	३५			बालव	६	४८	कोलव			३५	३७	१८	२५	१४५८	बृखेंदु
						बु	१२	५	५०	मृगसरा	५५	३५			स्त्रीलोचन	५	५०	गर			३५	४१	१९	२६	१४५९	६६॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बृ	१३	४	५२	आद्रा	२५	३५			विणिज	४	५२	बृष्टि			३५	४५	२०	२७	१४६०	मिथुनेंदु । पुनर्वसु २४ घाःउः पुष्पऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	१४	३	५४	पुनर्वसु	५५	३५			शुकुन	३	५४	चतुष्पद			३५	४९	२१	२८	१४६१	मिथुनेंदु । चन्द्रायन १०७ । पखी ११
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	२	५६	पुष्प	५५	३५			नाग	२	५६	किस्तुघन			३५	५३	२२	२९	१४६२	१८ भाःउः कर्केंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ४९ । चौथे चन्द्र सम्वत्सरका मास१२ । आषाढशुदी । लोकोत्तरमास नाम । वंनविरोध । रविउत्रायण ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
भ्र	बृ	र	बु	श	मं	शु	१	३०	६०	आर्द्रा	६	४८			किस्तुघन	१	२९	वव	२१	२२	३३	५१	२३	३०	१४३३	मिथुनेंदु।२प:४अं छा:सुर्यमास४७मृगसर३६घ:उ·ऽद्राऽर्के६दि४२घ·मुलारार्क्ष
						श	२	३०	०	पुनर्वसु	३६	४८			बालव को०	२१	३१	स्त्री लोचन			३४	२	२४	१	१४३४	६४भा:उ·कर्केंदु । मिथुनऽर्के शंक्रांति । चन्द्रदर्शनम
						र	३	२९	२	पुष्य	३६	४८			गर	२९	२	विणिज			३४	६	२५	२	१४३५	कर्केंदु । चन्द्रायन १०५ । दक्षणायणे
						चं	४	२८	४	अश्लेषा	६	४८			बृष्टि	२८	४	वव			३४	१०	२६	३	१४३६	कर्केंदु
						मं	५	२७	६	मघा	६	४८			बालव	२७	६	कोलव			३४	१४	२७	६	१४३७	१५॥भा:उ: सिंघेदु
						बु	६	२६	८	पूर्वाफा०	६	४८			स्त्रीलोचन	२६	८	गर			३४	१८	२८	५	१४३८	सिंघेदु
						बृ	७	२५	१०	उत्राफा०	३६	४८			विणिज	२५	१०	बृष्टि			३४	२२	२९	६	१४३९	३४भा:उ: कन्येंदु
						शु	८	२४	१२	हस्त	३६	४८			वव	२४	१२	बालव			३४	२६	३०	७	१४४०	कन्येंदु।आद्राऽर्के१८घ उ:पुन:ऽर्के२०दि६घ २प:३अं: ऋतुमास ४८
						श	९	२३	१४	चित्रा	३६	४८			कोलव	२३	१४	स्त्री लोचन			३४	३०	१	८	१४४१	५२॥भा:उ: तुलेंदु
						र	१०	२२	१६	स्वाती	६	४८			गर	२२	१६	विणिज			३४	३४	२	९	१४४२	तुलेंदु
						चं	११	२१	१८	विशाखा	३६	४८			बृष्टि	२१	१८	वव			३४	३८	३	१०	१४४३	तुलेंदु
						मं	१२	२०	२०	अनुराधा	३६	४८			बालव	२०	२०	कोलव			३४	४२	४	११	१४४४	४ भा:उ: बृश्चकेंदु
						बु	१३	१९	२२	ज्येष्ठा	६	४८			स्त्रीलोचन	१९	२२	गर			३४	४६	५	१२	१४४५	बृश्चकेंदु
						बृ	१४	१८	२४	मूला	६	४८			विणिज	१८	२४	बृष्टि			३४	५०	६	१३	१४४६	२२॥भा:उ धनेंदु । पखी ६९
चं	र	र	बु	श	मं	शु	१५	१७	२६	पूर्वा षा०	६	४८			वव	१७	२६	बालव			३४	५४	७	१४	१४४७	धनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४५ । जुगनोमास ५१ । पांचमाभिवर्धन चन्द्रसम्वत्सरकामास २ । भाद्रपदवदी । लोकोत्तरमासकानाम । प्रति ष्ठित । रविदक्षणायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र केद्रे ६ भाग	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
गु	श	मं	गु	चं	पृ	र	१	५७	२६	श्रवण	१४	२२			बालव	१७	५६	कोलव			३५	६	७	१३	१४७७	मकरेंदु
						सो	२	५६	२८	धनेष्ठा	१४	२२	शत	३०	स्त्रीलोचन	१६	५८	गर			३५	५	८	१४	१४७८	१३॥ भाः उः कुंभेंदु । उत्रापाःसमाप्त रात्रीका
						मं	३	५५	३०	पूर्वाभाद्र	४४	२२			विणिज	१५	६०	वृष्टि			३५	१	९	१५	१४७९	कुंभेंदु । २ पग २ अं: छा: पो:
						बु	४	५४	३२	उत्राभाद्र	६०	०			बव	१५	०	बालव			३४	५८	१०	१६	१४८०	३२भा·उः मीनेंदु । ऽश्लेषा ३० घःउः मघा ऽर्के १३ दिः २४ घः
						गृ	५	४३	३४	उत्रा भाः	१४	२२			कोलव	१५	२	स्त्रीलोचन			३४	५४	११	१७	१४८१	मीनेंदु
						शु	६	४२	३६	रेवती	१४	२२			गर	१३	४	विणिज			३४	५०	१२	१८	१४८२	५०॥भा.उः मेषेंदु
						श	७	४१	३८	ऽश्विनी	१४	२२	भ	३०	वृष्टि	१२	६	बव			३४	४६	१३	१९	१४८३	मेषेंदु
						र	८	४०	४०	कृतका	४४	२२			बालव	११	८	कोलव			३४	४२	१४	२०	१४८४	मेषेंदु
						चं	९	३९	४२	रोहिनी	६०	०			स्त्रीलोचन	१०	१०	गर			३४	३८	१५	२१	१४८५	२भाःउः वृखेंदु । अभिच समाप्त रात्रीका
						मं	१०	३८	४४	रोहिनी	१४	२२			विणिज	९	१२	वृष्टि			३४	३४	१६	२२	१४८६	वृषेंदु । २पगः ३अंःछाः
						बु	११	३७	४६	मृगसिरा	१४	२२	ऽद्रा	३०	बव	८	१४	बालव			३४	३०	१७	२३	१४८७	२०॥ भाःउः मिथुनेंदु
						गृ	१२	३६	४८	पुनर्वसु	६०	०			कोलव	७	१६	स्त्रीलोचन			३४	२६	१८	२४	१४८८	मिथुनेंदु । पजुसन १
						शु	१३	३५	५०	पुनर्वसु	१४	२२			गर	६	१८	विणिज			३४	२२	१९	२५	१४८९	३९भाःउः कर्केंदु । चन्द्रायन १०९ दक्षिणायणे
						श	१४	३४	५२	पुश्य	१४	२२	ऽश्ले	३०	वृष्टि	५	२०	शकुन			३४	१८	२०	२६	१४९०	कर्केंदु । पक्षी १०१
गु	श	मं	गु	चं	पृ	र	१५	३३	५४	मघा	४४	२२			चतुष्पद	४	२२	नाग			३४	१४	२१	२७	१४९१	५७॥भाःउः सिंघेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ छोटीक । वीर सम्वत् २४४५ । युगकामास ५० । पांचमाअभिवर्धन सम्वत्सरका मास १ । श्रावणशुदी । लोकोत्तरमासनाम । अभिनंद । रविदत्तियायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पर्वी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	१	५८	अश्लेशा	२५	३५			वव	१	५८	बालव	२६	३२	३५	५७	२३	३०	१४६३	कर्केंदु । पूर्वाषाढ़ा समाप्त रात्रीका । चन्द्रदर्शनम्
						चं	२	०	६०	मघा	२५	३५			कोलव स्त्री	०/२६	६०/३१	गर	२६	३२	३६	०	२४	३१	१४६४	३६॥ भाःउः सिंघेंदु । सूर्यमास ४८ । २पग छायापोरसी । उत्रांषाढ़ारात्री का
०	०	०	०	०	०	०	३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						मं	४	५१	२	पुर्वा फा०	२५	३५			विणिज	२१	३२	वृष्टि			३५	५७	२५	१	१४६५	सिंघेंदु कर्केऽर्के शंक्रांती । पावसऋतु । गर्जने की असझाई नहीं मुः रुद्र
						बु	५	५८	४	उत्रा फा०	५५	३५			वव	२८	३४	बालव			३५	५३	२६	२	१४६६	५५ भाः उः कन्येंदु
						बृ	६	५७	६	हस्त	५५	३५			कोलव	२७	३६	स्त्री लोचन			३५	४६	२७	३	१४६७	कन्येंदु
						शु	७	५६	८	चित्रा	५५	३५			गर	२६	३८	विणिज			३५	४५	२८	४	१४६८	कन्येंदु
						श	८	५५	१०	स्वाती	२५	३५			वृष्टि	२५	४०	वव			३५	४१	२९	५	१४६९	६॥ भाःउः तुलेंदु
						र	९	५४	१२	विशाषा	५५	३५			बालव	२४	४२	कोलव			३५	३७	३०	६	१४७०	तुलेंदु । ऋतुमास ४६
						चं	१०	५३	१४	अनुराधा	५५	३५			स्त्रीलोचन	२३	४४	गर			३५	३३	१	७	१४७१	२५ भाःउः वृश्चकेंदु । २ पग १ अं: छा: पो:
						मं	११	५२	१६	ज्येष्टा०	२५	३५			विणिज	२२	४६	वृष्टि			३५	२९	२	८	१४७२	वृश्चकेंदु
						बु	१२	५१	१८	मूला	२५	३५			वव	२१	४८	बालव			३५	२५	३	९	१४७३	४३॥ भाः उः धनेंदु । पुष्पऽर्के ४८ घ उ. अश्लेषाऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी
						बृ	१३	५०	२०	पूर्वाषा०	२५	३५			कोलव	२०	५०	स्त्रीलोचन			३५	२१	४	१०	१४७४	धनेंदु
						शु	१४	४९	२२	उत्रा षा०	५५	३५			गर	१९	५२	विणिज			३५	१७	५	११	१४७५	६२ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ५४ । चन्द्रायन १०८
मं	शु	चं	बृ	र	बु	श	१५	४८	२४	ऽभीच	१५	२२			वृष्टि	१८	५४	वव			३५	१३	६	१२	१४७६	मकरेंदु । पर्वी १००

विक्रम सम्वत् १६७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४५ । जुगकामास ५२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ३ । आसोजवदी । लोकोत्तरमासनाम । विजय । रविदक्षिणायणे ।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्रचंद्र	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६०	करणरात्री	घड़ी	भाः ६०	दिनमान	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रणाम ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	१८	२४	पुर्वा भा०	३	६			कोलव	१८	२४	स्त्रीलोचन			३२	११	७	१३	१५०७	५३भाःउः मीनेंदु । पुः फाः १८ घ' उः उत्रा फाः ऽर्फे २० दिः ६ घः
						बु	२	१७	२६	उत्रा भा०	३३	६			गर	१७	२६	विणिज			३२	७	८	१४	१५०८	मीनेंदु
						बृ	३	१६	२८	रेवती	३३	६			वृष्टि	१६	२८	बव			३२	३	९	१५	१५०९	मीनेंदु । २ प ६ अंः छाः । धनेष्टसमाप्त रात्रीका
						शु	४	१५	३०	अश्विनी	३३	६			बालव	१५	३०	कोलव			३२	६०	१०	१६	१५१०	४॥ भाःउः मेखेंदु
						श	५	१४	३२	भरणी	३	६			स्त्रीलोचन	१४	३२	गर			३२	५६	११	१७	१५११	मेखेंदु
						र	६	१३	३४	कृतका	३	६			विणिज	१३	३४	वृष्टि			३२	५२	१२	१८	१५१२	२३भाःउः वृखेंदु
						चं	७	१२	३६	रोहिणी	३३	६			बव	१२	३६	बालव			३२	४८	१३	१९	१५१३	वृखेंदु
						मं	८	११	३८	मृगसरा	३३	६			कोलव	११	३८	स्त्रीलोचन			३२	४४	१४	२०	१५१४	४१॥ भाःउः मिथुनेंदु
						बु	९	१०	४०	आर्द्रा	३	६			गर	१०	४०	विणिज			३२	४०	१५	२१	१५१५	मिथुनेंदु
						बृ	१०	९	४२	पुनर्वसु	३३	६			वृष्टि	९	४२	बव			३२	३६	१६	२२	१५१६	६० भाःउः कर्केंदु । सतभिषा समाप्तरात्रीका
						शु	११	८	४४	पुष्य	३३	६			बालव	८	४४	कोलव			३२	३२	१७	२३	१५१७	कर्केंदु । २ पः ७ अंः छाः । चन्द्रायन १११
						श	१२	७	४६	अश्लेषा	३	६			स्त्रीलोचन	७	४६	गर			३२	२८	१८	२४	१५१८	कर्केंदु
						र	१३	६	४८	मघा	३	६			विणिज	६	४८	वृष्टि			३२	२४	१९	२५	१५१९	११॥ भाःउः सिंघेंदु
						चं	१४	५	५०	पुर्वा फा०	३	६			शुकन	५	५०	चतुष्पद			३२	२०	२०	२६	१५२०	सिंघेदु । पखी १०३
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	४	५२	उत्रा फा०	३३	६			नाग	४	५२	किस्तुघन			३२	१६	२१	२७	१५२१	३०॥ भाःउः कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीर सम्वत् २४४५ । जुगनामास ५१ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास २ । भाद्रवाशुदि । लोकोत्तरमास नाम । प्रतिष्ठित । रविदक्षणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिन का	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रि का	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र१ पखीप्रमाण ३ चन्द्रायन प्रमाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
बु	र	शु	श	मं	गु	चं	१	३२	५६	पूर्वा फाः	४४	२२			किस्तुघन	३	२४	बव			३४	१०	२२	२८	१४९२	सिंघेंदु [चन्द्रदर्शनम्
						मं	२	३१	५८	उत्रा फा	६०	०			बालव	२	२६	कोलव			३४	६	२३	२९	१४९३	सिंघेंदु । मघा ५४ घः उः पूर्वा फाः ऽर्के१३दिन२४घड़ी श्रवण रात्रीका
						बु	३	३०	६०	उत्रा फा	१४	२२			स्त्रीलोचन	१	२८	गर			३४	२	२४	३०	१४९४	९भाःउः कन्येंदु । सुर्यमास ४६ । धनेष्टा । रात्रीका २ पग ४ अंः छाः पोः
						बृ	४	३०	०	हस्त	१४	२२			विणिज वृष्टि	०/२९	३०/१	बव			३३	५६	२५	१	१४९५	कन्येंदु । सिंघंऽर्के शंक्रांती सम्वत्सरी
						शु	५	२९	२	चित्रा	१४	२२	स्वा	३०	बालव	२९	२	कोलव			३३	५५	२६	२	१४९६	२७॥भाःउः तुलेंदु
						श	६	२८	४	विशाखा	६०	०			स्त्रीलोचन	२८	४	गर			३३	५१	२७	३	१४९७	तुलेंदु
						र	७	२७	६	विशाखा	१४	२२			विणिज	२७	६	वृष्टि			३३	४७	२८	४	१४९८	४६भाःउ वृश्चकेंदु
						चं	८	२६	८	अनुराधा	१४	२२	ज्ये	३०	बव	२६	८	बालव			३३	४३	२९	५	१४९९	वृश्चकेंदु
						मं	९	२५	१०	मुला	४४	२२			कोलव	२५	१०	स्त्रीलोचन			३३	३९	३०	६	१५००	६४॥भाःउः धनेंदु । ऋतुमास ५०
						बु	१०	२४	१२	पूर्वाषा०	४४	२२			गर	२४	१२	विणिज			३३	३५	१	७	१५०१	धनदु । २ पः ८ अंः छाया पोः
						बृ	११	२३	१४	उत्राषाड़ा	६०	०			वृष्टि	२३	१४	बव			३३	३१	२	८	१५०२	धनेंदु
						शु	१२	२२	१६	उत्राषाड़ा	१४	२२	अभि	१८/२४	बालव	२२	१६	कोलव			३३	२७	३	९	१५०३	१६भाःउ मकरेंदु । नक्षत्रमास ५५ । चन्द्रायन ११० उत्रायणे
						श	१३	२१	१८	श्रवण	३३	६			स्त्रीलोचन	२१	१८	गर			३३	२३	४	१०	१५०४	मकरेंदु
						र	१४	२०	२०	धनेष्टा	३३	६			विणिज	२०	२०	वृष्टि			३३	१९	५	११	१५०५	३४॥भा उः कुंभेंदु । पक्खी १०२
बु	र	शु	श	मं	गु	चं	१५	१९	२२	शतभिषा	३	६			बव	१९	२२	बालव			३३	१५	६	१२	१५०६	कुंभेंदु ।

विक्रम सम्वत् १९७६ लो० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ५३ । पांचमा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास ४ । कार्तिकवदी । लोकोत्रमासनाम । प्रतिवर्धन । रविदक्षिणायणो ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण यातिन	घड़ी	भाग ६२	करणयातीन			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३ पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	४६	२२	रेवती	५१	६३			वालव	१६	५२	कोलव			३१	१७	६	११	१५३६	मीनेंदु
						बृ	२	४८	२४	ऽश्विनि	५१	६३			स्त्रीलोचन	१८	५४	गर			३१	१३	७	१२	१५३७	२५॥भाःउः मेखेंदु
						शु	३	४७	२६	भरणी	२१	६३			विणिज	१७	५६	वृष्टि			३१	९	८	१३	१५३८	मेखेंदु
						श	४	४६	२८	कृतका	२१	६३			वव	१६	५८	वालव			३१	५	९	१४	१५३९	४४ भाःउः वृखेंदु । उत्राभाद्रपदा समाप्त रात्री फा
						र	५	४५	३०	रोहिणी	५१	६३			कोलव	१५	६०	स्त्रीलोचन			३१	१	१०	१५	१५४०	वृखेंदु । हस्त ४८घःउ । चित्राऽर्के १३दिन२४घः। २ पग१० अंःछाः पोः
						चं	६	४४	३२	मृगसिरा	५१	६३			गर	१५	०	विणिज			३०	५८	११	१६	१५४१	६२॥भाःउःमिथुनेंदु
						मं	७	४३	३४	आद्रा	२१	६३			वृष्टि	१४	२	वव			३०	५४	१२	१७	१५४२	मिथुनेंदु
						बु	८	४२	३६	पुनर्वसु	५१	६३			वालव	१३	४	कोलव			३०	५०	१३	१८	१५४३	मिथुनेंदु । चन्द्रायन ११३
						बृ	९	४१	३८	पुष्प	५१	६३			स्त्रीलोचन	१२	६	गर			३०	४६	१४	१९	१५४४	१४भाःउःकर्केंदु
						शु	१०	४०	४०	अश्लेषा	२१	६३			विणिज	११	८	वृष्टि			३०	४२	१५	२०	१५४५	कर्केंदु
						श	११	३९	४२	मघा	२१	६३			वव	१०	१०	वालव			३०	३८	१६	२१	१५४६	३२॥भाःउः सिंघेंदु
						र	१२	३८	४४	पुः फाः	२१	६३			कोलव	९	१२	स्त्रीलोचन			३०	३४	१७	२२	१५४७	सिंघेंदु । २ पः ११अंःछाः
						चं	१३	३७	४६	उः फाः	५१	६३			गर	८	१४	विणिज			३०	३०	१८	२३	१५४८	५१भाःउःकन्येंदु
						मं	१४	३६	४८	हस्त	५१	६३			वृष्टि	७	१६	सुकन			३०	२६	१९	२४	१५४९	कन्येंदु । पखी १०५
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	३५	५०	चित्रा	५१	६३			चतुष्पद	६	१८	नाग			३०	२२	२०	२५	१५५०	कन्येंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ श्री० वीर सम्वत् २४४५ । जुगकामास ५२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ३ । आसौजशुदी । लोकोत्रमास नाम । विजय । रविदक्षिणायणे ।

चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।

चार ७	चार ६	चार ५	चार ४	चार ३	चार २	चार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६२	सूर्यमान	सूर्य मास	जुगमास	
ज	म	गु	नं	शु	र	बु	१	३	५४	हस्त	३३	६			वव	३	५४	बालव			३२	१२	२२	२८	१५२२	कर्न्येदु । चन्द्रदर्शनम्
						बृ	२	२	५६	चित्रा	३३	६			कोलव	२	५६	स्त्रीलोचन			३२	८	२३	२६	१५२३	४८ भा उः तुलेंदु
						शु	३	१	५८	स्वाती	३	६			गर	१	५८	विणिज			३२	४	२४	३०	१५२४	तुलेंदु । पूर्वाभाद्रपद समाप्त रात्रीका
						श	४	०	६०	विशाखा	३३	६			वृष्टि वव	२६	३२	बालव	२६	३५	३२	०	२५	३१	१५२५	तुलेंदु सूर्यमास ५० उत्राभाद्रपद रात्रीका २पग ८ अंः छाया पोः
०	०	०	०	०	०	०	५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०
						र	६	५६	२	अनुराधा	३३	६			कोलव	२९	३७	स्त्रीलोचन			३१	५७	२६	१	१५२६	वृश्चकेंदु । कन्याऽर्के शंक्रांती वर्षाऋतु
						चं	७	५८	४	ज्येष्ठा	३	६			गर	२८	३४	विणिज			३१	५३	२७	२	१५२७	वृश्चकेंदु । उत्रा फा० २४ घः उः हस्तार्के १३ दि २४ घड़ी
						मं	८	५७	६	मूला	३	६			वृष्टी	२७	३१	वव			३१	४९	२८	३	१५२८	१८॥भाः उ धनेंदु
						बु	९	५६	८	पूर्वा षा०	३	६			बालव	२६	३८	कोलव			३१	४५	२९	४	१५२९	धनेंदु
						बृ	१०	५५	१०	उत्रा षा०	३२	६	अभी	१५ ६४	स्त्रीलोचन	२५	४०	गर			३१	४१	३०	५	१५३०	३७ भाःउः मकरेंदु । चन्द्रायन ११२ । नक्षत्र मास ५६ । ऋतुमास ५१
						शु	११	५४	१२	श्रवण	५१	६३			विणिज	२४	४२	वृष्टि			३१	३७	१	६	१५३१	मकरेंदु
						श	१२	५३	१४	धनेष्ठा	५१	६३			वव	२३	४४	बालव			३१	३३	२	७	१५३२	५५॥ भाःउः कुंभेंदु । २ पग ६ अ. छाया पोः
						र	१३	५२	१६	शतभिषा	२१	६३			कोलव	२२	४६	स्त्रीलोचन			३१	२९	३	८	१५३३	कुंभेंदु
						चं	१४	५१	१८	पूर्वा भा०	२१	६३			गर	२१	४८	विणिज			३१	२५	४	९	१५३४	कुंभेंदु
गु	मं	शु	र	बु	ज	मं	१५	५०	२०	उत्रा भा०	५१	६३			वृष्टि	२०	५०	वव			३१	२१	५	१०	१५३५	७ भा.उः मीनेंदु पखी १०५.

चन्द्रमा २ दिनं ६७ साढे १८ भाग फल। [illegible]
प्रमाण २ । पखी प्रमाण २ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ा	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री के			दिनमान घड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	युगकालमास	
चं	बृ	र	बु	ग	मं	शु	१	२०	२०	ह्तका	४०	५०			कोलव	२०	२०	स्त्रीलोचन			२६	१६	६	११	१५६६	६५ भाःउ· वृषेंदु
						श	२	१६	२२	रोहणी	६०	०			गर	१६	२२	विणिज			२६	१५	७	१२	१५६७	वृखेंदु
						र	३	१८	२४	रोहिणी	१०	५०			वृष्टि	१८	२४	घव			२६	११	८	१३	१५६८	वृखेंदु
						चं	४	१७	२६	मृगसरा	१०	५०	ऽद्रा	३०	वालव	१७	२६	कोलव			२६	७	६	१४	१५६६	१६॥भाःउः मिथनेंदु
						मं	५	१६	२८	पुनर्वसु	६०	०			स्त्रीलोचन	१६	२८	गर			२६	३	१०	१५	१५७०	मिथनेंदु । अश्विनी समास राशीका ३ पग २ अंःछाः पोः
						बु	६	१५	३०	नर्वसु	१०	५०			विणिज	१५	३०	वृष्टि			२८	६०	११	१६	१५७१	३५भा उः ककेंदु चन्द्रायन ११५
						बृ	७	१४	३२	पुष्य	१०	५०	ऽश्ले	३०	वव	१४	३२	वालव			२८	५६	१२	१७	१५७२	ककेंदु
						शु	८	१३	३४	मघा	४०	५०			कोलव	१३	३४	स्त्रीलोचन			२८	५२	१३	१८	१५७३	४०॥ भाःउः सिंघेंदु
						श	६	१२	३६	पूर्वा फा०	४०	५०			गर	१२	३६	विणिज			२८	४८	१४	१६	१५७४	सिंघदु
						र	१०	११	३८	उत्रा फा०	६०	०			वृष्टि	११	३८	वव			२८	४४	१५	२०	१५७५	सिंघेंदु
						चं	११	१०	४०	उत्रा फा०	१०	५०			वालव	१०	४०	कोलव			२८	४०	१६	२१	१५७६	५ भाःउ. कन्येंदु
						मं	१२	६	४२	हस्त	१०	५०			स्त्रीलोचन	६	४२	गर			२८	३६	१७	२२	१५७७	कन्येंदु
						बु	१३	८	४४	चित्रा	१०	५०	स्वा	३०	विणिज	८	४४	वृष्टि			२८	३२	१८	२३	१५७८	२३॥तुलेंदु । ३पगः २ अंः छाः पोः
						बृ	१४	७	४६	विशापा	६०	०			शुकन	७	४६	चतुष्पद			२८	२८	१६	२४	१५७६	तुलेंदु।पखी१०७
चं	बृ	र	बु	श	मं	शु	१५	६	४८	विशापा	१०	५०			नाग	६	४८	किंस्तुघन			२८	२४	२०	२५	१५८०	४२ भाःउः वृश्चकेंदु । विशापा ऽकें ६०घड़ी पुर्ण

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीर सम्वत् २४४६। जुगकामास ५३। चौथे चन्द्र सम्वत्सरकामास ४। कार्तिक शुदी। लोकोत्तरमासनाम। प्रतिवर्धन। रविदक्षिणायणे

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १		तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र पूर्ण के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रीका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
बु	ग	मं	शु	चं		गु	१	३५	५२	स्वाती	२१	६३			किस्तुघन	५	२०	बव			३०	१८	२१	२६	१५५१	२॥ भा.उः तुलेंदु
						शु	२	३३	५४	विशाखा	५१	६३			बालव	४	२२	कोलव			३०	१४	२२	२७	१५५२	तुलेन्दु
						श	३	३२	५६	अनुराधा	५१	६३			स्त्रीलोचन	३	२४	गर			३०	१०	२३	२८	१५५३	२१ भाः उः वृश्चकेंदु
						र	४	३१	५८	ज्येष्ठा	२१	६३			विणिज	२	२६	वृष्टि			३०	६	२४	२९	१५५४	वृश्चकेंदु। चित्रा१२घःउ.स्वातीऽर्के ६ दिन ४२ घड़ी। रेवती रात्री का
						चं	५	३०	६०	मूला	२१	६३			बव	१	२८	बालव			३०	२	२५	३०	१५५५	३९॥ भा उः धनेंदु। सूर्यमास ५१ अश्विनी। रात्रीका। ३ पः छाः
						मं	६	३०	०	पू षा०	२१	६३			कोलवस्त्री०	०/२९	३०/३२	गर			२९	५९	२६	१	१५५६	धनेंदु। तुलाऽर्कें शंक्रांती
						बु	७	२१	२	उत्रा षा०	५१	६३			विणिज	२९	२	वृष्टि			२९	५५	२७	२	१५५७	५८ भाः उः मकरेंदु
						गु	८	२९	४	ऽभीच	१०	५०			बव	२८	४	बालव			२९	५१	२८	३	१५५८	मकरेंदु। नक्षत्र मास ५७। चन्द्रायन ११४ उत्रायणे
						शु	९	२७	६	श्रवण	१०	५०			कोलव	२७	६	स्त्रीलोचन			२९	४७	२९	४	१५५९	मकरेंदु
						श	१०	२६	८	धनेष्ठा	१०	५०	सत	३०	गर	२६	८	विणिज			२९	४३	३०	५	१५६०	९॥भा उः कुंभेंदु। स्वाति५४घःउ विशाखाऽर्केर२०दिः६घः। ऋतुमास ५२
						र	११	२५	१०	पूर्वाभा०	४०	५०			वृष्टि	२५	१०	बव			२९	३९	१	६	१५६१	कुंभेंदु
						चं	१२	२४	१२	उत्राभा०	६०	०			बालव	२४	१२	कोलव			२९	३५	२	७	१५६२	२८भाःउःमीनेंदु। ३ पग १अंः छाया पोः
						मं	१३	२३	१४	उत्राभा०	१०	५०			स्त्रीलोचन	२३	१४	गर			२९	३१	३	८	१५६३	मीनेंदु
						बु	१४	२२	१६	रेवती	१०	५०			विणिज	२२	१६	वृष्टि			२९	२७	४	९	१५६४	४६॥भाःउः मेखेंदु। पक्षी १०६
र	बु	श	मं	शु	चं	गु	१५	२१	१८	अश्विनी	१०	५०	भर	३०	बव	२१	१८	बालव			२९	२३	५	१०	१५६५	मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकाकी वार सम्वत् [illegible]

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करणदिन	घड़ी	भाग	करणरात्री	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगप्रमाण	चन्द्रमा२ दिन ६७ साढे१८ भाग फसें। | सूर्य के साथ नक्षत्र १ पखी प्रमाण ३ चन्द्रायनप्रमाण२। पोरसीका प्रमाण ४।
म	शु	चं	बृ	र	बु	श	१	५१	१८	रोहिणी	२९	३७			वालव	२१	४८	कोलव			२७	२५	५	९	१५९५	वृषेंदु
						र	२	५०	२०	मृगसरा	२९	३७	द्रा	३०	स्त्रीलोचन	२०	५०	गर			२७	२१	६	१०	१५९६	३७॥भाःउ मिथुनेंदु
						चं	३	४९	२२	पुनर्वसु	६०	०			विणिज	१९	५२	वृष्टि			२७	१७	७	११	१५९७	मिथुनेंदु
						म	४	४८	२४	पुनर्वसु	२९	३७			बव	१८	५४	वालव			२७	१३	८	१२	१५९८	५६ भा उः कर्केंदु। चन्द्रायन ११७
						बु	५	४७	२६	पुष्य	२९	३७	श्ले	३०	कालव	१७	५६	स्त्रीलोचन			२७	९	९	१३	१५९९	कर्केंदु
						बृ	६	४६	२८	मघा	५९	३७			गर	१६	५८	विणिज			२७	५	१०	१४	१६००	कर्केंदु। कृतका समातरात्रीका
						शु	७	४५	३०	पूर्वाफा०	५९	३७			वृष्टि	१५	६०	बव			२७	१	११	१५	१६०१	७॥ भाःउः सिंघदु। ज्येष्ठा ६ घ उः मुलाऽर्के १३ दिः २४ घः ३पः ६ अंः।
						श	८	४४	३२	उत्राफा०	६०	०			वालव	१५	०	कोलव			२६	५८	१२	१६	१६०२	सिंघदु [रोहिणी रात्री का लगा
						र	९	४३	३४	उत्राफा०	२९	३७			स्त्रीलोचन	१४	२	गर			२६	५४	१३	१७	१६०३	२६ भा.उ कन्येंदु
						च	१०	४२	३६	हस्त	२९	३७			विणिज	१३	४	वृष्टि			२६	५०	१४	१८	१६०४	कन्येंदु
						म	११	४१	३८	चित्रा	२९	३७	स्वा	३०	बव	१२	६	बालव			२६	४६	१५	१९	१६०५	४४॥ भाःउ तुलेंदु
						बु	१२	४०	४०	विशाषा	६०	०			कोलव	११	८	स्त्रीलोचन			२६	४२	१६	२०	१६०६	तुलेंदु
						बृ	१३	३९	४२	विशाषा	२९	३७			गर	१०	१०	विणिज			२६	३८	१७	२१	१६०७	६२ भा.उ. वृश्चकेंदु
						शु	१४	३८	४४	अनुराधा	२९	३७	ज्ये	३०	वृष्टि	९	१२	शुकन			२६	३४	१८	२२	१६०८	वृश्चकेंदु। पखी १०९। ३ प ७ अंः छाः पोः
म	शु	च	बृ	र	बु	श	१५	३७	४६	मूला	५९	३७			चतुष्पद	८	१४	नाग			२६	३०	१९	२३	१६०९	वृश्चकेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीरसम्वत् २४४६ जुगकामास ५४। पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सकामास ५। मृगसर शुदी। लोकोत्रमास नाम। श्रेयांस। रविदक्षिणायणे।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे २८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १। चन्द्रायन प्रमाण २। पखी प्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४।
मे	शु	बु	बृ	र	शु	श	१	५	५०	अनुराधा	१०	५०	ज्यै	३०	वव	५	५०	वालव			२८	२०	२१	२६	१५८१	वृश्चकेंदु। ऽनुराधा ऽर्कें १३ दि २४ घः। चन्द्रदर्शनम्
						र	२	४	१२	मूला	४०	५०			कोलव	४	५२	स्त्री लोचन			२८	१६	२२	२७	१५८२	६०॥भाःउ धनेंदु
						च	३	३	०४	पूर्वाषाड़ा	४०	५०			गर	३	५४	विणिज			२८	१२	२३	२८	१५८३	धनेंदु
						मं	४	२	५६	उत्राषाड़ा	६०	०			वृष्टी	२	५६	वव			२८	८	२४	२९	१५८४	धनेंदु
						बु	५	१	५८	उत्राषाड़ा	१०	५०	ऽश्री	१५	वालव	१	५८	कोलव			२८	४	२५	३०	१५८५	१२भाःउःमकरेंदुनक्षत्रमास५८।चन्द्रायन११६उत्रायणे भरणी समाप्तरात्रीका
						बृ	६	०	००	श्रवण	२६	३७			स्त्रीलो० गर	०२६	५३२	विणिज	२६	३२	२७	०	२६	३१	१५८६	मकरेंदु। सूर्यमास ५२ कृतका रात्रीका ३ पः ४ अंः छाया पोः
०	०	०	०	०	०	०	७	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ०
						शु	८	५१	२	धनिष्ठा	२१	३७	सत	३०	वृष्टि	२१	३२	वव			२७	५७	२७	१	१५८७	३०॥भा उः कूर्मेंदु वृश्चकेंमानु शंक्रांती।सरदऋतु।गरजनेकी ऽसाभा इलगी
						श	९	५८	४	पुर्वा भाद्र	५६	३७			वालव	२८	३४	कोलव			२७	५३	२८	२	१५८८	कूर्मेंदु
						र	१०	५७	६	उत्राभा०	६०	०			स्त्रीलोचन	२७	३६	गर			२७	४९	२९	३	१५८९	४६ भा उः मीनेंदु
						चं	११	५६	८	उत्रा भा०	२१	३७			विणिज	२६	३८	वृष्टी			२७	४५	३०	४	१५९०	मीनेंदु ऋतुमास५३
						मं	१२	५५	१०	रेवती	२६	३७			वव	२५	४०	वालव			२७	४१	१	५	१५९१	मीनेंदु
						बु	१३	५४	१२	अश्विनी	२६	३७	भर	३०	कोलव	२४	४२	स्त्री लोचन			२७	३७	२	६	१५९२	॥भाः उ मेखेंदु
						बृ	१४	५३	१५	कृत्तिका	५६	३७			गर	२३	४४	विणिज			२७	३३	३	७	१५९३	मेखेंदु ३ प ५ अंः छाः पोः
बु	बृ,	र	शु	श	म	शु	१५	५२	१६	रोहिणी	६०	०			वृष्टी	२२	४६	वव			२७	२९	४	८	१५९४	११ भा उः वृषेंदु। पखी १०८।अनुराधा२४घ०उः जेष्टा ऽर्के६दिन २४घड़ी

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । युगकामास ५६ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ७ । माघवदी । लोकोत्तरमास नाम । शिसिरे । रविदसियायवो ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७साढे १८ भागफर्से ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पखीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	२२	१६	पुनर्वसु	४८	२४			कोलव	२२	१६	स्त्रीलोचन			२५	२७	५	९	१६२५	मिथुनेंदु चन्द्रायन ११९
						मं	२	२१	१८	पुष्य	४८	२४			गर	२१	१८	वणिज			२५	२३	६	१०	१६२६	१० भाःउः फर्केंदु
						बु	३	२०	२०	अश्लेषा	१८	२४			वृष्टि	२०	२०	बव			२५	१९	७	११	४६२७	कर्केंदु । पूर्वाषाढ़ा ५४ घःउः । उत्राषाढ़ाऽर्के २० दिः ६घड़ी
						बृ	४	१९	२२	मघा	१८	२४			बालव	१९	२२	कोलव			२५	१५	८	१२	१६२८	२८॥ भाः उः सिंघेंदु
						शु	५	१८	२४	पुर्वा फा०	१८	२४			स्त्रीलोचन	१८	२४	गर			२५	११	९	१३	१६२९	सिंघेंदु
						श	६	१७	२६	उत्रा फा०	४८	२४			वणिज	१७	२६	वृष्टि			२५	७	१०	१४	१६३०	४७ भाः उः कन्येंदु
						र	७	१६	२८	हस्त	४८	२४			बव	१६	२८	बालव			२५	३	११	१५	१६३१	कन्येंदु मृगसिरा समास रात्रीका । ३ पग १० अंः छाः
						चं	८	१५	३०	चित्रा	४८	२४			कोलव	१५	३०	स्त्रीलोचन			२४	६०	१२	१६	१६३२	६५॥ भाःउः तुलेंदु
						मं	९	१४	३२	स्वाती	१८	२४			गर	१४	३२	वणिज			२४	५६	१३	१७	१६३३	तुलेंदु
						बु	१०	१३	३४	विशाखा	४८	२४			वृष्टि	१३	३४	बव			२४	५२	१४	१८	१६३४	तुलेंदु
						बृ	११	१२	३६	अनुराधा	४८	२४			बालव	१२	३६	कोलव			२४	४८	१५	१९	१६३५	१७ भाःउः वृश्चकेंदु
						शु	१२	११	३८	ज्येष्ठा०	१८	२४			स्त्रीलोचन	११	३८	गर			२४	४४	१६	२०	१६३६	वृश्चकेंदु
						श	१३	१०	४०	मूला	१८	२४			वणिज	१०	४०	वृष्टि			२५	४०	१७	२१	१६३७	३५॥ भाःउः धनेंदु
						र	१४	९	४२	पुर्वाषा०	१८	२४			शकुन	९	४२	चतुष्पद			२४	३६	१८	२२	१६३८	धनेंदु आर्द्रा समासरात्रीका ३पग ११ अंः छाः पखी १११
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१५	८	४४	उत्रा षा०	४८	२४			नाग	८	४४	किंस्तुघ्न			२४	३२	१९	२३	१६३९	५४ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ६० चन्द्रायन १२०

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५५ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ६ । पौष शुदी । लोकोत्तरमास नाम । शिव । रविदत्तिणायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रके साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण राती			दिनमानघ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ साढे१८भागफर्से । सुर्य कें साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
बु	ग	मं	शु	चं	बृ	र	१	३६	५८	पुर्वा पा०	५१	३७			किस्तुघन	७	१६	बव			२६	२६	२०	२४	१६१०	१४॥ भाःउः धनेंदु
						चं	२	३५	५०	उत्रा पा०	६०	०			वालव	६	१८	कोलव			२६	२२	२१	२५	१६११	धनेंदु । चन्द्रदर्शनम
						मं	३	३४	५२	उत्राषाढा	२६	३७	ऽभी	१५ १४	स्त्रीलोचन	५	२०	गर			२६	१८	२२	२६	१६१२	३३ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्रमास ५६ । चन्द्रायन ११८ उत्रायणे
						बु	४	३३	५४	श्रवण	५८	२४			विणिज	४	२२	वृष्टि			२६	१४	२३	२७	१६१३	मकरेंदु
						बृ	५	३२	५६	धनेष्टा	४८	२४			बव	३	२४	वालव			२६	१०	२४	२८	१६१४	५१॥भाःउः कुंभेंदु । मुला ३० उः पुर्वाषाडाऽर्कें १३ दिः२४ घड़ी
						शु	६	३१	५८	सतभिषा	१८	२४			कोलव	२	२६	स्त्री लोचन			२६	६	२५	२९	१६१५	कुंभेंदु । रोहिणी समाप्त रात्री का
						श	७	३०	६०	पुर्वा भा०	१८	२४			गर	१	२८	विणिज			२६	२	२६	३०	१६१६	कुंभेंदु । सूर्यमास ५३ मृगसरा रात्री का ३ पगः ८ अंःछायाः
						र	८	३०	०	उत्राभाद्र	४८	२४			वृष्टि बव	०/२६	३/२	वालव			२५	५६	२७	१	१६१७	३ भाः उ मीनेंदु । धनऽर्कें शंक्रांति
						चं	९	२९	२	रेवती	४८	२४			कोलव	२१	२	स्त्री लोचन			२५	५५	२८	२	१६१८	मीनेंदु
						मं	१०	२८	४	ऽश्विनी	४८	२४			गर	२८	४	विणिज			२५	५१	२९	३	१६१९	२१॥ भाः उः मेखेंदु
						बु	११	२७	६	भरणी	१८	२४			वृष्टि	२७	६	बव	-		२५	४७	३०	६	१६२०	मेखेंदु । ऋतुमास ५४
						बृ	१२	२६	८	कृत्तिका	१८	२४			वालव	२६	८	कोलव			२५	४३	१	५	१६२१	४० भाः उः वृखेंदु
						शु	१३	२५	१०	रोहिणी	४८	२४			स्त्रीलोचन	२५	१०	गर			२५	३९	२	६	१६२२	वृखेंदु
						श	१४	२४	१२	मृगसरा	४८	२४			विणिज	२४	१२	वृष्टि			२५	३५	३	७	१६२३	५८॥ भाःउः मिथुनेंदु । पखी ११०
बु	ग	मे	शु	चं	बृ	र	१५	२३	१४	आद्रा	१८	२४			बव	२३	१४	वालव			२५	३१	४	८	१६२४	मिथुनेंदु । ३ पग १ अंछा

विक्रम सम्वत् १९७६ लौकीक । वीर सम्वत् २४४६ । युगकामास ५७ । पंचमाश्चभिवर्धन सम्वत्सरकामास ८ । फाल्गुणवदी । लोकोत्तरमासकानाम । हेमंत । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१	५३	१४	पुष्य	७	११	ऽश्ले	३०	बालव	२३	५४	कोलव			२४	२८	४	७	१६५४	कर्केंदु ३ पग ११ छाया पोः
						बु	२	५२	१६	मघा	३७	११			स्त्रीलोचन	२२	५६	गर			२४	३२	५	८	१६५५	४९॥भाःउः सिंघेंदु
						बृ	३	५१	१८	पूर्वा फाः	३७	११			विणिज	२१	५८	वृष्टि			२४	३६	६	९	१६५६	सिंघेदु
						शु	४	५०	२०	उत्रा फाः	६०	१०			वव	२०	५०	बालव			२४	४०	७	१०	१६५७	सिंघेंदु
						श	५	४९	२२	उत्रा फाः	७	११			कोलव	१९	५२	स्त्रीलोचन			२४	४४	८	११	१६५८	१ भाःउः कन्येंदु
						र	६	४८	२४	हस्त	७	११			गर	१८	५४	विणिज			२४	४८	९	१२	१६५९	कन्येंदु
						चं	७	४७	२६	चित्रा	७	११	स्वा	३०	वृष्टि	१७	५६	वव			२४	५२	१०	१३	१६६०	१९॥भाःउः तुलेंदु
						मं	८	४६	२८	विशाखा	६०	०			बालव	१६	५८	कोलव			२४	५६	११	१४	१६६१	तुलेंदु पुष्प समाप्त रात्रीका
						बु	९	४५	३०	विशाखा	७	११			स्त्रीलोचन	१५	६०	गर			२४	६०	१२	१५	१६६२	३८ भाःउः वृश्चकेंदु । ३ पग १० अंः छाः
						बृ	१०	४४	३२	अनुराधा	७	११	ज्ये	३०	विणिज	१५	०	वृष्टि			२५	३	१३	१६	१६६३	वृश्चकेंदु
						शु	११	४३	३४	मूला	३७	११			वव	१४	२	बालव			२५	७	१४	१७	१६६४	५६॥ भा उः धनेंदु
						श	१२	४२	३६	पूर्वाषा०	३७	११			कोलव	१३	४	स्त्रीलोचन			२५	११	१५	१८	१६६५	धनेंदु । श्रवण ३६ घःउः धनेष्ठा ऽर्कें १३ दि २४ घड़ी
						र	१३	४१	३८	उत्राषाढ़ा	६०	०			गर	१२	६	विणिज			२५	१५	१६	१९	१६६६	धनेंदु
						चं	१४	५०	४०	उत्राषाढ़ा	७	११	ऽभी	१९/५४	वृष्टि	११	८	शकुन			२५	१९	१७	२०	१६६७	८भाःउः मकरेंदु नक्षत्रमास ६१ चन्द्रायन १२२ उत्रायणे पखी ११३
शु	चं	बृ	र	बु	श	मं	१५	३९	४२	श्रवण	२५	६५			चतुष्पद	१०	१०	नाग			२५	२२	१८	२१	१६६८	मकरेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ जोंकीक । वीर सम्वत् २४४६ । ज़ुगकामास ५६ । पांचमाग्रभिवर्धन सम्वत्सरका मास ७ । माघशुदी । लोकोत्तरमासनाम । शिसिरे । रविदक्षिणायणे ।

वा. ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६४	करणरात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युग प्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पक्षी प्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
गु	चं	पृ	र	बु	श	मं	१	७	४६	ऽभीच	७	११			वव	७	४६	वालव			२४	२८	२०	२४	१६४०	मकरेंदु । चन्द्रदर्शनम्
						बु	२	६	४८	श्रवण	७	११			कोलव	६	४८	स्त्री लोचन			२४	२४	२१	२५	१६४१	मकरेंदु
						पृ	३	५	५०	धनेष्ठ	७	११	सत	३०	गर	५	५०	विणिज			२४	२०	२२	२६	१६४२	५॥ भा:उ कुंभेदु
						शु	४	४	५२	पूर्वा भा०	३७	११			वृष्टि	४	५२	वव			२४	१६	२३	२७	१६४३	कुम्भेंदु
						श	५	३	५४	उत्रा भा०	६०	०			वालव	३	५४	कोलव			२४	१२	२४	२८	१६४४	२४ भा उः मीनेंदु
						र	६	२	५६	उत्रा भा०	७	११			स्त्रीलोचन	२	५६	गर			२४	८	२५	२९	१६४५	मीनेंदु
						चं	७	१	५८	रेवती	७	११			विणिज	१	५८	वृष्टि	२९	३२	२४	४	२६	३०	१६४६	४२॥ भाः उः मेखेंदु । पूनर्वसु समाप्त रात्रीका
						मं	८	०	६०	ऽश्विनी	७	११	भा	३०	वव वालव	२६	३२	कोलव			२४	०	२७	३१	१६४७	मेखेंदु । उत्राषाडाऽर्के६०घ ।सूर्यमास५४पुष्पराश्रीका४पग छायाः
०	०	०	०	०	०	०	९	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
						बु	१०	५९	२	कृत्तका	३७	११			स्त्रीलोचन	२१	३२	गर			२४	४	२८	१	१६४८	६१ भा.उः वृखेंदु मकरेंभानु। शक्रांती रविउत्रायणे। हिमंतऋतु। अभिचऽर्के
						पृ	११	५८	४	रोहिणी	६०	०			विणिज	२८	३४	वृष्टि			२४	८	२९	२	१६४९	वृखेंदु [४दिन१२घड़ी
						शु	१२	५७	६	रोहिणी	७	११			वव	२७	३६	वालव			२४	१२	३०	३	१६५०	वृखेंदु । ऋतुमास ५५
						श	१३	५६	८	मृगसरा	७	११	मृ	३०	कोलव	२६	३८	स्त्रीलोचन			२४	१६	१	४	१६५१	१२॥ भा उ मिथुनेंदु
						र	१४	५५	१०	पूनर्वसु	६०	०			गर	२५	४०	विणिज			२४	२०	२	५	१६५२	मिथनेंदु । अभिच १२ घ:उ श्रवणाऽर्के १३दि॰ २४घः
पृ	र	गु	श	मं	गु	च	१५	५४	१२	पूनर्वसु	७	११			वृष्टि	२५	४२	वव		-	२४	२४	३	६	१६५३	३१ भा उः कर्केंदु । पक्षी ११२

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६। जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रांक	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
१	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१	२४	१२	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२६	२६	४	७	१६८४	सिंघेंदु । ३ पः ७ अंः छाः
						शु	२	२३	१४	उत्रा फा०	२५	६५			गर	२३	१४	विणिज			२६	३०	५	८	१६८५	२२ भाःउः कन्येंदु । सतः ४२ घः उः पूः भाऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						श	३	२२	१६	हस्त	२५	६५			बृष्टि	२२	१६	बव			२६	३४	६	९	१६८६	कन्येंदु
						र	४	२१	१८	चित्रा	२५	६५	स्वा	३०	बालव	२१	१८	कोलव			२६	३८	७	१०	१६८७	४०॥ भा.उः तुलेंदु
						चं	५	२०	२०	विशाषा	६०	०			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२६	४२	८	११	१६८८	तुलेंदु ।
						मं	६	१९	२२	विशाषा	२५	६५			विणिज	१९	२२	बृष्टि			२६	४६	९	१२	१६८९	५९ भाःउः वृश्चकेंदु
						बु	७	१८	२४	अनुराधा	२५	६५	ज्ये	३०	बव	१८	२४	बालव			२६	५०	१०	१३	१६९०	वृश्चकेंदु
						बृ	८	१७	२६	मूला	५५	६५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२६	५४	११	१४	१६९१	वृश्चकेंदु
						शु	९	१६	२८	पूर्वा षा०	५५	६५			गर	१६	२८	विणिज			२६	५८	१२	१५	१६९२	१०॥भाः उः धनेंदु । मघा स्मास रात्रीका ३ पग ६ अंः छाया पोः
						श	१०	१५	३०	उत्रा षा०	६०	०			बृष्टि	१५	३०	बव			२७	१	१३	१६	१६९३	धनेंदु
						र	११	१४	३२	उत्रा षा०	२५	६५	अभी	१८/६४	बालव	१४	३२	कोलव			२७	५	१४	१७	१६९४	२९ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ६२ चन्द्रायन १२४।
						चं	१२	१३	३४	श्रवण	४४	५२			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२७	९	१५	१८	१६९५	मकरेंदु
						मं	१३	१२	३६	धनेष्ठा	३४	५२			विणिज	१२	३६	बृष्टि			२७	१३	१६	१९	१६९६	४७॥ भाःउः कुंभेदु
						बु	१४	११	३८	शतभिषा	१४	५२			शकुन	११	३८	चतुष्पद			२७	१७	१७	२०	१६९७	कुंभेंदु । पखी ११५
	गु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१०	४०	पूर्वा भा०	१४	५२			नाग	१०	४०	किंस्तुघन			२७	२१	१८	२१	१६९८	६६ भा.उः मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीर सम्वत् २४४६। जुगमास ५७। पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ८। फाल्गुणशुदि। लोकोत्तरमास नाम। हेमंत। रविउत्तरायणे॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से / सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१	३८	४४	धनेष्ठा	२५	६५	सत	३०	किस्तुघन	९	१२	वव			२५	२७	१९	२२	१६६९	२६॥ भाःउः कुंमेंदु
						बृ	२	३७	४६	पूर्वा भा०	५५	६५			बालव	८	१४	कोलव			२५	३१	२०	२३	१६७०	कुंमेंदु चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	३६	४८	उत्राभाद्र	६०	०			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			२५	३५	२१	२४	१६७१	४५भाःउ. मीनेंदु
						श	४	३५	५०	उत्रा भाः	२५	६५			विणिज	६	१८	वृष्टि			२५	३९	२२	२५	१६७२	मीनेंदु
						र	५	३४	५२	रेवती	२५	६५			वव	५	२०	बालव			२५	४३	२३	२६	१६७३	६३॥भाःउः मेखेंदु
						चं	६	३३	५४	ऽश्विनी	२५	६५	भर	३०	कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			२५	४७	२४	२७	१६७४	मेखेंदु
						मं	७	३२	५६	कृतका	५५	६५			गर	३	२४	विणिज			२५	५१	२५	२८	१६७५	मेखेंदु
						बु	८	३१	५८	रोहिनी	६०	०			वृष्टि	२	२६	वव			२५	५५	२६	२९	१६७६	१५भाःउः वृखेंदु। अश्लेषां समाप्त रात्रीका
						बृ	९	३०	६०	रोहिनी	२५	६५			बालव	१	२८	कोलव			२५	५९	२७	३०	१६७७	वृखेंदु॥ मघालगी रात्रीका सूर्यमास ५५। ३ पग ९ अंः छाः
						शु	१०	३०	०	मृगसिरा	२५	६५	ऽद्रा	३०	स्त्रीलो गर	०/२९	३०/३१	विनिज	२९	३२	२६	२	२८	१	१६७८	३३॥भाःउः मिथुनेंदु। धनेष्टा ऽर्कें ६० घः कुंभभानु शंक्रांती
						श	११	२९	२	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टि	२९	२	वव			२६	६	२९	२	१६७९	मिथुनेंदु। सतभिषाऽर्कें ६ दिन४२घड़ी
						र	१२	२८	४	पुनर्वसु	२५	६५			बालव	२८	४	कोलव			२६	१०	३०	३	१६८०	५२भाःउः कर्केंदु
						चं	१३	२७	६	पुष्य	२५	६५	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	२७	६	गर			२६	१४	१	४	१६८१	कर्केंदु। ऋतुमास ५६। चन्द्रायन १२३ दक्षिणायणे
						मं	१४	२६	८	मघा	५५	६५			विणिज	२६	८	वृष्टि			२६	१८	२	५	१६८२	कर्केंदु
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१५	२५	१०	पूर्वा फा०	५५	६५			वव	२५	१०	बालव			२६	२२	३	६	१६८३	३॥भाःउः सिंहेंदु पखी ११३

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६। जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रवदी । लोकोत्तरमासनाम । वसंत । रविउत्तरायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचन्द्र	घड़ी	भाग ६३	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
र	शु	श	मं	शु	च	बृ	१	२४	१२	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२६	२६	४	७	१६८४	सिंघेंदु । ३ पः ७ अंः छाः
						शु	२	२३	१४	उत्रा फा०	२५	६५			गर	२३	१४	विणिज			२६	३०	५	८	१६८५	२२ भा.उ कन्येंदु । सतः ४२ घः उः पूः भाऽकें १३ दि २४ घड़ी
						श	३	२२	१६	हस्त	२५	६५			वृष्टि	२२	१६	वव			२६	३४	६	६	१६८६	कन्येंदु
						र	४	२१	१८	चित्रा	२५	६५	स्वा	३०	बालव	२१	१८	कोलव			२६	३८	७	१०	१६८७	४०॥ भा उः तुलेंदु
						चं	५	२०	२०	विशाखा	६०	०			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२६	४२	८	११	१६८८	तुलेंदु ।
						म	६	१६	२२	विशाखा	२५	६५			विणिज	१६	२२	वृष्टि			२६	४६	६	१२	१६८६	५६ भाःउः वृश्चकेंदु
						बु	७	१८	२४	अनुराधा	२५	६५	ज्ये	३०	वव	१८	२४	बालव			२६	५०	१०	१३	१६६०	वृश्चकेंदु
						बृ	८	१७	२६	मूला	५५	६५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२६	५४	११	१४	१६६१	वृश्चकेंदु
						शु	६	१६	२८	पूर्वा षा०	५५	६५			गर	१६	२८	विणिज			२६	५८	१२	१५	१६६२	१०॥भाः उ धनेंदु । मघा समाप्त रात्रीका ३ पग ६ अंः छाया पोः
						श	१०	१५	३०	उत्रा षा०	६०	०			वृष्टि	१५	३०	वव			२७	१	१३	१६	१६६३	धनेंदु
						र	११	१४	३२	उत्रा षा०	२५	६५	अभी	१५/६४	बालव	१४	३२	कोलव			२७	५	१४	१७	१६६४	२६ भाःउः मकरेंदु । नक्षत्र मास ६२ चन्द्रायन १२४।
						चं	१२	१३	३४	श्रवण	४४	५२			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२७	६	१५	१८	१६६५	मकरेंदु
						मं	१३	१२	३६	धनेष्ठा	४४	५२			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२७	१३	१६	१६	१६६६	४७॥ भा उः कुंभेंदु
						बु	१४	११	३८	शतभिषा	१४	५२			शुकन	११	३८	चतुष्पद			२७	१७	१७	२०	१६६७	कुंभेंदु । पक्षी ११५
र	शु	श	मं	शु	चं	बृ	१५	१०	४०	पूर्वा भा०	१४	५२			नाग	१०	४०	किस्तुघन			२७	२१	१८	२१	१६६८	६६ भा उ. मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीर सम्वत् २४४६ । जुगमास ५७ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास ८ । फाल्गुणशुदि । लोकोत्तरमास नाम । हेमंत । रविउत्तरायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रिका	घड़ी	भाग	दिनमान	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमार दिन ६७ साडे१८ भाग फर्से । सूर्यके साथ नक्षत्र१ पखीप्रामाण ३ चन्द्रायन प्रामाण २ पोरसीछायाप्रमाण४
ग	मे	गु	चं	पृ	र	शु	१	३८	५४	धनेष्टा	२५	६५	सत	३०	किस्तुघन	६	१२	बव			२५	२७	१९	२२	१९६९	२६॥ भा.उः कुंभेंदु
						बृ	२	३७	४६	पूर्वा भा०	५५	६५			बालव	८	१४	कोलव			२५	३१	२०	२३	१९७०	कुंभेंदु चन्द्रदर्शनम्
						शु	३	३६	४८	उत्राभाद्र	६०	०			स्त्रीलोचन	७	१६	गर			२५	३५	२१	२४	१९७१	४५भा:उ. मीनेंदु
						श	४	३५	५०	उत्रा भाः	२५	६५			विणिज	६	१८	बृष्टि			२५	३९	२२	२५	१९७२	मीनेंदु
						र	५	३४	५२	रेवती	२५	६५			बव	५	२०	बालव			२५	४३	२३	२६	१९७३	६३॥भा:उ. मेखेंदु
						चं	६	३३	५४	ऽश्विनी	२५	६५	भर	३०	कोलव	४	२२	स्त्रीलोचन			२५	४७	२४	२७	१९७४	मेखेंदु
						मं	७	३२	५६	कृतका	५५	६५			गर	३	२४	विणिज			२५	५१	२५	२८	१९७५	मेखेंदु
						बु	८	३१	५८	रोहिनी	६०	०			बृष्टि	२	२६	बव			२५	५५	२६	२९	१९७६	१५भा:उ: बृखेंदु । अश्लेषां समास रात्रीका
						बृ	९	३०	६०	रोहिनी	२५	६५			बालव	१	२८	कोलव			२५	५९	२७	३०	१९७७	बृखेंदु ॥ मघालगी रात्रीका सुर्यमास ५५ । ३ पग १ अं: छा:
						शु	१०	३०	०	मृगसिरा	२५	६५	ऽद्रा	३०	स्त्रीलो गर	० २९	३० ३१	विनिज	२९	३२	२६	२	२८	१	१९७८	३३॥भा:उः मिथुनेंदु। धनेष्टा ऽर्के ६० घः कुंभेभानु संक्रांती
						श	११	२९	२	पुनर्वसु	६०	०			बृष्टि	२९	२	बव-			२६	६	२९	२	१९७९	मिथुनेंदु । सतभिषाऽर्के ६ दिन४२घड़ी
						र	१२	२८	४	पुनर्वसु	२५	६५			बालव	२८	४	कोलव			२६	१०	३०	३	१९८०	५२भा:उः फर्केंदु
						चं	१३	२७	६	पुष्य	२५	६५	ऽश्ले	३०	स्त्रीलोचन	२७	६	गर			२६	१४	१	४	१९८१	फर्केंदु । ऋतुमास ५६ । चन्द्रायन १२३ दक्षिणायणे
						मं	१४	२६	८	मघा	५५	६५			विणिज	२६	८	बृष्टि			२६	१८	२	५	१९८२	फर्केंदु
ग	मे	गु	चं	पृ	र	बु	१५	२५	१०	पूर्वा फा०	५५	६५			बव	२५	१०	बालव			२६	२२	३	६	१९८३	३०॥भा:उ: सिंघेंदु पखी ११४

विक्रम सम्वत् १९७६ लोकीक। वीरसम्वत् २४४६। जुगकामास ५८। पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६। चैत्रवदी। लोकोत्तरमासनाम। वसंत। रविउत्रायणे।																										
वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रांक	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	वृद्धी भाग	करण दिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री	घड़ी	भा: ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ सादे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३ पोरसी छाया प्रमाण ४
१	घु	श	मं	शु	चं	वृ	१	२४	१२	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	२४	१२	स्त्रीलोचन			२६	२६	४	७	१६८४	सिंघेंदु। ३ पः ७ अंः छाः
						शु	२	२३	१४	उत्रा फा०	२५	६५			गर	२३	१४	विणिज			२६	३०	५	८	१६८५	२२ भाःउः कन्येंदु। सतः ४२ घः उः पूः माऽर्के १३ दि २४ घड़ी
						श	३	२२	१६	हस्त	२५	६५			वृष्टि	२२	१६	बव			२६	३४	६	९	१६८६	कन्येंदु
						र	४	२१	१८	चित्रा	२५	६५	स्वा	३०	बालव	२१	१८	कोलव			२६	३८	७	१०	१६८७	४०॥ भा.उः तुलेंदु
						चं	५	२०	२०	विशाखा	६०	०			स्त्रीलोचन	२०	२०	गर			२६	४२	८	११	१६८८	तुलेंदु।
						मं	६	१९	२२	विशाखा	२५	६५			विणिज	१९	२२	वृष्टि			२६	४६	९	१२	१६८९	५९ भाःउः वृश्चकेंदु
						बु	७	१८	२४	अनुराधा	२५	६५	जे	३०	बव	१८	२४	बालव			२६	५०	१०	१३	१६९०	वृश्चकेंदु
						वृ	८	१७	२६	मूला	५५	६५			कोलव	१७	२६	स्त्रीलोचन			२६	५४	११	१४	१६९१	वृश्चकेंदु
						शु	९	१६	२८	पूर्वा षा०	५५	६५			गर	१६	२८	विणिज			२६	५८	१२	१५	१६९२	१०॥भाः उः धनेंदु। मघा नमास रात्रीका ३ पग ६ अंः छाया पोः
						श	१०	१५	३०	उत्रा षा०	६०	०			वृष्टि	१५	३०	बव			२७	१	१३	१६	१६९३	धनेंदु
						र	११	१४	३२	उत्रा षा०	२५	६५	अभी	६४	बालव	१४	३२	कोलव			२७	५	१४	१७	१६९४	२९ भाःउः मकरेंदु। नक्षत्र मास ६२ चन्द्रायन १२४।
						चं	१२	१३	३४	श्रवण	४४	५२			स्त्रीलोचन	१३	३४	गर			२७	९	१५	१८	१६९५	मकरेंदु
						मं	१३	१२	३६	धनेष्ठा	४४	५२			विणिज	१२	३६	वृष्टि			२७	१३	१६	१९	१६९६	४७॥ भा.उः कुंभेंदु
						बु	१४	११	३८	शतभिषा	१४	५२			शुकन	११	३८	चतुष्पद			२७	१७	१७	२०	१६९७	कुंभेंदु। पखी ११५
१	घु	श	मे	शु	चं	वृ	१५	१०	४०	पूर्वा भा०	१४	५२			नाग	१०	४०	किस्तुघन			२७	२१	१८	२१	१६९८	६६ भा.उः मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७६ लो० वी० सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५८ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ६ । चैत्रशुदी । लोकोत्तमास नाम । वसंत । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६७	करण रात्री के			दिनमान	भाग ६७	ऋतुमास	सूर्य मास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भागफर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
	र	गु	श	म	शु	१	६	४२	उत्रा भा०	४४	५२			वव	६	४२	वालव			२७	२५	१९	२२	१६९९	मीनेंदु। पूर्व भाः ६घ उःउत्राः भाऽर्के २०दि६घ. ३प ५अं छा। चन्द्रदर्शनम्।
					श	२	८	४४	रेवती	४४	५२			कोलव	८	४४	स्त्रीलोचन			२७	२९	२०	२३	१७००	मीनेंदु
					र	३	७	४६	अश्विनी	४४	५२			गर	७	४६	विणिज			२७	३३	२१	२४	१७०१	१७॥ भा उः मेखेंदु
					चं	४	६	४८	भरणी	४४	५२			वृष्टि	६	४८	वव			२७	३७	२२	२५	१७०२	मेखेंदु
					मं	५	५	५०	कृतका	४४	५२			वालव	५	५०	कोलव			२७	४१	२३	२६	१७०३	३६ भाःउ वृखेंदु
					बु	६	४	५२	रोहिणी	४४	५२			स्त्रीलोचन	४	५२	गर			२७	४५	२४	२७	१७०४	वृखेंदु
					बृ	७	३	५४	मृगसरा	४४	५२			विणिज	३	५४	वृष्टि			२७	४९	२५	२८	१७०५	५४॥ भाःउ मिथुनेंदु
					शु	८	२	५६	आद्रा	४४	५२			वव	२	५६	वालव			२७	५३	२६	२९	१७०६	मिथुनेंदु
					श	९	१	५८	पुनर्वसु	४४	५२			कोलव	१	५८	स्त्रीलोचन	२१	३२	२७	५७	२७	३०	१७०७	मिथुनेंदु। चन्द्रायन १२५ पूर्वाफाल्गुणी समाप्तरात्रीका
					र	१०	०	३०	पुष्प	४४	५२			गर विणिज	२९	३१	वृष्टि	२१	३२	२८	०	२८	३१	१७०८	६ भाःउः कर्केंदु । सूर्यमास ५६ उत्राफाल्गुणी। रात्रीका ३ पग ४ अ छाः
•	•	•	•	•	०	० ११	०	०	•	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ० ० ० ०
					चं	१२	५९	२	अश्लेषा	४४	५२			वव	२९	३२	वालव			२८	४	२९	१	१७०९	कर्केंदु । मीनाऽर्के संक्रांती वसंतऋतु
					म	१३	५८	४	मघा	४४	५२			कोलव	२८	३४	स्त्रीलोचन			२८	८	३०	२	१७१०	२४॥ भाःउः सिंघेंदु । ऋतुमास ५७
					बु	१४	५७	६	पूर्वा फा०	४४	५२			गर	२७	३६	विणिज			२८	१२	१	३	१७११	सिंघेंदु ।
र	गु	श म	गु	च	बृ	१५	५६	८	उत्रा फा०	४४	५२			वृष्टी	२६	३८	वव			२८	१६	२	४	१७१२	४३ भाःउ कन्येंदु पखी ११६

-५ ला० वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ५१ । पाचमा अभिवर्धनसम्वत्सरका मास १० । वैशाषवदी । लोकोत्रमासनाम । कुसमसभव । रविउत्रायणे ।

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र चन्द्रमा	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन	घड़ी	भाग ६२	करणरात्री			दिनमानघड़ी	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े १८ भाग फर्से । सूर्यके साथनक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखीप्रमाण ३।पोरसीछाया प्रमाण ४ ।
च	बृ	र	बु	श	म	शु	१	५५	१०	हस्त	४४	५२			वालव	२५	४०	कोलव			२८	२०	३	५	१७१३	कन्यैंदु
						श	२	५४	१२	चित्रा	४४	५२			स्त्रीलाचन	२४	४२	गर			२८	२४	४	६	१७१४	६१॥ भा उ तुलेंदु
						र	३	५३	१४	स्वाती	१४	५२			विणिज	२३	४४	वृष्टि			२८	२८	५	७	१७१५	तुलेंदु । २ पग ३ श्र क्षा पोः
						च	४	५२	१६	विशाषा	४४	५२			बव	२२	४६	वालव			२८	३२	६	८	१७१६	तुलेन्दु
						म	५	५१	१८	अनुराधा	४४	५२			कालव	२१	४८	स्त्रीलोचन			२८	३६	७	९	१७१७	१३ भा उ. वृश्चकेंदु
						बु	६	५०	२०	ज्येष्ठा	१४	५२			गर	२०	५०	विणिज			२८	४०	८	१०	१७१८	वृश्चकेंदु
						बृ	७	४९	२२	मूला	१४	५२			वृष्टि	१९	५२	बव			२८	४४	९	११	१७१९	३१॥ भा उः धनेंदु । ० भा १२ घ उ रेवती ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						शु	८	४८	२४	पू षा०	१४	५२			वालव	१८	५४	कालव			२८	४८	१०	१२	१७२०	धनेंदु
						श	९	४७	२६	उत्रा षा०	४४	५२			स्त्रीलाचन	१७	५६	गर			२८	५२	११	१३	१७२१	५० भा उ मकरेंदु । नक्षत्र मास ६३ । चन्द्रायन १२६ उत्रायणे
						र	१०	४६	२८	ऽभीच	३	३९			विणिज	१६	५८	वृष्टि			२८	५६	१२	१४	१७२२	मकरदु । उत्राफाल्गुणी समाप्त रात्री का
						चं	११	४५	३०	श्रवण	३	३९			बव	१५	६०	वालव			२८	६०	१३	१५	१७२३	मकरेंदु । ३ पग २ अः छाया
						म	१२	४४	३२	धनेष्ठा	३	३९	सत	३०	कालव	१५	०	स्त्रीलाचन			२९	३	१४	१६	१७२४	१॥भा उ कुंभेंदु
						बु	१३	४३	३४	पूर्वाभा०	३३	३९			गर	१४	२	विणिज			२९	७	१५	१७	१७२५	कुंभेदु
						बृ	१४	४२	३६	उत्राभा०	६०	०			वृष्टि	१३	४	शुकन			२९	११	१६	१८	१७२६	२०भा उ मीनेंदु । पखी ११७
व	बृ	र	बु	श	म	शु	१५	४१	३८	उत्रा भा०	३	३९			चतुष्पद	१२	६	नाग			२९	१५	१७	१९	१७२७	मीनेंदु

विक्रम सम्वत् १९७३ लोकीक। वीर सम्वत् २४४३। जुगकामास ५६। पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास १०। वैशाषशुदी। लोकोत्तरमासनाम। कुलमसंभव। रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणादिनका	घड़ी	भाग ६२	करणारात्रिका	घड़ी	भाग ६२	दिनमान	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्यमास	जुगप्रमाण	चन्द्रमा २ दिन ६७साढ़े १८भाग फर्से। सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ पखीप्रमाण ३। पोरसी छाया प्रमाण ४
म	गु	नं	वृ	र	बु	श	१	४०	४०	रेवती	३	३६			किस्तुघन	११	८	वव			२९	१९	१८	२०	१७२८	३८॥भाःउः मेखेंदु
						र	२	३९	४२	अश्विनि	३	३६	भर	३०	वालव	१०	१०	कोलव			२९	२३	१९	२१	१७२९	मेखेंदु चन्द्रदर्शनम्
						चं	३	३८	४४	कृतका	३३	३६			स्त्रीलोचन	९	१२	गर			२९	२७	२०	२२	१७३०	५७ भाःउः वृखेंदु। ३ पग १ अंः छाः पोः
						मं	४	३७	४६	रोहिणी	६०	०			विषिज	८	१४	वृष्टि			२९	३१	२१	२३	१७३१	वृखेंदु
						बु	५	३६	४८	रोहिणी	३	३६			वव	७	१६	वालव			२९	३५	२२	२४	१७३२	वृखेंदु। रेवती ३६ घः उः अश्विनी ऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						वृ	६	३५	५०	मृगसिरा	३	३६	आ	३०	कोलव	६	१८	स्त्रीलोचन			२९	३९	२३	२५	१७३३	८॥भाःउःमिथुनेंदु
						शु	७	३४	५२	पुनर्वसु	६०	०			गर	५	२०	विषिज			२९	४३	२४	२६	१७३४	मिथुनेंदु
						श	८	३३	५४	पुनर्वसु	३	३६			वृष्टि	४	२२	वव			२९	४७	२५	२७	१७३५	२७भाःउःकर्केंदु॥ चन्द्रायन १२७
						र	९	३२	५६	पुष्य	३	३६	श्ले	३०	वालव	३	२४	कोलव			२९	५१	२६	२८	१७३६	कर्केंदु
						चं	१०	३१	५८	मघा	३३	३६			स्त्रीलोचन	२	२६	गर			२९	५५	२७	२९	१७३७	४५॥भाःउः सिंघेंदु। हस्त समाप्त रात्रीका
						मं	११	३०	६०	पुःफाः	३३	३६			विषिज	१	२८	वृष्टि	२९	३२	२९	५९	२८	३०	१७३८	सिंघेंदु। सुर्यमास ५७। चित्रा रात्रीका। २ पग पुर्ण छाया पोः
						बु	१२	३०	०	उःफाः	६०	०	●		वव वालव	२९	३२	कोलव			३०	२	२९	१	१७३९	६४ भाःउः कन्येंदु। मेखभानु शंक्रांति .
						वृ	१३	२९	२	उःफाः	३	३६			स्त्रीलोचन	२९	२	गर			३०	६	३०	२	१७४०	कन्येंदु ॥ ऋतुमास ५८
						शु	१४	२८	४	हस्त	३	३६			विषिज	२८	४	वृष्टि			३०	१०	१	३	१७४१	कन्येंदु ॥ पखो ११८
म	गु	नं	वृ	र	बु	श	१५	२७	६	चित्रा	३	३६	सा	३०	वव	२७	६	वालव			३०	१४	२	४	१७४२	१५॥भाःउः तुलेंदु

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथी	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्रचंद्रमा	घड़ी	भाग ६०	नक्षत्र	घड़ी भाग	करणदिन के	घड़ी	भाग ६२	करणरात्रि के			दिनमानघड़ी	भाग ६०	ऋतुमास	सूर्यमास	शकाब्द	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढे १८ भाग फर्से। सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन. प्रमाण २। पखी प्रमाण २। पोरसी छाया प्रमाण ४।
शु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१	२६	८	विशाषा	६०	०			कोलव	२६	८	स्त्रीलोचन			३०	१८	३	५	१७४३	तुलेंदु
						चं	२	२५	१०	विशाषा	३	३६			गर	२५	१०	विणिज			३०	२२	४	६	१७४४	३४ भा:उ: वृश्चकेंदु
						मं	३	२४	१२	अनुराधा	३	३६	ज्ये	३०	वृष्टि	२५	१२	बव			३०	२६	५	७	१७४५	वृश्चकेंदु । ऽश्विनीऽर्के ६० घड़ी । २ पग ११ अंगुल छाया पो:
						बु	४	२३	१४	मूला	३३	३६			बालव	२३	१४	कोलव			३०	३०	६	८	१७४६	५२॥ भा:उ· धनेंदु । भरनीऽर्के ६ दि: ४२ घ:
						बृ	५	२२	१६	पूर्वाषाड़ा	३३	३६			स्त्रीलोचन	२२	१६	गर			३०	३४	७	९	१७४७	धनेंदु
						शु	६	२१	१८	उत्राषाड़ा	६०	०			विणिज	२१	१८	वृष्टि			३०	३८	८	१०	१७४८	धनेंदु
						श	७	२०	२०	उत्राषाड़ा	३	३६	ऽभी	१६	बव	२०	२०	बालव			३०	४२	९	११	१७४९	४ भा:उ: मकरेंदु । नक्षत्रमारा ६४ । चन्द्रायन १२८
						र	८	१९	२२	श्रवण	२२	२६			कोलव	१९	२२	स्त्रीलोचन			३०	४६	१०	१२	१७५०	मकरेंदु
						चं	९	१८	२४	धनिष्ठा	२२	२६	शत	३०	गर	१८	२४	विणिज			३०	५०	११	१३	१७५१	२२॥ भा.उ: कुंभेंदु
						मं	१०	१७	२६	पुर्वा भाद्र	५२	२६			वृष्टि	१७	२६	बव			३०	५४	१२	१४	१७५२	कुंभेंदु । भरनी ४२ घ.उ. कृतकाऽर्के १३ दिन २४ घड़ी
						बु	११	१६	२८	उत्राभा०	६०	०			बालव	१६	२८	कोलव			३०	५८	१३	१५	१७५३	४१ भा उ: मीनेंदु । चित्रा समाप्त रात्री का । ३ प: १० अं:छा
						बृ	१२	१५	३०	उत्रा भा०	२२	२६			स्त्रीलोचन	१५	३०	गर			३१	१	१४	१६	१७५४	मीनेंदु
						शु	१३	१४	३२	रेवती	२२	२६			विणिज	१४	३२	वृष्टि			३१	५	१५	१७	१७५५	५९॥ भा: उ: मेखेंदु
						श	१४	१३	३४	अश्विनी	२२	२६	भर	३०	शकुन	१३	३४	चतुष्पद			३१	९	१६	१८	१७५६	मेखेंदु । पखी ११६
बु	श	मं	शु	चं	बृ	र	१५	१२	३६	कृतिका	५२	२६			नाग	१२	३६	किस्तुघन			१३	१३	१७	१९	१७५७	मेखेंदु

विक्रम सम्वत् १९७७ लोकीक । वीरसम्वत् २४४६ जुगकामास ६० । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरकामास ११ । ज्येष्ट शुदी । लोकोत्रमास नाम । निदाह । रविउत्रायणे ।

वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्रमा के	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग	करण दिन के	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री के			दिनमान घ०	भाग ६१	ऋतुमास	सूर्य मास	जुगमास	चन्द्रमा २ दिन ६७ साढ़े २८ भाग फर्से । सूर्य के साथ नक्षत्र १ । चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छाया प्रमाण ४ ।
र	यु	न	मं	यु	नं	१	११	३८	रोहणी	६०	०			वव	११	३८	वालव			३१	१७	१८	२०	१७५८	११ भाःउः वृखेंदु । चन्द्रदर्शनम्
					मं	२	१०	४०	रोहिणी	२२	२६			कोलव	१०	४०	स्त्री लोचन	·		३१	२१	१९	२१	१७५९	वृखेंदु
					यु	३	९	४२	मृगसरा	२२	२६	आद्रा	३०	गर	९	४२	विणिज			३१	२५	२०	२२	१७६०	२९॥ भाःउः मिथुनेंदु । २ पग ६ अंःछा
					शृ	४	८	४४	पुनर्वसु	६०	०			वृष्टी	८	४४	वव			३१	२९	२१	२३	१७६१	मिथुनेंदु
					यु	५	७	४६	पुनर्वसु	२२	२६			वालव	६	४६	कोलव			३१	३३	२२	२४	१७६२	४८ भाःउः ककेंदु । चन्द्रायन १२९
					न	६	६	४८	पुष्य	२२	२६	श्ले	३०	स्त्रीलोचन	७	४८	गर			३१	३७	२३	२५	१७६३	ककेंदु
					र	७	५	५०	मघा	५२	२६			विणिज	५	५०	वृष्टी			३१	४१	२४	२६	१७६४	६६॥ भाःउः सिंघेंदु
					नं	८	४	५२	पूर्वा फा०	५२	२६			वव	४	५२	वालव			३१	४५	२५	२७	१७६५	सिंघेंदु
					मं	९	३	५४	उत्रा फा०	६०	०			कोलव	३	५४	स्त्री लोचन			३१	४९	२६	२८	१७६६	सिंघेंदु । कृतका ६ घ०३० रोहिणीऽर्के २० दिः ६ घड़ी
					बु	१०	२	५६	उत्रा फा०	२२	२६			गर	२	५६	विणिज			३१	५३	२७	२९	१७६७	१८ भाःउः कन्येंदु
					वृ	११	१	५८	हस्त	२२	२६			वृष्टि	१	५८	वव	२९	३२	३१	५७	२८	३०	१७६८	कन्येंदु । स्वाती समाप्त रात्री का
					गु	१२	०	६०	चित्रा	२२	२६	स्वा	३०	वालवकोलव	० २१	६० ३२	स्त्रीलोचन	२९	३२	३२	०	२९	३१	१७६९	३६॥ भाःउः तुलेंदु । सूर्यमास ५८ । विशाखा रात्रीका । २ पः ८ अंः छाः
०	०	०	०	०	०	१३	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ० ०
					न	१४	५९	२	विशाखा	६०	०			गर	२९	३२	विणिज			३२	४	३०	१	१७७०	तुलेंदु । वृखभानु शंक्रांती । ग्रीष्म ऋतु । ऋतुमास ५९
न	मं	गु	नं	शृ	र	१५	५८	५	विशाखा	२२	२६			वृष्टी	२८	३४	वव			३२	८	१	२	१७७१	५५ भाः उः वृश्चकेंदु । पखी १२०

विक्रम सम्वत् १९७७ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । युगकामास ६१ । पांचमा अभिवर्धन सम्यत्सरकामास १२ । प्रथमआषाढवदी । लोकोत्तरमास नाम । धनविरोध । प्रथम । रविउत्रायणे ॥

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चन्द्रमा के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ीभाग	करण दिनका	घड़ी	भाग ६२	करण रात्रिका			दिनमानघड़ी	भाग ६२	ऋतुमास	सूर्यमास	युगमास	चन्द्रमाः दो दिन ६७ साढे १८ भागफसें ॥ सूर्य के साथ नक्षत्र १ चंद्रायणप्रमाण २ पक्षीप्रमाण ३ । पोरसीः छाया प्रमाण ४
बृ	र	बु	श	मं	शु	चं	१	५७	६	अनुराधा	२२	२६	ज्ये	३०	बालव	२७	३६	कोलव			३२	१२	२	३	१७७२	वृश्चकेंदु
						मं	२	५६	८	मूला	५२	२६			स्त्रीलोचन	२६	३८	गर			३२	१६	३	४	१७७३	वृश्चकेंदु
						बु	३	५५	१०	पूर्वाषा०	५२	२६			विणिज	२५	४०	वृष्टि			३२	२०	४	५	१७७४	६॥माःउः धनेंदु
						बृ	४	५४	१२	उत्रापाडा	६०	०			बव	२४	४२	बालव			३२	२४	५	६	१७७५	धनेंदु
						शु	५	५३	१४	उत्राषडा	२२	२६	ऽभी	१५६	कोलव	२३	४४	स्त्रीलोचन			३२	२८	६	७	१७७६	२५ भा·उः मकरेंदु। चन्द्रायन१३०।नक्षत्रमास६१।उत्रायणे२पग७अंःछाःपोः
						श	६	५२	१६	श्रवण	४१	१३			गर	२२	४६	विणिज			३२	३२	७	८	१७७७	मकरेंदु
						र	७	५१	१८	धनेष्टा	४१	१३			वृष्टि	२१	४८	बव			३२	३६	८	९	१७७८	४३॥ भा·उः कुंभेंदु
						चं	८	५०	२०	सतभिषा	११	१३			बालव	२०	५०	कोलव			३२	४०	९	१०	१७७९	कुंभेंदु
						मं	९	४९	२२	पूर्वा भा०	११	१३			स्त्रीलोचन	१९	५२	गर			३२	४४	१०	११	१७८०	६२भाःउः मीनेंदु
						बु	१०	४८	२४	उत्राभाद्र	४१	१३			विणिज	१८	५४	वृष्टि			३२	४८	११	१२	१७८१	मीनेंदु
						बृ	११	४७	२६	रेवती	४१	१३			बव	१७	५६	बालव			३२	५२	१२	१३	१७८२	मीनेंदु
						शु	१२	४६	२८	ऽश्विनी	४१	१३			कोलव	१६	५८	स्त्रीलोचन			३२	५६	१३	१४	१७८३	१३॥भाःउ· मेखेंदु । विशापां समासराश्रीका । २पग६अंःछाया पोरसी
						श	१३	४५	३०	भरनी	११	१३			गर	१५	६०	विणिज			३२	६०	१४	१५	१७८४	मेखेंदु
						र	१४	४४	३२	कृतका	११	१३			वृष्टि	१५	०	सुकन			३३	३	१५	१६	१७८५	३२भाःउः वृखेंदु (पखी) १२१
बृ	र	बु	श	म	शु	चं	१५	४२	३४	रोहिनी	४१	१३			चतुष्पद	१४	२	नाग			३३	७	१६	१७	१७८६	वृखेंदु । रोहिणी १२ घःउः मृगसरऽर्के १३ दिन २४ घड़ी

।प्रथम सम्वत् १९७७ लौकिक । वीर सम्वत् २४४६ । युगमास ६२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३ । द्वितीय आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमास नाम । वनविरोधा द्वितिय । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र क नाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६४	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६१	ऋतु मास	सूर्य मास	युगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफसें । सुर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	गु	न	मं	शु	सं	बृ	१	१३	२४	पुष्य	६०	०			बव	१३	३४	वालव			३५	६	१७	१८	१८१७	२३ भा उः कर्केंदु । चन्द्रायन १३३ । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	१२	३६	अश्लेषां	३०	०			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			३५	१३	१८	१९	१८१८	कर्केंदु
						श	३	११	३८	मघा	३०	०			गर	११	३८	विणिज			३५	१७	१९	२०	१८१९	४१॥ भाःउः सिंघेदु
						र	४	१०	४०	पूर्वाफा०	३०	०			वृष्टि	१०	४०	वव			३५	२१	२०	२१	१८२०	सिंघेदु
						चं	५	९	४२	उत्राफा०	६०	०			वालव	९	४२	कोलव			३५	२५	२१	२२	१८२१	६० भाःउः कन्येंदु
						मं	६	८	४४	हस्त	६०	०			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			३५	२९	२२	२३	१८२२	कन्येंदु
						बु	७	७	४६	चित्रा	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३५	३३	२३	२४	१८२३	कन्येंदु
						बृ	८	६	४८	स्वाती	३०	०			वव	६	४८	वालव			३५	३७	२४	२५	१८२४	११॥ भाःउ तुलेंदु
						शु	९	५	५०	विशाखा	६०	०			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			३५	४१	२५	२६	१८२५	तुलेंदु
						श	१०	४	५२	अनुराधा	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३५	४५	२६	२७	१८२६	३० भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसुऽर्कें २४ घः उः पुष्पार्के १३ दिन २४ घड़ी
						र	११	३	५४	ज्येष्टा	३०	०			वृष्टि	३	५४	वव			३५	४९	२७	२८	१८२७	वृश्चकेंदु
						चं	१२	२	५६	मूला	३०	०			वालव	२	५६	कोलव			३५	५३	२८	२९	१८२८	४८॥ भाःउः धनेंदु — *पगपूर्ण छाया पोः
						मं	१३	१	५८	पूर्वाषाढ़ा	३०	०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर			३५	५७	२९	३०	१८२९	धनेंदु । पूर्वाषाढ़ा समरात्री का [उत्राषाढ़ा।रात्रीका।पखी १२४।२*
ग	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१४	०	६०	उत्राषाढ़ा	६०	०			विणिज वृष्टि	०/२६	६/३२	वव	२६	३२	३६	०	३०	३१	१८३०	धनेंदु । सूर्य मास ६० । ऋतुमास ६१ । नक्षत्रमास ६७ । चन्द्राय १३४ ।
०	०	०	०	०	०	०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ०

१५	दिन क नाम सुर्य के	शुभाशुभ	१५	रात्रि के नाम सुर्य के	शुभाशुभ	१	प्रहोरात्रि के	३०	मुहुर्त	शुभाशुभ
१	पुर्वांगा	मधम	१	उत्तम	उत्तम	१	रूद्र	१६	आनंदे	
२	सिधि मनोरथ	उत्तम	२	सुनत्तत्र	शुभ	२	श्वेत	१७	वीजय	शुभ
३	मनोहर	शुभ	३	पलवत्या	मधम	३	मित्र	१८	विशवसेन	
४	जसोभद्र	उत्तम	४	जसोधर	शुभ	४	वायु	१९	प्रजापत	शुभ
५	जसोधर	उत्तम	५	सुमनसा	शुभ	५	सुपीत	२०	उपसम	शुभ
६	सर्व काम समृधी	उत्तमोतम	६	श्रीसंभुत	उत्तम	६	अभीचंद: शुभ	२१	गंधर्व	
७	इंदमूखाभिसिते	मधम	७	विजया	शुभ	७	माहेंद्र	२२	अग्निवेष	
८	सोमनसा	मधम	८	विजयंति	शुभ	८	वलवान: शुभ	२३	सत वृषभ	
९	धनंजय	शुभ	९	जयंती	उत्तम	९	ब्रह्मा	२४	आतापवान	शुभ
१०	अर्थ सिद्धि	उत्तमोत्म	१०	अपराजित	उत्तमोत्म	१०	वहुसत्य: शुभ	२५	रूणवान	
११	अभीजाय	उत्तम	११	इच्छा	कनीष्ट	११	ईसान	२६	मोमे	
१२	अत्यंत सन	कनीष्ट	१२	समाहारा	कनीष्ट	१२	त्वष्टा	२७	वृषभ	
१३	सयेजए	उत्तमोत्म	१३	तेजा	मध्यम	१३	भवितात्माः शुभ	२८	सर्वार्थसिद्ध	
१४	अग्नीवेसे	अशुभ	१४	अतितेजा	कनीष्ट	१४	वैश्रमण	२९	रात्तस	शुभ
१५	उपसम	मधम	१५	देवनादानिरई	उत्तमोत्म	१५	वारूण	३०		

विक्रम सम्वत् १९७७ लोकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ६२ । पांचमा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३ । द्वितीय आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमास नाम । वनविरोधा द्वितिय । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र नाम	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ी भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफर्से । सुर्य के माथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	बु	श	मं	शु	चं	बृ	१	१३	३४	पुष्य	६०	०			वव	१३	३४	बालव			३५	६	१७	१८	१८१७	२३ भा उः कर्केंदु । चन्द्रायन १३३ । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	१२	३६	अश्लेषा	३०	०			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			३५	१३	१८	१९	१८१८	कर्केंदु
						श	३	११	३८	मघा	३०	०			गर	११	३८	विणिज			३५	१७	१९	२०	१८१९	४१॥ भा॰उः सिंघदु
						र	४	१०	४०	पूर्वाफा०	३०	०			वृष्टि	१०	४०	वव			३५	२१	२०	२१	१८२०	सिंघदु
						चं	५	९	४२	उत्राफा०	६०	०			बालव	९	४२	कोलव			३५	२५	२१	२२	१८२१	६० भाःउः कन्येंदु
						मं	६	८	४४	हस्त	६०	०			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			३५	२९	२२	२३	१८२२	कन्येंदु
						बु	७	७	४६	चित्रा	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३५	३३	२३	२४	१८२३	कन्येंदु
						बृ	८	६	४८	स्वाती	३०	०			वव	६	४८	बालव			३५	३७	२४	२५	१८२४	११॥ भाःउ॰ तुलेंदु
						शु	९	५	५०	विशाषा	६०	०			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			३५	४१	२५	२६	१८२५	तुलेंदु
						श	१०	४	५२	अनुराधा	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३५	४५	२६	२७	१८२६	३० भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसुऽर्के २४ घ उः पुष्पार्के १२ दिन २४ घड़ी
						र	११	३	५४	ज्येष्टा	३०	०			वृष्टि	३	५४	वव			३५	४९	२७	२८	१८२७	वृश्चकेंदु
						चं	१२	२	५६	मूला	३०	०			बालव	२	५६	कोलव			३५	५३	२८	२९	१८२८	४८॥ भाःउः धनेंदु *पगपूर्ण छाया पोः
						मं	१३	१	५८	पूर्वाषाढ़ा	३०	०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर			३५	५७	२९	३०	१८२९	धनेंदु । पूर्वाषाढ़ा समस्तरात्री का [उत्राषाढ़ा।रात्रीका।पखी १२४।२*
श	मं	शु	चं	बृ	र	बु	१४	०	६०	उत्राषाढ़ा	६०	०			विणिज वृष्टि	०/२६	६०/३२	वव	२६	३२	३६	०	३०	३१	१८३०	धनेंदु । सूर्य मास ६० । ऋतुमास ६१ । नक्षत्रमास ६७ । चन्द्राय १३४ ।
०	०	०	०	०	०	०	१५	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०	०			०	०	०	०	०	० ० ० ० ० ० ०

१५	दिन के नाम सूर्य के	शुभाशुभ	१५	रात्रि के नाम सूर्य के	शुभाशुभ	१	अहोरात्रि के	३०	मुहूर्त	शुभाशुभ
१	पुर्वांगा	मधम	१	उत्तम	उत्तम	१	रुद्र	१६	आनंदे	
२	सिधि मनोरथ	उत्तम	२	सुनक्षत्र	शुभ	२	श्वेत	१७	वीजय	शुभ
३	मनोहर	शुभ	३	पलवत्या	मधम	३	मित्र	१८	विशवसेन	
४	जसोभद्र	उत्तम	४	जसोधर	शुभ	४	वायु	१९	प्रजापत	शुभ
५	जसोधर	उत्तम	५	सुमनसा	शुभ	५	सुपीत	२०	उपसम	शुभ
६	सर्व काम समृधी	उत्तमोतम	६	श्रीसभुत	उत्तम	६	अभीचंदः शुभ	२१	गंधर्व	
७	इंदमूद्धाभिसिते	मधम	७	विजया	शुभ	७	माहेंद्र	२२	अग्निवेष	
८	सोमनसा	मधम	८	विजयंति	शुभ	८	वलवानः शुभ	२३	सत वृषभ	
९	धनंजय	शुभ	९	जयंती	उत्तम	९	ब्रह्मा	२४	आतापवान	शुभ
१०	अर्थ सिद्धि	उत्तमोत्म	१०	अपराजित	उत्तमोत्म	१०	बहुसत्यः शुभ	२५	रुणवान	
११	अभीजाय	उत्तम	११	इच्छा	कनीष्ट	११	ईसान	२६	मोमे	
१२	अत्यंत सन	कनीष्ट	१२	समाहारा	कनीष्ट	१२	त्वष्टा	२७	वृषभ	
१३	सयंजप	उत्तमोत्म	१३	तेजा	मध्यम	१३	भवितात्माः शुभ	२८	सर्वार्थसिद्ध	
१४	अग्नीविसे	अशुभ	१४	अतितेजा	कनीष्ट	१४	वैश्रमण	२९	राक्षस	शुभ
१५	उपसम	मधम	१५	देवनांदानिरई	उत्तमोतम	१५	वारूण	३०		

|विक्रम सम्वत् १९७७ लौकीक । वीर सम्वत् २४४६ । जुगकामास ६२ । पांचवा अभिवर्धन सम्वत्सरका मास १३ । द्वितीय आषाढ़शुदी । लोकोत्तरमास नाम । वनविरोधा द्वितिय । रविउत्रायणे

वार ७	वार ६	वार ५	वार ४	वार ३	वार २	वार १	तिथि	घड़ी	भाग ६२	नक्षत्र चंद्र के साथ	घड़ी	भाग ६७	नक्षत्र	घड़ा भाग ६७	करण दिनके	घड़ी	भाग ६२	करण रात्री			दिनमानघ०	भाग ६२	ऋतु मास	सूर्य मास	जुगमास	चंद्रमा २ दिन ६७ माढे१८भागफसें । सूर्य के साथ नक्षत्र १ चन्द्रायन प्रमाण २ । पखी प्रमाण ३ । पोरसी छायाप्रमाण ४
र	शु	श	मं	शु	चं	वृ	१	१३	३४	पुष्य	६०	०			वव	१३	३४	वालव			३५	९	१७	१८	१८१७	२३ भा उः कर्केंदु । चन्द्रायन १३३ । चन्द्रदर्शनम्
						शु	२	१२	३६	अश्लेषा	३०	०			कोलव	१२	३६	स्त्री लोचन			३५	१३	१८	१९	१८१८	कर्केंदु
						श	३	११	३८	मघा	३०	०			गर	११	३८	विणिज			३५	१७	१९	२०	१८१९	४१॥ भाःउः सिंघेदु
						र	४	१०	४०	पुर्वाफा०	३०	०			वृष्टि	१०	४०	वव			३५	२१	२०	२१	१८२०	सिंघेदु
						चं	५	९	४२	उत्राफा०	६०	०			वालव	९	४२	कोलव			३५	२५	२१	२२	१८२१	६० भाःउः कन्येंदु ।
						मं	६	८	४४	हस्त	६०	०			स्त्रीलोचन	८	४४	गर			३५	२९	२२	२३	१८२२	कन्येंदु
						बु	७	७	४६	चित्रा	६०	०			विणिज	७	४६	वृष्टि			३५	३३	२३	२४	१८२३	कन्येंदु
						वृ	८	६	४८	स्वाती	३०	०			वव	६	४८	वालव			३५	३७	२४	२५	१८२४	११॥ भाःउः तुलेंदु
						शु	९	५	५०	विशाषा	६०	०			कोलव	५	५०	स्त्री लोचन			३५	४१	२५	२६	१८२५	तुलेंदु
						श	१०	४	५२	अनुराधा	६०	०			गर	४	५२	विणिज			३५	४५	२६	२७	१८२६	३० भाःउः वृश्चकेंदु । पुनर्वसुऽर्कें २४ घ उः पुष्पार्कें १३ दिन २४ घड़ी
						र	११	३	५४	ज्येष्टा	३०	०			वृष्टि	३	५४	वव			३५	४९	२७	२८	१८२७	वृश्चकेंदु
						चं	१२	२	५६	मूला	३०	०			वालव	२	५६	कोलव			३५	५३	२८	२९	१८२८	४८॥ भाःउः धनेंदु *पगपूर्ण छाया पोः
						मं	१३	१	५८	पूर्वाषाड़ा	३०	०			स्त्रीलोचन	१	५८	गर			३५	५७	२९	३०	१८२९	धनेंदु । पुर्वाषाड़ा समतरात्री का [उत्राषाड़ा।रात्रीका।पखी १२४।२*
न	मं	शु	चं	वृ	र	शु	१५	०	६०	उत्राषाड़ा	६०	०			विणिज वृष्टि	२६	३२	चर	२६	३२	३६	०	३०	३१	१८३०	धनेंदु । सूर्य मास ६० । ऋतुमास ६१ । नक्षत्रमास ६७ । चन्द्राय १३४

ज्ञानवृद्धि के १० नक्षत्रों के नाम	नाम रासी देखने का यंत्र	१३ नक्षत्र दिशा के श्रेष्ठ
मृगसिरा १आद्रा २ पुष्य ३ पुर्वा भाद्रपदा ४ पुर्वा फाल्गुणी ५ पुर्वाषाढा ६ मूला ७ अश्लेषा ८ हस्त ९ चित्रा १०	चु चे चो ला ली लु ले लो अ मेख, ई उ ए ओ वा वी वु वे वो. वृख,का की कु घ ङ छ के को हा मिथुन, ही हु हे हो डा डी डु डे डो. कर्क, मा मी मु मे मो टा टी टु टे सिंह, टो पा पी पु ष णा ठ पे पो कन्या, रा री रु रे रो ता ती तु ते तुला,तो नी नु ने ना या यी यु वृश्चक, ये यो भा भी भु धा फा ढा भे धन,भो जा जी जु जेजो खा खी खुखेखो गा गी मकर,गु गे गो सा सी सु से सो दा कुंभ,दि दु थ झ ञ दे दो चा ची मीन, इति उपयोगी समज के और जगा से लिखा गया है।	अभिज १ श्रावण २ अश्वनी ३ रोहिणी ४ मृगसिरा ५ पुष्य ६ रेवती ७ हस्त ८ अनुराधा ९ जेष्टा १० तीन उत्रा १३

दिननी तिथीना नामः
१ः ६-११-नंदाः २ः ७-१२ भद्राः ३-८ १३-जया ४-६-१४-तुच्छा ५ः १०-१५ पूर्णा

रात्रि की तिथीके नाम
१६-११-उमवती-२-७-१२—भोगवती-- ३-८-१३ जसवती-४-६-१४ सर्वसिधि ५-१०-१५ शुभ

कप घटे (कालक) का सघा मुहूर्त्त होया युग कि आदि में दिन उगते घसत पहलो महूर्त हुये फिर न मिले क्योंकि दिन घटने वढने के कारण

नाम-नक्षत्र देखने का यंत्र

चुचे चोला.	अश्विनी	डा डु डे डो.	अश्लेषा	ती तु ते तो.	विशाखा	गा गी गु गे.	धनेष्ठा
लीलु लेलो.	भरणी	मा मी मु मे.	मघा	ना नी नु ने.	अनुराधा	गो सा सी सु.	सतभिषा
आ ई उ ए.	कृतिका	मो टा टी टु.	पुर्वा फाः	नी या यी यु.	ज्येष्ठा	दु ज झ थ.	उत्रापाद्रपदा
ओवा वीवु	रोहिणी	टे टो पा पी	उतरा फा'	ये यो भा भी.	मूला	दे दो चा ची.	रेवती
वेवो काकी.	मृगसिर			भु धा फा ढा.	पूर्वापाढा		
कु घ ङ छ.	आर्द्रा	पु ष ण ढ.	हस्त	भे भो जा जी.	उत्रापाढा		
के को हा ही.	पुनर्वसु	पे पो रा री.	चित्रा	जु जे जो खा	अभीच		
हु हे होडा	पुष	रु रे रो ता.	स्वाती	खा खु खे खो.	श्रवण		

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निरंजनदास मगनलाल जैन लाहौर.

बड़ा दिन छत्तीस घड़ी रात बारां कम जान दुजा दिन दाक्षिणायण का उलट उत्तरायण मान ॥८॥
भाग एकसठ घड़ी एक के बारों चार घटत उलट बढे हर दिन विषे दिन दिन रात घटंत ॥९॥
इकसौ चौंतीस चन्द्र की पाचसाल की ऐन, अभिजित पुष्य नक्षत्र में बदले भाषत जैन ॥१०॥

अथ लौंद वर्णन ।

दोहा—पांच अभिवर्धन में पड़े दो चन्द्रके बाद, चौथाचन्द्र छोडके पडे आषाढ रख याद ॥११॥

जैन मास नाम ।

दोहा—श्रावण मास १ अभिनद है, २ प्रतिष्ठित भादों जान, ३ विजे ४ प्रतिवर्धन चतुर्थ ५ श्री यांस ६ शिवे ७ सिसराण ॥१२॥
८ हेमंत ९ वसंत नवमां समझ १० कुसुम संभव नाम ११ निदाहे १२ वण विरोधतक बारांमास तमांम ॥१३॥

चन्द्रमां और सूर्य के साथ नक्षत्र रहने का प्रमाण ।

दोहा—चार दिन बारां घड़ी सूर्यों का प्रमाण अभिजित आठारां घड़ी चवन भाग चन्द्र साथे जान ॥१४॥
सतभिषा भरणी आद्रा अश्लेषा स्वाति जान ६ खट दिन ४२ ब्याली जैषष्ठा चन्द्र अर्ध दिन ३० घड़ी प्रमाण ॥१५॥
आषाढ़ भद्रा फाल्गुणी उत्तरा रोहनी जान नव्वे विशाषा पूनर्वसु २० दिन ६ घड़ी विशके सूर्य मान ॥१६॥
कृतिका हस्त अनुराधा मूला चित्रा जान पन्द्रा नक्षत्र चन्द्र साथ साठ घड़ी प्रमाण ॥१७॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निरंजनदास रामलाल जैन लाहौर.

बड़ा दिन छतीस घड़ी रात बारां कम जान दुजा दिन दाक्षिणायण का उलट उत्तरायण मान ॥८॥

भाग एकसठ घड़ी एक के चारों चार घटत उलट बढे हर दिन विषे दिन दिन रात घटंत ॥६॥

इकसौ चौंतीस चन्द्र की पाचसाल की ऐन, अभिजित पुष्य नक्षत्र में बदले भाषत जैन ॥१०॥

अथ लौंद वर्णन ।

दोहा-पौष अभिवर्धन में पड़े दो चन्द्रके बाद, चौथाचन्द्र छोडके पडे आषाढ रख याद ॥११॥

जैन मास नाम ।

दोहा-श्रावण मास १ अभिनद है, २ प्रतिष्ठित भादों जान, ३ विजे ४ प्रतिवर्धन चतुर्थ ५ श्री यांत ६ शिवे ७ सिसराण ॥१२॥

८ हेमंत ६ वसंत नवमां समय १० कुसुम संभव नाम ११ निदाहे १२ वण विरोधतक बारांमास तमाम ॥१३॥

चन्द्रमां और सूर्य के साथ नक्षत्र रहने का प्रमाण ।

दोहा-चार दिन बारां घड़ी सूर्यों का प्रमाण अभिजित आठारां घड़ी चवन भाग चन्द्र साथे जान ॥१४॥

सतभिषां भरणी आद्रा अश्लेषा स्वाति जान ६ खट दिन ४२ ब्याली डेषगुग चन्द्र अर्ध दिन ३० घड़ी प्रमाण ॥१५॥

आषाढ़ भद्रत्र फाल्गुणी उत्तरा रोहनी जान नव्वे विशाषा पूनर्वसु २० दिन ६ घड़ी विशाछे सूर्य थान ॥६॥

क्रतिका हस्त अनुराधा मूला चित्रा जान पन्द्रा नक्षत्र चन्द्र साथ साठ घड़ी प्रमाण ॥१७॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

निरंजनदास गमनलाल जैन लाहौर.

१९७२ से २००७ पर्यंत चन्द्र सूर्य ग्रहण विक्रमां सम्वत तक लिखत हैं ॥

१९७२ मे	ग्रहण	नहीं	है	०		१९९१ श्रावण	सुदी	वार	बृस्पति	चन्द्र	
१९७३ में	ग्रहण	नहीं	है	०		१९९१ माघ	सुदी	वार	शनि	चन्द्र	
१९७४ श्रावण	सुदी	वार	बुध	चन्द्र ग्रहण		१९९२ पौष	सुदी	वार	बुध	चन्द्र	
१९७७ जेठ	सुदी	वार	रवि	चन्द्र		१९९३ आषाढ	वदी	वार	शुक्र	सुर्यग्रहण	
१९७७ कार्तिक	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		१९९३ आषाढ	सुदी	वार	शनि	चन्द्रग्रहण	
१९७८ कार्तिक	सुदी	वार	रवि	चन्द्र		१९९४ आसौर	सुदी	वार	चन्द्र	चन्द्रग्रहण	
१९७९ कार्तिक	वदी	वार	बृस्पति	सूर्यग्रहण		१९९६ वैशाख	सुदी	वार	बुध	चन्द्र	
१९८० फाल्गुण	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		१९९७ फाल्गुण	सुदी	वार	बुध	चन्द्र	
१९८१ भाद्रपद	सुदी	वार	बृस्पति	चन्द्र		१९९८ भाद्रपद	वदी	वार	शुक्र	सूर्य	
१९८१ फाल्गुण	सुदी	वार	रवि	चन्द्र		१९९८ भाद्रपद	सुदी	वार	शुक्र	चन्द्र	
१९८२ भाद्रपद	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		१९९८ माघ	सुदी	वार	रवि	चन्द्र	
१९८२ फाल्गुण	वदी	वार	शुक्र	सूर्य		२००० आषाढ	सुदी	वार	रवि	चन्द्र	
१९८४ जेठ	सुदी	वार	रवि	चन्द्रग्रहण	शाहद दिये या	२००१ श्रावण	वदी	वार	रवि	सूर्यग्रहण	
१९८५ मृगसिर	वदी	वार	चन्द्र	सूर्यग्रहण	[न दिप	२००२ प्रथम आषाढ	सुदी	वार	चंद्र	चंद्रग्रहण	
१९८६ जेष्ट	वदी	वार	बृस्पति	सूर्य		२००२ मृगसिर	सुदी	वार	बुध	चन्द्र	
१९८८ चैत्र	सुदी	वार	बृस्पति	चन्द्र		२००३ मृगसिर	सुदी	वार	रवि	चन्द्र	
१९८८ असौज	सुदी	वार	शनि	चन्द्र		२००४ जेष्ट	सुदी	वार	बुध	चन्द्र	
१९८८ चैत्र	सुदी	वार	मंगल	चन्द्र		२००५ वैशाख	वदी	वार	रवि	सूर्यग्रहण	
१९८९ आसौज	सुदी	वार	बुध	चन्द्र		२००७ चैत्र	सुदी	वार	रवि	चन्द्रग्रहण	
१९९० भाद्रपद	वदी	वार	चन्द्र	सूर्यग्रहण							

ज्ञान-दीपिका अर्थात् जैनोद्योत

तृतीयावृत्ति अति शुद्ध होकर जिसमें बहुत पाठ और भी संग्रह करके अधिक किया गया है।

सनातनसत्य जैनधर्मोपदेशिका बालब्रह्मचारिणी जैनाचार्य्याजी श्रीमती श्री १००८ महासती श्री पार्वती जी विरचित।

सब जैनी भाइयों को विदित हो कि दूसरी बार यह पुस्तक ज्ञान-दीपिका ५०० प्रति छपा था और हाथों हाथ विक्रय होगया था, अब दूर२ देशों से नित्य प्रति पत्र आते थे, इस कारण हमने तीसरी बार यत्न से टाईप के उत्तम मोटे अक्षरों में छपवाया है। इस कारण प्रत्येक जैनी भाई के चरणों में निवेदन है कि वह इस पुस्तक को अवश्यमेव अवलोकन करें और धनी पुरुषों के लिये यह बड़ा उत्तम समय है कि वुह इस प्रसिद्ध पुस्तक के दान से स्वजन्म सफल करें और प्रत्येक जैनपुस्तकालय में इस पुस्तक को रक्खें। कृपा करके पत्र भेजते समय अपना नाम, गांव, डाकखाना, ज़िला का पूरा पता लिखना चाहिये, जिन भाइयों के पास यह विज्ञापन पहुंचे कृपा करके वे अन्य जैनी भाइयों को भी दिखा देवें दाम इस पुस्तक का विलायती जिल्द सहित ।॥) महसूल डाक ≈) जो साहिब वैल्यूपेबल मगाना चाहें उनको शीघ्र भेज दिया जावेगा।

सत्यार्थ चन्द्रोदय जैन अर्थात् मिथ्यात्व तिमिरनाशक

इस पुस्तक में प्राचीन जैन धर्म्म (आत्माभ्यासी) ढूंढिये मतका यथोक्तरूप से सूत्रों द्वारा केवल सविस्तर वर्णन (मंडन) ही नहीं किया वरंच सूत्र प्रमाण, कथा उदाहरण तथा युक्ति आदि से सर्वसाधारण के हस्तामलक कराने में किंचिन्मात्री नहीं की वरंच निक्षेप मूर्ति भाव निक्षेप, मूर्ति पूजन निषेध, चैत्य शब्द वर्णन साधु साध्वीयों के शास्त्रोक्त आचरण वा लक्षण, वर्णन करने के अतिरिक्त प्रश्नोत्तरकी रीति पर पूर्ण रूप से श्वेताम्बराम्नाय, पीताम्बरधारियों के नवीन मार्ग का मूल सूत्रों, माननीय जैन ऋषियों के मन्तव्यों तथा प्रबल युक्तियों से खंडन किया है और युक्तियें भी ऐसी प्रबल दी हैं कि जिनको जैन धर्मारूढ़ नवीन-मतावलंबियों के सिवाय अन्य सांप्रदायिक भी खंडन नहीं कर सकते वरंच बड़े २ विद्वानों ने भी श्लाघा की है इस पुस्तकमें विशेष करके श्रीआत्माराम आनन्द विजय संवेगी-कृत जैन मार्ग प्रदर्शक नवीन कपोल कल्पित ग्रन्थों की पूर्ण आंदोलना की है, अब हमारी सविनय प्रार्थना है कि जैनी भाई और अन्य मतावलम्बी इसको अवश्य पढ़ें और सत्य असत्य का आप ही निर्णय करलें यह पुस्तक मुम्बई के टाइप में बहुत मोटे कागज और सुन्दर अक्षरों में छप करके त्यार हुआ है और विलायती कपड़े की जिल्द बंधाई गई है इस पुस्तक की पृष्ठ संख्या २२८ है दाम इसका लागतके भाव से ही ।॥) रक्खा गया है ताकि अल्प धनी भाईभी खरीद कर लाभ उठावें॥

सम्यक्त्वसूर्योदयजैन अर्थात मिथ्यात्व तिमिर नाशक

जिसको

जैनाचार्य्या श्री १००८ श्री पार्वती जी महाराज ने बनाया।

यह ग्रन्थ आद्योपान्त विचार पूर्वक निष्पक्षपात दृष्टि से अवलोकन करने वाले श्रेष्ठ पुरुषों को मिथ्या भ्रम रूप रोग के विनाश करने के लिये औषधरूप उपकारी होगा इस ग्रन्थ में ईश्वर को कर्त्ता अकर्त्ता मानने के विषय में १५ प्रश्नोत्तर हैं जिनमें ईश्वर को कर्त्ता मानने में चार दोष दिखाये गये हैं, और कर्म को कर्त्ता मानने के विषय में पदार्थ ज्ञान अर्थात् जीव का और पुरुष का स्वरूप युक्तियों से सिद्ध किया गया है और जो वेदानुयायी पण्डित ब्राह्मण वैष्णव आदि हैं वह तो आवागमन से रहित होने को मोक्ष मानते हैं परन्तु जो नवीन वेदानुयायी 'दयानन्दी' वर्ग है वह मोक्ष को भी आवागमन में दाखिल करते हैं इस विषय का भी यथा मति युक्तियों द्वारा खंडन किया गया है इसके अतिरिक्त वेदान्ती अद्वैतवादी नास्तिकों के विषय में २० प्रश्नोत्तर हैं जिनमें उन्हीं के ग्रन्थानुसार द्वैतभाव और आस्तिकता सिद्ध की गई है॥

यह पुस्तक अत्युत्तम मोटे अक्षरों में छपा हुआ है। जिल्द अति सुन्दर है मूल्य १) रु०

ठिकाना पुस्तक मिलने का—

मेहरचन्द लक्ष्मणदास श्रावक,

सैदमिट्ठा बाजार लाहौर।